आईएसपीआरएल
ISPRL

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2021-2022

इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड
Indian Strategic Petroleum Reserves Limited
(ओ.आई.डी.बी. की पूर्ण स्वामित्व की सहायक कम्पनी)
(A wholly owned subsidiary of OIDB)
पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Petroleum & Natural Gas, Govt. of India

आईएसपीआरएल
ISPRL

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2021-22

विषय सूची / CONTENTS

क्रं.स. / No.	विषय / SUBJECT	पृष्ठ संख्या / PAGE NO.
1.	निदेशक मंडल Board of Directors	03 88
2.	निदेशकों की रिपोर्ट Director's Report	05 90
3.	स्वतंत्र लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट Independent Auditor's Report	23 108
4.	भारत के नियंत्रक एवं महालेखा–परीक्षक की टिप्पणियां Comments of Comptroller & Auditor General of India (C&AG)	35 128
5.	सचिवालयीन लेखा–परीक्षा रिपोर्ट Secretarial Audit Report	43 129
6.	वार्षिक लेखे 2021-22 Annual Accounts 2021-22	49 135
7.	कॉर्पोरेट सूचना और महत्वपूर्ण लेखा नीतियां Corporate Information & Significant Accounting Policies	79 165

निदेशक मंडल

श्री पंकज जैन	अध्यक्ष	(20.01.2022 से)
श्री तरूण कपूर	अध्यक्ष	(30.11.2021 तक)
श्री गुड्डे श्रीनिवास	निदेशक	(03.11.2021 से)
श्री राजेश अग्रवाल	निदेशक	(23.09.2021 तक)
डॉ. एन. एम. कोठारी	निदेशक	(03.11.2021 से)
श्री निरंजन कुमार सिंह	निदेशक	(14.10.2021 से)
सुश्री ईशा श्रीवास्तव	निदेशक	(22.12.2021 से)
श्री बी. एन. रेड्डी	निदेशक	(15.09.2021 तक)
सुश्री इंद्राणी कौशल	निदेशक	(24.09.2021 तक)
श्री एच.पी.एस. आहुजा	मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक	(02.06.2017 से)

मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक
श्री एच.पी.एस. आहुजा

कंपनी सचिव
श्री अरुण तलवार

सांविधिक लेखा परीक्षक
प्रसाद आजाद एडं कम्पनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

सचिवीय लेखा परीक्षक
पीजी एवं एसोसिएट्स
कंपनी सचिव

बैंकर्स
यूनियन बैक ऑफ इंडिया
एम–41, कनॉट सर्कस,
नई दिल्ली–110 001

पंजीकृत कार्यालय
301, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, तृतीय तल, बाबर रोड,
नई दिल्ली–110 001
फोन : 011–23412278

प्रशासनिक कार्यालय
ओ.आई.डी.बी. भवन, प्लॉट न. 2, तीसरी मंजिल, सैक्टर – 73, नोएडा–201301, उ.प्र.
फोन न. : 91–120–2594661, फैक्स नं. : 91–120–2594643
वेबसाईट : www.isprlindia.com
ई–मेल : isprl@isprlindia.com

विशाखापट्टनम् परियोजना कार्यालय
लोवागार्डन, एचएसएल फैब्रिकेशन यार्ड के पीछे,
गाँधीग्राम पोस्ट, विशाखापट्टनम्–530 005

मंगलौर परियोजना कार्यालय
चन्द्राहास नगर, कलावर पोस्ट, वाया बाजपे
मंगलूरू–574142

पादुर परियोजना कार्यालय
पीओ : पादुर, वाया कापू, जनपद उडुपी–574 106, कर्नाटक

निदेशकों की रिपोर्ट

सेवा में,

शेयरधारकगण,

इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड

आपकी कंपनी का निदेशक मंडल लेखा परीक्षित का लेखा विवरण और उस पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के साथ 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए कंपनी के कार्यकरण के संबंध में 18वीं वार्षिक रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत कर रहा है।

वित्तीय परिणाम

31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए आपकी कंपनी के वित्तीय परिणामों की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं :

क्र. सं.	विवरण		₹ लाख में
		31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021
1	सकल अचल परिसंपत्तियां (मूर्त एवं अमूर्त)	373669.45	373685.45
	घटाएं : संचित मूल्यह्रास	48572.24	38575.39
	निवल अचल परिसंपत्तियां	**325097.21**	**335110.06**
2	कुल गैर वर्तमान परिसंपत्तियां	37107.95	19342.01
3	कुल वर्तमान परिसंपत्तियां	10310.29	11834.63
	कुल परिसंपत्तियां	**372515.45**	**366286.70**
4	संचित हानियों सहित कुल इक्विटी	325538.41	334051.81
5	कुल गैर वर्तमान देयताएं	582.87	562.12
6	कुल वर्तमान देयताएं	46394.17	31672.77
	कुल देयताएं	**372515.45**	**366286.70**
	लाभ और हानि खाते की मदें		
1	कुल आय	896.47	860.88
2	मूल्यह्रास सहित कुल व्यय	10827.80	10650.38
	अवधि के लिए शुद्ध हानि (1) – (2)	**-9931.33**	**-9789.50**
	चरण II (प्राप्तियां और व्यय)		
1	चरण II परियोजना के लिए वर्ष के दौरान प्राप्त कुल अनुदान (शुद्ध आधार पर) भूमि के लिए अग्रिम सहित	11987.24	10051.30
2	चरण II के तहत वर्ष के दौरान किया गया कुल व्यय देय के प्रावधानों सहित	835.99	10586.53

कार्य–निष्पादन समीक्षा

ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, भारत सरकार ने एक विशेष प्रयोजन विहिकल (एसपीवी) के माध्यम से 5.33 एमएमटी के स्ट्रेटेजिक क्रूड ऑयल के भंडार का निर्माण करने का निर्णय लिया था। एसपीवी इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड (आईएसपीआरएल) शुरू में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की एक सहायक कंपनी थी, जो 09.05.2006 से तेल उद्योग विकास बोर्ड (ओआईडीबी) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बन गई।

भूमिगत स्ट्रेटेजिक कैवर्न का दृश्य

कैवर्न क्षेत्र में जमीन के ऊपर सुविधाओं का दृश्य

ओएसडी (आईसी), एमओपीएनजी द्वारा मैंगलोर साइट पर वृक्षारोपण

आईएसपीआरएल चरण – I

एसपीआर कार्यक्रम के चरण–I के तहत, आईएसपीआरएल ने आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम (1.33 एमएमटी) और कर्नाटक में मैंगलोर (1.5 एमएमटी) एवं पादुर (2.5 एमएमटी) में तीन स्थानों पर 5.33 एमएमटी क्षमता के साथ भूमिगत रॉक कैवर्नों में कच्चे तेल का निर्माण एवं भरने का काम पूरा किया, जो कि 2019–20 की राष्ट्रीय मांग के 9.5 दिनों के बराबर है। वर्तमान में, भारत में कच्चे तेल एवं पेट्रोलियम उत्पादों के अनुमानित भंडार, निजी और सार्वजनिक दोनों कंपनियों द्वारा संग्रहीत हैं, जिनमें एसपीआर कार्यक्रम के चरण–I के तहत बनाए गए भंडार भी शामिल है, राष्ट्रीय शुद्ध आयात के 74 दिन के बराबर शामिल हैं।

तीनों सुविधाओं अर्थात विशाखापत्तनम, मैंगलोर एवं पादुर को क्रमशः जून, 2015, अक्टूबर, 2016 और दिसंबर, 2018 में चालू किया गया है। इन तीनों सुविधाओं को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा 10 फरवरी, 2019 को राष्ट्र को समर्पित किया गया था।

आईएसपीआरएल क्रूड को पहली बार अगस्त 2019 में आईएसपीआरएल मैंगलोर कैवर्न से मैंगलोर रिफाइनरी एवं पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) के लिए जारी किया गया था। इसके बाद अक्टूबर, 2019 में पादुर सुविधा से भी कच्चा तेल एमआरपीएल को जारी किया गया था।

स्ट्रेटेजिक क्रूड ऑयल की निकासी/बिक्री सचिव, एमओपीएंडएनजी की अध्यक्षता में एक अंतर–मंत्रालीय आधिकार प्राप्त समिति के माध्यम से की जाती है, जिसमें सचिव, व्यय विभाग, एमओएफ; सचिव; गृह; सचिव, योजना आयोग; सचिव, रक्षा; सचिव, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद; जहाजरानी मंत्रालय के सचिव सदस्य रूप में शामिल हैं।

30 प्रतिशत तक पट्टे/किराए पर लेने और 20 प्रतिशत तक क्षमता के कच्चे तेल की बिक्री/खरीद के माध्यम से वाणिज्यिक स्टॉक की निकासी को समय–समय पर आईएसपीआरएल बोर्ड द्वारा निर्धारित निदेशकों की एक समिति द्वारा नियंत्रित किया जाता है जिसमें आईएसपीआरएल के निदेशक शामिल होते हैं। कच्चे तेल के भंडारण के 50 प्रतिशत के रणनीतिक हिस्से में स्टॉक जारी करने का अधिकार अंतर–मंत्रालयी अधिकार प्राप्त समिति के पास होगा।

नवंबर, 2021 में एडीआईपीईसी में आईएसपीआरएल प्रतिनिधिमंडल

कोविड–19 महामारी जिसने दुनिया को जकड़ लिया और वैश्विक स्तर पर लॉकडाउन ने प्रभावित किया, दुनिया भर में कच्चे तेल की मांग को प्रभावित किया और भारत कोई अपवाद नहीं था। पेट्रोलियम उत्पादों की मांग में भारी कमी के परिणाम स्वरूप, रिफाइनरियों ने न्यूनतम क्षमता पर काम किया। इस कारण कच्चे तेल की आपूर्ति में वृद्धि हुई, जिसके परिणाम स्वरूप मांग आपूर्ति असंतुलन हुआ जिससे दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखी गई। मौजूदा कम कच्चे तेल की कीमतों का लाभ उठाने के लिए भारत सरकार ने स्ट्रेटेजिक रिजर्व्स को प्राथमिकता के आधार पर भरने का निर्णय लिया।

श्री सुनील कुमार जेएस (रिफाइनरीज), एमओपीएनजी ने मैंगलोर कैवर्न का दौरा किया

वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का लाभ उठाने के लिए, भारत सरकार ने वर्ष 2020–21 के दौरान चरण –I में एसपीआर भरने के लिए 3,000 करोड़ रुपये आवंटित किए।

एमओपीएनजी ने तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीएस), बीपीसीएल, आईओसीएल, एचपीसीएल और एमआरपीएल को एसपीआर में क्रूड भरने की सलाह दी। मैंगलोर एवं पादुर के लिए लगभग 16.37 मिलियन बैरल और विशाखापत्तनम के लिए 0.34 मिलियन बैरल कच्चा तेल भरने के लिए कुल 16.71 मिलियन बैरल की खरीद की गई थी। सभी तीन स्थानों पर रणनीतिक भंडार अप्रैल एवं मई, 2020 के दौरान पूरी तरह से और अक्टूबर 2020 में एक छोटी मात्रा में भरे गए थे।

जनवरी 2020 में वर्ष की शुरुआत में प्रचलित US$60 प्रति बैरल की तुलना में खरीद की औसत लागत 19$ / बैरल थी। इसके परिणामस्वरूप सरकार को भारत की 5069 करोड़ रुपये (US$685.11 मिलियन) की राशि बचत हुई।

विशाखापत्तनम साइट पर कोविड टीकाकरण अभियान

साइट पर रक्तदान शिविर

आईएसपीआरएल प्रधान कार्यालय में विशाखापत्तनम के क्रूड ऑयल कैवर्न मॉडल के साथ ओआईडीबी, सचिव

आईएसपीआरएल मैंगलोर में डीसीएमपी ड्रिल

एडनोक के साथ समझौता

एडनोक और आईएसपीआरएल के बीच 10 फरवरी, 2018 को एक समझौते पर हस्ताक्षर किया गया था, जिसमें एडनोक को मैंगलोर में एक कम्पार्टमेंट का उपयोग करने की अनुमति दी गई। समझौते के अनुसार, एडनोक ने आईएसपीआरएल के मैंगलोर कैवर्न में लगभग 5.8 मिलियन बैरल कच्चा तेल संग्रहित किया। एडनोक इस तेल के एक हिस्से का उपयोग भारत में अपने ग्राहकों को वाणिज्यिक आपूर्ति के रूप में कर सकता है, जबकि शेष प्राकृतिक आपदा या भू–राजनीतिक कारकों के कारण आपूर्ति में व्यवधान जैसी आपात स्थितियों को पूरा करने के लिए जारी किए जाने वाले स्ट्रेटेजिक रिजर्व्स के रूप में रहेगा। मैंगलोर सुविधा में 0.75 एमएमटी प्रत्येक के दो कम्पार्टमेंट हैं। इनमें से एक कंपार्टमेंट अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडनोक) को दिया गया है।

एडनोक मॉडल :

आईएसपीआरएल के मौजूदा सामरिक पेट्रोलियम भंडार की व्यावसायिक व्यवहार्यता को बढ़ाने के लिए, भारत सरकार ने अक्टूबर 2020 में 'एडनोक मॉडल' के संशोधन को मंजूरी दी, जिसमें कैवर्न को 50:50 के आधार पर यानी 50 प्रतिशत रणनीतिक और 50 प्रतिशत वाणिज्यिक, वर्तमान में लागू 65:35 के बदले पेश की जा सकती है। इस संबंध में एक पत्र दिनांक 24.02.2022 को हस्ताक्षरित किया गया।

आईएसपीआरएल सुविधाओं का वाणिज्यिक उपयोग

एडनोक के अनुरोध पर, आईएसपीआरएल ने पहली वाणिज्यिक खेप को सफलतापूर्वक आईएसपीआरएल और एडनोक के बीच समझौते की शर्तों के अनुसार 11–13 दिसंबर 2019 को एचपीसीएल, विशाखापत्तनम को दास ग्रेड कच्चे तेल का लगभग 8,68,000 बैरल लोड किया, इसके बाद एडनोक ने एसपीआर से एमआरपीएल और बीपीसीएल को कच्चे तेल की बिक्री की और अनुबंध की शर्तों के अनुसार इसकी भरपाई की।

व्यावसायीकरण : एमआरपीएल और एचपीसीएल द्वारा आईएसपीआरएल से क्रूड उत्थान

मंत्रिमंडल ने 8 जुलाई, 2021 को स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व (एसपीआर) के चरण–I के तहत बनाए गए पेट्रोलियम रिजर्व के हिस्से का व्यावसायीकरण संचालन के लिए उपयोग करने के प्रस्तावों पर विचार किया और मंजूरी दी, जिसके माध्यम से निम्नलिखित मंजूरी दी है :–

- आईएसपीआरएल को आईएसपीआरएल के चरण–I के तहत कैवर्न में संग्रहीत कच्चे तेल के साथ निम्नलिखित व्यवसायिक गतिविधियों को करने की अनुमति देकर आईएसपीआरएल का व्यावसायीकरण किया गया है।
- कैवर्न की सभी तेल भंडारण क्षमता का 30 प्रतिशत भारतीय या विदेशी कंपनियों को इस शर्त के साथ पट्टे/किराए पर देना है कि किसी भी आपात स्थिति में कैवर्न्स में कच्चे तेल के संपूर्ण भंडारण पर पहला अधिकार भारत सरकार का होगा।
- सभी तेल भंडारण क्षमता का 20 प्रतिशत कच्चे तेल की बिक्री/खरीद भारतीय कंपनियों को होगी।

आईएसपीआरएल ने अगस्त 2021 से राज्य द्वारा संचालित रिफाइनर एचपीसीएल एवं एमआरपीएल को क्रूड जारी करना शुरू कर दिया है। अगस्त, 2021 से फरवरी, 2022 तक जारी कुल मात्रा है :–

आईएसपीआरएल मैंगलोर से एमआरपीएल को – **0.75 एमएमटी**

आईएसपीआरएल विशाखापत्तनम से एचपीसीएल को – **0.43 एमएमटी**

इस प्रकार एचपीसीएल और एमआरपीएल को कच्चा तेल बेचने/जारी करने से कच्चे तेल की खरीद की लागत पर भारत सरकार को 3319 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है। आईएसपीआरएल ने कच्चे तेल की बिक्री से प्राप्त राजस्व के रूप में भारत सरकार के भारत कोष खाते में आईएनआर 4900.60 करोड़ की राशि जमा की।

स्ट्रेटेजिक कच्चे तेल के कैवर्न का आंशिक व्यावसायीकरण आईएसपीआरएल के कैवर्न में कच्चे तेल की निश्चित मात्रा के साथ मुख्य महत्वपूर्ण भंडार बनाए रखने और सीमित व्यावसायिक गतिविधियों को करने के मुख्य उद्देश्य के बीच संतुलन सुनिश्चित करेगा।

आईएसपीआरएल चरण – II

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 27 जून, 2018 को दो एसपीआर के लिए समर्पित एसपीएम सहित ओडिशा के चांदीखोल (4 एमएमटी) और कर्नाटक के पादुर (2.5 एमएमटी) में दो स्थानों पर 6.5 एमएमटी स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स स्थापित करने के लिए ''सैद्धांतिक रूप से'' मंजूरी दी। भारत सरकार के बजटीय समर्थन को कम करने के लिए पीपीपी मॉडल के तहत परियोजना को लेने के लिए 'सैद्धांतिक मंजूरी है।

चरण–II में परिकल्पित 6.5 एमएमटी भंडारण पूरा होने पर ,12 दिनों की अतिरिक्त कच्चे तेल की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, अतिरिक्त भंडारण क्षमता सृजित की जाएगी। इस प्रकार, कुल कवर लगभग 21 दिनों का होगा।

8 जुलाई 2021 को, कैबिनेट सचिवालय ने चांदीखोल, ओडिशा (4 एमएमटी) और पादुर II कर्नाटक (2.5 एमएमटी) में द्वितीय चरण के तहत वाणिज्यिक सह स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स के विकास और डिजाइन पर समर्पित एसपीएम और संबंधित पाइपलाइनों के लिए पीपीपी मोड के तहत निर्मित, वित्त, संचालन एवं हस्तांतरण (डीबीएफओटी) आधार पर अपनी मंजूरी दे दी है। वित्त वर्ष 2019–20 के उपभोग के आंकड़ों के अनुसार इससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा में 12 दिनों की वृद्धि होने की उम्मीद है।

चरण–II के लिए दोनों स्थानों पर, आईएसपीआरएल भारत सरकार से बजटीय सहायता के माध्यम से भूमि का अधिग्रहण करेगा और एक बार भूमि अधिग्रहण हो जाने के बाद, इसे एकल चरण की बोली के माध्यम से सफल बोली लगाने वाले को सौंप दिया जाएगा। रियायतग्राही कच्चे तेल का निर्माण करेगा, उसे भरेगा और संचालित करेगा।

दोनों स्थानों अर्थात चंडीखोल, ओडिशा और पादुर–II, कर्नाटक के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया प्रगति पर है।

पुरस्कार एवं मान्यताएँ

लीडिंग डायरेक्टर अवार्ड 2021 के विजेता

राजभाषा नीति को लागू करने में सराहनीय प्रदर्शन के लिए प्रथम पुरस्कार
गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा

कॉरपोरेट गवर्नेंस कॉन्क्लेव और अवार्ड्स 2021 द्वारा कॉर्पोरेट गवर्नेंस में उत्कृष्टता के लिए विजेता

लाभांश

आपका निदेशक मंडल 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए किसी लाभांश की सिफारिश नहीं करता है।

आरक्षित को अंतरण

वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान हुए घाटे को 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए कंपनी के रिजर्व्स में अंतरित कर दिया गया है।

सार्वजनिक जमा

31 मार्च, 2022 की स्थिति के अनुसार, आपकी कंपनी ने आम जनता से कोई सावधि जमा आमंत्रित, स्वीकृत या नवीनीकृत नहीं किया है और तदानुसार उसके संबंध में कोई मूलधन या ब्याज बकाया नहीं है।

लेखा परीक्षा समिति

बोर्ड ने लेखा–परीक्षा समिति का गठन किया है। 31 मार्च, 2022 की स्थिति के अनुसार, लेखा परीक्षा समिति में निम्नलिखित निदेशक शामिल थे :

1. श्री गुडे श्रीनिवास : अध्यक्ष
   अति. सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय / निदेशक, आईएसपीआरएल
2. सुश्री ईशा श्रीवास्तव, ओएसडी (आईसी) पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय / निदेशक, आईएसपीआरएल : सदस्य
3. श्री एच. पी. एस. आहुजा : सदस्य
   मु. का. अ. एवं प्रबंध निदेशक, आईएसपीआरएल

प्रत्येक निदेशक द्वारा भाग ली गई बैठकों की संख्या दर्शाते हुए वित्त वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या और तिथियां **अनुबंध–क** में दी गई हैं।

कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) समिति

कंपनी की एक सीएसआर नीति है जो कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। कंपनी ने वर्ष के दौरान सीएसआर गतिविधियों पर कोई पैसा खर्च नहीं किया है क्योंकि कंपनी ने पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान कोई लाभ नहीं कमाया है।

सीएसआर समिति में 31 मार्च 2022 तक निम्नलिखित निदेशक शामिल थे :

1. सुश्री ईशा श्रीवास्तव, ओएसडी (आईसी) पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय / निदेशक, आईएसपीआरएल : अध्यक्षा
2. श्री एच पी एस आहुजा : सदस्य
   मु. का. अ. एवं प्रबंध निदेशक, आईएसपीआरएल

प्रत्येक निदेशक द्वारा भाग ली गई बैठकों की संख्या दर्शाते हुए वित्त वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या और तिथियां **अनुबंध–क** में दी गई हैं।

वार्षिक रिटर्न का निष्कर्ष

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 92(3) और धारा 134(3)(ए) के अनुसार, कंपनी ने 31 मार्च, 2022 तक के वार्षिक रिटर्न की एक प्रति अपनी वेबसाइट पर रखी है। https://isprlindia.com/downloads/Extract-of-Annual-Return.pdf.

बोर्ड की बैठकें

वित्त वर्ष 2021–22 में कंपनी के निदेशक मंडल की पांच बैठकें हुईं जिसका विवरण नीचे दिया गया है :

1) 23 जुलाई, 2021

2) 02 अगस्त, 2021

3) 15 सितंम्बर, 2021

4) 23 नवम्बर, 2021

5) 16 मार्च, 2022

प्रत्येक निदेशक द्वारा भाग ली गई बैठकों की संख्या दर्शाते हुए वित्त वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या और तिथियां **अनुबंध–क** में दी गई हैं।

व्यवसाय के स्वरूप में परिवर्तन

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, भारत सरकार (GOI) ने जुलाई 2021 में कैबिनेट सचिवालय, भारत सरकार ने आईएसपीआरएल को एसपीआर कार्यक्रम के चरण– I के तहत कैवर्न में संग्रहीत कच्चे तेल के साथ निम्नलिखित व्यावसायिक गतिविधियों को करने की अनुमति दी है :–

1. कैवर्न की कुल तेल भंडारण क्षमता का 30% भारतीय या विदेशी कंपनियों को इस शर्त के साथ पट्टे/किराए पर देना कि किसी भी अत्यावश्यकता की स्थिति में, कैवर्न में संग्रहीत पूरे कच्चे तेल पर भारत सरकार का पहला अधिकार होगा।
2. भारतीय कंपनियों को आईएसपीआरएल कैवर्न में भंडारित कुल कच्चे तेल की मात्रा का 20% तक की बिक्री/खरीद करना।

कर्मचारियों का विवरण

कंपनी में ऐसा कोई भी कर्मचारी नहीं है, जिसके संबंध में कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियमावली, 2014 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के तहत विवरण प्रस्तुत करने की आवश्यकता है।

स्वतंत्र निदेशकों द्वारा घोषणा

वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान कंपनी के बोर्ड में कोई स्वतंत्र निदेशक नहीं थे।

जोखिम प्रबंधन

कंपनी की निरंतर सफलता के लिए प्रभावी जोखिम प्रबंधन महत्वपूर्ण है। कंपनी के प्रचालनों से जुड़े जोखिम की पहचान करने और जोखिमों को कम करने के लिए उपयुक्त सुधारात्मक कदम उठाने के लिए कंपनी के पास जोखिम प्रबंधन नीति है। कंपनी से जुड़े प्रमुख जोखिम कच्चे तेल की प्राप्ति और भंडारण एवं वितरण से संबंधित हैं। मानक प्रचालन प्रक्रियाएं और पर्याप्त बीमा कवर अपनाकर इन जोखिमों को कम किया जाता है।

शेयर पूंजी

वर्ष के दौरान, कंपनी ने रुपये 1,41,80,000 इक्विटी शेयर 10/– प्रत्येक तेल उद्योग विकास बोर्ड को जारी किए हैं।

प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान पूर्णकालिक प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक निम्नलिखित थे :

क) मु. का. अ. एवं प्रबंध निदेशक – श्री एच. पी. एस. आहुजा (01.06.2022 तक)

ख) मुख्य वित्त अधिकारी – श्री गोपेश्वर कुमार सिंह

ग) कंपनी सचिव – श्री अरुण तलवार

पारिश्रमिक

आईएसपीआरएल के बोर्ड के सभी निदेशक मु.का.अ. एवं प्रबंध निदेशक को छोड़कर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपी एंड एनजी) द्वारा नामित पदेन निदेशक हैं। मु.का.अ. एवं प्रबंध निदेशक की नियुक्ति आईएसपीआरएल बोर्ड द्वारा की जाती है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा नामित पदेन निदेशक को कोई पारिश्रमिक नहीं दिया जाता है। कंपनी के अन्य अधिकारी तेल क्षेत्र के पीएसयू से प्रतिनियुक्ति पर हैं और अन्य नियमित कर्मचारी तेल उद्योग विकास बोर्ड के वेतनमान पर कार्यरत हैं। मु.का.अ. एवं प्रबंध निदेशक जो ओएनजीसी से प्रतिनियुक्ति पर थे, 31 अक्टूबर 2019 को ओएनजीसी से सेवानिवृत्त हुए और बोर्ड द्वारा अनुमोदित नियम एवं शर्तों पर मु.का.अ. एवं प्रबंध निदेशक के रूप में आईएसपीआरएल के साथ बने रहे। श्री एचपीएस आहुजा 01.06.2022 को मु.का.अ. एवं प्रबंध निदेशक, आईएसपीआरएल के पद से सेवानिवृत्त हुए।

वित्तीय वर्ष के अंत एवं रिपोर्ट की तारीख के बीच वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले भौतिक परिवर्तन एवं प्रतिबद्धताएं

बैलेंस शीट से संबंधित कंपनी के वित्तीय वर्ष एवं रिपोर्ट की तारीख की समाप्ति के बाद किसी प्रकार का भौतिक परिवर्तन नहीं हुआ है।

नियामकों या अदालतों या न्यायाधिकरणों द्वारा पारित किए गए महत्वपूर्ण एवं भौतिक आदेशों का व्यौरा कंपनी की चालू स्थिति और भविष्य में कंपनी के संचालन को प्रभावित करता है

नियामकों या न्यायालयों या अधिकरणों द्वारा ऐसा कोई महत्वपूर्ण एवं भौतिक आदेश पारित नहीं किया गया जिनसे भविष्य में सतत प्रतिष्ठान स्तर और कंपनी के प्रचालन प्रभावित होंगे।

सहायक / संयुक्त उद्यम / सहयोगी कंपनियां

कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के तहत कंपनी के पास कोई सहायक / संयुक्त उद्यम / सहयोगी कंपनी नहीं है।

लागत लेखा–परीक्षा

अधिनियम की धारा 148 के संदर्भ में, कंपनी को किसी लागत लेखाकार से लागत के अपने रिकॉर्डों की लेखा–परीक्षा कराने की आवश्यकता नहीं है।

लेखा परीक्षक

<u>वैधानिक लेखा परीक्षा</u> :

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएंडएजी) ने मैसर्स प्रसाद आजाद एंड कंपनी (डीई0029), 1207, सूर्य किरण बिल्डिंग, 19, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली–110001 को कंपनी के वैधानिक लेखापरीक्षक के रूप में नियुक्त किया है, जिन्होंने 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के खातों पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है **(अनुबंध–बी)**। शेयरधारकों को अपनी रिपोर्ट में सांविधिक लेखापरीक्षकों की टिप्पणियां और उस पर प्रबंधन का उत्तर **अनुबंध–सी** के रूप में संलग्न है।

31 मार्च, 2022 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के वित्तीय विवरणों के कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (6) (ए) के तहत सीएडंएजी द्वारा पूरक लेखापरीक्षा की गई। वित्तीय विवरणों पर सीएडंएजी की कोई महत्वपूर्ण टिप्पणी नहीं है **(अनुलग्नक–डी)**।

सचिवालयीन लेखा–परीक्षा :

वर्ष के दौरान, कंपनी के बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए मैसर्स पीजी एंड एसोसिएट्स, कंपनी सचिव, 106, महागुन मॉर्फियस, ई–4, सेक्टर–50, नोएडा–201301, उत्तर प्रदेश को कंपनी के सचिवीय लेखा परीक्षकों के रूप में नियुक्त किया था। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 के प्रावधान एवं नियमों के तहत सचिवीय ऑडिट और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत सचिवीय लेखापरीक्षकों द्वारा दी गई रिपोर्ट इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है **(अनुलग्नक–ई)।** शेयरधारकों को लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में कोई योग्यता नहीं है।

ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी समावेश, अनुसंधान एवं विकास तथा निर्यात और विदेशी मुद्रा अर्जन तथा व्यय

कंपनी ने विशाखापट्टनम, मैंगलोर एवं पादुर कैवर्न को चालू कर दिया है। ऊर्जा संरक्षण एवं प्रौद्योगिकी समावेश के संबंध में प्रकाशित करने के लिए कंपनी के पास कोई सूचना नहीं है।

कंपनी को वर्ष के दौरान कोई विदेशी मुद्रा अर्जित नहीं हुई है। हालांकि, समीक्षाधीन अवधि के दौरान इसने अपनी व्यावसायिक गतिविधियों के लिए कुल ₹ 36.91 लाख की विदेशी मुद्रा का उपयोग किया है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण

कंपनी के पास समीक्षाधीन अवधि के दौरान वित्तीय विवरणों के संदर्भ में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण हैं।

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के प्रति कंपनी जीरो टॉलरेंस रखती है। कंपनी कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के निषेध एवं रोकथाम को सुनिश्चित करती है और इससे जुड़े मामलों या प्रासंगिक मामलों में 'कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 में निहित सभी पहलुओं को शामिल किया गया है। कंपनी ने उक्त अधिनियम के तहत आंतरिक शिकायत समिति के गठन से संबंधित प्रावधानों का अनुपालन किया है, समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, कंपनी को उक्त अधिनियम के तहत कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई।

बोर्ड का मूल्यांकन

आईएसपीआरएल के बोर्ड द्वारा अनुमोदित बोर्ड प्रदर्शन मूल्यांकन नीति के अनुसार बोर्ड, इसकी समितियों और व्यक्तिगत निदेशकों के प्रदर्शन का औपचारिक वार्षिक मूल्यांकन किया गया है।

लेखा परीक्षकों द्वारा धोखाधड़ी की रिपोर्टिंग

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(12) के तहत लेखा परीक्षकों द्वारा धोखाधड़ी की कोई घटना सूचित नहीं की गई है।

धारा 186 के तहत ऋणों, गारंटियों या निवेशों का विवरण

वर्ष 2021–22 के दौरान आईएसपीआरएल द्वारा कोई ऋण नहीं दिया गया या निवेश नहीं किया गया। कंपनी ने वाणिज्यिक कर कार्यालय से केएसटी/सीएसटी पंजीकरण प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए एसीसीटी,

एलजीएसटीओ–260 (जीएसटी प्राधिकरण) के पक्ष में 50,000/– रुपये की बीजी दी है। कंपनी द्वारा गिरवी रखे गए रुपये 50,000/– की एफडी के बदले में बीजी दी गई थी।

कंपनी ने पत्थर खदानों के अनुबंध से संबंधित वित्तीय आश्वासन के लिए उप निदेशक, डीएमजी, मैंगलोर के पक्ष में 1,45,000/– रुपये की एफडी गिरवी रखी है।

संबंधित पक्ष कारोबार

सभी संबंधित पक्ष कारोबार ओआईडीबी द्वारा इक्विटी पूंजी भागीदारी और मु.का.अ. एवं प्रबंध निदेशक आईएसपीआरएल, मु.वि.अ., आईएसपीआरएल और कंपनी सचिव, आईएसपीआरएल को पारिश्रमिक के भुगतान तक ही सीमित थे। संबंधित पक्षों के साथ ये संव्यवहार व्यापार के समान्य संचालन के दौरान किए गए आर्मस लैंथ (Arm's Length) के आधार पर है एवं सामग्री के आधार पर नहीं है।

सचिवालयी मानकों के प्रावधानों का अनुपालन

इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीस ऑफ इंडिया द्वारा निर्धारित सचिवालयी मानकों का कम्पनी द्वारा पूर्णतया पालन किया जाता है।

निदेशकों के उत्तरदायित्व का विवरण

जैसा कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 की उपधारा (3) के खंड (ग) के तहत आवश्यक है, आपकी कंपनी का निदेशक मंडल इसके द्वारा बयान करता है और पुष्टि करता है कि :

(क) वित्त वर्ष के लिए वार्षिक लेखा तैयार करने में, सामग्री विचलन से संबंधित समुचित स्पष्टीकरण के साथ लागू लेखांकन मानकों का पालन किया गया है;

(ख) निदेशकों ने ऐसी लेखांकन नीतियां चुनी है तथा उनका लगातार प्रयोग किया है एवं ऐसे निर्णय लिए हैं और प्राक्कलन तैयार किए हैं जो 31 मार्च, 2022 को कंपनी के मामलों तथा उस वर्ष के लिए कंपनी के लाभ एवं हानि के बारे में सही एवं निष्पक्ष तस्वीर प्रस्तुत करने के लिए तर्कसंगत एवं समीचीन हैं;

(ग) कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा तथा धोखा–धड़ी एवं अन्य अनियमितताओं की रोकथाम एवं जांच के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार निदेशकों द्वारा लेखांकन के पर्याप्त रिकार्डों के अनुरक्षण के लिए समुचित एवं पर्याप्त सावधानी बरती गई है;

(घ) निदेशकों ने 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए ''सतत प्रतिष्ठान'' आधार पर लेखा तैयार किया है;

(ङ) सभी लागू कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए निदेशकों ने समुचित प्रणालियां तैयार की है और यह कि ऐसी प्रणालियां पर्याप्त हैं तथा प्रभावी ढंग से काम कर रही हैं;

निदेशक मंडल

31 मार्च, 2022 की स्थिति के अनुसार, आपकी कंपनी के निदेशक मंडल में पांच अंशकालिक गैर कार्यपालक निदेशक और एक पूर्णकालिक मु.का.अ. एवं प्रबंध निदेशक शामिल हैं जिसका विवरण नीचे दिया गया है :

1. श्री पंकज जैन (डीआईएन– 00675922), सचिव, एमओपीएंडएनजी – अध्यक्ष

   (नियुक्ति 20.01.2022 से प्रभावी);

2. श्री गुडे श्रीनिवास (डीआईएन– 02568812), अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, – निदेशक, (नियुक्ति 03 / 11 / 2021 से प्रभावी);
3. डॉ. नवनीत मोहन कोठारी (डीआईएन– 02651712), सचिव, ओआईडीबी– निदेशक (नियुक्ति 03 / 11 / 2021);
4. सुश्री ईशा श्रीवास्तव (डीआईएन– 08504560), आर्थिक सलाहकार, एमओपीएंडएनजी– निदेशक (22 / 12 / 2021 से नियुक्ति);
5. श्री एच.पी.एस. आहुजा (डीआईएन– 07793886), मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक

01 अप्रैल, 2021 के बाद निदेशक मंडल में निम्नलिखित परिवर्तन हुए :

1. श्री तरुण कपूर (डीआईएन– 00030762), सचिव, एमओपीएंडएनजी – अध्यक्ष (30 / 11 / 2021 से समाप्ति);
2. श्री राजेश अग्रवाल (डीआईएन– 03566931), एएस एंड एफए, एमओपी एंड एनजी – निदेशक (समाप्ति 23 / 09 / 2021);
3. श्री बी. एन. रेड्डी (डीआईएन– 08389048), संयुक्त सचिव (आईसी), पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय – निदेशक (समाप्ति 15 / 09 / 2021);
4. श्री निरंजन कुमार सिंह (डीआईएन– 03361541), सचिव, ओआईडीबी – निदेशक (समाप्ति 14 / 10 / 2021);
5. सुश्री इंद्राणी कौशल (डीआईएन– 02091078), आर्थिक सलाहकार, एमओपीएंडएनजी– निदेशक। (समाप्ति 24 / 09 / 2021)।

अभिस्वीकृति

आपकी कंपनी का निदेशक मंडल भारत सरकार, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा तेल उद्योग विकास बोर्ड से प्राप्त मूल्यवान मार्गदर्शन और समर्थन का कृतज्ञतापूर्वक आभार व्यक्त करता है।

कृते एवं निदेशक मंडल की ओर से

हस्ता / –	हस्ता / –
(ईशा श्रीवास्तव)	**(लखपत राय जैन)**
निदेशक	**सीईओ एवं एमडी**
(डीआईएन # 08504560)	**(डीआईएन # 08505199)**

दिनांक : 22 / 12 / 22

स्थान : नई दिल्ली

(अनुलग्नक–क)

बोर्ड समितियों और बोर्ड की बैठकों का विवरण एवं निदेशकों द्वारा भाग लेने वाली बैठकों की संख्या :

लेखा परीक्षा समिति :

लेखा परीक्षा समिति ने वित्तीय वर्ष 2021–22 में एक बैठक की। 14 सितंबर, 2021 को बैठक आयोजित की गई। लेखापरीक्षा समिति की बैठकों में निदेशक की उपस्थिति इस प्रकार है :

क्रम सं.	सदस्य	पदनाम	वित्त वर्ष 2021–22 में उपस्थित
1	श्री राजेश अग्रवाल	अध्यक्ष	1
2	श्री एच.पी.एस. आहुजा	सदस्य	1

***नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) :**

एनआरसी ने वित्तीय वर्ष 2021–22 में एक बैठक की। बैठक 23 अगस्त, 2021 को आयोजित की गई थी। एनआरसी बैठक में निदेशक की उपस्थिति इस प्रकार है:

क्रम सं.	सदस्य	पदनाम	वित्त वर्ष 2021–22 में उपस्थित
1	श्री बी. एन. रेड्डी	अध्यक्ष	1
2	श्री एच.पी.एस. आहुजा	सदस्य	1

कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) समिति :

वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान सीएसआर समिति की कोई बैठक आयोजित नहीं हुई।

निदेशक मंडल :

कंपनी के निदेशक मंडल ने निम्नलिखित विवरण के अनुसार वित्तीय वर्ष 2021–22 में पांच बैठकें की:

1) 23 जुलाई, 2021
2) 02 अगस्त, 2021
3) 15 सितंबर, 2021
4) 23 नवंबर, 2021
5) 16 मार्च, 2022

वित्तीय वर्ष 2021–22 में भाग लेने वाली बोर्ड की बैठकों के लिए निदेशकों की उपस्थिति का विवरण निम्नानुसार है :

क्रम सं.	निदेशकों का नाम	पदनाम	वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान भाग ली गई बोर्ड बैठकों की संख्या
1.	श्री पंकज जैन (20/01/2022 से प्रभावी)	अध्यक्ष	1
2.	श्री तरुण कपूर (30/11/2021 तक)	अध्यक्ष	4
3.	श्री गुडे श्रीनिवास (03/11/2021 से प्रभावी)	निदेशक	2
4.	श्री राजेश अग्रवाल (23/09/2021 तक)	निदेशक	3
5.	श्री बी. एन. रेड्डी (15/09/2021 तक)	निदेशक	3
6.	डॉ. एन. एम. कोठारी (03/11/2021 से प्रभावी)	निदेशक	2
7.	डॉ. निरंजन कुमार सिंह (14/10/2021 तक)	निदेशक	2
8.	सुश्री ईशा श्रीवास्तव (22/12/2021 से प्रभावी)	निदेशक	1
9.	सुश्री इंद्राणी कौशल (24/09/2021 तक)	निदेशक	3
10.	श्री एच.पी.एस. आहुजा (31/03/2022 तक)	मु.का.अ. एवं प्र.नि.	5

अनुलग्नक–ख

स्वतंत्र लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में सदस्यगण,

इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड

वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा पर रिपोर्ट

विचार

हमने इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड (''कंपनी'') के संलग्न वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है, जिसमें 31 मार्च, 2022 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र, इस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि विवरण, इक्विटी में परिवर्तनों का विवरण तथा नकदी प्रवाह विवरण और लेखांकन की महत्वपूर्ण नीतियों का सारांश तथा अन्य व्याख्यात्मक सूचना सहित वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियां शामिल हैं।

हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसरण में और हमें प्रदान किए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उपर्युक्त वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 2013 (''अधिनियम'') द्वारा अपेक्षित सूचना इस प्रकार अपेक्षित ढंग से प्रदान करते हैं और यथासंशोधित कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियमावली, 2015 (''इंड एएस'') के साथ पठित अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत निर्धारित भारतीय लेखांकन मानकों और भारत में लेखांकन के आमतौर पर स्वीकृत सिद्धांतों के अनुरूप 31 मार्च, 2022 की स्थिति के अनुसार कंपनी के कार्यों की कुल व्यापक आय की स्थिति, उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए हानि, इक्विटी में परिवर्तनों तथा नकदी प्रवाहों की सच्ची एवं निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

विचारों का आधार

हमने अधिनियम की धारा 143(10) के तहत निर्दिष्ट ऑडिटिंग पर मानकों (एसए) के अनुसार वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा की। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को आगे हमारी रिपोर्ट के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियों में वर्णित किया गया है। हम भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (''आईसीएआई'') संस्थान द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार हम कंपनी से स्वतंत्र हैं, साथ ही उन नैतिक आवश्यकताओं के साथ जो अधिनियम के प्रावधानों के तहत वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए प्रासंगिक हैं, और उसके अधीन नियम, हमने इन आवश्यकताओं एवं आचार संहिता के अनुसार अपने अन्य नैतिक उत्तरदायित्वों को पूरा किया है। हम मानते हैं कि हमने जो लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे वित्तीय विवरणों पर हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

विषय की प्रमुखता

हम आपका ध्यान नोट संख्या 31(ii) की ओर आकर्षित करते हैं जिसमें कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ऑडिट के दौरान सीएण्डएजी को दिए गए आश्वासन के बदले पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार से लंबित स्पष्टीकरण/सलाह के कारण वित्त वर्ष 2020–21 के कच्चे तेल की मात्रा के मूल्य का लेखांकन, कच्चे तेल के लेन–देन एवं खाते की पुस्तकों और वित्तीय विवरणों में इसकी सूची के उपचार के संबंध में, कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए अपने खाते की पुस्तकों और वित्तीय विवरणों में इसे शामिल नहीं किया है, और पहले वर्षों की तरह नोट में कच्चे तेल भंडार को केवल मात्रात्मक विवरण का खुलासा करना जारी रखा है।

उपरोक्त मामले के संबंध में हमारी राय संशोधित नहीं है।

वित्तीय विवरणों एवं लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के अलावा अन्य सूचना

कंपनी का निदेशक मंडल अन्य सूचनाओं के लिए जिम्मेदार है। अन्य जानकारी में बोर्ड की रिपोर्ट में जानकारी शामिल है लेकिन इसमें वित्तीय विवरण और हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है।

वित्तीय विवरणों पर हमारी राय में अन्य जानकारी शामिल नहीं है और हम उस पर किसी भी प्रकार के आश्वासन निष्कर्ष को व्यक्त नहीं करते हैं।

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी है कि हम अन्य सूचनाओं को पढ़ें और ऐसा करने में, इस बात पर विचार करें कि क्या अन्य जानकारी वित्तीय विवरणों के साथ भौतिक रूप से असंगत है या हमारे लेखापरीक्षा के दौरान प्राप्त जानकारी को भौतिक रूप से गलत बताया जाना अन्यथा प्रतीत होता है।

यदि, हमारे द्वारा किए गए कार्य के आधार पर, हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इस अन्य जानकारी में कोई महत्वपूर्ण गलत विवरण है, तो हमें उस तथ्य की रिपोर्ट करना आवश्यक है।

हमारे पास इस संबंध में रिपोर्ट करने के लिए कुछ भी नहीं है।

प्रबंधन की जिम्मेदारियां एवं वित्तीय विवरणों के लिए सरकार से प्रभारित

कंपनी का निदेशक मंडल इंड एएस तथा अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट लेखांकन के मानकों सहित भारत में लेखांकन के अन्य सामान्यतया स्वीकृत सिद्धांतों के अनुसरण में कंपनी की वित्तीय स्थिति, इक्विटी में परिवर्तनों तथा नकदी प्रवाह की सही एवं निष्पक्ष तस्वीर प्रदान करने वाले इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के संबंध में अधिनियम की धारा 134(5) में उल्लिखित मामलों के लिए जिम्मेदार है। इस जिम्मेदारी में कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा तथा धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं का निवारण करने एवं पता लगाने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसरण में लेखांकन के पर्याप्त रिकार्ड रख–रखाव करना लेखांकन की उपयुक्त नीतियों का चयन करना और लागू करना युक्तिसंगत एवं विवेकपूर्ण निर्णय करना और अनुमान लगाना तथा पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों को डिजाइन तैयार करना, लागू करना और बनाए रखना भी शामिल है, जो ऐसे वित्तीय विवरण तैयार करने एवं प्रस्तुत करने के लिए लेखांकन के संगत रिकार्डों की परिशुद्धता एवं पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए कारगर ढंग से कार्य कर रहे थे जो सही एवं निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं तथा धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण होने वाली किसी बड़ी गलत बयानी से मुक्त हैं।

वित्तीय विवरण तैयार करने में, निदेशक मंडल सतत् प्रतिष्ठान के रूप में जारी रखने कंपनी की सामर्थ्य का मूल्यांकन करने, सतत् प्रतिष्ठान के संबंध में यथालागू प्रकटन करने तथा लेखांकन के सतत् प्रतिष्ठान आधार का प्रयोग करने के लिए जिम्मेदार है जब तक कि प्रबंधन कंपनी को परिसमाप्त नहीं करना चाहता है या प्रचालन बंद नहीं करना चाहता है अथवा ऐसा करने के अलावा कोई वास्तविक विकल्प न हो।

निदेशक मंडल कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देख–रेख के लिए भी जिम्मेदार है।

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षक की जिम्मेदारियां

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या वित्तीय विवरण समग्र रूप से भौतिक मिथ्या विवरण से मुक्त हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, और एक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना जिसमें हमारी राय शामिल हो। उचित आश्वासन एक उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि एसएएस के अनुसार आयोजित एक ऑडिट हमेशा मौजूद होने पर एक महत्वपूर्ण गलत बयानी का पता लगाएगा। धोखाधड़ी या त्रुटि से गलत बयानी उत्पन्न हो सकती है और उन्हें महत्वपूर्ण माना जाता है, यदि व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, इन वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की उम्मीद हो सकती है।

एसएएस के अनुसार एक ऑडिट के भाग के रूप में, हम पेशेवर निर्णय लेते हैं और पूरे ऑडिट में पेशेवर दृष्टिकोण बनाए रखते हैं। हम भी :

- धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण, वित्तीय विवरणों के भौतिक गलत विवरण के जोखिमों की पहचान एवं मूल्यांकन करना, उन जोखिमों के प्रति उत्तरदायी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन और निष्पादित करना, लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करना जो हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हो। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप होने वाली महत्वपूर्ण गलतबयानी का पता नहीं लगाने का जोखिम त्रुटि से उत्पन्न होने वाली गलतबयानी की तुलना में अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलतबयानी या आंतरिक नियंत्रण की अवहेलना शामिल हो सकती है।
- परिस्थितियों में उपयुक्त लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के लिए लेखापरीक्षा के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण की समझ प्राप्त करें। अधिनियम की धारा 143(3)(i) के तहत हम इस पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए भी जिम्मेदार हैं कि क्या कंपनी के पास पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण हैं और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता है।
- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित प्रकटीकरणों की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करें।
- लेखांकन के चल रहे प्रतिष्ठान के आधार पर प्रबंधन के उपयोग की उपयुक्तता पर निष्कर्ष और, प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य के आधार पर, क्या घटनाओं या स्थितियों से संबंधित कोई सामग्री अनिश्चितता मौजूद है जो कंपनी की चालू संस्था के रूप में जारी रखने की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह पैदा कर सकती है। हम अपनी राय को संशोधित कर सकते हैं यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि एक सामग्री अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में वित्तीय विवरणों से संबंधित प्रकटीकरणों पर ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता है, यदि ऐसे प्रकटीकरण अपर्याप्त हैं। हमारे निष्कर्ष लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। हालांकि, भविष्य की घटनाओं या स्थितियों के कारण कंपनी चालू प्रतिष्ठान के रूप में जारी रहना बंद कर सकती है।
- खुलासे सहित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करें, और क्या वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं को इस तरह से प्रस्तुत करते हैं जो निष्पक्ष प्रस्तुति को प्राप्त करता है।

हम अन्य मामलों के साथ–साथ लेखापरीक्षा के नियोजित दायरे और समय के दौरान महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा निष्कर्षों के बारे में, आंतरिक नियंत्रण में किसी भी महत्वपूर्ण कमियों सहित, जिन्हें हम अपनी लेखापरीक्षा के दौरान पहचानते हैं, शासन से प्रभारित लोगों के साथ संवाद करते हैं।

हम उन लोगों को एक बयान भी प्रदान करते हैं जो शासन के प्रभारी हैं कि हमने स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है, और उनके साथ उन सभी संबंधों और अन्य मामलों के बारे में संवाद करने के लिए जो उचित रूप से हमारी स्वतंत्रता, जहां लागू हो, संबंधित सुरक्षा उपायों पर विचार कर सकते हैं।

अन्य कानूनी एवं नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. कंपनी अधिनियम, धारा 143 की उपधारा (11) के अनुसार भारत की केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए कंपनी (लेखा परीक्षक रिपोर्ट) आदेश, 2020 (''आदेश'') की अपेक्षा के अनुसार, हम **''अनुबंध क''** में आदेश के पैरा 3 और 4 में निर्दिष्ट मामलों पर लागू सीमा तक विवरण प्रदान करते हैं।

2. अधिनियम की धारा 143(3) की अपेक्षा के अनुसार, हम रिपोर्ट करते हैं कि :

   (क) हमने ऐसी समस्त जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं, जो हमारे पूर्ण जानकारी एवं विश्वास के अनुसार हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजन के लिए अनिवार्य थे।

   (ख) हमारी राय में, कंपनी द्वारा कानून की अपेक्षा के अनुसार समुचित लेखा बहियां रखी गई हैं, जहां तक इन बहियों की हमारी जांच से प्रतीत होता है।

   (ग) इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, लाभ एवं हानि विवरण, इक्विटी में परिवर्तनों का विवरण तथा नकदी प्रवाह विवरण लेखा बहियों के अनुसार हैं।

   (घ) हमारी राय में, उपर्युक्त वित्तीय विवरण कंपनी (लेखा) नियमावली, 2014 के नियम 7 के साथ पठित अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट इंड एएस का पालन करते हैं।

   (ङ) निदेशकों से 31 मार्च, 2022 तक लिखित रूप में प्राप्त अभ्यावेदन के आधार पर, निदेशकों में से कोई भी निदेशक अधिनियम की धारा 164(2) के संदर्भ में 31 मार्च, 2022 की स्थिति के अनुसार निदेशक के रूप में नियुक्त होने के लिए अयोग्य नहीं है।

   (च) कंपनी की वित्तीय विवरणों के संदर्भ मे आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता तथा ऐसे नियंत्रणों के परिचालन प्रभावशीलता के संबंध में **''अनुबंध ख''** में हमारी अलग रिपोर्ट देखें।

   (छ) कंपनी द्वारा प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के आधार पर, हमारी राय है कि ऑडिट के तहत वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा अपने निदेशकों को भुगतान किया गया पारिश्रमिक अधिनियम की धारा 197(16) के प्रावधानों के अनुसार है।

   (ज) कंपनी (लेखा परीक्षा और लेखा परीक्षक) नियमावली, 2014 के नियम 11 के अनुसरण में लेखा परीक्षक रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में, हमारी राय में एवं हमारी पूर्ण जानकारी के अनुसरण में तथा हमें प्रदान किए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार :

      i. कंपनी ने अपने वित्तीय विवरणों में अपनी वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमों के प्रभाव का खुलासा किया है – वित्तीय विवरणों के लिए नोट 22.2 (ए) देखें।

      ii. कंपनी के पास डेरिवेटिव अनुबंधों सहित कोई भी दीर्घकालिक अनुबंध नहीं था जिसके लिए कोई भौतिक पूर्वाभास योग्य नुकसान था – वित्तीय विवरणों के लिए नोट 31(xxxix) देखें।

iii. ऐसी कोई राशि नहीं थी जिसे कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि में स्थानांतरित करने की आवश्यकता थी – वित्तीय विवरणों के लिए नोट 31(xxxx) देखें।

iv. (क) कंपनी के प्रबंधन ने प्रतिनिधित्व किया है कि, अपने सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार, जैसा कि वित्तीय विवरणों के नोट संख्या 31(xxx)(ए) में बताया गया है, कि कोई भी धनराशि उन्नत या उधार या निवेश नहीं की गई है (या तो उधार ली गई निधि से या शेयर प्रीमियम या कोई अन्य स्रोत या फंड) कंपनी द्वारा विदेशी संस्थाओं (''मध्यस्थों'') सहित किसी अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) या संस्था(ओं) में, समझदारी के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज किया गया हो अन्यथा सीधे या परोक्ष रूप से कंपनी द्वारा या उसकी ओर से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं में उधार या निवेश करें (''अंतिम लाभार्थी'') या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा प्रदान करें।

(ख) कंपनी के प्रबंधन ने प्रतिनिधित्व किया है, जैसा कि वित्तीय विवरणों में नोट संख्या 31(xxx)(बी) में खुलासा किया गया है, अपने सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार, कंपनी द्वारा किसी भी व्यक्ति (व्यक्तियों) से कोई धन प्राप्त नहीं किया गया है या इकाई (यों), विदेशी संस्थाओं ('फंडिंग पार्टियां') सहित, इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज किया गया हो या अन्यथा, कि कंपनी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, फंडिंग पार्टी (''अंतिम लाभार्थी'') द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरीके से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को उधार देना या निवेश करना या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा प्रदान करें।

(ग) निष्पादित लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर जिन्हें परिस्थितियों में उचित और उचित माना गया है, हमारे ध्यान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है जिससे हमें विश्वास हो कि नियम 11(ई) के उप–खंड (i) और (ii) के तहत अभ्यावेदन, जैसा कि ऊपर (ए) और (बी) के तहत प्रदान किया गया है, कोई सामग्री गलत विवरण शामिल है।

v. हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने वर्ष के दौरान किसी भी लाभांश की घोषणा या भुगतान नहीं किया है, तदनुसार नियम 11(एफ) के प्रावधान लागू नहीं होते हैं।

अधिनियम की धारा 143(5) के तहत नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के निर्देशों के अनुसार, हम रिपोर्ट करते हैं कि :

क्रं.स.	निदेशन	लेखापरीक्षा के उत्तर
(i)	क्या कंपनी के पास आईटी प्रणाली के माध्यम से सभी लेखांकन लेनदेन को संसाधित करने की प्रणाली है? यदि हां, तो आईटी प्रणाली के बाहर लेखांकन लेनदेन के प्रसंस्करण के वित्तीय प्रभावों के साथ खातों की अखंडता पर प्रभाव, यदि कोई हो, कहा जा सकता है।	कंपनी के पास कच्चे तेल की बिक्री के लिए बिलिंग और पम्पिंग शुल्क, फिक्स्ड एसेट्स रिकॉर्ड्स, लीव रिकॉर्ड्स, पेरोल, ग्रांट रिकॉर्ड्स को छोड़कर आईटी सिस्टम के माध्यम से सभी लेखांकन लेनदेन को संसाधित करने के लिए एक प्रणाली है, खातों की अखंडता पर आईटी प्रणाली पर लेखांकन लेनदेन के बाहर प्रसंस्करण का कोई निहितार्थ नहीं है। और कोई वित्तीय प्रभाव नहीं देखा गया।

क्रंस.	निदेशन	लेखापरीक्षा के उत्तर
(ii)	क्या ऋण चुकाने में कंपनी की असमर्थता के कारण किसी ऋणदाता द्वारा कंपनी को किए गए ऋण/ऋण/ब्याज आदि को माफ करने/बट्टे खाते में डालने के मामले में मौजूदा ऋण का कोई पुनर्गठन किया गया है? यदि हां, तो वित्तीय प्रभाव बताया जा सकता है।	ऋण चुकाने में कंपनी की अक्षमता के कारण किसी ऋणदाता द्वारा कंपनी को किए गए ऋण/ऋण/ब्याज आदि को माफ करने/बट्टे खाते में डालने के मामले में मौजूदा ऋण के पुनर्गठन का कोई मामला नहीं है।
(iii)	क्या केंद्रीय/राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त/प्राप्य निधियों का इसकी शर्तों के अनुसार उचित हिसाब/उपयोग किया गया था? विचलन के मामलों की सूची बनाएं।	केंद्रीय/राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त/प्राप्त होने वाली निधियों का उनके नियमों और शर्तों के अनुसार उचित रूप से हिसाब/उपयोग किया जाता है।
कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (5) के तहत सीएजी के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा इस रिपोर्ट के जारी होने की तारीख तक कंपनी के पूरक लेखापरीक्षा के लिए कोई अतिरिक्त कंपनी / क्षेत्र विशिष्ट निर्देश जारी नहीं किया गया है, इसलिए हम कोई टिप्पणी नहीं दे रहे हैं।		

प्रसाद आजाद एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म की पंजीकरण संख्या : 001009एन

हस्ता./–
(के. एम. आजाद)
साझेदार
सदस्यता संख्या 005125
यूडीआईएनः 22005125BDKRIS7420

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 17 नवंबर, 2022

स्वतंत्र लेखा–परीक्षकों की रिपोर्ट का ''अनुलग्नक–क''

[अनुबंध–क को 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के वित्तीय विवरणों पर **इंडियन स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड** के सदस्यों को सम तिथि की हमारी रिपोर्ट की 'अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट' के तहत पैरा 1 में संदर्भित किया गया है।]

इस तरह की जांच के आधार पर जैसा कि हमने उचित समझा और हमारी लेखापरीक्षा के दौरान हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, हम रिपोर्ट करते हैं कि;

i)(क) (क) कंपनी ने संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का उचित रिकॉर्ड बनाए रखा है **लेकिन संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की मात्रात्मक विवरण और स्थिति सहित पूर्ण विवरण रिकॉर्ड में नहीं दिखाया गया है।**

(ख) कंपनी ने अमूर्त संपत्ति (पाइपलाइनों के लिए आरओयू) का उचित रिकॉर्ड बनाए रखा है, **लेकिन पूरा विवरण, जिसमें क्षेत्र, पंजीकरण रिकॉर्ड, खरीद का वर्ष, उपयोग के लिए उपलब्ध होने की तारीख, उपयोगी जीवन, अमूर्त संपत्ति का अवशिष्ट मूल्य आदि शामिल हैं, को रिकार्ड में नहीं दिखाया गया है।**

(ख) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण को मैंगलोर एवं पादुर इकाइयों में बाहरी एजेंसी के माध्यम से आंतरिक रूप से विशाखापत्तनम इकाई में चरणबद्ध तरीके से प्रबंधन द्वारा भौतिक रूप से सत्यापित किया गया है, जो कि हमारी राय में उचित है। कंपनी के आकार और इसकी संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण की प्रकृति के अनुसार हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, इस तरह के सत्यापन पर कोई महत्वपूर्ण विसंगति नहीं देखी गई। **हालांकि, हमने पाया कि प्रधान कार्यालय में संपत्ति, संयंत्र और उपकरण वर्ष के दौरान आंतरिक रूप से प्रबंधन द्वारा भौतिक रूप से सत्यापित नहीं किए गए थे। तदनुसार, हम उसमें विसंगतियों पर किसी भी मामले में उस सीमा तक भौतिक सत्यापन की आवृत्ति की तर्कसंगतता टिप्पणी करने में असमर्थ हैं।**

(ग) वित्तीय विवरणों के नोट संख्या 2 में प्रकट अचल संपत्तियों (उपयोग संपत्ति का अधिकार) के शीर्षक विलेख **नीचे दिए गए मामलों** को छोड़कर कंपनी के नाम पर रखे गए हैं :

संपत्ति का विवरण	सकल वहन मूल्य (लाख रुपये में)	के नाम से आयोजित किया गया	चाहे प्रवर्तक हो निदेशक या उनके रिश्तेदार या कर्मचारी	आयोजित अवधि – जहां उपयुक्त हो, सीमा इंगित करें	कंपनी के नाम पर धारित न होने का कारण
उपयोग का अधिकार – मैंगलोर विशेष आर्थिक क्षेत्र में भूमि (104.73 एकड़)	रु. 8492.50 लाख	मैंगलोर एसईजैड लिमिटेड और कंपनी के बीच 7 मार्च, 2017 को हुआ लीज एग्रीमेंट जो पंजीकृत नहीं है।	नहीं	आयोजित अवधि – जहां उपयुक्त हो, सीमा इंगित करें भूमि के कब्जे की तिथि से 26 जनवरी, 2060 तक लीज पर है।	कंपनी लीज डीड के पंजीकरण के लिए मैंगलोर एसईजेड लिमिटेड के साथ कार्यवाही कर रही है।

संपत्ति का विवरण	सकल वहन मूल्य (लाख रुपये में)	नाम से आयोजित किया गया	चाहे प्रवर्तक हो निदेशक या उनके रिश्तेदार या कर्मचारी	आयोजित अवधि – जहां उपयुक्त हो, सीमा इंगित करें	कंपनी के नाम पर धारित न होने का कारण
		कंपनी के नाम पर है।		100.02 एकड़ के लिए रिकॉर्ड में उपलब्ध आवंटन की तारीख 23.11.2009 और 4.71 एकड़ के लिए 11.04.2018 है। हालांकि, कब्जे की डिलीवरी की तारीख का दस्तावेज कंपनी के रिकॉर्ड में नहीं है।	

(घ) हमें दी गई जानकारी, स्पष्टीकरण एवं प्रबंधन अभ्यावेदन के अनुसार कंपनी के रिकॉर्ड हमारी जांच के आधार पर, कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (उपयोग संपत्ति के अधिकार सहित) का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया है।

(ङ) हमें दी गई जानकारी, स्पष्टीकरण और प्रबंधन अभ्यावेदन के अनुसार, बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम, 1988 (45 के 1988) बने नियम के तहत किसी भी बेनामी संपत्ति को रखने के लिए वर्ष के दौरान कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है या 31 मार्च, 2022 तक कंपनी के खिलाफ लंबित नहीं है।

ii)(क) हमें दी गई जानकारी एवं स्पष्टीकरण के अनुसार, प्रबंधन ने स्वतंत्र सर्वेक्षकों के माध्यम से भारत सरकार की ओर से कैवर्न बी और एडनोक की ओर से कैवर्न ए में मैंगलोर में, भारत सरकार की ओर से विशाखापत्तनम और पादुर में उचित अंतराल पर कच्चे तेल की सूची का भौतिक सत्यापन किया है। हमारी राय में, क्रूड की प्रकृति और स्थान को ध्यान में रखते हुए, इस तरह के सत्यापन की कवरेज और प्रक्रिया को उपयुक्त माना जाता है।

इसके अलावा, जैसा कि प्रबंधन द्वारा प्रदान किए गए कच्चे तेल के परिमाणीकरण डेटा के लिए नोट संख्या 31 (ii) में कहा गया है, हमने देखा है कि भारत सरकार की ओर से कंपनी द्वारा रखे गए कच्चे तेल के स्टॉक के साथ ही साथ एडनोक में नुकसान हुआ है। उसी के मूल्यांकन के लिए स्वतंत्र तकनीकी मूल्यांकन की आवश्यकता है।

(ख) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी को वर्तमान सुरक्षा के आधार पर बैंकों या वित्तीय संस्थानों से, वर्ष के किसी भी समय, कुल मिलाकर पाँच करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कार्यशील पूंजी सीमा स्वीकृत नहीं की गई है। तदनुसार, आदेश के इस खंड के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

iii)(क) से (च) के द्वारा हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने कंपनियों, फर्मों, सीमित देयता भागीदारी या किसी अन्य में निवेश नहीं किया है, कोई गारंटी या सुरक्षा प्रदान नहीं की है अथवा किसी प्रकार का कोई ऋण या अग्रिम प्रदान नहीं किया है। तदनुसार, आदेश के इस खंड के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

iv) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने अधिनियम की धारा 185 और 186 के प्रावधानों के अनुपालन के लिए कोई ऋण, निवेश या गारंटी या सुरक्षा प्रदान नहीं की है। तदनुसार, आदेश के इस खंड के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

v) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने उस वर्ष के दौरान, जिसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी निर्देश और धारा 73 से 76 के प्रावधान या कोई अन्य जमाराशि या राशि को जमा माना जाता है, स्वीकार नहीं किया है। अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधान लागू होते हैं।

vi) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, भारत की केंद्र सरकार ने अधिनियम की धारा 148 की उप–धारा (1) के तहत लागत रिकॉर्ड के रखरखाव को निर्दिष्ट नहीं किया है। तदनुसार, आदेश के इस खंड के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

vii)(क) कंपनी के रिकॉर्ड की जांच की गई और हमें दी गई जानकारी, स्पष्टीकरण और प्रबंधन अभ्यावेदन के अनुसार, कंपनी माल और सेवा कर, भविष्य निधि, कर्मचारियों के राज्य बीमा, आयकर, बिक्री सहित अविवादित वैधानिक बकाया जमा करने में आम तौर पर नियमित रही है। कर, सेवा कर, सीमा शुल्क शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर, उपकर और अन्य वैधानिक बकाया उपयुक्त अधिकारियों को वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन तक उनके देय होने की तिथि से छह महीने से अधिक की अवधि के लिए अविवादित बकाया वैधानिक देय राशि का कोई बकाया नहीं है।

(ख) हमें दी गई जानकारी, स्पष्टीकरण और प्रबंधन अभ्यावेदन के अनुसार, माल और सेवा कर, भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री–कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क सहित कोई वैधानिक बकाया नहीं था। मूल्य वर्धित कर, उपकर और कोई अन्य वैधानिक देय जो **नीचे बताए गए** को छोड़कर किसी भी विवाद के कारण जमा नहीं किया गया है।

क्र. सं.	अधिनियम का नाम	देय राशि के प्रकार	राशि (लाख रुपये में)	अवधि जिससे राशि संबंधित है	फोरम जहां विवाद लंबित है	टिप्पणी, यदि कोई है तो
1.	आंध्र प्रदेश लघु खनिज रियायत नियम 1996	रॉयल्टी	11,794.95	31.03.2018 तक	खान और भूविज्ञान निदेशालय, आंध्र प्रदेश	

viii) हमें दी गई जानकारी, स्पष्टीकरण और प्रबंधन अभ्यावेदन के अनुसार, कोई लेन–देन नहीं था, खाते की बुक्स में दर्ज नहीं किया गया था, जिसे आयकर अधिनियम, 1961 के तहत कर निर्धारण में वर्ष के दौरान आय के रूप में अभ्यर्पित या प्रकट किया गया था।

ix) (क) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने ऋणों या अन्य उधारों के पुनर्भुगतान में या किसी ऋणदाता को ब्याज के भुगतान में चूक नहीं की है। तदनुसार, आदेश के इस खंड के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

(ख) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और हमारी ऑडिट प्रक्रियाओं के आधार पर, कंपनी को किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान या किसी अन्य ऋणदाता द्वारा विलफुल डिफॉल्टर घोषित नहीं किया गया है।

(ग) कंपनी के रिकॉर्ड की जांच की गई और हमें दी गई जानकारी, स्पष्टीकरण और प्रबंधन अभ्यावेदन के अनुसार, कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई सावधि ऋण नहीं लिया है। तदनुसार, आदेश के इस खंड के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

(घ) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण एवं द्वारा निष्पादित प्रक्रियाओं और कंपनी के वित्तीय विवरणों की समग्र जांच के अनुसार, हम रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान अल्पकालिक आधार पर कोई धन नहीं जुटाया गया है। तदनुसार, आदेश के इस खंड के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

(ङ) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी की कोई सहायक, सहयोगी या संयुक्त उद्यम नहीं है। तदनुसार, आदेश के इस खंड के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

(च) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई ऋण नहीं लिया है। तदनुसार, आदेश के इस खंड के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

x) (क) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और जांचे गए रिकॉर्ड के अनुसार, कंपनी ने वर्ष के दौरान आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव या आगे के सार्वजनिक प्रस्ताव (ऋण उपकरणों सहित) के माध्यम से धन नहीं जुटाया है। तदनुसार, आदेश के इस खंड के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

(ख) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण और जांचे गए रिकॉर्ड के अनुसार, कंपनी ने वर्ष के दौरान शेयरों अथवा परिवर्तनीय डिबेंचर (पूर्ण, आंशिक या वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय) का कोई अधिमान्य आवंटन या निजी प्लेसमेंट नहीं किया है। तदनुसार, आदेश के इस खंड के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

xi) (क) हमारे ऑडिट के दौरान, भारत में आम तौर पर स्वीकृत ऑडिटिंग प्रथाओं के अनुसार एवं हमारी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार हमें दी गई जानकारी, स्पष्टीकरण एवं प्रबंधन अभ्यावेदन के अनुसार कंपनी की पुस्तकों और अभिलेखों की जांच की गई। कंपनी द्वारा कोई धोखाधड़ी या कंपनी पर कोई धोखाधड़ी वर्ष के दौरान नोटिस या रिपोर्ट नहीं की गई है।

(ख) अधिनियम की धारा 143 की उप धारा (12) के तहत फॉर्म एडीटी–4 में हमारे द्वारा केंद्र सरकार के पास कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है।

(ग) हमें दी गई जानकारी, स्पष्टीकरण एवं प्रबंधन अभ्यावेदन के अनुसार, कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान कोई व्हिसिल ब्लोअर शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

xii) (क), (बी) और (सी) के अनुसार हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण, कंपनी एक निधि कंपनी नहीं है। तदनुसार, आदेश के इस खंड के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

xiii) हमें दी गई जानकारी, स्पष्टीकरण और प्रबंधन अभ्यावेदन के अनुसार, संबंधित पार्टियों के साथ लेन–देन अधिनियम की धारा 177 और 188 के अनुपालन में है, जहां लागू हो, और सभी संबंधित पार्टी लेनदेन का विवरण वित्तीय विवरणों में प्रकट किया गया है जैसा कि आवश्यक है। [लागू भारतीय लेखा मानक, वित्तीय विवरणों के लिए नोट 23 देखें]।

xiv) (क) कंपनी के रिकॉर्ड की जांच की गई और हमें दी गई जानकारी, स्पष्टीकरण और प्रबंधन अभ्यावेदन के अनुसार, कंपनी के पास एक आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली है, **हालांकि, कंपनी के व्यवसाय के प्रारूप को बनाने के लिए इसका दायरा बढ़ाने की आवश्यकता है।**

(ख) हमने आज तक जारी कंपनी की आंतरिक ऑडिट रिपोर्ट पर विचार किया है और ऑडिट वर्ष के लिए हमें उपलब्ध कराया है।

xv) कंपनी के रिकॉर्ड की जांच की गई और हमें दी गई जानकारी, स्पष्टीकरण और प्रबंधन अभ्यावेदन के अनुसार, वर्ष के दौरान कंपनी ने अपने निदेशकों या इसके निदेशकों से जुड़े व्यक्तियों के साथ कोई गैर–नकद लेनदेन नहीं किया है और इसलिए धारा 192 के प्रावधान अधिनियम कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

xvi) (क) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45–IA के तहत पंजीकृत होने की आवश्यकता नहीं है। तदनुसार, आदेश के इस खंड का प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

(ख) कंपनी के रिकॉर्ड की जांच की गई और हमें दी गई जानकारी, स्पष्टीकरण और प्रबंधन अभ्यावेदन के अनुसार, कंपनी ने कोई गैर–बैंकिंग वित्तीय या हाउसिंग फाइनेंस गतिविधियां संचालित नहीं की हैं। तदनुसार, आदेश के इस खंड के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

(ग) एवं (घ) कंपनी के रिकॉर्ड की जांच की गई और हमें दी गई जानकारी, स्पष्टीकरण और प्रबंधन अभ्यावेदन के अनुसार, कंपनी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बनाए गए नियमों में परिभाषित एक कोर निवेश कंपनी (CIC) नहीं है और न ही समूह के पास कोई CIC है। तदनुसार, आदेश के इन खंडों के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

xvii) कंपनी ने वित्तीय वर्ष और ठीक पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान नकद घाटा नहीं उठाया है।

xviii) वर्ष के दौरान कंपनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा कोई त्यागपत्र नहीं दिया गया है। तदनुसार, आदेश के इस खंड के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

xix) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और वित्तीय अनुपात के आधार पर, आगे बढ़ने और वित्तीय संपत्तियों की वसूली की अपेक्षित तारीखों और वित्तीय देनदारियों के भुगतान के आधार पर, वित्तीय

विवरणों के साथ अन्य जानकारी, निदेशक मंडल एवं प्रबंधन की योजनाओं की जानकारी एवं मान्यताओं का समर्थन करने वाले साक्ष्यों की हमारी जांच के आधार पर, हमारे ध्यान में कुछ भी नहीं आया है, जिसके कारण हमें विश्वास हो गया है कि ऑडिट रिपोर्ट की तारीख को कोई भी सामग्री अनिश्चितता मौजूद है कि कंपनी अपनी मौजूदा देनदारियों को पूरा करने में सक्षम नहीं है जो कि तुलन पत्र की तारीख, जब वे तुलन पत्र की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर देय हों। हालांकि, हामारी जानकारी के अनुसार यह कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता का आश्वासन नहीं है। हम आगे कहते हैं कि हमारी रिपोर्टिंग ऑडिट रिपोर्ट की तारीख तक के तथ्यों पर आधारित है और हम न तो कोई गारंटी देते हैं और न ही कोई आश्वासन देते हैं कि बैलेंस शीट की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर आने वाली सभी देनदारियां कंपनी द्वारा समाप्त कर दी जाएंगी।

xx) (ए) और (बी) के अनुसार हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व अधिनियम की धारा 135 के प्रावधान वर्ष के दौरान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं। तदनुसार, आदेश के इस खंड के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

xxi) आदेश के इस खंड के तहत रिपोर्टिंग कंपनी पर लागू नहीं होती है।

कृते प्रसाद आजाद एंड कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म की पंजीकरण संख्या : 001009N

हस्ता./–
(के. एम. आजाद)
साझेदार
सदस्यता संख्या 005125
यूडीआईएन : 22005125BDKRIS7420

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 17 नवंबर 2022

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड के वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की सम तिथि की रिपोर्ट का ''अनुलग्नक – बी''

कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') की धारा 143 की उप–धारा 3 के खंड (i) के तहत आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर रिपोर्ट

हमने 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के वित्तीय विवरणों के संदर्भ में अपने लेखा परीक्षण के साथ उस तारीख तक **इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड** (कंपनी) की वित्तीय विवरणों से संबंधित आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का लेखा परीक्षण किया है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लिए प्रबंधन का उत्तरदायित्व

कंपनी का प्रबंधन 'वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण' के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है, कंपनी द्वारा जारी किए गए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लेखापरीक्षा में दर्शाये गये नोट में आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया" ("आईसीएआई") इन जिम्मेदारियों में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है जो इसके व्यवसाय के व्यवस्थित और कुशल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जिसमें कंपनी की नीतियों का पालन, इसकी संपत्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों की रोकथाम और पता लगाना शामिल है, लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता, अधिनियम के तहत आवश्यक विश्वसनीय वित्तीय जानकारी को समय पर तैयार करना है।

लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी हमारे ऑडिट के आधार पर वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर एक राय व्यक्त करना है। हमने अपना ऑडिट वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के ऑडिट पर गाइडेंस नोट ('मार्गदर्शन नोट') और ICAI द्वारा जारी ऑडिट पर मानकों के अनुसार किया और अधिनियम की धारा 143 (10) के तहत निर्धारित माना गया, आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा के लिए लागू सीमा तक, दोनों आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर लागू होते हैं और दोनों भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए जाते हैं। उन मानकों और मार्गदर्शन नोट के लिए आवश्यक है कि हम नैतिक आवश्यकताओं का पालन करें और इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए योजना बनाएं और ऑडिट करें कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित और बनाए रखा गया था और क्या ऐसे नियंत्रण सभी प्रकार के मामलों में प्रभावी ढंग से संचालित होते हैं।

हमारे ऑडिट में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता और उनकी परिचालन प्रभावशीलता के बारे में ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाओं का निष्पादन शामिल है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की हमारी लेखापरीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना, उस जोखिम का आकलन करना शामिल है जो एक प्रकार की सामग्री कमजोरी मौजूद है, मूल्यांकन जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और मूल्यांकन करना। चुनी गई प्रक्रियाएँ लेखापरीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती हैं, जिसमें वित्तीय विवरणों की सामग्री के गलत विवरण के जोखिम का आकलन शामिल है, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, यह लेखा परीक्षक के निर्णय पर निर्भर होती है।

हमारा विश्वास है कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारी योग्य लेखापरीक्षा राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए हमारे द्वारा प्राप्त किए गए लेखापरीक्षा साक्ष्य पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का तात्पर्य

वित्तीय रिपोर्टिंग पर एक कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बाहरी उद्देश्यों के लिए वित्तीय विवरणों की तैयारी के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई प्रक्रिया है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियां और प्रक्रियाएं शामिल हैं जो (1) रिकॉर्ड के रखरखाव से संबंधित हैं, जो उचित विवरण में, कंपनी की संपत्ति के लेनदेन और स्वभाव को सटीक और निष्पक्ष रूप से दर्शाती हैं; (2) उचित आश्वासन प्रदान करें कि आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरणों की तैयारी की अनुमति देने के लिए लेन–देन आवश्यक रूप से दर्ज किए जाते हैं, और कंपनी की प्राप्तियां और व्यय केवल कंपनी के प्रबंधन एवं निदेशकों के प्राधिकरणों के अनुसार किए जा रहे हैं; और (3) कंपनी की संपत्ति के अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग, या निपटान की रोकथाम या समय पर पता लगाने के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करें जो वित्तीय विवरणों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है।

वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की निहित सीमाएं

वित्तीय विवरणों पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण, जिसमें मिलीभगत की संभावना या नियंत्रणों के अनुचित प्रबंधन को ओवरराइड करना शामिल है, सामग्री का गलत प्रकटीकरण जोकि त्रुटि या धोखाधड़ी के कारण महत्वपूर्ण गलत विवरण हो सकते हैं और उनका पता नहीं लगाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, भावी अवधियों से संबंधित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के किसी भी मूल्यांकन के अनुमान जोखिम के अधीन हैं कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण शर्तों में परिवर्तन के कारण अपर्याप्त हो सकते हैं, अथवा यह कि नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन की स्तर बिगड़ सकता है।

उचित विचार

हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और हमारे ऑडिट के आधार पर, 31 मार्च, 2022 को निम्नलिखित कमजोरियों की पहचान की गई है :

(i) कंपनी ने पिछली दिनांक वाली प्रविष्टियां पारित की है इसलिए टैली अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर और फिजिकल वाउचर के अनुसार वाउचर सीरियल नंबर में मेल नहीं है। इसके अलावा, टैली सॉफ्टवेयर में मूल वाउचर को बिना किसी बैक–अप के बदले और उसके कारणों के लिए सुधार किए जाते हैं;

(ii) कुछ बैंक भुगतान वाउचरों का लेन–देन की तारीख पर हिसाब लगाने के बजाय भुगतान की तारीख के बाद उनका लेखा–जोखा करते हैं;

(iii) इस वर्ष के दौरान कंपनी में 10 से अधिक कर्मचारी हैं लेकिन कंपनी ने ESIC अधिनियम, 1948 के तहत पंजीकरण नहीं लिया है और इसके प्रावधानों का अनुपालन नहीं किया है।

एक ''वस्तुगत कमजोरी'' वित्तीय विवरणों के आधार पर आंतरिक नियंत्रण में कमी या कमियों का संयोजन है; इस

तरह कि इस बात की उचित संभावना है कि कंपनी के वार्षिक वित्तीय विवरणों की सामग्री को गलत तरीके से रोका नहीं जा सकता अथवा समय पर इसका पता नहीं लगाया जा सकेगा।

हमारी समझदारी में, नियंत्रण मानदंडों के उद्देश्यों की उपलब्धि पर ऊपर वर्णित वस्तुगत कमजोरी के संभावित प्रभावों को छोड़कर, कंपनी के पास सभी प्रकार के मामलों में, इन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर एक पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और वित्तीय रिपोर्टिंग पर इस तरह के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण 31 मार्च, 2022 तक प्रभावी ढंग से संचालित हो रहे थे, जो ''आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर मार्गदर्शन नोट में बताए गए आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया'' द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग के आधार पर प्रभावी थे।

हमारे द्वारा पहचान की गई भौतिक कमजोरी पर हमने विचार किया है और वस्तुगत का निर्धारण करके उपरोक्त में रिपोर्ट की है, कंपनी में 31 मार्च, 2022 के वित्तीय विवरणों में लागू ऑडिट परीक्षण के समय और सीमा और वस्तुगत कमजोरी को कंपनी के वित्तीय विवरणों को हमारे विचार से प्रभावित नहीं करती है।

कृते प्रसाद आजाद एंड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म की पंजीकरण संख्या : 001009N

हस्ता./–

(के.एम. आजाद)

साझेदार

सदस्यता संख्या 005125

यूडीआईएन : 22005125BDKRIS7420

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 17 नवंबर, 2022

वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए लेखापरीक्षक की टिप्पणियों पर प्रबंधन का जवाब

क्र.सं	सांविधिक लेखा परीक्षक की टिप्पणी	प्रबंधन उत्तर
1.	**मामले की प्रमुखता** – हम नोट संख्या 31(ii) के माध्यम से आपका ध्यान वित्तीय विवरणों की ओर आकर्षित करते हैं, जहां कंपनी ने स्पष्ट किया है कि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपी एंड एनजी), भारत सरकार से लंबित स्पष्टीकरण/सलाह के कारण सीएंडएजी को दिए गए आश्वासन के खिलाफ लंबित है। कच्चे तेल की मात्रा, कच्चे तेल के लेन–देन के मूल्य के लेखांकन के उपचार के संबंध में वित्तीय वर्ष 2020–21 की लेखापरीक्षा और खाते की पुस्तकों और वित्तीय विवरणों में इसकी सूची, कंपनी ने अपने खाते की पुस्तकों और वित्तीय विवरणों में इसे शामिल नहीं किया है। वित्त वर्ष 2020–21 और पहले के वर्षों की तरह नोट में केवल कच्चे तेल के भंडार के मात्रात्मक विवरण का खुलासा करना जारी रखा है। उपरोक्त मामले के संबंध में हमारी राय संशोधित नहीं है।	आईएसपीआरएल की बहियों में कच्चे तेल के लेन–देन के चित्रण के संबंध में अवलोकन के संदर्भ में, हम प्रस्तुत करते हैं कि कच्चे तेल के भंडार संप्रभु भंडार हैं, आईएसपीआरएल केवल भारत सरकार के भंडार का संरक्षक है इसलिए भारत सरकार की संपत्ति होने के कारण कच्चे तेल का खुलासा पुस्तकों में नहीं किया जा सकता है। आईएसपीआरएल के खाते सीएजी के आश्वासन के अनुपालन में आईएसपीआरएल द्वारा अपनाई गई प्रस्तुति की विधि के बारे में पुष्टि के लिए एक पत्र एमओपीएंडएनजी को भेजा गया है, जिसे ऑडिटर के साथ भी साझा किया गया था। चालू वर्ष के खातों में पहले के वर्षों की तरह खातों में नोट में मात्रा का उचित प्रकटीकरण जारी है।
2.	कंपनी ने संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का उचित रिकॉर्ड बनाए रखा है **लेकिन संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की मात्रा और स्थिति सहित पूर्ण विवरण रिकॉर्ड में नहीं दिखाया गया है।**	जैसा कि लेखा परीक्षकों ने देखा, कंपनी ने संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का उचित रिकॉर्ड बनाए रखा है। इसके अलावा, एचक्यूओ के साथ–साथ साइटों पर संपत्ति रजिस्टरों को बनाए रखा गया है। जैसा कि ऑडिटर द्वारा सलाह दी गई है, आवश्यक विवरण हमारे परिसंपत्ति रजिस्टरों में लागू होने के अनुसार अपडेट किए जाएंगे।
3.	कंपनी ने अमूर्त संपत्तियों (पाइपलाइनों के आरओयू) का उचित रिकॉर्ड बनाए रखा है, **लेकिन पूरा विवरण, जिसमें क्षेत्र, पंजीकरण रिकॉर्ड, खरीद का वर्ष, उपयोग की उपलब्ध तिथि, उपयोग करने की तिथि, उपयोगी जीवन, अमूर्त संपत्ति का अवशिष्ट मूल्य शामिल है, आदि अभिलेखों में नहीं दर्शाया गया है।**	राज्य सरकार द्वारा नियुक्त सक्षम प्राधिकारी के माध्यम से अमूर्त संपत्ति (पाइपलाइनों का आरओयू) पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन अधिनियम, 1962 के तहत अधिग्रहित की गई थी। **क्षेत्र और खरीद का वर्ष** – आरओयू के लिए अधिग्रहीत क्षेत्र का सारांश आईएसपीआरएल के पास उपलब्ध है। इस सारांश शीट में धारा 6(1) की अधिसूचना की तिथि भी शामिल है। **अभिलेखों का पंजीकरण** – धारा 6(1) भूमि में उपयोग के अधिकार के अधिग्रहण की दिशा में अंतिम दस्तावेज है। ऐसे मामलों में पंजीकरण की कोई प्रक्रिया नहीं है। **उपयोग के लिए उपलब्ध होने की तारीख और उपयोग में लाए जाने की तारीख** – ये विवरण लागू होने पर अपडेट किए जाएंगे।

<table>
<tr><th>क्र.सं</th><th>सांविधिक लेखा परीक्षक टिप्पणी</th><th>प्रबंधन उत्तर</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td>उपयोगी जीवन–
धारा 6(1) अधिसूचनाओं के माध्यम से, केंद्र सरकार ने आईएसपीआरएल की भूमि में उपयोगकर्ता के अधिकार (आरओयू) को निहित किया है। पाइपलाइन आरओयू का जीवन अनिश्चित है और क्षेत्र को परिशोधित करने की आवश्यकता नहीं है।
अवशिष्ट मूल्य –
भूमि में उपयोग का अधिकार मूल्यह्रास योग्य नहीं है और इसे मूल अधिग्रहीत लागत पर वर्ष दर वर्ष आगे बढ़ाया जाता है इसलिए अवशिष्ट मूल्य का प्रश्न इस मामले में लागू नहीं होता है।
वांछित और लागू होने वाले अन्य विवरण आरओयू रिकॉर्ड में अपडेट किए जाएंगे।</td></tr>
<tr><td>4.</td><td>हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण को मैंगलोर और पादुर इकाइयों में बाहरी एजेंसी के माध्यम से और आंतरिक रूप से विशाखापत्तनम इकाई में चरणबद्ध तरीके से प्रबंधन द्वारा भौतिक रूप से सत्यापित किया गया है, जो कि हमारी राय में उचित है। कंपनी के आकार और इसकी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की प्रकृति के अनुसार हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, इस तरह के सत्यापन पर कोई महत्वपूर्ण विसंगति नहीं देखी गई। हालांकि, हमने पाया कि प्रधान कार्यालय में संपत्ति, संयंत्र और उपकरण वर्ष के दौरान आंतरिक रूप से प्रबंधन द्वारा भौतिक रूप से सत्यापित नहीं किए गए थे। तदनुसार, हम उसमें विसंगतियों पर टिप्पणी करने में असमर्थ हैं, किसी भी मामले में और उस सीमा तक भौतिक सत्यापन की आवृत्ति की तर्कसंगतता।</td><td>संपत्ति का भौतिक सत्यापन आईएसपीआरएल टीम द्वारा आंतरिक रूप से किया गया है, सत्यापित रिपोर्ट लेखा परीक्षकों के साथ साझा की गई है।</td></tr>
<tr><td>5.</td><td>वित्तीय विवरणों के नोट संख्या 2 में प्रकट अचल संपत्तियों (उपयोग संपत्ति के अधिकार) के शीर्षक विलेख नीचे दिए गए मामलों को छोड़कर कंपनी के नाम पर रखे गए हैं :
<table>
<tr><th>संपत्ति का विवरण</th><th>सकल वहन मूल्य (लाख रुपये में)</th><th>आयोजित का नाम</th><th>यदि प्रमोटर डायरेक्टर हो या उनके रिश्तेदार या कर्मचारी</th><th>आयोजित की गई अवधि – जहां उपयुक्त हो, सीमा इंगित करें</th><th>कंपनी के नाम पर धारित न होने का कारण</th></tr>
<tr><td>उपयोग का अधिकार – मैंगलोर विशेष आर्थिक क्षेत्र में भूमि (104.73 एकड़)</td><td>रुपये 8452.5 लाख</td><td>मैंगलोर एसईजेड लिमिटेड और कंपनी के बीच हुआ लीज</td><td>नहीं</td><td>भूमि के कब्जे की तिथि से 26 जनवरी 2060 तक लीज। 100.02 एकड़ के लिए</td><td>कंपनी लीज डेड के पंजीकरण के लिए मैंगलोर एसईजेड</td></tr>
</table></td><td>आईएसपीआरएल ने एमएसईजेडएल से लीज पर लिए गए 104,73 एकड़ भूमि क्षेत्र को छोड़कर, जो विधिवत निष्पादित और पंजीकृत नहीं है, सभी 3 साइटों पर पट्टे पर एक भूमि ली है, जो विधिवत निष्पादित और पंजीकृत थी। आईएसपीआरएल लीज डीड के पंजीकरण के लिए एमएसईजेडएल के साथ अनुवर्ती कार्रवाई कर रहा है। MSEZL के साथ अनुवर्ती कार्रवाई के लिए पत्र लेखा परीक्षकों के साथ साझा किया गया है।</td></tr>
</table>

क्र.सं	सांविधिक लेखा परीक्षक टिप्पणी	प्रबंधन उत्तर

संपत्ति का विवरण	सकल वहन मूल्य (लाख रुपये में)	आयोजित का नाम	यदि प्रमोटर डायरेक्टर हो या उनके रिश्तेदार या कर्मचारी	आयोजित की गई अवधि – जहां उपयुक्त हो, सीमा इंगित करें	कंपनी के नाम पर धारित न होने का कारण
		एग्रीमेंट दिनांक 7 मार्च 2017 को कंपनी के नाम पर पंजीकृत नहीं किया गया।		उपलब्ध आवंटन की तिथि 23.11. 2009 और 4. 71 एकड़ के लिए 11.04. 2018 है। हालांकि कब्जे की डिलीवरी की तारीख का दस्तावेज कंपनी के रिकॉर्ड में नहीं है।	कंपनी लीज डेड के पंजीकरण के लिए मैंगलोर एसईजेड लिमिटेड के साथ कार्यवाही कर रही है

6. **इसके अलावा, जैसा कि प्रबंधन द्वारा प्रदान किए गए कच्चे तेल के परिमाणीकरण डेटा के लिए नोट संख्या 31(ii) में कहा गया है, हमने देखा है कि भारत सरकार एवं एडनोक के साथ कंपनी द्वारा रखे गए कच्चे तेल के स्टॉक में नुकसान हुआ है। इसका मूल्यांकन करने के लिए स्वतंत्र तकनीकी मूल्यांकन की आवश्यकता है**

आईएसपीआरएल भारत में एकमात्र इकाई है, जिसे अनलाइनेड रॉक कैवर्न्स के तहत कच्चे तेल के भंडारण के लिए एमओपीएनजी द्वारा एसपीवी के रूप में स्थापित किया गया है। चूँकि यह अवधारणा भारत के लिए नई है, एक 'विशेषज्ञों की समिति' का गठन आईएसपीआरएल के बोर्ड द्वारा किया गया था, जिसमें आईओसीएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल, एमआरपीएल ईआईएल के विशेषज्ञ शामिल थे, जिन्होंने घाटे के लिए मानदंडों को परिभाषित किया है, वर्तमान वर्ष के नुकसान परिभाषित मानदंडों के भीतर हैं।

इस आशय का एक उपयुक्त खुलासा नोट्स के नोट नंबर 31 (एच) में किया गया है जो इसका हिस्सा है। वित्तीय विवरण 'विशेषज्ञों की समिति' की रिपोर्ट, जिसे निदेशक मंडल द्वारा विधिवत अनुमोदित किया गया था, को भी लेखा परीक्षकों के साथ साझा किया गया है।

7. जानकारी के अनुसार, प्रबंधन अभ्यावेदन के स्पष्टीकरण, माल और सेवा कर, भविष्य निधि कर्मचारियों के राज्य बीमा, आयकर, बिक्री–कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य सहित कोई वैधानिक देय नहीं थे अतिरिक्त कर, उपकर और कोई अन्य वैधानिक देय जो **नीचे बताए गए को छोड़कर** किसी भी विवाद के कारण जमा नहीं किया गया है :

विवादित देय राशि का विवरण

क्र. सं.	संविधि का नाम	देयों के प्रकार	राशि (लाख ₹ में)	अवधि जिससे राशि संबंधित है	मंच जहां विवाद लंबित है	यदि कोई टिप्पणी हो
1.	आंध्र प्रदेश लघु खनिज रियायत नियमावली, 1996	रायल्टी	11,794.95	31 मार्च, 2018 तक	खान एवं भूविज्ञान निदेशालय, आंध्र प्रदेश	-

रॉयल्टी की मांग डीओएमजी (एपी) द्वारा उठाई गई थी, आईएसपीआरएल ने विभाग को बताया था कि उत्खनित चट्टान वीपीटी से संबंधित है इसलिए रॉयल्टी के भुगतान की देनदारी आईएसपीआरएल की नहीं है। अभ्यावेदन के बाद डीओएमजी (एपी) ने मांग के लिए दबाव बनाना बंद कर दिया लेकिन मांग को माफ नहीं किया। मामले को संबंधित दस्तावेजों के साथ लेखापरीक्षकों को समझाया गया था। आकस्मिक देयता के रूप में उचित प्रकटीकरण वित्तीय विवरणों के भाग बनने वाले खातों के नोट्स में किया जाता है।

क्र.सं	सांविधिक लेखा परीक्षक टिप्पणी	प्रबंधन उत्तर
8.	कंपनी के रिकॉर्ड की जांच की गई और आईएसपीआरएल ने हमें दी गई जानकारी, स्पष्टीकरण और प्रबंधन अभ्यावेदन द्वारा दिए गए सुझावों को नोट किया है, कंपनी के पास एक आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली है, **हालांकि, आकार के अनुरूप बनाने के लिए इसके दायरे को बढ़ाने की जरूरत है और कंपनी के कारोबार की प्रकृति।**	आईएसपीआरएल ने आंतरिक लेखापरीक्षा के दायरे को बढ़ाने के बारे में वैधानिक लेखापरीक्षकों द्वारा दिए गए सुझाव को नोट किया है। प्रबंधन द्वारा इसकी समीक्षा की जाएगी और यदि आवश्यक पाया गया तो वित्त वर्ष 2022–23 से आगे इस पर विचार किया जा सकता है।
9.	**हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और हमारे ऑडिट के आधार पर, कंपनी ने पिछली दिनांकित प्रविष्टियाँ पारित की हैं, इसलिए टैली अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर और भौतिक वाउचर के अनुसार वाउचर क्रम संख्या में मेल नहीं है, साथ ही किए गए परिवर्तनों और कारणों के लिए बिना किसी बैक–अप के टैली सॉफ्टवेयर में मूल वाउचर का संशोधन/सुधार अयस्क को बदलकर किया गया है।**	आईएसपीआरएल टैली अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर पैकेज पर अपने खाते की पुस्तकों का रखरखाव करता है। इस पैकेज में वाउचर नंबर लॉक करने की इनबिल्ट सुविधा नहीं है। मुख्यालय में लेखांकन के केंद्रीकरण के कारण, उनके बैंक खाते से साइट पर किए गए व्यय के वाउचर बाद में प्राप्त होते हैं और भुगतान की तिथि पर वाउचरों का लेखा–जोखा, भौतिक संख्या बुकिंग के माध्यम से वाउचर क्रम संख्या में बेमेल हो जाता है जो कि साईट के खर्चों की बुकिंग पूर्व दिनांक के अनुसार करने के कारण होती है। हालांकि, वाउचर सीरियल नंबर में बदलाव का आईएसपीआरएल के खातों की किताबों पर कोई वित्तीय प्रभाव नहीं पड़ता है। इसके अलावा टैली सॉफ्टवेयर को यथा लागू अपडेट किया जाएगा, इसके अलावा, उपयुक्त शासन तंत्र स्थापित किया जाएगा।
10.	**हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और हमारे ऑडिट के आधार पर, कुछ बैंक भुगतान वाउचरों का लेखा–जोखा लेन–देन की तारीख के बजाय भुगतान की तारीख के बाद किया गया है।**	आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई आईएसपीआरएल की गई है। वर्तमान में, लेन–देन की तारीख पर वाउचर बुक करने की कार्यवाही शुरू की गई है।
11.	**हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और हमारे ऑडिट के आधार पर, कंपनी में वर्ष के दौरान 10 से अधिक कर्मचारी हैं, लेकिन कंपनी ने ईएसआईसी अधिनियम, 1948 के तहत पंजीकरण नहीं लिया है और इसके प्रावधानों का पालन नहीं किया है।**	आईएसपीआरएल ने वैधानिक लेखापरीक्षकों द्वारा दिए गए सुझाव को नोट कर लिया है। आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

अनुलग्नक – घ

दिनांक 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड के वित्तीय विवरणों से संदर्भित भारत के नियंत्रक और ऑडिटर जनरल की कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत धारा 143(6) (बी) के तहत टिप्पणियां

इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड के दिनांक 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष संबंधी वित्तीय विवरणों को कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे के अनुसार तैयार करने का दायित्व कंपनी के प्रबंधन का है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा इस अधिनियम की धारा 139 (5) के तहत नियुक्त सांविधिक लेखा परीक्षक, इस अधिनियम की धारा 143(10) के अंतर्गत निर्धारित लेखा परीक्षण मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखा परीक्षण पर आधारित धारा 143 के तहत वित्तीय विवरणों पर मत व्यक्त करने के लिए उत्तरदायी हैं। यह उनके द्वारा दिनांक 17 नवम्बर, 2022 को लेखा परीक्षण रिपोर्ट को निर्दिष्ट किया गया है।

मैं, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ओर से अधिनियम की धारा 143(6)(ए) के तहत इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड के दिनांक 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के वित्तीय विवरणों के अनुपूरक लेखा परीक्षण को संचालित किया है। यह अनुपूरक लेखा परीक्षण संवैधानिक लेखा परीक्षकों के कार्यात्मक दस्तावेज़ों तक पहुंच के बिना स्वतंत्र रूप से किया गया है और मुख्य रूप से संवैधानिक लेखा परीक्षकों और कंपनी के कार्मिकों की पूछताछ और कुछ लेखांकन रिकॉर्डों की चयनात्मक परीक्षा तक ही सीमित है।

मेरे अनुपूरक लेखा परीक्षण के आधार पर मेरी जानकारी में ऐसा कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं आया है, जो अधिनियम की धारा 143(6)(बी) के तहत वैधानिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर किसी भी टिप्पणी को जन्म दे या उसका पूरक हो।

कृते एवं भारत के नियंत्रक एवं
महालेखा परीक्षक की ओर से

हस्ता./–
सी.एम. साने
महानिदेशक, वाणिज्यिक लेखा–परीक्षा मुंबई

स्थान : मुंबई
दिनांक : 21 दिसम्बर, 2022

फार्म एम आर–3

अनुलग्नक – ङ

सचिवालयीन लेखा–परीक्षा रिपोर्ट

[कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204(1) और कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिकों की नियुक्ति तथा पारिश्रमिक) नियमावली, 2014 के नियम संख्या 9 के अनुपालन में]

समाप्त वित्तीय वर्ष 31.03.2022 के लिए

सेवा में,

सदस्यगण,

इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड

301 वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर

तीसरा तल, बाबर रोड,

नई दिल्ली–110001

हमने **इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड** (इसके तदपश्चात ''कंपनी'' कहा गया है) द्वारा लागू वैधानिक प्रावधानों के अनुपालन और अच्छे कॉर्पोरेट प्रथाओं के पालन की सचिवीय ऑडिट किया है **[CIN No-U63023DL2004GOI126973]** सचिवालयी लेखापरीक्षा इस तरह से आयोजित किया गया था जिसमें हमें उचित कॉर्पोरेट आचरण/सांविधिक अनुपालन का मूल्यांकन करने और उस पर अपनी राय व्यक्त करने का उचित आधार था।

सचिवालयीन लेखा–परीक्षा के दौरान कंपनी की बहियों, कागजातों, कार्यवृत्त पुस्तिका, फार्म तथा दाखिल रिटर्न और कम्पनी द्वारा रखे गए अन्य रिकार्डों के हमारे सत्यापन और कम्पनी, इसके अधिकारियों, एजेंटों तथा प्राधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा मुहैया करवाई गई सूचना के आधार पर भी हम एतदद्वारा यह सूचित करते है कि हमारे मतानुसार कम्पनी ने **31 मार्च, 2022** को समाप्त वित्त वर्ष को कवर करने वाली लेखा–परीक्षा अवधि के दौरान नीचे सूचीबद्ध सांविधिक प्रावधानों का अनुपालन किया है और साथ ही कम्पनी में उचित बोर्ड प्रक्रिया तथा अनुपालन तंत्र विद्यमान है जिसका तरीका एवं एतदपश्चात सूचित करने के तरीके को दिया गया है:

हमने निम्नलिखित प्रावधानों के अनुसार 31 मार्च, 2022 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष हेतु कंपनी द्वारा रखे गए बहियों, कागजातों, कार्यवृत्त पुस्तिका, फार्म तथा दाखिल रिटर्न और कम्पनी द्वारा रखे गए अन्य रिकार्डों का परीक्षण निम्नलिखित प्रावधानों के अनुसार किया है :

(i) कम्पनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) और उसके अंतर्गत बनाए गए नियम;

(ii) प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 ('एससीआरए') और उसके अंतर्गत बनाए गए नियम;

(iii) निक्षेपागार अधिनियम, 1996 और उसके अंतर्गत बनाए गए विनियम तथा उप नियमय

(iv) विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, विदेश से प्रत्यक्ष निवेश तथा बाहरी वाणिज्यिक ऋणों की सीमा तक उसके अंतर्गत बनाए गए नियम तथा विनियमय; लागू नहीं

(v) भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 ('सेबी अधिनियम') के अंतर्गत विहित निम्नलिखित विनियम और दिशा–निर्देश :–

(क) भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (शेयरों का व्यापक अधिग्रहण और टेकओवर) विनियम, 2011: लागू नहीं

(ख) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (अंदरूनी व्यापार का निषेध) विनियम, 1992: लागू नहीं

(ग) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूंजी का मुद्दा और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2018: लागू नहीं

(घ) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना और कर्मचारी स्टॉक खरीद योजना) दिशानिर्देश, 2021: लागू नहीं

(ङ) कंपनी अधिनियम और क्लाइंट के साथ व्यवहार के संबंध में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एक निर्गम और शेयर हस्तांतरण एजेंटों के लिए रजिस्ट्रार) विनियम, 1993; लागू नहीं

(च) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (इक्विटी शेयरों का असूचीबद्ध होना) विनियम, 2021 : लागू नहीं

(छ) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (प्रतिभूतियों का पुनर्खरीद) विनियम, 2018 : लागू नहीं

(vi) अन्य लागू विधियां :

i) पेट्रोलियम अधिनियम, 1934;
ii) तेल उद्योग (विकास) अधिनियम, 1974;
iii) तेल क्षेत्र अधिनियम, 1948;
iv) भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884;
v) कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण), अधिनियम 2013

(vii) पर्यावरणीय कानून :

i) जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974
ii) वायु (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1981
iii) पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986
iv) हानिकारक पदार्थ (प्रबंधन और संचालन) नियम, 1989

हमनें कंपनी द्वारा अन्य लागू अधिनियमों के अंतर्गत अनुपालन हेतु कंपनी द्वारा बनाई गई प्रणालियों तथा तंत्र हेतु कंपनी और इसके अधिकारियों द्वारा दिए गए अभ्यावेदनों पर विश्वास किया है।

हमनें निम्नलिखित के लागू खंडों के साथ अनुपालन का भी परीक्षण किया है :

(i) भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी सचिवालयीन मानक।

(ii) कम्पनी द्वारा स्टाक एक्सचेंज(जों) के साथ किए गए सूचीकरण समझौते : लागू नहीं

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कंपनी ने 31.3.2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए ऊपर उल्लिखित अधिनियम, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों, मानकों आदि के प्रावधानों का लागू सीमा तक अनुपालन किया है।

हम आगे सूचित करते हैं कि

कंपनी के निदेशक मंडल को कार्यकारी निदेशकों और गैर–कार्यकारी निदेशकों के उचित संतुलन के साथ विधिवत गठित किया गया है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान हुए निदेशक मंडल की संरचना में परिवर्तन अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन में किए गए थे।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, कुछ बोर्ड बैठकें और समिति की बैठकें कम समय के नोटिस पर बुलाई गईं, एजेंडा पर विस्तृत नोट्स के साथ एजेंडा शॉर्ट नोटिस पर भेजा गया और निदेशकों से सहमति ली गई। बैठक से पहले एजेंडा मदों पर और जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त करने और बैठक में सार्थक भागीदारी के लिए एक प्रणाली मौजूद है।

बोर्ड/समिति की बैठकों के लिए कंपनी द्वारा बनाए गए कार्यवृत्त के अनुसार सभी निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए हैं। समीक्षाधीन अवधि के दौरान बोर्ड के सदस्यों ने किसी भी एजेंडा मद पर कोई असहमति व्यक्त नहीं की है।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी में लागू कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों की निगरानी और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कंपनी के आकार और संचालन के अनुरूप पर्याप्त प्रणाली और प्रक्रियाएं हैं।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी ने कंपनी के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन के मुख्य उद्देश्य खंड में बदलाव की उचित प्रक्रिया का पालन किया है और कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के प्रावधानों और उसके तहत नियमों का अनुपालन किया है।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि लेखापरीक्षा अवधि के दौरान कंपनी ने उपर्युक्त संदर्भित कानूनों, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों, मानकों आदि के अनुसरण में कंपनी के मामलों पर प्रमुख प्रभाव डालने वाली घटनाओं/कार्यवाही को अंजाम नहीं दिया है।

कृते पीजी और एसोसिएट्स के लिए

हस्ता./–
(प्रीति ग्रोवर)
कंपनी सचिव
एफसीएस नंबर 5862
सी पी नं.: 6065
पीयर रिव्यू नं. 772/2020

स्थान : नोएडा
दिनांक : 08/08/2022
यूडीआईएनः **एफ005862डी000727605**

अनुलग्नक–क

सेवा में,

सदस्यगण,
इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड
301 वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर
तीसरा तल, बाबर रोड
नई दिल्ली –110001

हमारी समसंख्यक तिथि की रिपोर्ट को इस पत्र के साथ पढ़ा जाए।

1. सचिवीय रिकॉर्ड का रखरखाव कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर सचिवीय अभिलेखों पर राय व्यक्त करना है।

2. हमने सचिवीय रिकॉर्ड की सामग्री की शुद्धता के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए उपयुक्त लेखापरीक्षा प्रथाओं एवं प्रक्रियाओं का पालन किया है। सत्यापन परीक्षण के आधार पर यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया था कि सचिवीय रिकॉर्ड में सही तथ्य परिलक्षित हों। हमारा मानना है कि हमने जिन प्रक्रियाओं और प्रथाओं का पालन किया है, वे हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करती हैं।

3. हमने कंपनी के वित्तीय रिकॉर्ड और लेखा पुस्तकों की शुद्धता और उपयुक्तता को सत्यापित नहीं किया है।

4. जहां भी आवश्यक हो, हमने कानूनों, नियमों और विनियमों के अनुपालन और घटनाओं के घटित होने आदि के बारे में प्रबंधन का प्रतिनिधित्व प्राप्त किया है।

5. कॉर्पोरेट और अन्य लागू कानूनों, नियमों, विनियमों, मानकों के प्रावधानों का अनुपालन प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी परीक्षा परीक्षण के आधार पर प्रक्रियाओं के सत्यापन तक सीमित थी।

6. सचिवीय ऑडिट रिपोर्ट न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता के रूप में आश्वासन है और न ही उस प्रभावकारिता या प्रभावशीलता के बारे में जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का संचालन किया है।

कृते पीजी और एसोसिएट्स के लिए

एसडी/–
(प्रीति ग्रोवर)
कंपनी सचिव
एफसीएस नंबर 5862
सी पी नं.: 6065
पीयर रिव्यू नं. 772/2020

स्थान : नोएडा
दिनांक : 08/08/2022

अनुलग्नक–ख

सत्यापित दस्तावेजों की सूची

1. 31 मार्च, 2021 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट।
2. लेखापरीक्षा के तहत वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित निदेशक मंडल, बोर्ड की लेखापरीक्षा समिति, नामांकन और पारिश्रमिक समिति की उनके संबंधित उपस्थिति रजिस्टरों के साथ बैठकों के कार्यवृत्त।
3. लेखापरीक्षा के तहत वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित आम सभा बैठक के कार्यवृत्त।
4. सांविधिक रजिस्टर अर्थात।
   - निदेशकों और केएमपी का रजिस्टर
   - स्थानान्तरण का रजिस्टर
   - सदस्यों का रजिस्टर
5. बोर्ड की बैठकों एवं समिति की बैठकों के लिए सभी निदेशकों/सदस्यों को प्रस्तुत नोटिस और एजेंडा पेपर।
6. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 184 और 164(2) के प्रावधानों के अनुसार कंपनी के निदेशकों से प्राप्त घोषणाएं/सूचना।
7. 1 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2022 तक कंपनी अधिनियम, 2013 के लागू प्रावधानों के तहत कंपनी द्वारा दयर किए गए सभी ई–फॉर्म और ऑडिट के तहत वित्तीय वर्ष के दौरान तत्सबंधी संलग्नक।
8. मैंगलोर, विशाखापत्तनम और पादुर के लिए प्रेशर वेसल में एलपीजी गैस स्टोर करने का लाइसेंस 30.09.2022 तक वैध।
9. मैंगलोर और पादुर के लिए दबाव वाले जहाजों में तरल नाइट्रोजन गैस को स्टोर करने का लाइसेंस 30.09.2022 तक और विशाखापत्तनम के लिए 30.09.2026 तक वैध है।
10. मैंगलोर के लिए एचएसडी स्टोर करने का लाइसेंस 31.12.2027 तक वैध, पादुर के लिए 31.12.2025 तक वैध और विशाखापत्तनम के लिए 31.12.2024 तक वैध।
11. मैंगलोर के लिए जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 25(4) के तहत बहिःस्राव और वायु (प्रदूषण की रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 की धारा 21 के तहत उत्सर्जन के लिए सहमति 30.06.2026 तक वैध है; विशाखापत्तनम 31.10.2025 तक वैध।
12. विशाखापत्तनम के लिए कच्चे तेल के भंडारण के लिए CCOE की मंजूरी 31.12.2023 तक, पादुर के लिए 31.12.2025 तक और मैंगलोर के लिए 31.12.2025 तक वैध है।
13. विशाखापत्तनम के लिए फैक्टरी लाइसेंस रद्द होने तक वैध, पादुर के लिए 31.12.2029 तक और मैंगलोर के लिए 31.12.2027 तक वैध।
14. वर्ष 2021–2022 के लिए ईएसआई चालान।
15. वर्ष 2021–2022 के लिए पीएफ चालान।
16. कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निषेध, रोकथाम एवं निवारण) अधिनियम, 2013 के तहत आईसी का गठन और अधिनियम के तहत 1.1.2021–31.12.2021 की अवधि के लिए दायर वार्षिक रिटर्न।

वार्षिक लेखे

2021-22

इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड
31 मार्च, 2022 के अनुसार तुलन–पत्र
सीआईएन :– U63023DL2004GOI126973

लाख ₹ में

	विवरण	टिप्पणी	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
(I)	**परिसंपत्तियां**			
	गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां			
	(क) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	2	3,17,996.26	3,28,009.11
	(ख) प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य	2.1	-	-
	(ग) अमूर्त परिसम्पत्ति	2.2	7,100.95	7,100.95
	(घ) वित्तीय परिसंपत्तियां			
	(i) ऋण	3.1	-	-
	(ii) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	3.2	26,010.07	9,356.15
	(ङ) आय कर परिसंपत्तियां (निवल)	4	900.39	169.69
	(च) अन्य गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	5	10,197.49	9,816.17
	उप जोड़		**3,62,205.16**	**3,54,452.07**
(II)	**वर्तमान परिसंपत्तियां**			
	(क) वित्तीय परिसंपत्तियां			
	(i) नकदी और नकदी तुल्य	6	2,921.59	7,444.18
	(ii) उपरोक्त के अलावा अन्य बैंक शेष राशि	7	-	-
	(iii) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	8	4,523.08	3,011.77
	(ख) अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां	9	2,865.62	1,378.68
	उप जोड़		**10,310.29**	**11,834.63**
	कुल संपत्तियां		**3,72,515.45**	**366,286.70**
(I)	**इक्विटी और देयताएं**			
	इक्विटी			
	(क) इक्विटी शेयर पूंजी	10	379,005.47	377,587.47
	(ख) अन्य इक्विटी	11	(53,467.06)	(43,535.66)
	उप जोड		**3,25,538.41**	**3,34,051.81**
(II)	**देयताएं**			
	गैर–वर्तमान देयताएं			
	(क) वित्तीय देयताएं			
	(i) उधारी		-	-
	(ik) पट्टा देयताएं	12.1	558.72	561.92
	(ii) अन्य वित्तीय देयताए	12.2	7.73	0.20
	(ख) प्रावधानं	12.3	16.42	-
	उप जोड़		**582.87**	**562.12**
(III)	**वर्तमान देयताएं**			
	(क) वित्तीय देयताएं			
	(i) उधारी	13.1	-	9,816.17
	(ik) पट्टा देयताएं	13.2	3.49	3.52
	(ii) देय व्यापार			
	(क) सूक्ष्म उद्यमों का कुल बकाया और छोटे उद्यम	14	224.87	297.78
	(ख) लेनदारों की कुल बकाया राशि अन्य सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों की तुलना में	14	1,300.63	1,139.85
	(iii) अन्य वित्तीय देयताएं	15	34,333.24	14,340.72
	(ख) प्रावधानों	16	0.39	-
	(ग) अन्य वर्तमान देयताएं	16.1	10,531.55	6,074.73
	उप जोड़		**46,394.17**	**31,672.77**
	कुल शेयर और देनदारियां		**372,515.45**	**366,286.70**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां — 1
लेखे पर टिप्पणियां — 2- 31(xxxxviii)
उपर्युक्त संदर्भित टिप्पणियां तुलन–पत्र का एक अभिन्न भाग है।
हमारी संलग्न तारीख रिपोर्ट के अनुसार

प्रसाद आजाद एंड कम्पनी
सनदी लेखाकार
फर्म रजीस्ट्रेशन संख्या : 001009एन

हस्ता./–
(के एम आजाद)
भागीदार
सदस्यता सं. 005125
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 17 नवम्बर, .2022

कृते निदेशक मंडल और उनकी ओर से

हस्ता./–	हस्ता./–
(नवनीत मोहन कोठारी)	(लखपत राय जैन)
निदेशक	सीईओ एवं एमडी
डीआईएन : 02651712	डीआईएन : 08505199
हस्ता./–	हस्ता./–
(गोपेश्वर कुमार सिंह)	(अरुण तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी	कंपनी सचिव

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 17 नवम्बर, .2022

इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड
31 मार्च, 2022 के अनुसार लाभ एवं हानि विवरण
सीआईएन :– U63023DL2004GOI126973

विवरण	टिप्पणी	लाख ₹ में 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष हेतु		लाख ₹ में 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष हेतु	
आय					
संचालन से राजस्व			-		-
अन्य आय	17		896.47		860.88
कुल आय			**896.47**		**860.88**
व्यय					
मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय	18		9,981.77		9,868.16
वित्त लागत (इंड एएस 116)	19		11.59		11.86
अन्य खर्चे					
-- संचालन और रखरखाव व्यय	20.1	14,753.98		11,446.95	
कम : संचालन एवं रखरखाव व्यय सरकार से पुनर्प्राप्त/पुनर्प्राप्त योग्य, एमओपी एंड एनजी, एडनोक तथा/एवं एचपीसीएल		14,753.98	-	11,446.95	-
-- चरण II परियोजना के लिए खर्चे			832.78		770.36
-- विवध व्यय	20.2		1.66		-
कुल व्यय			**10,827.80**		**10,510.52**
कर से पूर्व हानि			**(9,931.33)**		**(9,789.50)**
कर व्यय					
वर्तमान कर			-		-
पिछले वर्षों के लिए भुगतान किया गया आयकर (वीएसवी योजना के तहत)			-		13.35
कम :– भारत सरकार/ एमओपीएडजी से वसूल/वसूली योग्य			-		(13.35)
आस्थगित कर			-		-
कुल कर व्यय			**-**		**-**
वर्ष के लिए घाटा			**(9,931.33)**		**(9,789.50)**
अन्य व्यापक आय			**-**		**-**
वर्ष के लिए कुल व्यापक आय (लाभ/(हानि सहित) और वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय)			**(9,931.33)**		**(9,789.50)**
प्रति इक्विटी शेयर अर्जन (₹10/– प्रत्येक का अंकित मूल्य)	21				
(i) मूलभूत			(0.26)		(0.26)
(ii) तनुकृत			(0.26)		(0.26)

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां
लेखे पर टिप्पणियां
उपर्युक्त संदर्भित टिप्पणियां तुलन–पत्र का एक अभिन्न भाग है।
हमारी संलग्न तारीख रिपोर्ट के अनुसार

प्रसाद आजाद एंड कम्पनी
सनदी लेखाकार
फर्म रजीस्ट्रेशन संख्या : 001009एन

हस्ता./–
(के एम आजाद)
भागीदार
सदस्यता सं. 005125
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 17 नवम्बर, 2021

1
2- 31(xxxxviii)

कृते निदेशक मंडल और उनकी ओर से

हस्ता./–
(नवनीत मोहन कोठारी)
निदेशक
डीआईएन : 02651712

हस्ता./–
(लखपत राय जैन)
सीईओ एवं एमडी
डीआईएन : 08505199

हस्ता./–
(गोपेश्वर कुमार सिंह)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता./–
(अरूण तलवार)
कंपनी सचिव

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 17 नवम्बर, 2021

इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड
31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष हेतु नकदी प्रवाह विवरण
सीआईएन :– U63023DL2004GOI126973

लाख ₹ में

क्र.सं.	विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष हेतु
(क)	**परिचालन गतिविधियों से नकदी प्रवाह विवरण**		
	कराधान से पहले शुद्ध लाभ/(हानि)	**(9,931.33)**	**(9,789.50)**
	समायोजन हेतु :–		
	पूर्व अवधि परिवर्तन	-	(261.87)
	कर	-	-
	मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय	9,996.85	9,883.28
	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का पूंजीकरण	(10.50)	-
	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का विपूंजीकरण	44.47	266.92
	वित्त लागत (इंड एएस 116)	11.59	11.86
	ब्याज आय	(61.37)	(85.56)
	कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पहले परिचालन लाभ	**49.71**	**25.13**
	समायोजन हेतु : –		
	(वृद्धि)/कमी वित्तीय और अन्य संपत्तियों में	(8,513.89)	54,935.16
	देनदारियों और प्रावधानों में वृद्धि/(कमी)।	3,590.92	(57,573.35)
	कार्यशील पूंजी में शुद्ध वृद्धि/(कमी)	**(4,922.97)**	**(2,638.19)**
	संचालन से उत्पन्न नकदी	**(4,873.26)**	**(2,613.06)**
	भुगतान किए गए प्रत्यक्ष कर (वापसी का शुद्ध)	(730.70)	(106.36)
	ऑपरेशन से कुल नकदी प्रवाह (ए)	**(5,603.96)**	**(2,719.42)**
(ख)	**निवेश गतिविधियों से नकदी प्रवाह**		
	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की खरीद	(17.97)	(12.91)
	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का विपूंजीकरण	-	369.78
	सावधि जमा में निवेश (3 महीने से अधिक)	(12,186.80)	(3,943.79)
	प्राप्त ब्याज	61.37	85.56
	निवेश गतिविधियों में उपयोग की जाने वाली शुद्ध नकदी (बी)	**(12,143.40)**	**(3,501.36)**
(ग)	**वित्तीय गतिविधियों से नकदी प्रवाह**		
	इक्विटी शेयर पूंजी जारी करने से आय	1,418.00	-
	आय / (पुर्नभुगतान) उधार से	(9,816.17)	9,816.17
	भारत सरकार / एमओपीएनजी से दूसरे चरण के लिए अनुदान से आय	21,000.00	-
	ओआईडीबी से दूसरे चरण के लिए अनुदान (वापसी का शुद्ध) से आय	803.41	235.13
	ओआईडीबी से अनुदान का परिशोधन	(832.78)	(770.36)
	इक्विटी शेयर पूंजी जारी करने पर स्टाम्प शुल्क	(0.07)	-
	ब्याज लागत (इंड एएस 116)	(11.59)	(11.86)
	पट्टा देयताएं (इंड एएस 116)	(3.23)	(3.26)
	वित्तीय गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह (ग)	**12,557.57**	**9,265.82**
(घ)	**नकद तथा नकद समकक्षों में शुद्ध वृद्धि/कमी (क–ख+ग)**	**(5,189.79)**	**3,045.04**
	नकद तथा नकद समकक्षों का प्रारंभिक शेष	**7,444.18**	**4,399.14**
	नकद तथा नकद समकक्षों का अंतिम शेष	**2,254.39**	**7,444.18**
	नकद तथा नकद समकक्षों के घटक		
	बैंकों के पास शेष		
	– चालू खातों में	2,252.84	2,222.73
	– जमा खातों में		
	– सावधि जमा (3 महीने तक की मूल परिपक्वता के साथ)	-	5,220.90
	––हाथ में नकदी	1.55	0.55
	कुल	**2,254.39**	**7,444.18**

नोट :
1 कैश फ्लो स्टेटमेंट आईएनडी एएस 7 में निर्धारित "अप्रत्यक्ष विधि" के तहत कैश फ्लो का उपरोक्त विवरण तैयार किया गया है।

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां
लेखे पर टिप्पणियां
उपर्युक्त संदर्भित टिप्पणियां तुलन–पत्र का एक अभिन्न भाग है।
हमारी संलग्न तारीख रिपोर्ट के अनुसार

प्रसाद आजाद एंड कम्पनी
सनदी लेखाकार
एफआरएन 001009एन

हस्ता./–
(के एम आजाद)
भागीदार
सदस्यता सं. 005125
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 17.11.2021

1
2- 31(xxxxviii)

कृते निदेशक मंडल और उनकी ओर से

हस्ता./–	हस्ता./–
(नवनीत मोहन कोठारी)	(लखपत राय जैन)
निदेशक	सीईओ एवं एमडी
डीआईएन : 02651712	डीआईएन : 08505199
हस्ता./–	हस्ता./–
(गोपेश्वर कुमार सिंह)	(अरुण तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी	कंपनी सचिव

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 17.11.2021

इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड
31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष हेतु इक्विटी में परिवर्तन का विवरण

क. इक्विटी शेयर पूंजी

लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
रिपोर्टिंग अवधि की शुरुआत में शेष राशि (क)	3,77,587.47	3,77,587.47
पूर्व अवधि की त्रुटियों के कारण इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन (ख)	-	-
रिपोर्टिंग अवधि की शुरुआत में बहाल शेष राशि (ग) = (क) + (ख)	**3,77,587.47**	**3,77,587.47**
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन (घ)	1,418.00	-
रिपोर्टिंग अवधि के अंत में शेष राशि (ङ) = (ग) (घ)	**3,79,005.47**	**3,77,587.47**

ख. अन्य इक्विटी

लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
	प्रतिधारित आय	
रिपोर्टिंग अवधि की शुरुआत में शेष राशि (ए)	(43,535.66)	(33,484.29)
लेखा नीति में परिवर्तन या पूर्व अवधि की त्रुटियां (बी)	-	(261.87)
रिपोर्टिंग अवधि की शुरुआत में बहाल शेष राशि (ग) = (क) + (ख)	**(43,535.66)**	**(33,746.16)**
प्रतिधारित आय में स्थानांतरित (घ)	(9,931.33)	(9,789.50)
जारी किए गए शेयर पर स्टैंप ड्यूटी (ङ)	(0.07)	-
वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय (च)	-	-
रिपोर्टिंग अवधि के अंत में शेष (छ) = (ग) + (घ) + (ङ) + (च)	**(53,467.06)**	**(43,535.66)**

प्रसाद आजाद एंड कम्पनी
सनदी लेखाकार
एफआरएन 001009एन

हस्ता./–
(के एम आजाद)
भागीदार
सदस्यता सं. 005125

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 17.11.2021

कृते निदेशक मंडल और उनकी ओर से

हस्ता./–
(नवनीत मोहन कोठारी)
निदेशक
डीआईएन : 02651712

हस्ता./–
(लखपत राय जैन)
सीईओ एवं एमडी
डीआईएन : 08505199

हस्ता./–
(गोपेश्वर कुमार सिंह)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता./–
(अरुण तलवार)
कंपनी सचिव

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 17.11.2021

इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड
वित्तीय विवरणों का भाग होने वाली टिप्पणियां

टिप्पणी सं. 2 : संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

लाख ₹ में

विवरण	सकल ब्लाक					मूल्यह्रास				निवल ब्लाक	
	1 अप्रैल, 2021 के अनुसार	वर्ष के दौरान परिवर्धन	इंड एएस 116 के प्रभाव	निपटान/कटौती/अंतरण/पुनः वर्गीकरण/पुनः निर्धारण जीवनकाल	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 तक मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	निपटान/कटौती/अंतरण/पुनः वर्गीकरण/पुनः निर्धारण जीवनकाल	31 मार्च, 2022 तक कुल मूल्यह्रास	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
(क) भवन	18,447.50	-		-	18,447.50	1,950.62	510.83	(1.37)	2,460.08	15,987.42	16,496.88
(ख) सड़के तथा पुलिया	3,165.30	-		-	3,165.30	1,614.03	241.37	-	1,855.40	1,309.90	1,551.27
(ग) संयंत्र और मशीनरी	1,26,759.86	-		(5.51)	1,26,754.35	19,835.83	5,164.79	(1.00)	24,999.62	1,01,754.73	1,06,924.03
(घ) कैवर्न	2,02,948.33	-		(28.72)	2,02,919.61	12,708.20	3,382.47	(2.84)	16,087.83	1,86,831.78	1,90,240.13
(ङ) फर्नीचर और फिक्सचर	167.11	0.69		-	167.80	66.35	15.51	(0.03)	81.83	85.97	100.76
(च) परिवहन वाहन	131.41	-		-	131.41	57.67	15.61	-	73.28	58.13	73.74
(छ) कार्यालय उपकरण	451.62	5.17		-	456.79	383.40	26.31	(7.04)	402.67	54.12	68.22
(ज) कम्प्यूटर	1,243.54	12.11		-	1,255.65	893.15	125.99	(6.78)	1,012.36	243.29	350.39
(झ) उपयोग का अधिकार (इंड एएस–116)*	13,269.83	-	–	0.26	13,270.09	1,066.14	533.03	-	1,599.17	11,670.92	12,203.69
कुल	**3,66,584.50**	**17.97**	**-**	**(33.97)**	**3,66,568.50**	**38,575.39**	**10,015.91**	**(19.06)**	**48,572.24**	**3,17,996.26**	**3,28,009.11**

विगत वर्ष

लाख ₹ में

विवरण	सकल ब्लाक					मूल्यह्रास				निवल ब्लाक	
	1 अप्रैल, 2020 के अनुसार	वर्ष के दौरान परिवर्धन	इंड एएस 116 के प्रभाव	निपटान/कटौती/अंतरण/पुनः वर्गीकरण/पुनः निर्धारण जीवनकाल	31 मार्च, 2021 के अनुसार	31 मार्च, 2020 तक मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	निपटान/कटौती/अंतरण/पुनः वर्गीकरण/पुनः निर्धारण जीवनकाल	31 मार्च, 2021 तक कुल मूल्यह्रास	31 मार्च, 2021 के अनुसार	31 मार्च, 2020 के अनुसार
(क) भवन	18,503.73	-		(56.23)	18,447.50	1,439.67	511.56	(0.61)	1,950.62	16,496.88	17,064.06
(ख) सड़के तथा पुलिया	3,165.30	-		-	3,165.30	1,322.12	291.91	-	1,614.03	1,551.27	1,843.18
(ग) संयंत्र और मशीनरी	1,26,759.86	-		-	1,26,759.86	14,676.62	5,159.21	-	19,835.83	1,06,924.03	1,12,083.24
(घ) कैवर्न	2,03,579.56	-		(631.23)	2,02,948.33	9,325.85	3,392.87	(10.52)	12,708.20	1,90,240.13	1,94,253.71
(ङ) फर्नीचर और फिक्सचर	129.05	-		38.06	167.11	47.97	17.13	1.25	66.35	100.76	81.08
(च) परिवहन वाहन	131.41	-		-	131.41	42.06	15.61	-	57.67	73.74	89.35
(छ) कार्यालय उपकरण	436.54	6.29		8.79	451.62	329.54	53.28	0.58	383.40	68.22	107.00
(ज) कम्प्यूटर	1,233.03	6.62		3.89	1,243.54	975.21	136.25	(218.31)	893.15	350.39	257.82
(झ) उपयोग का अधिकार (इंड एएस–116)*	13,269.83	-	-	-	13,269.83	533.07	533.07	-	1,066.14	12,203.69	12,736.76
कुल	**3,67,208.31**	**12.91**	**-**	**(636.72)**	**3,66,584.50**	**28,692.11**	**10,110.89**	**(227.61)**	**38,575.39**	**3,28,009.11**	**3,38,516.20**

*नोट संख्या 22.1 और लेखा नीति संख्या 1.11 देखें

इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड
वित्तीय विवरणों का भाग होने वाली टिप्पणियां

टिप्पणी सं. 2.1 : प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य

लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
	-	-
कुल	-	-

टिप्पणी सं. 2.2 : अन्य अमूर्त परिसंपत्तियां

अमूर्त परिसंपत्तियां (पाइपलाइन के लिए आरओयू)

लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
वर्ष की शुरुआत के रूप में सकल ब्लॉक	7,100.95	7,100.95
वर्ष के दौरान अन्य संपत्तियों से जोड़ / स्थानांतरण	-	-
निपटान / कटौती / स्थानांतरण / पुनर्वर्गीकरण	-	-
वर्ष के अंत में सकल ब्लॉक	7,100.95	7,100.95
वर्ष की शुरुआत में अमूर्तकरण	-	-
वर्ष के दौरान अमूर्तकरण	-	-
निपटान / कटौती / स्थानांतरण / पुनर्वर्गीकरण	-	-
वर्ष के अंत में अमूर्तकरण	-	-
निवल खंड	**7,100.95**	**7,100.95**

नोटः पाइपलाइन के लिए आरओयू निरंतर आधार पर अधिग्रहित किया जाता है, इसलिए कोई अमूर्तकरण प्रदान नहीं किया जा रहा है।

वित्तीय विवरणों का भाग होने वाली टिप्पणियां

टिप्पणी सं. 3.1 – ऋण

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
	लाख ₹ में	
	-	-
कुल	**-**	**-**

टिप्पणी सं. 3.2 – अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
	लाख ₹ में	
सुरक्षा जमा	690.05	556.18
प्रवेश कर से वसूली योग्य कर्नाटक, (बीजी नकदीकरण के विरुद्ध)	74.64	74.64
सावधि जमा (मूल परिपक्वता के साथ एक वर्ष से अधिक)*	20,244.92	8,725.33
[₹ 509.82 लाख का अर्जित ब्याज शामिल है (वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए ₹ 109.90 लाख)]		
*** गिरवी जमा राशियों के विवरण के लिए नोट संख्या 31 (xvi) देखें**		
एचसीसी के मध्यस्थता मामले के लिए उच्च न्यायालय दिल्ली के पास जमा [नोट संख्या 31(xxxxii) देखें]	5,000.46	-
कुल	**26,010.07**	**9,356.15**

नोट संख्या 4 आयकर संपत्ति

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
	लाख ₹ में	
इनकम टैक्स एसेट्स (वित्त वर्ष 2018–19)	14.16	14.16
इनकम टैक्स एसेट्स (वित्त वर्ष 2019–20)	15.71	15.71
इनकम टैक्स एसेट्स (वित्त वर्ष 2020–21)	38.13	35.81
इनकम टैक्स एसेट्स (वित्त वर्ष 2021–22)	104.01	104.01
इनकम टैक्स एसेट्स (वित्त वर्ष 2022–23)	728.38	-
कुल	**900.39**	**169.69**

टिप्पणी सं. 5 – अन्य गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
	लाख ₹ में	
(अप्रतिभूत परिशोधित लागत पर अच्छे माने गए)		
द्वितीय चरण परियोजना भूमि अधिग्रहण के लिए केआईडीबी की अग्रिम पूंजी	9,819.38	9,816.17
पूर्वदत्त व्यय	378.11	-
कुल	**10,197.49**	**9,816.17**

टिप्पणी सं. 6 – नकदी और नकदी तुल्य

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
	लाख ₹ में	
बैंक शेष :		
चालू खाते में	2,252.84	2,222.73
बैंक डिपॉजिट में		
सावधि जमा (तीन महीने तक की मूल परिपक्वता के साथ)	-	5,220.90
सावधि जमा (तीन महीने से अधिक की मूल परिपक्वता के साथ लेकिन एक वर्ष तक)	667.20	-
नकद शेष :		
हस्तगत नकदी	1.55	0.55
कुल	**2,921.59**	**7,444.18**

टिप्पणी वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनते है –

टिप्पणी सं. 7 – बैंक राशि उपरोक्त के अलग		लाख ₹ में
विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
	-	-
कुल	-	-

टिप्पणी सं. 8 – अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां		लाख ₹ में
विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
(परिशोधित लागत पर असुरक्षित माना जाता है)		
एचपीसीएल से प्राप्य (ओ एंड एम व्यय)	1,250.62	2,015.94
एचपीसीएल से प्राप्य (ओ एंड एम के अलावा)	49.44	50.07
एचसीसी मध्यस्थता मामले के लिए भारत सरकार/एमओपीएनजी से प्राप्य वाईजैग [नोट संख्या 31(xxxxiii) देखें]	1,864.08	-
चरण II भारत सरकार / एमओपीएंडजी से प्राप्य व्यय	-	49.15
एडनोक से वसूली योग्य परिचालन और अन्य व्यय	1,337.33	877.28
बिजली कंपनियों के साथ सुरक्षा जमा पर उपार्जित ब्याज	17.83	19.33
कर्मचारियों को यात्रा अग्रिम	3.78	-
कुल	**4,523.08**	**3,011.77**

टिप्पणी सं. 9 – अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां		लाख ₹ में
विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
(असुरक्षित अच्छा माना जाता है)		
कच्चे तेल की बिक्री के लिए एमआरपीएल से वसूली योग्य	1,159.35	-
एमआरपीएल से वसूली योग्य (अन्य)	1.89	
ओआईडीबी से वसूली योग्य व्यय	0.16	-
आपूर्तिकर्ता को अग्रिम	8.78	3.77
प्रीपेड खर्चे	1,204.82	735.78
जीएसटी क्रेडिट प्राप्य	490.62	639.12
अन्य – शेयरों पर स्टाम्प शुल्क के एवज में अग्रिम	-	0.01
कुल	**2,865.62**	**1,378.68**

टिप्पणी सं. 10 – शेयर पूंजी

लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार		31 मार्च, 2021 के अनुसार	
	शेयरों की संख्या	राशि	शेयरों की संख्या	राशि
इक्विटी शेयर पूंजी				
(क) प्राधिकृत				
₹10/– प्रत्येक के इक्विटी शेयर	3,83,25,60,000	3,83,256.00	3,83,25,60,000	3,83,256.00
(ख) निर्गत, अभिदत्त और पूर्णतः प्रदत्त				
₹10/– प्रत्येक के इक्विटी शेयर	3,79,00,54,670	3,79,005.47	3,77,58,74,670	3,77,587.47

टिप्पणियां

(i) इक्विटी शेयरों की संख्या का मिलान :

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार		31 मार्च, 2021 के अनुसार	
₹10/– प्रत्येक के इक्विटी शेयर				
प्रारंभिक शेष	3,77,58,74,670		3,77,58,74,670	
जारी किए गए शेयर	1,41,80,000		-	
पुनः खरीद किए गए शेयर	-		-	
अंतिम शेष	3,79,00,54,670		3,77,58,74,670	

(ii) होल्डिंग कंपनी के पास शेयरः

शेयरधारकों का नाम	31 मार्च, 2022 के अनुसार		31 मार्च, 2021 के अनुसार	
	धारित शेयरों कर संख्या	शेयरों की उस श्रेणी में धारित का %	धारित शेयरों कर संख्या	शेयरों की उस श्रेणी में धारित का %
₹ 10/– प्रत्येक के इक्विटी शेयर				
तेल उद्योग विकास बोर्ड, नई दिल्ली और उसके नामित	3,79,00,54,670	100%	3,77,58,74,670	100%
कुल	**3,79,00,54,670**	**100%**	**3,77,58,74,670**	**100%**

(iii) 5% से अधिक शेयर रखने वाले शेयरधारकों का विवरण :

शेयरधारकों का नाम	31 मार्च, 2022 के अनुसार		31 मार्च, 2021 के अनुसार	
	धारित शेयरों कर संख्या	शेयरों की उस श्रेणी में धारित का %	धारित शेयरों कर संख्या	शेयरों की उस श्रेणी में धारित का %
₹ 10/– प्रत्येक के इक्विटी शेयर				
तेल उद्योग विकास बोर्ड, नई दिल्ली और उसके नामित	3,79,00,54,670	100%	3,77,58,74,670	100%
कुल	**3,79,00,54,670**	**100%**	**3,77,58,74,670**	**100%**

(iv) प्रमोटर शेयरहोल्डिंग पैटर्न

वर्ष 2021–22 के अंत में प्रमोटरों द्वारा रखे गए शेयर

प्रमोटर का नाम	शेयरों की सख्यां	कुल शेयरो का %	वर्ष के दौरान बदलाव %
तेल उद्योग विकास बोड	3,79,00,54,670	100%	0.38%

वर्ष 2020–21 के अंत में प्रमोटरों द्वारा रखे गए शेयर

प्रमोटर का नाम	शेयरों की सख्यां	कुल शेयरों का %	वर्ष के दौरान बदलाव %
तेल उद्योग विकास बोड	3,77,58,74,670	100%	शून्य

(v) इक्विटी शेयरों से जुड़े अधिकार, प्राथमिकताएं और प्रतिबंध

कंपनी के पास इक्विटी शेयरों की केवल एक श्रेणी है जिनका प्रति मूल्य ₹10 प्रत्येक का है और एक शेयर पर एक मत दिया जा सकता है। निगम के परिसमापन की स्थिति में इक्विटी शेयर धारकों, उनके द्वारा धारित इक्विटी की संख्या के अनुपात में कंपनी की शेष परिसंपत्तियों को प्राप्त करने के हकदार होंगे।

(vi) तुलन पत्र के अुनसार पिछले पाँच वर्षों की अवधि के लिए

(क) नकदी में भुगतान प्राप्त किए बिना भुगतान (अनुबंधों) के अनुसार पूरी तरह भुगतान किए गए शेयरों की कुल संख्या।	शून्य
(ख) बोनस शेयरों के माध्यम से पूरी तरह से भुगतान के रूप में आवंटित शेयरों के वर्ग की कुल संख्या; और	शून्य
(ग) शेयरों एवं श्रेणियों के वर्ग की कुल संख्या वापस लाई गई।	शून्य

वित्तीय विवरणों का भाग होने वाली टिप्पणियां

टिप्पणी सं. 11 – अन्य इक्विटी

लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
प्रतिधारित आय का संतुलन :		
पिछले वर्ष के खातों से शेष हानि को आगे लाया गया	(43,535.66)	(33,484.29)
लेखांकन नीति या पूर्व अवधि की त्रुटियों में परिवर्तन	-	(261.87)
जारी किए गए इक्विटी शेयर पर स्टैंप ड्यूटी	(0.07)	-
लाभ/(हानि) वर्ष के लिए	(9,931.33)	(9,789.50)
कुल	**(53,467.06)**	**(43,535.66)**

नोट संख्या 12.1 पटट्ा देयताएं

लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
पटट्ा देयताएं	558.72	561.92
कुल	**562.12**	**561.92**

टिप्पणी सं. 12.2 – अन्य वित्तीय देयताएं

लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
आपूर्तिकारों/संविदाकारों से जमा/जमा	7.73	0.20
कुल	**7.73**	**0.20**

नोट संख्या 12.3 प्रावधान

लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
कर्मचारी लाभ के लिए प्रावधान		
(क) नकदीकरण छोड़ें	10.91	-
(ख) ग्रेच्युटी	5.51	-
कुल	**16.42**	**-**

टिप्पणी सं. 13.1 – उधारी

लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
संबंधित पक्षों से ऋण		
संबंधित पार्टियों से असुरक्षित ऋण (ओआईडीबी)		
(ओआईडीबी से प्राप्त अस्थायी ब्याज मुक्त अग्रिम द्वितीय चरण के लिए भूमि के अधिग्रहण के लिए केआईएडीबी को भूमि अधिग्रहण लागत के रूप में जमा करने के लिए यह अग्रिम बजटीय सहायता से अप्रैल 2021 में पुर्नभुगतान होना था) (बजटीय आवंटन में से 9216.17 लाख दिनांक 28.05.2021 को चुकाया गया (बीई 2021–22) दिनांक 25.05.2021 को भारत सरकार/एमओपीएनजी से प्राप्त)	-	9,816.17
कुल	**-**	**9,816.17**

टिप्पणी सं. 13.2 – व्यापार देयताएं

लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
पटट्ा देयताएं	3.49	3.52
कुल	**3.49**	**3.52**

टिप्पणी सं. 14 – व्यापार देयताएं

लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
i) सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों की कुल बकाया राशि	224.87	297.78
ii) सूक्ष्म उद्यमों के अलावा लेनदारों की कुल बकाया राशि और छोटे उद्यम	1,300.63	1,139.85
कुल	**1,525.50**	**1,437.63**

वित्तीय विवरणों का भाग होने वाली टिप्पणियां

व्यापार देय आगे बढ़ने की अनुसूची

भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया – वित्त वर्ष 2021–22

लाख ₹ में

विवरण	1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
(i) एमएसएमई	224.87	0.00	0.00	0.00	224.87
(ii) अन्य	1,300.49	0.14	0.00	0.00	1,300.63
(iii) विवादित देय राशि–एमएसएमई	-	-	-	-	-
(iv) विवादित देय राशि – अन्य	-	-	-	-	-

व्यापार देयता समय अनुसूची

भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया – वित्त वर्ष 2020–21

लाख ₹ में

विवरण	1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
(i) एमएसएमई	297.69	0.00	0.02	0.07	297.78
(ii) अन्य	1,094.36	0.55	1.38	43.56	1,139.85
(iii) विवादित देय राशि–एमएसएमई	-	-	-	-	-
(iv) विवादित देय राशि – अन्य	-	-	-	-	-

लाख ₹ में

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से संबंधित विवरण	2021-22	2020-21
(क) प्रत्येक लेखा पर्ष के अंत में किसी भी आपूर्तिकर्ता को बकाया शेष राशि;		
मूलधन	224.87	297.78
ब्याज	0	0
(ख) माइक्रो, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 (2006 का 27), की धारा 16 के संदर्भ में खरीदार द्वारा भुगतान की गई ब्याज की राशि, साथ में नियत दिन के बाद आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान की राशि प्रत्येक लेखा वर्ष के दौरान;	0	0
(ग) भुगतान में देरी की अवधि के लिए देय और देय ब्याज की राशि भुगतान (जिसका भुगतान किया गया है लेकिन वर्ष के दौरान नियत दिन से परे) लेकिन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006; के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना	0	0
(घ) अर्जित ब्याज एवं देय ब्याज की राशि और प्रत्येक लेखा वर्ष के अन्त में; और	0	0
(ङ) माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम की धारा 23 के तहत उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के तहत कटौती योग्य व्यय की अस्वीकृति के उद्देश्य के लिए, उस तिथि तक, जब तक उपरोक्त देय ब्याज वास्तव में लघु उद्यम को भुगतान नहीं किया जाता है, तब तक बकाया ब्याज की राशि और बाद के वर्षों में भी देय होती है।	0	0

टिप्पणी सं. 15– अन्य वित्तीय देयताएं

लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
अन्य		
एडीएनओसी को देय [नोट संख्या 31(iv) देखें]	4,776.01	7,000.00
भारत सरकार/एमओपीएंडजी (एडनोक) को देय [नोट संख्या 31 (iv) देखें]	2,223.99	-
द्वितीय चरण के लिए भारत सरकार/एमओपीएनजी से अनुदान	21,000.00	-
चरण I के लिए ओ एंड एम व्यय के लिए भारत सरकार/एमओपीएनजी से प्राप्त अग्रिम	5,454.83	6,209.81
आपूर्तिकर्ताओं/ठेकेदारों से जमा	878.41	1,130.91
कुल	**34,333.24**	**14,340.72**

नोट संख्या 16.1 – प्रावधान

लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
कर्मचारी लाभ के लिए प्रावधान		
(क) अवकाश का नकदीकरण	0.38	-
(ख) ग्रेच्युटी	0.01	-
कुल	**0.39**	**-**

टिप्पणी सं. 16.2 – अन्य वर्तमान देयताएं

लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
वैधानिक बकाया	97.36	149.18
भारत सरकार/एमओपीएनजी को देय (कच्चे तेल की बिक्री)	1,160.41	-
भारत सरकार/एमओपीएनजी को देय/वापसी योग्य (कच्चा तेल अनुदान और एनसीसीडी)	55.29	4,237.44
उच्च न्यायालय दिल्ली में जमा करने के लिए भारत सरकार/एमओपीएनजी से फंड	5,000.46	-
एचसीसी का मध्यस्थता मामला [नोट संख्या देखें 31(xxxxii)]		
एचसीसी मध्यस्थता मामले विजाग के लिए देय [नोट संख्या देखें 31(xxxxiii)]	1,864.08	-
भारत सरकार/एमओपीएनजी को देय (पादुर जीएसटी आरसीएम)	89.04	-
भारत सरकार/एमओपीएनजी को देय (अनुदान/अन्य फंड पर ब्याज और उस पर टीडीएस)	2,155.02	1,548.86
एचपीसीएल वाईजैग को देय	97.28	97.28
ओआईडीबी से अनुदान	-	29.36
अन्य	12.61	12.61
कुल	**10,531.55**	**6,074.73**

टिप्पणी सं. 17 – अन्य आय

लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष हेतु
बिजली कंपनियों के साथ सुरक्षा जमा पर ब्याज	19.80	21.28
बैंक जमा पर ब्याज	41.57	64.28
ओआईडीबी से अनुदान का परिशोधन (द्वितीय चरण)	832.78	770.36
जुर्माना और परिसमापन हर्जाना	-	2.62
इनकम टैक्स रिफंड पर ब्याज	2.32	2.34
कुल आय	**896.47**	**860.88**

टिप्पणी सं. 18 – मूल्यह्रास और परिशोधन खर्च

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
	लाख ₹ में	
मूल्यह्रास	9,463.82	9,350.21
लीज रेंट (लीजहोल्ड लैंड) का परिशोधन	533.03	533.07
कम :– भारत सरकार से ओएंडएम व्यय के रूप में वसूली (इंड एस–116)	(15.08)	(15.12)
शुद्ध मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय	**9,981.77**	**9,868.16**

टिप्पणी सं.19 वित्त लागत

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
	लाख ₹ में	
लीज देनदारी पर ब्याज	41.36	41.59
कम :– भारत सरकार से ओ एंड एम व्यय के रूप में वसूली (इंड एस–116)	(29.77)	(29.73)
शुद्ध वित्त लागत	**11.59**	**11.86**

अन्य खर्चे

नोट संख्या 20.1 संचालन एव रखरखाव व्यय

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
	लाख ₹ में	
ओ एंड एम व्यय		
क) जनशक्ति व्यय (परियोजना स्थल) (आईटीबीपी के अलावा)	4,548.82	4,309.17
ख) जनशक्ति व्यय – आईटीबीपी	336.90	1,311.96
ग) बिजली खर्च	1,507.96	1,360.10
घ) बीमा व्यय	3,941.00	2,428.52
ङ) उपभोज्य व्यय	464.96	472.94
च) मैंगलोर विशेष आर्थिक क्षेत्र ओ एंड एम प्रभार	106.09	107.13
छ) एचओ व्यय	1,137.02	780.91
ज) बॉयलर	3.84	34.20
झ) एएमसी और पुर्जों	336.91	270.47
ञ) परीक्षण और अंशांकन	49.28	24.36
ट) वैधानिक भुगतान	108.52	31.06
ठ) हाइड्रो – भूवैज्ञानिक निगरानी	42.65	65.96
ड) कैवर्नों के लिए पानी	35.86	106.93
ढ) पर्यावरण मंजूरी के अनुसार हरित पट्टी का विकास	50.35	31.51
ण) मरम्मत और रखरखाव	1.91	
त) पट्टा किराया और लाइसेंस शुल्क	122.92	21.96
थ) कॉरिडोर शुल्क – मैंगलोर	94.91	89.77
द) एचसीसी मध्यस्थता मामले वाईजैग के लिए व्यय [नोट संख्या देखें। 31(xxxxiii)]	1,864.08	-
कुल	**14,753.98**	**11,446.95**
कम : – ओ एंड एम खर्चे वसूली योग्य भारत सरकार तथा/या एचपीसीएल से प्रप्ति योग्य	14,137.63	11,069.92
कम : – एडनोक से वसूली योग्य परिचालन लागत	616.35	377.03
कुल	**14,753.98**	**11,446.95**
द्वितीय चरण के लिए विस्तृत व्यवहार्यता रिपोर्ट (डीएफआर) व्यय	832.78	770.36
कुल	**832.78**	**770.36**

नोट : ओ एंड एम व्यय का उपरोक्त विभाजन द्वारा प्रदान किए गए व्यय शीर्ष के आधार पर किया गया है जोकि वाउचर पर साइट द्वारा दिया जाता है अतः लेखा सॉफ्टवेयर में कोई अलग शीर्ष वार सामान्य खाता नहीं रखा जाता है।

नोट संख्या 20.2 विविध व्यय

विवरण	31 मार्च, 2022 के अनुसार	31 मार्च, 2021 के अनुसार
	लाख ₹ में	
रॉक संबंधित व्यय	1.65	-
स्टाम्प ड्यूटी व्यय को बट्टे खाते में डालना	0.01	-
कुल	**1.66**	**-**

टिप्पणी संख्या 21 : भारतीय लेखा मानकों–33 के तहत ईपीएस के प्रकटीकरण

लाख ₹ में

टिप्पणी	विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष हेतु
	प्रति शेयर आय		
(i)	**मूल**		
	इक्विटी शेयरधारकों को वर्ष के लिए लाभ / (हानि)	(9,931.33)	(9,789.50)
	बकाया इक्विटी शेयरों की भारित संख्या	3,78,56,64,697	3,77,58,74,670
	प्रति शेयर बराबर मूल्य	10.00	10.00
	निरंतर संचालन से प्रति शेयर हानि – मूल	(0.26)	(0.26)
(ii)	**तनुकृत**		
	इक्विटी शेयरधारकों को वर्ष के लिए लाभ / (हानि)	(9,931.33)	(9,789.50)
	बकाया शेयरों की भारित संख्या – तनुकृत के लिए	3,78,56,64,697	3,77,58,74,670
	प्रति शेयर बराबर मूल्य	10.00	10.00
	निरंतर संचालन से प्रति शेयर नुकसान – तनुकृत	(0.26)	(0.26)

टिप्पणी संख्या 22 : पट्टों, प्रतिबद्धताओं और आकस्मिकताओं

22.1 पट्टों

कंपनियों (भारतीय लेखा मानकों) संशोधन नियम, 2019 और कंपनियों (भारतीय लेखा मानकों) द्वितीय संशोधन नियम, 2019 के माध्यम से कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (MCA) ने इंड एएस–116 पट्टों के रूप में अधिसूचित किया है जो मौजूदा पट्टे इंड एएस 17 के रूप में पट्टे और अन्य व्याख्याओं की जगह लेता है। इंड एएस–116 पट्टों के लिए एक बैलेंस शीट लीज़ अकाउंटिंग मॉड्यूल पेश करता है।

(i) 1 अप्रैल, 2019 से प्रभावी, कंपनी ने संशोधित पूर्वव्यापी संक्रमण विधियों का उपयोग करते हुए इंड एएस–116 के रूप में अपने पट्टों के लिए अपनाया है। पट्टा देयता को प्रारंभिक आवेदन की तारीख में वृद्धिशील उधार दर का उपयोग करके छूट प्राप्त शेष पट्टे के भुगतानों के वर्तमान मूल्य पर मापा जाता है और उपयोग की संपत्ति का अधिकार पट्टे की देयता और प्रीपेड किराया के बराबर राशि पर मान्यता दी गई है, प्रारम्भिक आवेदन की तारीख से पहले जो बैलेंस शीट में मान्यता, यदि कोई हो। कंपनी ने अप्रैल 2019 के लिए ओआईडीबी (100% शेयरधारक) ब्याज दर को अपनाया है। इसके अलावा, कंपनी ने निम्नलिखित समीचीन प्रयास किया है :–

(i) कंपनी ने यह आश्वस्त नहीं किया है कि कोई अनुबंध है, या उसमें शामिल है, प्रारंभिक आवेदन की तिथि पर एक पट्टा, यानी अनुबंध 31 मार्च, 2019 को इंड एएस 17 के अनुसार पट्टे पर वर्गीकृत किया गया।

(ii) इंड एएस–116 के रूप में पट्टों के रूप में माना जाता है और अनुबंध के लिए मानक लागू नहीं है जो पहले इंड एएस 17 के रूप में इंड एएस को लागू करने वाले पट्टे के रूप में पहचाने नहीं गए थे

(iii) पट्टे जिनके लिए प्रारंभिक आवेदन की तारीख के 12 महीने के भीतर पट्टे की शर्तें समाप्त हो जाती हैं, उन्हें कम समय के पट्टों के रूप में देखा गया है

कंपनी ने भूमि से संबंधित पट्टे की व्यवस्था में प्रवेश किया है। रिपोर्टिंग अवधि के तहत बिक्री और लीज बैक लेनदेन की व्यवस्था नहीं है।

लीज़होल्ड भूमि के लिए महत्वपूर्ण पट्टों का विवरण निम्नानुसार हैः –

(क) 37 एकड़ भूमि के लिए 30 वर्षो की अवधि के लिए विशाखापत्तनम पोर्ट ट्रस्ट के साथ व्यवस्था।

(ख) 104.73 एकड़ भूमि के लिए 50 वर्षों की अवधि के लिए मैंगलोर स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन के साथ व्यवस्था।

(ग) कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) के साथ 20 साल की अवधि के लिए 138.56 एकड़ भूमि की व्यवस्था।

(घ) 37.35 एकड़ भूमि का 15 वर्षो की अवधि के लिए कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) के साथ व्यवस्था।

(ii) **लाभ और हानि खाते के विवरण में मान्यता प्राप्त राशि या उपयोग के अधिकार की राशि :**

	₹ लाख में	
	2021-22	**2020-21**
– प्रीपेड लीज रेंटल को उपयोग के अधिकार के रूप में पूंजीकृत किया गया है	लागू नहीं	लागू नहीं
– उपयोग के अधिकार और पट्टे की बाध्यता में वृद्धि	0.26	लागू नहीं
– मूल्यह्रास उपयोग के अधिकार में वृद्धि पर मान्यता प्राप्त है	15.08	15.12
– प्रीपेड लीज रेंटल पर मान्यता प्राप्त मूल्यह्रास	517.95	517.95
– लीज ऑब्लिगेशन पर ब्याज	41.36	41.59
– वृद्धिशील उधार दर	7.94%	7.94%
– लीज रेंटल भुगतान	44.85	44.85

पीपीई में शामिल उपयोग के अधिकार का विवरण अंतर्निहित परिसंपत्तियों के वर्ग द्वारा पट्टों के रूप में निम्नानुसार आयोजित किया गया है :

	₹ लाख में		
परिसंपत्ति वर्ग	**सकल ब्लॉक 31 मार्च, 2022 तक**	**संचित मूल्यह्रास 31 मार्च, 2022 तक**	**शुद्ध वहन मूल्य 31 मार्च, 2022 तक**
उपयोग का अधिकार	13270.09	1599.17	11670.92

31 मार्च, 2022 को ग्रॉस ब्लॉक में 01 अप्रैल, 2019 से पहले रुपये 12698.11 लाख के शुद्ध वहन मूल्य पर दर्ज किए गए परिचालन पट्टे शामिल हैं, जिन्हें 01 अप्रैल, 2019 को (इंड एएस 116 के कार्यान्वयन पर) उपयोग के अधिकार में पुनर्वर्गीकृत किया गया था।

भविष्य के नकदी बहिर्वाह के मद का विवरण, जिसे कंपनी पट्टे के रूप में उजागर करती है, लेकिन पट्टे की देनदारियों के माप में परिलक्षित नहीं होते हैं:

(i) **परिवर्तनीय लीज भुगतान**

परिवर्तनीय लीज भुगतान जो एक इंडेक्स पर निर्भर करता है या लीज देयता के माप में शामिल होने के लिए एक दर है जो प्रारंभ तिथि पर भुगतान नहीं किया जाता है। सामान्य उद्योग अभ्यास के अनुसार, कंपनी विभिन्न वैरिएबल लीज पेमेंट को लागू करती है, जो किसी इंडेक्स या रेट (केएमएस कवर या बिक्री के प्रतिशत आदि पर आधारित वैरिएबल) पर आधारित नहीं हैं और लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त हैं और लीज देयता के माप में शामिल नहीं हैं।

(ii) **विस्तार और समाप्ति विकल्प**

कंपनी के पट्टे की व्यवस्था में केवल परिचालन के लिए लचीलापन प्रदान करने के लिए विस्तार विकल्प शामिल है। कंपनी हर पट्टे के शुरू होने पर आकलन करती है कि क्या विस्तार विकल्पों का उपयोग करना उचित है और आगे के आश्वासन पर यह सुनिश्चित करना कि क्या यह विकल्प का उपयोग करना उचित है या नहीं, इसके नियंत्रण में परिस्थितियों में एक महत्वपूर्ण बदलाव है, हालांकि, जहां कंपनी को विस्तार करने के लिए एकल विवेक है अनुबंध इस तरह के पट्टे की अवधि में पट्टे प्रयोगशालाओं की गणना के उद्देश्य से शामिल है।

(iii) **अवशिष्ट मूल्य की गारंटी**

कोई अवशिष्ट मूल्य की गारंटी नहीं है।

(iv) प्रतिबद्ध पट्टे जो अभी शुरू होने हैं

कोई प्रतिबद्ध पट्टा नहीं है जो अभी शुरू होना है।

(v) नॉन–कैंसेबल ऑपरेटिंग लीज के लिए भविष्य की न्यूनतम लीज रेंटल प्रतिबद्धता के बीच अंतर 31 मार्च, 2019 को लीज देयता की तुलना में 1 अप्रैल, 2019 तक के हिसाब से बताया गया, जो मुख्य रूप से रद्द करने योग्य के लिए लीज भुगतान के वर्तमान मूल्य को शामिल करने के कारण है। इंड एएस–116 की आवश्यकता के अनुसार लीज़ देनदारियों में छूट और पट्टों के लिए प्रतिबद्धताओं के बहिष्कार के कारण कटौती, जिसके लिए कंपनी ने मानक के अनुसार व्यावहारिक समीक्षक को लागू करने के लिए चुना है।

(vi)	इस मानक के लागू होने से वर्ष के लिए कर पूर्व लाभ में क्रमशः 11.59 लाख रुपये (पिछले वर्ष : 11.86 लाख रुपये) (मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय और वित्त लागत में वृद्धि) में 56.44 लाख रुपये (पिछले वर्ष रुपया 56.71 लाख) और कार्यालय, प्रशासन, बिक्री और अन्य खर्चों में रुपये 44.85 लाख (पिछले वर्ष 44.85 लाख रुपये) की कमी आई है।
22.2	**आकस्मिक देयताएं, आकस्मिक संपत्तियां और प्रतिबद्धताएं (उस सीमा तक जिसके लिए प्रावधान नहीं किया गया है)** **विवरण** **(क) आकस्मिक देनदारियां** **रुपये 42982.47 लाख (पिछले वर्ष : रुपये 96174.59 लाख) की राशि कंपनी के विरुद्ध दावे के ऋण के रूप में स्वीकार नहीं की गई**। जिसमें शामिल हैं – क) वाईजैग में खान और भूविज्ञान विभाग द्वारा रॉयल्टी की विवादित मांग रुपये 11794.95 लाख (पिछले वर्ष : रुपये 11794.95 लाख) ख) ठेकेदारों द्वारा रुपये 31112.88 लाख (पिछले वर्ष : रुपये 84305.00 लाख) के विवादित दावों को ईआईएल द्वारा विभिन्न साइटों पर शुरू की गई परियोजनाओं के कारण खारिज कर दिया गया, जिसके लिए मामले आर्बिट्रल ट्रिब्यूनल और उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित हैं। ग) प्रवेश कर की विवादित मांग रुपये 74.64 लाख (पिछले वर्ष रूपये 74.64 लाख)। कंपनी ने प्रवेश कर के विवाद के समाधान के लिए कर्नाटक सरकार द्वारा प्रख्यापित कर समाधान योजना का लाभ उठाया है। कंपनी के अनुसार कोई देयता नहीं है और कंपनी ने प्रवेश कर के लिए रुपये 74.64 लाख की जबरन वसूली के खिलाफ रिट याचिका दायर की है और यह मामला माननीय कर्नाटक उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। **(ख) आकस्मिक संपत्ति** – रुपये शून्य (पिछले वर्ष रूपये शून्य) **(ग) पूंजी प्रतिबद्धताओं** पूंजी खाते पर निष्पादित किए जाने वाले शेष अनुबंधों की अनुमानित राशि और रूपये शून्य के लिए प्रदान नहीं किया गया (पिछले वर्ष : शून्य) **(घ) अन्य प्रतिबद्धताएं** – रुपये शून्य (पिछले वर्ष : रुपये शून्य)

इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड
वित्तीय विवरणों का भाग होने वाली टिप्पणियां

टिप्पणी सं. 23 : संबंधित पक्ष प्रकटीकरण

इंड एएस 24 के अनुसार संबंधित पार्टियों का ब्यौरा नीचे दिया गया है :

विवरण

संबंधित पक्षों के ब्यौरे :

संबंध का विवरण	संबंधित पक्षों का नाम
धारक संगठन	तेल उद्योग विकास बोर्ड (ओआईडीबी) ने कंपनी में 100% इक्विटी धारित की हुई है।
प्रमुख प्रबंधन कार्मिक (केएमपी)	1. श्री एचपीएस आहुजा, सीईओ और एमडी, आईएसपीआरएल (01.06.2022 को सेवानिवृत्त) 2. श्री जी.के. सिंह, सीएफओ, आईएसपीआरएल 3. श्री अरुण तलवार, कंपनी सचिव, आईएसपीआरएल 4. श्री अजय दशोरे, उप सीईओ/सीईओ और एमडी (अतिरिक्त प्रभार) 17.06.2022 **निदेशक मंडल (पदेन)** 1. श्री. तरुण कपूर, अध्यक्ष (30.11.2021 तक) 2. श्री पंकज जैन, अध्यक्ष (20.01.2022 से प्रभावी) 3. श्री राजेश अग्रवाल, निदेशक (23.09.2021 तक) 4. श्री गुड्डे श्रीनिवास, निदेशक (03.11.2021 से प्रभावी) 5. श्री बी.एन रेड्डी, निदेशक (15.09.2021 तक) 6. डॉ. निरंजन कुमार सिंह, निदेशक (14.10.2021 तक) 7. डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, निदेशक (03.11.2021 से प्रभावी) 8. सुश्री इंद्राणी कौशल, निदेशक (24.09.2021 तक) 9. सुश्री ईशा श्रीवास्तव, निदेशक (22.12.2021 से प्रभावी)

लाख ₹ में

		31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष हेतु
(i)	**केएमपी पारिश्रमिक**		
	सीईओ एवं एमडी	47.29	47.29
	सीएफओ*	93.90	74.43
	कंपनी सचिव*	72.39	56.34
	कुल	**213.58**	**178.06**
	*संबंधित मूल कंपनी से प्राप्त डेबिट नोटों के आधार पर		
(ii)	**धारक कपंनी (ओआईडीबी)**		
	शेयरों का आवंटन/शेयर आवेदन राशि	1,418.00	-
	ओआईडीबी को व्यय की प्रतिपूर्ति	21.78	20.49
	फेस II के खर्चो के लिए अनुदान	804.87	594.91
	ओआईडीबी की ओर से किया गया व्यय	0.16	-
	द्वितीय चरण के लिए अप्रयुक्त अनुदान की वापसी	1.46	359.78
	ब्याज मुक्त असुरक्षित ऋण	-	9,816.17

संबंधित पार्टियों के साथ बकाया राशि

(लाख ₹ में)

		31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष हेतु
(i)	**धारक कपंनी (ओआईडीबी)**		
	असुरक्षित ऋण	-	9,816.17
	उनकी ओर से किए गए व्यय के लिए ओआईडीबी से वसूली योग्य	0.16	-
	व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए ओआईडीबी को देय	21.78	20.49

	इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड **वित्तीय विवरणों का भाग होने वाली टिप्पणियां** **टिप्पणी सं. 24 : खंड रिपोर्टिंग**
1.	कंपनी भारत सरकार के संप्रभुत्व वाले खनिज तेल भंडारों हेतु भंडारण परिसंपत्तियों के निर्माण तथा ऐसी परिसंपत्तियों का रखरखाव भी करती है, इसे एकल प्राथमिक खंड माना जाता है।
2.	भौगोलिक सूचना लागू नहीं है क्योंकि कंपनी के सभी प्रचालन भारत के भीतर है।
	टिप्पणी सं. 25 : वित्तीय उपकरणों **श्रेणी के अनुसार वित्तीय उपकरणों** 1) प्रबंधन ने यह आकलन किया है कि नकदी तथा नकदी तुल्य, अन्य वर्तमान वित्तीय परिसंपत्तियों, देय व्यापार, अल्पावधि ऋण और अन्य वर्तमान वित्तीय देयताओं के उचित मूल्य का आकलन उनकी वहन राशि के लगभग पर किया जाता है। 2) वित्तीय परिसंपत्तियां तथा देयताओं के उचित मूल्य को उस राशि में शामिल किया जाता है जिस पर लिखत को इच्छुक पक्षों के मध्य किसी वर्तमान संव्यवहार में आदान–प्रदान किया जाता है, सिवाय किसी बाध्यकारी या परिसमापन बिक्री के। 3) उचित मूल्य स्तर के संबंध में उक्त प्रकटीकरण लागू नहीं होता है।

इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड
वित्तीय विवरणों का भाग होने वाली टिप्पणियां

टिप्पणी सं. 26 – वित्तीय जोखिम प्रबंधन उद्देश्य और नीतियां

1) वित्तीय जोखिम कारक

कंपनी की गतिविधियां इसे विभिन्न प्रकार के वित्तीय जोखिमों में उजागर करती हैं : बाजार जोखिम, ऋण जोखिम और तरलता जोखिम। कंपनी का प्राथमिक फोकस वित्तीय बाजारों की अप्रत्याशितता का अनुमान लगाना और इसके वित्तीय प्रदर्शन पर संभावित प्रतिकूल प्रभावों को कम करना है। कंपनी के लिए प्राथमिक बाजार जोखिम ब्याज दर जोखिम है। ओ एंड एम के खर्चे जीबीएस के द्वारा मिलते हैं इसलिए यह किसी भी वास्तविक ब्याज दर जोखिम के संपर्क में नहीं है।

कंपनी की मुख्य वित्तीय देयताओं में व्यापार तथा अन्य प्राप्य और सुरक्षा जमा शामिल है। इन वित्तीय देयताओं का मुख्य उद्देश्य कंपनी के प्रचालनों का वित्त–पोषण है। कंपनी की मुख्य वित्तीय परिसंपत्तियों में अन्य प्राप्य, अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां और नकदी/नकदी तुल्य शामिल है जो सीधे प्रचालनों से निकलते है।

वर्तमान में कंपनी इसके प्राकृतिक व्यापार संपर्क तथा साथ ही साथ ब्याज दर, विदेशी मुद्रा विनिमय दरों से संबंधित बाजार जोखिम सहित वित्तीय लेखपत्र के उपयोग से उत्पन्न होने वाले किसी वित्तीय जोखिम के संपर्क में नहीं है। वरिष्ठ प्रबंधन कंपनी हेतु उचित वित्तीय जोखिम शासन ढांचे के साथ इन जोखिमों के प्रबंधन की निगरानी करता है।

2) बाजार जोखिम

बाजार जोखिम ऐसा जोखिम है जहां किसी वित्तीय लेखपत्र के उचित मूल्य या भविष्य के नकदी प्रवाह में बाजार मूल्यों में परिवर्तन के कारण उतार–चढ़ाव होते हैं। बाजार मूल्यों में तीन प्रकार के जोखिम शामिल होते हैं : मुद्रा दर जोखिम, ब्याज दर जोखिम और अन्य मूल्य जोखिम। बाजार जोखिम द्वारा प्रभावित वित्तीय लेखपत्रों में ऋण तथा उधार, जमा, निवेश, तथा व्युत्पन्न वित्तीय लिखत शामिल होते हैं। विदेशी मुद्रा जोखिम वह जोखिम होता है जहां किसी वित्तीय लेखपत्र के उचित मूल्य या भविष्य के नकदी प्रवाह में विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन के कारण उतार–चढ़ाव होते हैं। ब्याज दर जोखिम वह जोखिम होता है जहां किसी वित्तीय लेखपत्र के उचित मूल्य या भविष्य के नकदी प्रवाह में बाजार ब्याज दरों में परिवर्तन के कारण उतार–चढ़ाव होते हैं। वर्तमान में कंपनी के वित्तीय लेखपत्र किसी भौतिक बाजार जोखिम के संपर्क में नहीं है।

3) उधार जोखिम

ग्राहक के उधार जोखिम का प्रबंधन प्रत्येक व्यापार इकाई द्वारा ग्राहक ऋण जोखिम प्रबंधन से संबंधित कंपनी की स्थापित नीतियों, प्रक्रियाओं तथा नियंत्रण के अधीन किया जाता है। किसी ग्राहक की उधार गुणवत्ता का आकलन व्यापक विश्लेषण पर आधारित होता है और बकाया ग्राहक प्रप्तियों की नियमित रूप से निगरानी की जाती है। वर्तमान में कोई व्यापार प्राप्य नहीं है।

4) तरलता जोखिम

कंपनी निधियों की कमी के अपने जोखिम की निगरानी ध्यानपूर्वक करती है। कंपनी अपनी नकदी आवश्यकता का प्रबंधन धारक कंपनी से अल्पावधि ऋणों पर पहुंच बनाए रखते हुए करती है।

नीचे दी गई तालिका 31 मार्च, 2022 के अनुसार महत्वपूर्ण वित्तीय देयताओं की संविदात्मक परिपक्वताओं के संबंध में ब्यौरा दर्शाती है :

लाख ₹ में

विवरण	1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–4 वर्ष	4 वर्ष से अधिक	कुल
ऋण	-	-	-	-	-
देय व्यापार	1,525.50	-	-	-	**1,525.50**
अन्य वित्तीय देयताएं	34,333.24	6.90	0.83	-	**34,340.97**
कुल	**35,858.74**	**6.90**	**0.83**	**-**	**35,866.47**

नीचे दी गई तालिका 31 मार्च, 2021 के अनुसार महत्वपूर्ण वित्तीय देयताओं की संविदात्मक परिपक्वताओं के संबंध में ब्यौरा दर्शाती है :

(लाख ₹ में)

विवरण	1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–4 वर्ष	4 वर्ष से अधिक	कुल
ऋण	9,816.17	-	-	-	**9,816.17**
देय व्यापार	1,437.63	-	-	-	**1,437.63**
अन्य वित्तीय देयताएं	14,340.72	0.20	-	-	**14,340.92**
कुल	**25,594.52**	**0.20**	**-**	**-**	**25,594.72**

टिप्पणी सं. 27 : पूंजीगत प्रबंधन

कंपनी के पूंजी प्रबंधन के उद्देश्य से

चरण I के तहत – पूंजी में इक्विटी धारकों के लिए जारी इक्विटी पूंजी और अन्य सभी इक्विटी रिजर्व शामिल हैं। कंपनी के पूंजी प्रबंधन का प्राथमिक उद्देश्य शेयरधारक मूल्य को अधिकतम करना है।

चरण II परियोजना के तहत – भूमि अधिग्रहण के लिए पूंजी का प्रबंधन जीबीएस के माध्यम से जीओआई / एमओपीएनजी द्वारा किया जा रहा है।

इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड
वित्तीय विवरणों का भाग होने वाली टिप्पणियां

नोट संख्या 28 : विदेशी मुद्रा में भुगतान (समतुल्य आईएनआर)

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष हेतु (लाख ₹ में)	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष हेतु (लाख ₹ में)
यात्रा	6.98	-
माल और सेवाओं के लिए भुगतान	29.93	968.10
कुल	**36.91**	**968.10**

नोट संख्या 29 : विदेशी मुद्रा में आय

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष हेतु (लाख ₹ में)	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष हेतु (लाख ₹ में)
आय	शून्य	शून्य

नोट संख्या 30 : कर्मचारी लाभ प्रकटीकरण

(i) भारतीय लेखा मानक 19 के अनुसार ग्रेच्युटी प्रकटीकरण विवरण (इंड एएस 19)

क. कंपनी द्वारा प्रदान की गई और गणना के लिए नियोजित एक्चुरियल मान्यताओं को सारणीबद्ध किया गया है:

छूट की दर	प्रति वर्ष 7.25%
वेतन वृद्धि दर	10.00% प्रति वर्ष
नश्वरता	आईएएलएम 2012–14
वापसी की अपेक्षित दर	0
निकासी दर (प्रति वर्ष)	5.00% प्रति वर्ष

ख. मूल्यवान लाभ

सामान्य सेवानिवृत्ति की आयु	60 साल
वेतन	अंतिम आहरित अर्हकारी वेतन
निहित अवधि	5 साल की सेवा
सामान्य सेवानिवृत्ति पर लाभ	15/26* वेतन* पिछली सेवा (वर्ष)।
मृत्यु और विकलांगता के कारण जल्दी निकलने पर लाभ	उपरोक्त के अलावा कोई निहित शर्तें लागू नहीं होती हैं
सीमा	₹ 2000000

ग. वर्तमान देयता ('कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III के अनुसार अगले वर्ष में अपेक्षित भुगतान) :

अवधि	अवधि तक : 31.03.2022
वर्तमान देयता (लघु अवधि)*	₹ 824
गैर वर्तमान देयता (दीर्घकालिक)	₹ 5,50,532
कुल देयता	₹ 5,51,356

(ii) भारतीय लेखा मानक 19 के अनुसार अवकाश प्रकटीकरण विवरण (इंड एएस 19)

क. कंपनी द्वारा प्रदान की गई और गणना के लिए नियोजित एक्चुरियल मान्यताओं को सारणीबद्ध किया गया है :

छूट की दर	प्रति वर्ष 7.25%
वेतन वृद्धि दर	10.00% प्रति वर्ष
नश्वरता	आईएएलएम 2012–14
वापसी की अपेक्षित दर	0
निकासी दर (प्रति वर्ष)	5.00% प्रति वर्ष

ख. मूल्यवान लाभ

सामान्य सेवानिवृत्ति की आयु	60 साल
वेतन	कंपनी के नियमों के अनुसार
सामान्य सेवानिवृत्ति पर लाभ	1/30 *वेतन* पत्तों की संख्या
जल्दी निकलने पर लाभ	ऊपर के रूप में, कंपनी के नियमों के अधीन
मृत्यु पर लाभ	ऊपर के रूप में, कंपनी के नियमों के अधीन

इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड वित्तीय विवरणों का भाग होने वाली टिप्पणियां		
ग. वर्तमान देयता (*कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III के अनुसार अगले वर्ष में अपेक्षित भुगतान):		
	अवधि	तिथि तक: 31-03-2022
	वर्तमान देयता (लघु अवधि)*	₹ 37577
	गैर वर्तमान देयता (दीर्घकालिक)	₹ 10,90,606
	कुल देयता	₹ 11,28,183

इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड
वित्तीय विवरणों का भाग होने वाली टिप्पणियां

टिप्पणी सं. 31 – अन्य टिप्पणियां

31 अन्य टिप्पणियां

(i) कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2012–13 से 2016–17 के लिए विवाद से विश्वास अधिनियम, 2020 के तहत लाभ प्राप्त किया था और पूर्व के वर्षों में ₹ 663.47 लाख का भुगतान किया जा चुका है। मांग का निराकरण कर दिया गया है तथा वर्ष के दौरान विभाग द्वारा प्रपत्र–5 जारी किया गया है, फलस्वरूप सभी प्रकरणों को बंद कर दिया गया है।

(ii) सॉवरेन क्रूड ऑयल रिजर्व को भारत सरकार की ओर से कस्टोडियन के रूप में कंपनी के पादुर, मैंगलोर और विशाखापत्तनम के तीन स्थलों पर रखा गया है। विशाखापत्तनम में कैवर्न बी का उपयोग एचपीसीएल द्वारा अपने संचालन के लिए किया जाता है और कच्चे तेल की संपत्ति पूरी तरह से एचपीसीएल के स्वामित्व में है। मैंगलोर में कैवर्न ए का उपयोग एडनोक द्वारा आईएसपीआरएल के साथ समझौते के तहत अपने स्वयं के कच्चे तेल के भंडारण के लिए किया जाता है।

तेल की मात्रा जो भारत सरकार की ओर से आईएसपीआरएल के पास है, के बारे में सीएजी को वित्त वर्ष 2020–21 के ऑडिट के दौरान खातों की किताबों और वित्तीय विवरणों में लेखांकन के उपचार के संबंध में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय से स्पष्टीकरण मांगने और कच्चे तेल के मूल्य के आगे वित्त वर्ष 2021–22 के लिए उपयुक्त प्रकटीकरण के लिए आश्वासन दिया गया था। कंपनी ने एमओपीएनजी को एक पत्र लिखकर कच्चे तेल के लेन–देन और इन्वेंट्री के लेखांकन के उपचार के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है। एमओपीएनजी से उत्तर अभी प्रतीक्षित है। तदनुसार, कंपनी ने संप्रभु कच्चे तेल के भंडार के नीचे दिए गए मात्रात्मक विवरणों का खुलासा करना जारी रखा है जैसा कि पिछले वर्षों में किया गया था।

भारत सरकार – क्रूड ऑयल

विवरण	31 मार्च, 2022 को कुल (मात्रा एमटी में)	31 मार्च, 2021 को कुल (मात्रा एमटी में)
कच्चे तेल का ओपनिंग स्टॉक (सर्वेक्षक रिपोर्ट के अनुसार) (क)	42,13,678.99	18,55,457.49
जोड़ें :– वर्ष के दौरान उपार्जित :		
लदान के बिल के अनुसार (ख)	-	24,10,121.63
सर्वेयर रिपोर्ट के अनुसार वास्तविक (ग)	-	24,10,095.82
कम :– वर्ष के दौरान बिक्री/हस्तांतरित (घ)	11,98,816.99	41,453.00
वर्ष की समाप्ति पर वास्तविक मात्रा के अनुसार शुद्ध मात्रा (क+ग)–(घ)	30,14,862.00	42,24,100.31
वर्ष की समाप्ति पर हिरासत में कुल मात्रा (सर्वेक्षक रिपोर्ट के अनुसार)	30,10,938.75	42,13,678.99

एडनोक – क्रूड ऑयल

विवरण	31 मार्च, 2022 को कुल (मात्रा एमटी में)	31 मार्च, 2021 को कुल (मात्रा एमटी में)
कच्चे तेल का ओपनिंग स्टॉक (सर्वेक्षक रिपोर्ट के अनुसार) (क)	5,17,387.96	3,74,918.53
जोड़ें :– वर्ष के दौरान उपार्जित :		
लदान के बिल के अनुसार (ख)	-	5,16,604.00
सर्वेयर रिपोर्ट के अनुसार वास्तविक (ग)	-	4,98,308.11
कम :– वर्ष के दौरान बिक्री/हस्तांतरित (घ)	5,10,767.87	3,69,702.30
वर्ष की समाप्ति पर वास्तविक मात्रा के अनुसार शुद्ध मात्रा (क+ग)–(घ)	6,620.09	5,03,524.34
वर्ष की समाप्ति पर हिरासत में कुल मात्रा (सर्वेक्षक रिपोर्ट के अनुसार)	3,512.61	5,17,387.96

नोट : नुकसान यदि कोई हो, स्वीकार्य उद्योग मानदंडों भीतर है।

लाख ₹ में

भारत सरकार/एमओपीएडजी को देय (कच्चा तेल अनुदान)	2021-22	2020-21
अवधि की शुरुआत में भारत सरकार/एमओपीएडजी को देय/वापसी योग्य	4,182.15	64,569.00
जोड़ : – वर्ष के दौरान कच्चे तेल के लिए प्राप्त राशि	-	3,00,000.00
जोड़ें :– ब्याज, अन्य प्राप्तियां और समायोजन	1,258.94	-
घटाए :–प्राप्त कच्चा तेल (हस्तांतरण का शुद्ध) (समाशोधन और अन्य व्यय सहित) साल के दौरान	-	2,85,386.85
घटाएं :– जीओआई/एमओपीएनजी को वापस की गई राशि	356.02	75,000.00
घटाएं :– आईएसपीआरएल के एचसीसी मध्यस्थता मामले के लिए अस्थायी ऋण के रूप में विभाजित राशि	5,000.46	-
अवधि के अंत में भारत सरकार/एमओपीएडजी को देय/वापसी योग्य	84.61	4,182.15
नोट : 31 मार्च, 2022 तक भारत सरकार/एमओपीएनजी को देय/वापसी योग्य राशि आयकर विभाग से प्राप्य टीडीएस का प्रतिनिधित्व करता है।		

(iii)	(क) 1. भारत के केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 27 जून 2018 को पादुर–द्वितीय, कर्नाटक (2.5 एमएमटी) और चांदीखोल उड़ीसा (4.0 एमएमटी) में भूमिगत रॉक कैवर्नों में कच्चे तेल के लिए अतिरिक्त 6.5 एमएमटी भंडारण सुविधाओं की स्थापना के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। जिसमें दो स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व (एसपीआर) के लिए समर्पित सिंगल पॉइंट मूरिंग (एसपीएम) और पाइपलाइन का निर्माण शामिल है। कैबिनेट बैठक में 08.07.2021 को पीपीपी मोड में आईएसपीआरएल के चरण–द्वितीय परियोजना को मंजूरी दी गई थी। 2. चंडीखोल परियोजना के लिए भूमि आवंटन के लिए आवेदन ओडिशा सरकार को प्रस्तुत किया गया था, एक स्पष्ट एएसआई सर्वेक्षण रिपोर्ट भी सरकार को प्रस्तुत की गई थी। भूमि आवंटन राज्य सरकार के विचाराधीन है। बैलेंस शीट की तिथि पर राज्य सरकार द्वारा कोई औपचारिक आवंटन पत्र/आदेश जारी नहीं किया जाता है। 3. वित्त वर्ष 2019–20 के दौरान एनईईआरआई द्वारा दूसरे चरण के लिए ईआईए अध्ययन शुरू किया गया था और एनईईआरआई से मसौदा रिपोर्ट प्राप्त हुई थी। समीक्षा के बाद, अंतिम रिपोर्ट जारी करने के लिए एनईईआरआई को आईएसपीआरएल की टिप्पणियां प्रदान की गई हैं। 4. पादुर में एसपीएम और संबंधित पाइपलाइन के निर्माण के लिए डीएफआर मैसर्स इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड को दिया गया था। ईआईएल ने एसपीएम के लिए सर्वेक्षण कार्य पूरा कर लिया है। 5. भारत सरकार/एमओपीएनजी ने चरण II परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए ₹ 210 करोड़ आवंटित किए थे, पादुर परियोजना के भूमि अधिग्रहण और अन्य प्रासंगिक शुल्कों के लिए केआईएडीबी को ₹ 98.19 करोड़ का भुगतान किया गया था। जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। 31 मार्च, 2022 को शेष राशि ₹ 111.81 करोड़ है। (ख) 1 अप्रैल, 2021 को ओआईडीबी से प्राप्त अनुदान में से कंपनी के पास ₹ 0.29 करोड़ का प्रारंभिक शेष था, वर्ष के दौरान, कंपनी ने ₹ 8.05 करोड़ प्राप्त किए और शुरुआती शेष में से डीएफआर व्यय के रूप में ₹ 8.33 करोड़ खर्च किए। ओआईडीबी को ₹ 0.01 करोड़ का शेष अनुदान को वापस कर दिया गया। लाभ और हानि खाते के विवरण में राशि का परिशोधन किया गया है।
(iv)	आईएसपीआरएल के मैंगलोर साइट पर, 2 कैवर्न हैं, नामतः ए और बी कैवर्न। कैवर्न 'ए' के लिए, तेल भंडारण और प्रबंधन के लिए एक त्रिपक्षीय समझौते पर 10–02–2018 को अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी और एडनोक मार्केटिंग इंटरनेशनल (इंडिया) आरएससी लिमिटेड (एएमआई इंडिया) के साथ हस्ताक्षर किए गए थे। समझौते के अनुसार, 1,20,000 अमेरिकी बैरल (15831 मीट्रिक टन) का मूल्य एएमआई इंडिया (एडनोक) को डेड स्टॉक लॉस/कमीशनिंग लॉस के लिए भुगतान किया जाना था और डेड स्टॉक का मूल्य भारत सरकार/एमओपीएनजी द्वारा वित्त पोषित किया जाना था। भारत सरकार/एमओपीएनजी ने डेड स्टॉक की प्रतिपूर्ति के लिए ₹ 7000 लाख आवंटित किए थे। उत्पाद की वास्तविक निकासी पर परिचालन क्षमता के कारण डेड स्टॉक/कमीशनिंग नुकसान 75923 बैरल निर्धारित किया गया है और इस आशय के मूल समझौते के लिए एक साइड लेटर दिनांक 18–04–2022 को हस्ताक्षरित किया गया है। 75923 बैरल के लिए ₹ 4776.01 लाख का भुगतान कंपनी द्वारा एडीएनओसी को 15–06–2022 को किया गया है और इसे 'अन्य वित्तीय देनदारियों' के तहत समूहीकृत किया गया है और शेष ₹2223.99 लाख को 'भारत सरकार/ को देय' के रूप में एमओपीएनजी (एडनोक)' 'अन्य वित्तीय देनदारियों' के तहत दिखाया गया है। एमओपीएनजी के पत्र दिनांक 29.10.2020 के अनुसार, मौजूदा रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार (एसपीआरएस) की व्यावसायिक व्यवहार्यता बढ़ाने के लिए मौजूदा 'एडनोक मॉडल' में निम्नलिखित संशोधन को मंजूरी दी गई थी। क. एएमआई इंडिया (एडीएनओसी) को 50:50 यानी 50 प्रतिशत रणनीतिक और 50 प्रतिशत वाणिज्यिक आधार पर कैवर्न की पेशकश की जाएगी, जो पहले 65:35 यानी 65 प्रतिशत रणनीतिक और 35 प्रतिशत वाणिज्यिक थी। इस आशय का समझौता एएमआई इंडिया (एडनोक) और आईएसपीआरएल के बीच 24.02.2022 को हुआ है। ख. विदेशी ध्वज जहाजों के माध्यम से एसपीआर तक कच्चे तेल की तटीय आवाजाही की अनुमति देना, और ग. अनुबंध अवधि के दौरान मैंगलोर कैवर्न में भंडारित कच्चे तेल को अन्य देशों में फिर से निर्यात करने की अनुमति देना। दिनांक 15–11–2021 के साइड लेटर एग्रीमेंट के क्लॉज 2.3 के अनुसार, एएमआई इंडिया (एडनोक) को न्यूनतम रणनीतिक मात्रा के रखरखाव के लिए 10–02–2018 के समझौते के क्लॉज 4.5 में संशोधन की अनुमति दी गई थी। पार्टियां स्वीकार करती हैं और सहमत हैं कि आईएसपीआरएल, हर समय, एएमआई इंडिया (एडनोक) तेल में डेड स्टॉक मात्रा के बराबर एक स्वामित्व हित बनाए रखना जारी रखेगी। एएमआई इंडिया (एडनोक) के साथ समझौते से संबंधित भंडारण हानि और परिचालन हानि के लिए देयता, यदि कोई हो, के लिए प्रावधान समझौते के पक्षों द्वारा परिमाणीकरण के बाद किया जाएगा। वर्ष के दौरान कोई नुकसान नहीं हुआ है।
(v)	31 मार्च 2022 तक, कंपनी का दैनिक कार्य विभिन्न तेल कंपनियों से प्रतिनियुक्ति पर आए 17 कर्मियों और बोर्ड द्वारा नियुक्त सीईओ और एमडी द्वारा संभाला जाता है। इसके अलावा, कंपनी के पास ओआईडीबी वेतनमान पर आईएसपीआरएल के नियमित रोल पर 12 कर्मचारी हैं। आईएसपीआरएल के नियमित कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नीतियां बनाने की प्रक्रिया पर विचार किया जा रहा है। वर्ष के दौरान, कंपनी ने कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभ के रूप में ₹16.80 लाख का प्रावधान किया है, यानी उपदान और बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर अवकाश नकदीकरण एवं ग्रेज्युटी।

(vi) अन्य कंपनियों, जिनमें कोई भी निदेशक या सदस्य है, से बकाया राशि सहित प्राप्त होने वाले मूल्य के लिए नकद या वस्तु के रूप में अग्रिम वसूली योग्य ₹1165.59 लाख (पिछले वर्ष : शून्य)।

(vii) वैश्विक स्तर पर और भारत में कोरोना वायरस (कोविड 19) महामारी के प्रकोप ने व्यवसायों और आर्थिक गतिविधियों को सामान्य रूप से प्रभावित किया है। 25 मार्च 2020 से शुरू हुए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के साथ–साथ कोविड 19 के प्रसार ने मानव जीवन के लिए गंभीर खतरा पैदा कर दिया है और इसने वैश्विक मांग को प्रभावित किया है और इसके परिणामस्वरूप आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है, जिसने अल्पावधि में व्यापार संचालन पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है।

आईएसपीआरएल राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने के लिए भारत सरकार द्वारा बनाया गया एक विशेष प्रयोजन व्हीकल (एसपीवी) है। आईएसपीआरएल कैवर्नों में भंडारित कच्चा तेल रणनीतिक प्रकृति का है और इसका उपयोग आपूर्ति व्यवधान/अप्रत्याशित परिस्थितियों के मामले में किया जाना है। इसलिए, यह माना जाता है कि कोविड 19 महामारी का आईएसपीआरएल संचालन के कामकाज पर कोई भौतिक प्रभाव नहीं पड़ा।

कोविड 19 महामारी के प्रकोप के परिणामस्वरूप, वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट देखी गई। कच्चे तेल की कम कीमत का लाभ उठाने के लिए, भारत सरकार ने कैवनों में उपलब्ध स्थान को भरने के लिए आईएसपीआरएल को अतिरिक्त धनराशि आवंटित की। तदनुसार, लॉकडाउन अवधि के दौरान, आईएसपीआरएल ने कच्चे तेल की कम कीमत का लाभ उठाते हुए 2020–21 में विशाखापत्तनम, मैंगलोर और पादुर में कैवर्नों को भर दिया है, जिससे सरकार को भारी विदेशी मुद्रा की बचत हुई है।

कंपनी ने अपने कर्मचारियों और व्यापार भागीदारों की सुरक्षा के लिए लॉकडाउन के दौरान सभी लागू सरकारी दिशानिर्देशों/एसओपी का पालन किया है।

(viii) वर्ष के दौरान, कैबिनेट ने आईएसपीआरएल को जुलाई 2021 में सुविधाओं और कच्चे तेल के व्यावसायीकरण के लिए निम्नलिखित तरीके से अनुमति दी है:–

क. भारतीय या विदेशी कंपनियों को समग्र भंडारण क्षमता का 30% पट्टे / किराए पर देना। और

ख. भारतीय कंपनियों को कच्चे तेल की कुल भंडारण क्षमता के 20% की बिक्री/खरीद।

ग. कुल भंडारण क्षमता का शेष 50% रणनीतिक रहेगा।

कैबिनेट की मंजूरी के अनुसार 30% तक लीजिंग रेंटिंग के माध्यम से वाणिज्यिक स्टॉक जारी करना और 20% तक कच्चे तेल की बिक्री खरीद को आईएसपीआरएल के बोर्ड द्वारा समय–समय पर निर्धारित प्रबंधन समिति द्वारा नियंत्रित किया जाएगा। रणनीतिक हिस्से में से स्टॉक जारी करने का अधिकार कच्चे तेल का 50% है जोकि अंतर–मंत्रालयी अधिकार प्राप्त समिति के पास बना रहेगा।

30% भंडारण क्षमता के लिए कच्चे तेल की बिक्री से प्राप्त आय, जिसे पट्टे पर दिया जाना है, भारत सरकार को वापस कर दी जाएगी और 20% कच्चे तेल की बिक्री से प्राप्त राजस्व आईएसपीआरएल की आय का हिस्सा होगा।

कंपनी ने 31 मार्च, 2022 तक न तो पट्टे/किराए पर लेने से संबंधित कोई समझौता/लेन–देन किया है और न ही 20% कच्चे तेल की बिक्री/खरीद से संबंधित कोई लेन–देन किया है।

आईएसपीआरएल ने मार्च 2022 तक 30% क्षमता से 1.199 एमएमटी कच्चा तेल बेचा है और 31 मार्च, 2022 को मार्च 2022 में की गई बिक्री को छोड़कर भारत सरकार/एमओपीएनजी को आय वापस कर दी है।

कच्चे तेल की बिक्री और भुगतान का विवरण

	लाख ₹ में
2021–22 के दौरान तेल कंपनियों (एमआरपीएल और एचपीसीएल) को की गई बिक्री (करों का शुद्ध)	491710.63
घटाएः माचे 2022 के दौरान एमआरपीएल को की गई बिक्री (वसूली प्राप्त नहीं हुई)	1159.80
घटाएंः वर्ष 2021–22 के दौरान भारत सरकार/एमओपीएनजी को वापस की गई राशि	490060.27
31 मार्च, 2022 तक भारत सरकार/एमओपीएनजी को देय राशि (कच्चे तेल की बिक्री पर तेल कंपनियों द्वारा टीडीएस की कटौती की गई)	490.56

टिप्पणी :

क) उपरोक्त के अलावा, कच्चे तेल की बिक्री पर एमआरपीएल से ₹ 187.98 लाख (करों का शुद्ध) का पम्पिंग शुल्क वसूल किया गया, जिसमें से ₹ 183.61 लाख (टीडीएस का शुद्ध) भारत सरकार/एमओपीएनजी को हस्तांतरित कर दिया गया है। मार्च 2022 के लिए तेल कंपनी द्वारा काटे गए टीडीएस और पंपिंग शुल्क के कारण शेष राशि ₹4.37 लाख भारत सरकार/एमओपीएनजी को देय है।

ख) आंध्र प्रदेश राज्य में, कच्चे तेल की बिक्री पर मूल्य वर्धित कर (वैट) इसकी बिक्री के समय देय है। हालांकि, खरीदारों के साथ अनुमोदित मूल्य निर्धारण पद्धति के अनुसार, बिलिंग के लिए मासिक औसत दर पर विचार किया जाना है, जो हो सकता है

महीने के अंत के बाद ही निर्धारित किया जाता है जिसमें कच्चे तेल की बिक्री की जाती है। तद्नुसार, क्रेताओं का बीजक उस महीने के अंत के बाद किया गया जिसमें कच्चे तेल की बिक्री की गई थी, लेकिन वैट नियमों के अनुसार बीजक की तिथि को वास्तविक बिक्री की तिथि के रूप में रखा गया था, जिसके कारण खरीददारों द्वारा क्रेडिट अवधि की गणना बीजक प्राप्त करने की तिथि पर विचार किया गया था।

ग) तेल कंपनियों से वसूले गए कच्चे तेल की बिक्री और पम्पिंग शुल्क के निवेश पर ₹1204.19 लाख का ब्याज अर्जित किया गया। इसमें से ₹1083.77 लाख (टीडीएस को घटाकर) वर्ष के दौरान भारत सरकार/एमओपीएनजी को हस्तांतरित किए गए। बैंकों द्वारा काटे गए टीडीएस के कारण ₹120.42 लाख की शेष राशि भारत सरकार/एमओपीएनजी को देय है।

(ix) मैंगलोर और पादुर से खुदाई की गई चट्टानें स्थलों पर पड़ी हैं। पादुर में रॉक मलबे के लिए ई–नीलामी मिनरल स्टेट ट्रेडिंग कॉरपोरेशन (एमएसटीसी) के माध्यम से आयोजित की गई थी। सफल बोलीदाता ने पादुर से 2 लाख एमटी के लिए ₹ 106/एमटी एवं 10 लाख एमटी रॉक मलबे को उठाने के लिए मूल्य रु. 108/एमटी उद्धृत किया है। वर्ष के दौरान चट्टान का कोई उठान/बिक्री नहीं हुई।

(x)

लाख ₹ में

ओ एंड एम व्यय का विवरण	2021-22	2020-21
वर्ष के दौरान भारत सरकार/एमओपीएनजी/एचपीसीएल/एडनोक से दावा किया गया ओएडंएम व्यय	13,865.10	14,669.47
घटाएं :– ओ एंड एम व्यय पिछले वर्ष में बुक किया गया लेकिन वर्ष के दौरान दावा किया गया	1,367.87	3,711.30
जोड़ें :– वर्ष के दौरान दावा नहीं की गई अवधि के लिए ओ एंड एम व्यय, दावा किया जाना है	1,549.57	1,367.87
घटाएं :– ओ एंड एम व्यय अतिरिक्त दावा/प्रीपेड व्यय (पिछले वर्ष का शुद्ध)	1,112.05	820.89
जोड़ें : – एचसीसी मध्यस्थता मामले वाईजैग के लिए देय [नोट संख्या देखें। 31(xxxxiii)],	1,864.08	-
वर्ष के दौरान किए गए शुद्ध ओ एंड एम व्यय (मूल्यह्रास सहित, वित्त लागत और कर व्यय)	14,798.83	11,505.15

विवरण	2021-22	2020-21
भारत सरकार/एमओपीएनजी/एचपीसीएल/एडनोक से वसूली योग्य राशि (अग्रिम में प्राप्त)। अवधि की शुरुआत में	(3,816.84)	3,611.58
जोड़ें : वर्ष के लिए निवल ओ एंड एम व्यय	14,798.83	11,505.15
घटाएं : पिछले वर्ष की अन्य आय/प्राप्तियां वर्ष के दौरान भारत सरकार/एमओपीएनजी को वापस की गई	13.00	-
घटाएं : ओ एंड एम फंड पर वर्ष के दौरान भारत सरकार/एमओपीएनजी को सरेंडर किया गया ब्याज (टीडीएस का शुद्ध)।	26.51	-
घटाएं : एचसीसी आर्बिट्रेशन केस विजाग के लिए भारत सरकार/एमओपीएनजी से वसूली योग्य (नोट संख्या देखें। 31(xxxxiii))	1,864.08	-
घटाएं :– वर्ष के दौरान भारत सरकार/एमओपीएनजी/एचपीसीएल से वसूल की गई राशि*	14794.02	18,933.57
जोड़ें : वर्ष के दौरान भारत सरकार / एमओपीएनजी को वापस की गई राशि	2127.76	-
*भारत सरकार/एमओपीएनजी/एचपीसीएल/एडनोक से वसूली योग्य राशि (अग्रिम में प्राप्त)। अवधि के अंत में	(3,587.86)	(3,816.84)
वित्तीय वर्ष 2021–22 में दी गई राशि में ओ एंड एम के अनुदान के लिए ₹ 2447 लाख शामिल हैं		
वित्तीय वर्ष 2022–23 के लिए व्यय		

(xi) <u>विलंबित कर :</u>
कर योग्य आय आय के अभाव में आयकर के किसी प्रावधान को आवश्यक नहीं माना गया है। इसके अलावा, अस्थगित कर परिसंपत्ति को भी मान्यता प्रदान नहीं की गई है क्योंकि इसके पास किसी प्रकार की यथोचित सुनिश्चितता नहीं है कि भावी कर योग्य पर्याप्त आय उपलब्ध होगी जिसके लिए प्राप्य इस प्रकार के अस्थगित कर परिसंपत्ति को समायोजित किया जा सकता है।

(xii) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए बकाया राशि को दिनांक 31 मार्च, 2022 की स्थिति के अनुसार ₹224.87 लाख (पिछले वर्ष 297.78 लाख रुपये) निर्धारित किया गया था इस प्रकार के पक्षकारों की पहचान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 जो 2 अक्टूबर, 2006 को लागू हुआ था के संदर्भ में रिकॉर्ड पर उपलब्ध जानकारी के आधार पर की गई है।

(xiii) विक्रेताओं / ठेकेदारों / सेवा प्रदाताओं की ओर देय / वसूली योग्य राशि पुष्टि, सुलह और परिणामी समायोजन के अधीन है, यदि कोई हो।

(xiv) सभी उपभोग्य सामग्रियों / भण्डारणों / कलपुर्जों को खरीद के समय ओ एंड एम व्यय में बुक किया जाता है।

(xv) मैंगलोर एसईजेड से चट्टानों को हटाने पर रॉयल्टी के भुगतान को एमएसईजेडएल / ठेकेदार के द्वारा वहन किया जाना है जोकि एमएसईजैडएल या आईएसपीआरएल द्वारा नियुक्त होगा।

(xvi) क. कंपनी ने वाणिज्यिक कर कार्यालय से केएसटी/सीएसटी पंजीकरण प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए एसीसीटी, एलजीएसटीओ–260 (जीएसटी प्राधिकरण) के पक्ष में ₹ 50,000/– की बीजी दी है। कंपनी द्वारा गिरवी रखी गई एफडी ₹ 50,000/– के बदले बीजी दी गई थी।

ख. कंपनी ने पत्थर खदानों के अनुबंध से संबंधित वित्तीय आश्वासन के लिए उप निदेशक, डीएमजी, मैंगलोर के पक्ष में ₹1,45,000/– की एफडी गिरवी रखी है।

(xvii) आईएसपीआरएल ने केआईएडीबी को उनके मांग पत्र संख्या KIADB/CK/LAQ/M/2542/10953/2020-21 दिनांक 31 दिसंबर, 2020 के माध्यम से भूमि अधिग्रहण लागत के भुगतान के लिए ₹98,16,17,120/– का ब्याज मुक्त असुरक्षित ऋण प्राप्त किया था जोकि आईएसपीआरएल पादुर चरण II परियोजना के लिए पादुर और कलाथुर गांव में 210 एकड़ 4 सेंट भूमि का अधिग्रहण करने के लिए था। वर्ष के दौरान, कंपनी ने भारत सरकार/एमओपीएनजी से प्राप्त अनुदान में से पूरे ऋण का भुगतान कर दिया है।

(xviii) लेखापरीक्षा और अन्य मदों के लिए किए गए व्यय से संबंधित लाभ और हानि (कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III में दिए गए) के विवरण तैयार करने के लिए सामान्य निर्देशों से संबंधित अतिरिक्त जानकारी निम्नानुसार आवश्यक है :

लाख ₹ में

	2021-22	2020-21
वैधानिक लेखा परीक्षक को भुगतान		
लेखापरीक्षा शुल्क (जीएसटी सहित)	1.77	1.77
प्रमाणन (जीएसटी सहित)	0.06	0.06
कर्मचारी द्वारा किया गया खर्चा	0.00	0.00
आंतरिक लेखा परीक्षक को भुगतान		
लेखापरीक्षा शुल्क (जीएसटी सहित)	0.35	0.35
अन्य सेवाएं	शून्य	शून्य
सचिवीय लेखा परीक्षक को भुगतान		
लेखा – परिक्षण शुल्क	0.10	0.10

(xix) **अचल संपत्ति के शीर्षक विलेख कंपनी के नाम पर नहीं हैं** –
निम्नलिखित को छोड़कर ऐसी कोई अचल संपत्ति नहीं है जिसमें हक विलेख कंपनी के नाम पर न हो:

बैलेंस शीट में प्रासंगिक लाइन आइटम	संपत्ति की वस्तु का विवरण	सकल वहन मूल्य (₹ लाख में)	शीर्षक/पट्टा विलेख किसके नाम पर है	क्या स्वत्व विलेख धारक प्रवर्तक'/निदेशक का प्रवर्तक, निदेशक या रिश्तेदार# है या प्रवर्तक/निदेशक का कर्मचारी है	संपत्ति किस तारीख से धारित है	कंपनी के नाम पर धारित न होने का कारण
उपयोग का अधिकार (इंड एएस 116)	मैंगलोर विशेष आर्थिक क्षेत्र में लीजहोल्ड भूमि (104.73 एकड़)	8492.5	इंडियन स्टेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड	नहीं	आवंटन पत्र की तिथि इस प्रकार है: क. 100.02 एकड़ के लिए दिनांक 23.11.2009 है ख. 4.71 एकड़ के लिए दिनांक 11.04.2018 है तक कब्जा 26 जनवरी, 2060 है।	लीज डीड कंपनी के नाम पर है लेकिन अभी तक पंजीकृत नहीं है। कंपनी लीज डीड के पंजीकरण के लिए पट्टाकर्ता से संपर्क कर रही है।

(xx) **पीपी एंड ई, अमूर्त संपत्ति और निवेश संपत्ति का मूल्यांकन** –
कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया है।

(xxi) **बैंकों या वित्तीय संस्थानों से ऋण** –
कंपनी को वर्ष के दौरान बैंकों या वित्तीय संस्थानों से कोई उधार नहीं लिया है।

(xxii) **कैपिटल–वर्क–इन प्रोग्रेस (सीडब्ल्यूआईपी)** –
31.03.2022 की स्थिति में कोई पूंजीगत कार्य प्रगति पर नहीं है।

(xxiii)	**विकास के तहत अमूर्त संपत्ति –** 31.03.2022 तक विकास के तहत कोई अमूर्त संपत्ति नहीं है।
(xxiv)	**धारित बेनामी संपत्ति का विवरण –** बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम, 1988 (1988 का 45) और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत बेनामी संपत्ति रखने के लिए कंपनी पर कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है या लंबित नहीं है।
(xxv)	**वर्तमान संपत्तियों की जमानत पर ऋण और अग्रिम –** 31.03.2022 के अनुसार वर्तमान संपत्तियों की जमानत पर कोई ऋण और अग्रिम नहीं है।
(xxvi)	**इरादतन चूककर्ता –** कंपनी को किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान या सरकार या किसी सरकारी प्राधिकरण द्वारा विलफुल डिफॉल्टर घोषित नहीं किया गया है।
(xxvii)	**प्रभारों का पंजीकरण या कंपनियों के रजिस्ट्रार के साथ संतुष्टि –** ऐसा कोई शुल्क या संतुष्टि नहीं है जो वैधानिक अवधि से परे कंपनियों के रजिस्ट्रार के साथ पंजीकृत होना बाकी है।
(xxviii)	**कंपनियों की परतों की संख्या का अनुपालन –** कंपनी ओआईडीबी की 100% सहायक कंपनी है और आगे कंपनी की कोई सहायक कंपनी नहीं है इसलिए कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निर्धारित अनुपालन कंपनी पर लागू नहीं होता है।
(xxix)	**व्यवस्थाओं की अनुमोदित योजना (योजनाओं) का अनुपालन –** कंपनी ने व्यवस्था की ऐसी किसी योजना में प्रवेश नहीं किया है जिसका वर्तमान या पिछले वित्तीय वर्ष पर लेखांकन प्रभाव पड़ता हो।
(xxx)	**उधार ली गई निधियों और शेयर प्रीमियम का उपयोग –** I. कंपनी ने विदेशी संस्थाओं (मध्यस्थों) सहित किसी अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) या इकाई (यों) को अग्रिम या उधार या निवेश नहीं किया है, इस समझ के साथ कि मध्यस्थ : क. कंपनी (अंतिम लाभार्थी) द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरीके से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उधार या निवेश करें। अथवा ख. अंतिम लाभार्थियों को या उनकी ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या पसंद प्रदान करना। ख. कंपनी को विदेशी संस्थाओं (फंडिंग पार्टी) सहित किसी भी व्यक्ति (व्यक्तियों) या संस्था(ओं) से कोई फंड प्राप्त नहीं हुआ है (चाहे लिखित रूप में दर्ज किया गया हो या अन्यथा) कि कंपनी : क. फंडिंग पार्टी (अंतिम लाभार्थी) द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरीके से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उधार या निवेश करें। अथवा ख. अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इसी तरह की अन्य चीजें प्रदान करना।
(xxxi)	**अघोषित आय –** आयकर अधिनियम, 1961 के तहत कर निर्धारण में चालू या पिछले वर्ष के दौरान आय के रूप में कोई आय समर्पित या प्रकट नहीं की गई है, जिसे खाते की पुस्तकों में दर्ज नहीं किया गया है।
(xxxii)	**कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) –** कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई सीएसआर व्यय नहीं किया है।
(xxxiii)	**क्रिप्टो करेंसी या वर्चुअल करेंसी का विवरण –** कंपनी ने वर्ष के दौरान क्रिप्टो मुद्रा या आभासी मुद्रा में कारोबार या निवेश नहीं किया है।
xxxiv)	**प्रवर्तकों, निदेशकों, केएमपी और संबंधित पार्टियों (जैसा कि कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत परिभाषित किया गया है) को या तो अलग–अलग या किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप से ऋण या अग्रिम दिए जाते हैं, जो हैं :** **मांग पर चुकाया या चुकौती की कोई शर्तें या अवधि निर्दिष्ट किए बिना देय :**

उधारकर्ता का प्रकार	बकाया ऋण की प्रकृति में ऋण या अग्रिम की राशि	कुल ऋणों और ऋणों की प्रकृति के अग्रिमों का प्रतिशत
संवर्धक	शून्य	शून्य
निदेशक	शून्य	शून्य
केएमपी	शून्य	शून्य
संबंधित पार्टियों	शून्य	शून्य

(xxxv)	कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 248 या कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 560 के तहत हटाई गई कंपनियों के साथ लेन–देन का विवरण –				
					लाख ₹ में
	स्ट्रक आफ कंपनी का नाम	लेन–देन की प्रकृति स्ट्रक आफ कम्पनी के साथ	बकाया राशि 31.3.2022 तक	बकाया राशि 31.3.2021 तक	स्ट्रफ आफ कंपनी के साथ संबंध यदि कोई हो, का खुलासा किया जाए
		निवेश प्रतिभूतियों में			
		प्राप्तियाँ			
	आउटपेस ऑप्टिफाइबर नेटवर्क प्रा. लिमिटेड	देय	0	0	लागू नहीं
		द्वारा धारित शेयर स्ट्रक आफ कम्पनी			
		अन्य बकाया शेष (निर्दिष्ट किया जाएगा)			

xxxvi)

वित्तीय अनुपात

क्र.सं.	अनुपात	अंश	विभाजक	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2021	% परिवर्तन	कारण
(क)	वर्तमान अनुपात (समय में)	वर्तमान संपत्ति	वर्तमान देनदारियां	0.22	0.37	-40.52%	क. मौजूदा संपत्ति में कमी आई है क्योंकि एक साल तक की मूल परिपक्वता अवधि की एफडी पिछले साल की तुलना में चालू वर्ष में कम है। ख. प्राप्त हुए अनुदान के रूप में प्राप्त होने कारण इस वर्ष वर्तमान देनदारियों में वृद्धि हुई है। पिछले वित्तीय वर्ष में कोई शेष नहीं होने की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष में रुपये 210 करोड़।
(ख)	ऋण–इक्विटी अनुपात (समय में)	कुल ऋण	शेयरधारकों की इक्विटी	0.00	0.03	-100.00%	ऋण कम हो गए हैं क्योंकि पिछले वर्ष में ओआईडीबी से लिए गए ऋण का पुनर्भुगतान चालू वर्ष में भारत सरकार/एमओपीएनजी द्वारा प्रदान किए गए द्वितीय चरण के लिए अनुदान से किया गया है।
(ग)	ऋण सेवा कवरेज अनुपात (समय में)	ऋण सेवा के लिए उपलब्ध आय	ऋण सेवा	शून्य	शून्य	शून्य	
(घ)	इक्विटी अनुपात पर रिटर्न (आरओई) (% में)	कर के बाद शुद्ध लाभ	औसत शेयरधारकों की इक्विटी	-3.01%	-2.89%	4.30%	
(ङ)	इन्वेंटरी टर्नओवर अनुपात (समय में)	बेचे गए माल की कीमत	औसत इन्वेंट्री	शून्य	शून्य	शून्य	
(च)	व्यापार प्राप्य टर्नओवर अनुपात (समय में)	नेट क्रेडिट बिक्री	औसत लेखा प्राप्य	शून्य	शून्य	शून्य	
(छ)	व्यापार देय टर्नओवर अनुपात (समय में)	नेट क्रेडिट खरीद	औसत व्यापार देय	10.52	3.24	224.43%	पिछले वर्ष की तुलना में चालू वर्ष में औसत व्यापार देय में परिवर्तन।
(ज)	शुद्ध पूंजी कारोबार अनुपात (समय में)	कुल बिक्री	कार्यशील पूंजी	शून्य	शून्य	शून्य	
(झ)	शुद्ध लाभ अनुपात (% में)	कर के बाद शुद्ध लाभ	कुल बिक्री	शून्य	शून्य	शून्य	
(ञ)	नियोजित पूंजी पर रिटर्न (% में)	ब्याज और करों से पहले की आय	पूंजी नियोजित	-3.24%	-3.11%	4.09%	
(ट)	निवेश पर रिटर्न (% में)	निवेश से उत्पन्न आय	औसत निवेशित कोष	2.75%	4.19%	-34.31%	क. सावधि जमा में रखी गई राशि पिछले वर्ष की तुलना में चालू वर्ष में दिनों की संख्या में कम थी। ख. फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरों में बदलाव।

नोट 1. ऊर्जा सुरक्षा संचालन बढ़ाने के लिए भारत सरकार की ओर से संचालन के बाद से कंपनी के लिए लागू सीमा तक उपरोक्त अनुपात का खुलासा किया गया है।

नोट 2. बैंकों के साथ एफडी, ₹1102.67 लाख (पिछले वर्ष ₹1917.73 लाख) के जिस पर निश्चित ब्याज आय ₹41.57 लाख (पिछले वर्ष ₹64.28 लाख) अर्जित की गई है, नोट संख्या 17 में दिखाई देने वाली ऊपर (के) पर उद्देश्य अनुपात के लिए विचार किया गया है। ऊपर।

xxxvii)	**संपत्ति की हानि** – आईएनडी एएस 36 'परिसंपत्ति की हानि' के अनुपालन में, कंपनी ने कंपनी की लेखांकन नीति के अनुसार हानि, यदि कोई हो, के संकेत के लिए वर्ष के अंत में संपत्ति की समीक्षा की है। चूंकि हानि का कोई संकेत नहीं है, इसलिए वर्ष के दौरान किसी हानि की पहचान नहीं की गई है।
xxxviii)	प्रबंधन की राय में, व्यवसाय के सामान्य पाठ्यक्रम में वसूली पर संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के अलावा अन्य संपत्तियों का मूल्य, बैलेंस शीट में बताए गए मूल्य से कम नहीं होगा।
xxxix)	कंपनी के पास डेरिवेटिव अनुबंधों सहित कोई दीर्घकालिक अनुबंध नहीं है, जिसके लिए कोई भौतिक अनुमानित नुकसान हो सकता है।
xxxx)	ऐसी कोई राशि नहीं थी जिसे कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष में स्थानांतरित करने की आवश्यकता थी।
xxxxi)	लेखांकन नीतियों में कुछ परिवर्तन किए गए हैं और इन परिवर्तनों के कारण वित्तीय विवरणों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है, हालाँकि, चालू वर्ष में लेखांकन नीति संख्याएँ आवश्यकतानुसार परिवर्तित या पुनर्व्यवस्थित की गई हैं।
xxxxii)	कंपनी ने एचसीसी आर्बिट्रेशन केस, पादुर के मामले में मध्यस्थता के खिलाफ दायर अपील के लिए रजिस्ट्रार जनरल, उच्च न्यायालय, नई दिल्ली के पास प्री–डिपॉजिट के रूप में ₹ 5000.46 लाख की राशि एमओपीएनजी द्वारा प्रदान की गई धनराशि में से जमा की है। चरण I के व्यावसायीकरण से आईएसपीआरएल की कमाई से राशि एमओपीएनजी को वापस की जानी है।
xxxxiii)	हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी (एचसीसी) वी / एस आईएसपीआरएल के मामले में आर्बिट्रेशन अवार्ड आर्बिट्रेटर द्वारा दिया गया है। 26 अप्रैल, 2022 नई दिल्ली में कंपनी ने मध्यस्थता पुरस्कार को स्वीकार कर लिया है और 31 मार्च, 2022 तक ब्याज सहित खातों की पुस्तकों में 1864.08 लाख रुपये की देनदारी को मान्यता दी है, जो भारत सरकार / योग्य है, जिसके लिए कंपनी को 10 अगस्त, 2022 को 1887.04 लाख रुपये 14 जून, 2022 तक के ब्याज सहित ओएडएम अनुदान के तहत भारत सरकार / एमओपीएनजी से प्राप्त हुए ।
xxxxiv)	कंपनी ने पादुर में 179.2 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया है, जिसमें से पादुर में 175.92 एकड़ भूमि आईएसपीआरएल के नाम पर पंजीकृत की गई है। कंपनी शेष भूमि को वन भूमि होने के कारण पंजीकृत करने में असमर्थ है और कर्नाटक सरकार द्वारा हस्तांतरण की अनुमति नहीं है।
xxxxv)	चरण II परियोजनाओं के लिए जनशक्ति व्यय वित्तीय वर्ष 2020–21 तक "भारत सरकार से प्राप्य चरण II व्यय" के रूप में दिखाया गया था। वर्ष 2021–22 के दौरान द्वितीय चरण के जनशक्ति व्यय को सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से ओ एंड एम अनुदान से प्रभारित किया गया है।
xxxxvi)	कंपनी ने आईएनडी एएस के अनुरूप वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए पिछले वर्षों की पूर्व अवधि की मदों के समायोजन / सुधार के लिए कुल आधार पर ₹ 15 करोड़ की सीमा तय की है।
xxxxvii)	पिछले वर्ष के आंकड़ों को वर्तमान वर्ष के वर्गीकरण / प्रकटीकरण के अनुरूप करने के लिए आवश्यक होने पर पुनर्समूहित / पुनर्वर्गीकृत किया गया है और आंकड़ों को लाख के करीब राउंड ऑफ किया गया है।
xxxxviii)	17 नवंबर, 2022 को निदेशक मंडल द्वारा वित्तीय विवरणों को मंजूरी दे दी गई है।

प्रसाद आजाद एंड कम्पनी
सनदी लेखाकार
एफआरएन 001009एन

हस्ता./–
(के एम आजाद)
भागीदार
सदस्यता सं. 005125

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 17.11.2021

कृते निदेशक मंडल और उनकी ओर से

हस्ता./–
(नवनीत मोहन कोठारी)
निदेशक
डीआईएन : 02651712

हस्ता./–
(लखपत राय जैन)
सीईओ एवं एमडी
डीआईएन : 08505199

हस्ता./–
(गोपेश्वर कुमार सिंह)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता./–
(अरूण तलवार)
कंपनी सचिव

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 17.11.2021

नोट सं. 1 : महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

कॉर्पोरेट सूचना और महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

1. कारपोरेट सूचना

इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड को 16 जून, 2004 को आईओसीएल की एक अनुषंगी के रूप में अधिनिगमित किया गया था। कंपनी की समूची शेयरधारिता को 9 मई, 2006 को तेल उद्योग विकास बोर्ड (ओआईडीबी) तथा इसके नामितियों द्वारा ले लिया गया था।

इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड (कंपनी) ओआईडीबी के पूर्ण स्वामित्व वाली एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी तथा भारत में अधिनिगमित है, जिसका पंजीकृत कार्यालय 301, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, तीसरा तल, बाबर रोड, नई दिल्ली–110001 पर तथा प्रचालनात्मक/कार्यात्मक कार्यालय ओआईडीबी भवन, तीसरा तल, प्लॉट नं. 2, सेक्टर–73, नोएडा–201301, उत्तर प्रदेश में है।

कंपनी के मुख्य उद्देश्य हैं :

भारत सरकार के कच्चे तेल के संप्रभु भंडार या ऐसी अन्य संस्थाओं के कच्चे तेल को भारत सरकार द्वारा तय किया जा सकता है और भंडारण का व्यवसाय चलाना, हैंडलिंग, उपचार, ढुलाई, परिवहन, प्रेषण, आपूर्ति, बाजार, अनुसंधान, सलाह, परामर्श, सेवा प्रदाता, दलाल और एजेंट, इंजीनियरिंग और सिविल डिजाइनर, ठेकेदार, घाट रिंगर, वेयरहाउसमैन, उत्पादक, तेल और तेल उत्पादों के डीलर, गैस एवं गैस उत्पाद, पेट्रोलियम एवं पेट्रोलियम उत्पाद, ईंधन, स्प्रिट, रसायन, तरल पदार्थ सभी प्रकार के यौगिक, डेरिवेटिव, मिश्रण उत्पाद आदि।

1क : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1.1 वित्तीय विवरणों को तैयार करने के आधार

वित्तीय विवरण कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के तहत संशोधित इंड एएस के अनुसार तैयार किए जाते हैं और कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रासंगिक प्रावधानों के साथ सभी भौतिक पहलुओं का अनुपालन करते हैं।

लेखांकन की उपार्जन प्रणाली का पालन करते हुए वित्तीय विवरणों को चालू संस्था के आधार पर तैयार किया गया है। कंपनी ने संपत्ति और देनदारियों के लिए ऐतिहासिक लागत आधार को अपनाया है। ऐतिहासिक लागत आम तौर पर संबंधित लेनदेन की तिथि पर वस्तुओं और सेवाओं के बदले में दिए गए प्रतिफल के उचित मूल्य पर आधारित होती है।

लेखांकन नीतियों को लगातार लागू किया गया है, सिवाय इसके कि जहां एक नया जारी किया गया लेखा मानक शुरू में अपनाया गया हो या मौजूदा लेखा मानक में संशोधन के लिए अब तक उपयोग में आने वाली लेखा नीति में बदलाव की आवश्यकता हो।

वित्तीय विवरण भारतीय रुपये ('INR') में प्रस्तुत किए जाते हैं जो कि कंपनी की प्रस्तुति और कार्यात्मक मुद्रा है और सभी मूल्यों को निकटतम लाख (दो दशमलव तक) में राउन्ड ऑफ किया जाता है, सिवाय अन्यथा संकेत के।

1.2 वर्तमान और गैर–वर्तमान वर्गीकरण –

कंपनी वर्तमान / गैर–वर्तमान वर्गीकरण के आधार पर बैलेंस शीट में संपत्ति और देनदारियों को प्रस्तुत करती है। किसी संपत्ति को चालू माना जाता है जब वहः–

- सामान्य परिचालन चक्र में प्राप्त होने या बेचने या उपभोग करने का इरादा होने की उम्मीद है
- मुख्य रूप से ट्रेडिंग के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है
- रिपोर्टिंग अवधि के बाद बारह महीनों के भीतर प्राप्त होने की उम्मीद है, या
- नकद या नकद समतुल्य जब तक विनिमय या निपटान करने के लिए प्रतिबंधित नहीं किया जाता है रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम बारह महीनों के लिए देयता।

कंपनी अन्य सभी संपत्तियों को गैर–चालू के रूप में वर्गीकृत करती है।

एक दायित्व वर्तमान है जबः

- इसके सामान्य परिचालन चक्र में तय होने की उम्मीद है।
- यह मुख्य रूप से ट्रेडिंग के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है।
- यह रिपोर्टिंग अवधि के बाद बारह महीनों के भीतर तय किया जाना है, या
- रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम बारह महीनों के लिए दायित्व के निपटान को स्थगित करने का कोई बिना शर्त अधिकार नहीं है कंपनी अन्य सभी देनदारियों के रूप में वर्गीकृत करती है।

आस्थगित कर संपत्ति और देनदारियों को गैर–वर्तमान संपत्ति और देनदारियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

परिचालन चक्र प्रसंस्करण के लिए संपत्ति के अधिग्रहण और नकद समकक्षों में उनकी प्राप्ति के बीच का समय है।

संपत्ति और देनदारियों के वर्तमान और गैर–वर्तमान वर्गीकरण के उद्देश्य से कंपनी ने अपने सामान्य परिचालन चक्र को बारह महीने के रूप में निर्धारित किया है।

1.3 राजस्व मान्यता

राजस्व का मापन

ग्राहकों के साथ अनुबंधों से राजस्व को मान्यता दी जाती है जब माल का नियंत्रण स्थानांतरित किया जाता है या ग्राहक को उस राशि पर सेवाएं प्रदान की जाती हैं जो उस प्रतिफल को दर्शाती है जिसके लिए कंपनी उन वस्तुओं या सेवाओं के बदले हकदार होने की उम्मीद करती है।

राजस्व को लेन–देन मूल्य के आधार पर मापा जाता है, जो कि ग्राहकों के साथ अनुबंध के अनुसार, छूट, प्रोत्साहन योजनाओं के लिए समायोजित विचार है। सरकार की ओर से ग्राहकों से एकत्र किए गए करों को राजस्व के रूप में नहीं माना जाता है।

उत्पादों की बिक्री

उत्पादों की बिक्री से राजस्व को उस समय पहचाना जाता है जब उत्पादों का नियंत्रण ग्राहक को

हस्तांतरित किया जाता है, आमतौर पर उत्पादों की डिलीवरी पर कंपनी इस बात पर विचार करती है कि क्या अनुबंध में अन्य वादे हैं जो अलग–अलग प्रदर्शन दायित्व हैं जिनके लिए लेनदेन मूल्य के एक हिस्से को आवंटित करने की आवश्यकता है (जैसे, माल और प्रोत्साहन योजनाएँ)। उत्पादों की बिक्री के लिए लेन–देन की कीमत निर्धारित करने में, कंपनी परिवर्तनीय विचार और ग्राहक को देय प्रतिफल (यदि कोई हो) के प्रभावों पर विचार करती है।

उन अनुबंधों के लिए जो सीआईएफ (कॉस्ट इंश्योरेंस फ्रेट) अनुबंध हैं, राजस्व को तब पहचाना जाता है जब माल अंतिम गंतव्य पर पहुंच जाता है। उन अनुबंधों के लिए जो एफओबी (फ्री ऑन बोर्ड) अनुबंध हैं, राजस्व को मान्यता तब दी जाती है जब कंपनी एक स्वतंत्र वाहक को माल वितरित करती है।

अन्य कमाई

अंतिम संग्रह की आभासी निश्चितता होने पर बीमा दावों सहित अन्य दावों का हिसाब लगाया जाता है।

कैवर्न से लीजिंग / किराये की आय को प्रोद्भवन आधार पर आय के रूप में माना जाता है।

ब्याज आय

प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) पद्धति का उपयोग करके ब्याज आय को प्रोद्भवन आधार पर मान्यता दी जाती है

1.4 संपत्ति, संयंत्र और उपकरण तथा अमूर्त परिसंपत्तियां

i) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण पर संचित मूल्यह्रास / परिशोधन तथा क्षति हानि, यदि कोई हो, को घटा कर लागत पर बताया गया है। अचल परिसंपत्तियों की लागत में अधिग्रहण की लागत और परिसंपत्तियों को उनके इच्छित उपयोग की कार्यशील स्थिति में लाने की लागत शामिल है।

ii) अमूर्त परिसंपत्तियों को तब मान्यता दी जाती है यदि जब यह संभावना हो कि इन परिसंपत्तियों पर आरोप्य भविष्य के आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होंगे और ऐसी परिसंपत्तियों की लागत को विश्वसनीय ढंग से मापा जा सके। ऐसी परिसंपत्तियों को लागत में से संचित परिशोधन कम करके बताया जाता है।

iii) **पूंजीगत कार्य प्रगति पर**

प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य को लागत पर वहन किया जाता है। निर्माण अवधि के दौरान किए गए परियोजनाओं के लिए विशेष रूप से जिम्मेदार राजस्व व्यय पूंजीकृत होते हैं।

1.5 मूल्यह्रास / परिशोधन

(i) मूल्यह्रास को सीधी रेखा पद्धति पर कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–II में निर्दिष्ट उपयोगी जीवनकाल के अनुसार मुहैया करवाया जाता है, सिवाय भूमिगत कैवर्न के जिनका उपयोगी समय स्वतंत्र विशेषज्ञ द्वारा किए गए प्रमाणीकरण के आधार पर 60 वर्ष माना गया है।

(ii) संपत्ति, प्लान्ट एवं औजार जो रुपये 5,000 / – तक की लागत के हैं को अधिग्रहण के वर्ष में ही पूरी तरह से मूल्यह्रासित किया जाता है।

(iii) अनिश्चितकालीन जीवन के साथ उपयोग का अधिकार (आरओयू) को अमूर्त नहीं किया जाता है,

लेकिन नकद उत्पन्न करने वाले इकाई स्तर पर सालाना हानि के लिए परीक्षण किया जाता है। अनिश्चितकालीन जीवन का आकलन सालाना समीक्षा करने के लिए किया जाता है कि अनिश्चितकालीन जीवन सहायक है या नहीं। यदि नहीं, तो अनंत जीवन से सीमित अवधि तक उपयोगी जीवन में परिवर्तन संभावित आधार पर किया जाता है।

(iv) निश्चित उपयोगी जीवन के साथ उपयोग का अधिकार (आर ओ यू) पट्टे की अवधि में परिशोधित दिया जाता है।

1.6 परिसंपत्तियों की क्षति

प्रबंधन समय–समय पर बाहरी और आंतरिक स्रोतों का उपयोग करके मूल्यांकन करता है कि क्या कोई संकेत है कि कोई संपत्ति क्षतिग्रस्त हो सकती है। क्षति तब होती है जब वहन मूल्य भविष्य के नकदी प्रवाह के वर्तमान मूल्य से अधिक हो जाता है जो परिसंपत्ति के निरंतर उपयोग और इसके अंतिम निपटान से उत्पन्न होने की उम्मीद है। हानि को उस सीमा तक लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है, जिस सीमा तक परिसंपत्ति की अग्रणीत राशि उसकी वसूली योग्य राशि से अधिक हो जाती है। वसूली योग्य राशि एक परिसंपत्ति के उचित मूल्य से अधिक होती है जिसमें निपटान की लागत और उपयोग में मूल्य को कम कर दिया जाता है। उपयोग में मूल्य अनुमानित भविष्य के नकदी प्रवाह पर आधारित है, पूर्व–कर छूट दर का उपयोग करके उनके वर्तमान मूल्य पर छूट दी गई है जो धन के समय मूल्य और परिसंपत्तियों के लिए विशिष्ट जोखिम के वर्तमान बाजार मूल्यांकन को दर्शाता है।

1.7 विदेशी मुद्रा संव्यवहार

i) कंपनी के वित्तीय विवरण भारतीय रुपए (आईएनआर) के रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं जो कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा भी है।

ii) विदेशी मुद्रा में लेनदेन को शुरूआत में लेनदेन की तारीख पर प्रचलित विनिमय दरों के अनुसार दर्ज किया जाता है।

iii) मौद्रिक संपत्ति एवं विदेशी मुद्राओं के देनदारियों को नियति तारीख पर विनिमय की कार्यात्मक मुद्राओं के समापन दर पर लेनदेन किया जाता है।

iv) गैर–मौद्रिक वस्तु विदेशी मुद्रा को ऐतिहासिक लागत के संदर्भ में मापा जाता है, लेनदेन की तारीख में विनिमय दरों पर दर्ज किया जाता है।

v) परिवर्तनीयता अथवा निपटान की स्थिति की विनिमय दरों में अंतर के कारण उत्पन्न होने वाले किसी भी लाभ अथवा घाटे को लाभ–हानि विवरण में लेखाबद्ध किया जाता है।

1.8 वित्तीय लेखपत्र

(i) वित्तीय परिसंपत्तियां

सभी वित्तीय परिसंपत्तियों को प्रारंभ में उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है और बाद में परिशोधित लागत पर मापा जाता है।

(ii) वित्तीय देयताएं

सभी वित्तीय देयताओं को प्रारंभ में उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है और बाद में परिशोधित लागत पर मापा जाता है।

(iii) वि–मान्यता

वित्तीय परिसंपत्तियों को तब विमान्य किया जाता है जब परिसंपत्तियों से नकदी प्रवाह प्राप्त करने का अधिकार समाप्त हो जाए अथवा ऐसी वित्तीय परिसंपत्तियों को अन्तरण कर दिया जाए तथा ऐसे अंतरण विमान्यकरण हेतु अर्हक होते है। वित्तीय देयता को तब विमान्य किया जाता है, जब देयता के अंतर्गत बाध्यता का निर्वाहन किया जाता या यह समाप्त हो जाती है।

1.9 आय पर कर

आय कर में वर्तमान कर और विलंबित कर शामिल होता है। विलंबित कर परिसंपत्तियों तथा देयताओं को समय अंतरों के कारण भविष्य के कर परिणामों हेतु मान्यता प्रदान की जाती है, जो विवेकसम्मत होने के अधीन होता है। विलंबित कर परिसंपत्तियों और देयताओं का मापन तुलन–पत्र तिथि को अधिनियमित या बाद में अधिनियमित कर दरों का उपयोग करके किया जाता है। स्थगित कर संपत्तियों को इस हद तक मान्यता प्राप्त है कि यह संभव है कि कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके खिलाफ कटौती योग्य अस्थायी अन्तर का उपयोग किया जा सकता है।

1.10 सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदान (राजस्व) को लाभ या हानि में एक व्यवस्थित आधार पर उस अवधि के दौरान मान्यता दी जाती है जिसमें कंपनी खर्च के रूप में पहचान करती है, संबंधित लागत जिसके लिए अनुदान की भरपाई करने का इरादा है।

सरकारी अनुदान (पूंजी) को शुरू में खातों की किताबों में देयता के रूप में दर्ज किया जाता है और पूंजीगत अनुदान से प्राप्त की जाने वाली संबंधित संपत्तियों के खिलाफ अग्रिम को संपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है। अनुदान के उद्देश्य की पूर्ति पर, वित्तीय विवरणों में अनुदान और संबंधित संपत्तियों को निवल दिखाया जाता है।

शेयरधारक से प्राप्त अनुदानों को लाभ या हानि में एक व्यवस्थित आधार पर उस अवधि के दौरान मान्यता दी जाती है जिसमें कंपनी उन संबंधित लागतों को खर्च के रूप में मान्यता देती है जिसके लिए अनुदानों की भरपाई की जानी है।

1.11 पट्टे

इंड एएस 116 को पट्टे की अवधि निर्धारित करने की आवश्यकता है क्योंकि पट्टे को बढ़ाने या समाप्त करने के किसी भी विकल्प के साथ समायोजित पट्टे की गैर–रद्द करने योग्य अवधि के रूप में, यदि इस तरह के विकल्प का उपयोग उचित रूप से निश्चित है। कंपनी लीज–दर–लीज आधार पर अपेक्षित लीज अवधि का आकलन करती है और इस तरह यह आकलन करती है कि क्या यह उचित रूप से निश्चित है कि अनुबंध को बढ़ाने या समाप्त करने के किसी भी विकल्प का प्रयोग किया जाएगा। भविष्य की अवधि में पट्टे की अवधि का पुनर्मूल्यांकन यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है कि पट्टा अवधि वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों को दर्शाती है।

एक पट्टेदार के रूप में कंपनी

क) कंपनी लीज शुरू होने की तारीख पर एक राइट–ऑफ–यूज एसेट और लीज लायबिलिटी को पहचानती है। उपयोग के अधिकार की संपत्ति को शुरू में लागत पर मापा जाता है, जिसमें प्रारंभ तिथि पर या उससे पहले किए गए किसी भी पट्टे के भुगतान के लिए समायोजित पट्टे की देयता की प्रारंभिक राशि शामिल होती है, साथ ही कोई प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागत और विघटित करने और हटाने की लागत का अनुमान शामिल होता है तथा अंतर्निहित संपत्ति या अंतर्निहित संपत्ति या साइट जिस पर यह स्थित है, को पुनर्स्थापित करने के लिए पट्टे से प्राप्त के प्रोत्साहन को कम करके दिखाना।

ख) उपयोग के अधिकार की संपत्ति का बाद में उपयोग के अधिकार के उपयोगी जीवन के अंत या पट्टे की अवधि के अंत की शुरुआत की तारीख से सीधी रेखा पद्धति का उपयोग करके मूल्यह्रास किया जाता है। उपयोग के अधिकार वाली संपत्तियों का अनुमानित उपयोगी जीवन संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के समान आधार पर निर्धारित किया जाता है। इसके अलावा, उपयोग के अधिकार संपत्ति को समय–समय पर हानि नुकसान, यदि कोई हो, से कम किया जाता है और पट्टा देयता के कुछ पुनः मापन के लिए समायोजित किया जाता है।

सी) लीज देनदारी को शुरू में लीज भुगतानों के वर्तमान मूल्य पर मापा जाता है, जो कि प्रारंभ तिथि पर भुगतान नहीं किया जाता है, लीज में निहित ब्याज दर का उपयोग करके छूट दी जाती है या यदि वह दर आसानी से निर्धारित नहीं की जा सकती है, तो कंपनी की वृद्धिशील उधार दर हो सकती है। आम तौर पर, कंपनी अपनी होल्डिंग कंपनी की वृद्धिशील उधार दर को छूट दर के रूप में उपयोग करती है।

घ) पट्टा देयता के मापन में शामिल पट्टा भुगतान में निम्नलिखित शामिल हैं;

- निश्चित भुगतान, जिसमें पदार्थ के रूप में निश्चित भुगतान शामिल हैं।
- वेरिएबल लीज भुगतान जो एक सूचकांक या एक दर पर निर्भर करते हैं, प्रारंभ में सूचकांक या दर का उपयोग करके प्रारंभ तिथि पर मापा जाता है;
- अवशिष्ट मूल्य गारंटी के तहत देय अपेक्षित राशि; और
- एक खरीद विकल्प के तहत उपयोग मूल्य जिसे कंपनी यथोचित रूप से प्रयोग करने के लिए निश्चित है, यदि कंपनी एक विस्तार विकल्प का प्रयोग करने के लिए यथोचित रूप से निश्चित है, और पट्टे की समय से पहले समाप्ति के लिए दंड, जब तक कि कंपनी यथोचित रूप से निश्चित न हो, एक वैकल्पिक नवीनीकरण अवधि में पट्टा भुगतान जल्दी समाप्त नहीं करना है।

ङ) प्रभावी ब्याज पद्धति का उपयोग करते हुए पट्टे की देनदारी को परिशोधित लागत पर मापा जाता है। यह पुनर्माप तब किया जाता है जब किसी सूचकांक या दर में बदलाव से भविष्य के लीज भुगतान में कोई परिवर्तन होता है, यदि अवशिष्ट मूल्य गारंटी के तहत देय राशि के कंपनी के अनुमान में कोई बदलाव होता है, यदि कंपनी अपने मूल्यांकन में बदलाव करती है चाहे वह खरीद, विस्तार या समाप्ति विकल्प का प्रयोग करेगी।

च) जब पट्टे की देनदारी को इस तरह से फिर से मापा जाता है, तो उपयोग के अधिकार की संपत्ति की

अग्रणीत राशि के लिए एक समान समायोजन किया जाता है या लाभ या हानि में दर्ज किया जाता है यदि उपयोग के अधिकार की संपत्ति की अग्रणीत राशि घटाकर शून्य कर दिया गया है।

लघु अवधि के पट्टे और कम मूल्य की संपत्ति के पट्टे

कंपनी ने 12 महीने तक की लीज अवधि वाली अचल संपत्ति संपत्तियों के अल्पकालिक पट्टों के लिए उपयोग के अधिकार और पट्टे की देनदारियों को मान्यता नहीं देने का फैसला किया है। कंपनी इन पट्टों से जुड़े पट्टे के भुगतान को पट्टे की अवधि में सीधी रेखा के आधार पर खर्च के रूप में मानती है।

कंपनी एक पट्टेदार के रूप में

पट्टों, जिनके लिए कंपनी पट्टेदार है, को इंड एएस के अनुसार वित्त या परिचालन पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया गया है। परिचालन पट्टों के लिए, किराये की आय को पट्टे की सहमत शर्तों के अनुसार मान्यता दी जाती है। एक पट्टेदार शुरू में भविष्य के पट्टे के भुगतानों के वर्तमान मूल्य और पट्टेदार को प्राप्त होने वाले किसी भी गैर–गारंटीकृत अवशिष्ट मूल्य पर प्राप्य पर मापता है। पट्टेदार इन राशियों को पट्टे में निहित दर का उपयोग करके छूट देता है, यदि उस दर को आसानी से निर्धारित नहीं किया जा सकता है, कंपनी की वृद्धिशील उधार दर को रोककर आम तौर पर, कंपनी अपनी होल्डिंग कंपनी की वृद्धिशील उधार दर को छूट दर के रूप में उपयोग करती है।

1.12 कर्मचारी लाभ

• अल्पकालिक दायित्व

गैर–मौद्रिक लाभों सहित मजदूरी और वेतन के लिए देयताएं, जो उस अवधि के अंत के बाद परिचालन चक्र के भीतर तय होने की उम्मीद है, जिसमें कर्मचारी संबंधित सेवाएं प्रदान करते हैं, उस अवधि में मान्यता प्राप्त होती है, जिसमें संबंधित सेवाएं प्रदान की जाती हैं और भुगतान की जाने वाली अपेक्षित अघोषित राशि को मापा जाता है।

• परिभाषित अंशदान योजनाएं

वर्ष के दौरान राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) निधि में भुगतान/देय कंपनी के योगदान को 'ओ एंड एम व्यय' के तहत भारत सरकार/एमओपीएंडएनजी से वसूली योग्य/वसूली योग्य संचालन और रखरखाव व्यय के रूप में कर्मचारी लाभ व्यय के रूप में मान्यता दी गई है।

• परिभाषित लाभ योजनाएं

ग्रेच्युटी के संबंध में मान्यता प्राप्त देयता रिपोर्टिंग अवधि के अंत में परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य है, जिसमें से योजनागत संपत्तियों का उचित मूल्य घटाया गया है। अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके एक्चुरी द्वारा परिभाषित लाभ दायित्व की गणना वार्षिक रूप से की जाती है। पुनर्माप जिसमें बीमांकिक लाभ और हानियां शामिल हैं और योजनागत परिसंपत्तियों पर वापसी (शुद्ध ब्याज को छोड़कर) 'ओ एंड एम व्यय' के तहत भारत सरकार / पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय से प्राप्ति योग्य/प्राप्ति योग्य संचालन और रखरखाव व्यय के रूप में मान्यता प्राप्त है।

• **छुट्टी नकदीकरण और मुआवजा अनुपस्थिति**

अवकाश नगदीकरण और क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति के लिए देयताएं, जो उस अवधि के अंत के बाद परिचालन चक्र के भीतर पूरी तरह से तय होने की उम्मीद नहीं है, जिसमें कर्मचारी संबंधित सेवा प्रदान करते हैं, अनुमानित भविष्य के नकदी बहिर्वाह के वर्तमान मूल्य पर बीमांकिक द्वारा वार्षिक रूप से मापा जाता है जो अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके भुगतान किए जाने की उम्मीद है। बीमांकिक लाभ एवं हानियों को 'ओ एंड एम व्यय' के तहत भारत सरकार/एमओपी एंड एनजी से प्राप्ति/प्राप्ति योग्य संचालन एवं रखरखाव व्यय के रूप में पहचाना जाता है, जब वे होते हैं।

1.13 प्रावधानों, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियां (इंड एएस–37)

कंपनी किसी प्रावधान को तब मान्यता देती है जब पूर्व की घटना के परिणामस्वरूप कोई वर्तमान बाध्यता हो और इसकी अधिक संभावना न हो कि ऐसी बाध्यता के निपटान में संसाधनों के बाहिरप्रवाह की आवश्यकता होगी तथा ऐसी बाध्यता की राशि का विश्वसनीय ढंग से अनुमान लगाया जा सके। प्रावधानों को उनके वर्तमान मूल्य पर नहीं लिया जाता है और उनका निर्धारण वर्ष अंत में बाध्यता की राशि के प्रबंधन के श्रेष्ठ अनुमान के आधार पर किया जाता है। इनकी समीक्षा प्रत्येक तुलन–पत्र तिथि को की जाती है और प्रबंधन के श्रेष्ठ अनुमानों को दर्शाने के लिए इनका समायोजन किया जाता है।

आकस्मिक देयताओं का प्रकटीकरण ऐसी संभावित बाध्यताओं के संबंध में किया जाता है जो पहले की घटनाओं से उत्पन्न हुई हों और जिनकी विद्यमानता की पुष्टि पूर्णतः कंपनी के नियंत्रण में न होने वाली भविष्य की घटनाओं की उत्पत्ति या गैर–उत्पत्ति से ही की जा सकती हो। आकस्मिक देयताओं की वर्तमान बाध्यताओं हेतु भी ऐसी देयताओं के संबंध में पुष्टि की जाती है जिसके संबंध में यह संभावना न हो कि संसाधनों का एक बाह्य प्रवाह होगा अथवा बाध्यता की राशि का कोई विश्वसनीय अनुमान न लगाया जा सके।

जब कभी ऐसी कोई संभावित बाध्यता या वर्तमान बाध्यता होती है जहां संसाधनों के बाह्य प्रवाह की संभावना सुदूर होती है, किसी प्रकटीकरण या प्रावधान को नहीं किया जाता है।

आकस्मिक संपत्ति नहीं पहचानी गई है एवं खुलासा किया गया है जहां आर्थिक लाभ का प्रवाह संभव है।

1.14 प्रति शेयर अर्जन

प्रति शेयर आधारभूत अर्जन की गणना इक्विटी शेयरधारकों को आरोप्य अवधि हेतु निवल लाभ और हानि को अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या से भाग देकर की जाती है।

प्रति शेयर तनुकृत अर्जन की गणना के प्रयोजन हेतु, इक्विटी शेयरधारकों को आरोप्य अवधि हेतु निवल लाभ और हानि तथा अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या को सभी तनुकृत संभाव्य इक्विटी शेयरों के प्रभावों हेतु समायोजित किया जाएगा।

1.15 स्टॉक

कच्चे तेल के स्टॉक का मूल्यांकन 'फर्स्ट इन फर्स्ट आउट' के आधार पर निर्धारित लागत या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है। लागत में खरीद की सभी लागतें, रूपांतरण की लागत और इन्वेंट्री को वर्तमान स्थान और स्थिति में लाने में होने वाली अन्य लागतें शामिल हैं।

1.16 प्रधान कार्यालय व्यय आवंटन

प्रधान कार्यालय के खर्चों को सभी चालू इकाइयों/साइटों के बीच समान रूप से आवंटित किया जाता है।

1बी: वित्तीय वर्ष 2022–23 से प्रभावी भारतीय लेखा मानक (इंड एएस) में हालिया संशोधन

कारपोरेट मामलों के मंत्रालय ने भारतीय लेखा मानकों (इंड एएस) में कुछ विविध मुद्दों पर अधिसूचना के माध्यम से दिनांक 23 मार्च 2022 को कुछ संशोधन जारी किए जोकि 1 अप्रैल 2022 से नीचे दिए गए विवरण के अनुसार प्रभावी होगे :

क) इंड एएस 109 वित्तीय लेखपत्र – पुराने और नए शर्तों ('10 प्रतिशत' परीक्षण) के बीच नकदी प्रवाह के रियायती वर्तमान मूल्य में मौजूदा वित्तीय देयता आधार अंतर की शर्तों के पर्याप्त संशोधन की पहचान करने पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

ख) इंड एएस 16 संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) – परीक्षण की लागत से अधिक टेस्टिंग के दौरान उत्पादित वस्तुओं की शुद्ध बिक्री आय से अधिक के लिए स्पष्टीकरण, पीपीई की एक वस्तु की लागत के हिस्से के रूप में मानी जाने वाली प्रत्यक्ष रूप से लागत से कटौती के रूप में लेखांकन पर प्रदान किया गया।

ग) इंड एएस 37 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं एवं आकस्मिक संपत्ति – एक अनुबंध को पूरा करने की लागत पर प्रदान किया गया व्याख्यात्मक मार्गदर्शन – अनुबंध को पूरा करने की वृद्धिशील लागत और अन्य लागतों का आवंटन जो सीधे अनुबंध को पूरा करने से संबंधित है, और क्षति हानि को पहचानने पर प्रदान किया गया स्पष्टीकरण जो कि बड़े अनुबंध स्थापित करने के लिए एक अलग प्रावधान से पहले अनुबंध को पूरा करने में प्रयुक्त संपत्ति पर हुआ है।

उपरोक्त केवल सूचना के उद्देश्य से हैं। इनमें से किसी भी संशोधन से कंपनी के वित्तीय विवरणों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद नहीं है।

Board of Directors

Shri Pankaj Jain	Chairman	(w.e.f. 20.01.2022)
Shri Tarun Kapoor	Chairman	(till. 30.11.2021)
Shri Gudey Srinivas	Director	(w.e.f 03.11.2021)
Shri Rajesh Aggarwal	Director	(till 23.09.2021)
Dr. N. M. Kothari	Director	(w.e.f 03.11.2021)
Shri Niranjan Kumar Singh	Director	(w.e.f. 14.10.2021)
Ms. Esha Srivastava	Director	(w.e.f. 22.12.2021)
Shri B. N. Reddy	Director	(till 15.09.2021)
Ms. Indrani Kaushal	Director	(till 24.09.2021)
Shri H.P.S. Ahuja	CEO&MD	(w.e.f. 02.06.2017)

CHIEF EXECUTIVE OFFICER & MANAGING DIRECTOR
Shri H.P.S. Ahuja

COMPANY SECRETARY
Shri Arun Talwar

STATUTORY AUDITORS
Parsad Azad & Co.
Chartered Accountants

SECRETARIAL AUDITORS
PG & ASSOCIATES,
Company Secretaries

BANKERS
Union Bank of India
M-41, Connaught Circus,
New Delhi-110 001

REGISTERED OFFICE
301, World Trade Centre, 3rd Floor, Babar Road, New Delhi-110 001
Phone No. : 011-23412278

ADMINISTRATIVE OFFICE
OIDB Bhawan, Plot No.2, 3rd Floor, Sector-73, Noida-201301, U.P.
Phone No. : 91-120-2594661, Fax No. 91-120-2594643
Website : www.isprlindia.com
Email : isprl@isprlindia.com

Visakhapatnam Project Office
Lovagarden, Behind HSL Fabrication Yard,
Gandhigram Post, Visakhapatnam - 530 005

Mangalore Project Office
Chandrahas Nagar, Kalavar Post.,
Bajpe via, Mangaluru-574142

Padur Project Office
PO : Padur, Via Kaup, Distt. Udupi - 574 106
Karnataka

DIRECTOR'S REPORT

To,

The Shareholders,
Indian Strategic Petroleum Reserves Limited

The Board of Directors of your Company is pleased to present the 18th Annual Report on the working of the Company for the Financial Year ended 31st March, 2022, together with the Audited Statement of Accounts and Auditor's Report thereon.

FINANCIAL RESULTS

The Highlights of the Financial Results of your Company for the Financial Year ended 31st March, 2022 are as under:

S.No.	Particulars	₹ in Lakh	
		31st March, 2022	31st March, 2021
1	Gross Fixed Assets (Tangible & Intangible)	373669.45	373685.45
	Less :- Accumulated Depreciation	48572.24	38575.39
	Net Fixed Assets	**325097.21**	**335110.06**
2	Total Non Current Assets	37107.95	19342.01
3	Total Current Assets	10310.29	11834.63
	Total Assets	**372515.45**	**366286.70**
4	Total Equities including accumulated Losses	325538.41	334051.81
5	Total Non Current Liabilities	582.87	562.12
6	Total Current Liabilities	46394.17	31672.77
	Total Liabilities	**372515.45**	**366286.70**
	Items of Profit and Loss Account		
1	Total Incomes	896.47	860.88
2	Total Expenses including Depreciation	10827.80	10650.38
	Net Loss for the period (1) - (2)	**-9931.33**	**-9789.50**
	Phase II (Receipts and Expenditure)		
1	Total Grant received during the year for Phase II project (on net basis) including Advance for land	11987.24	10051.30
2	Total Expenditure incurred during the year under Phase II including provisions for payable	835.99	10586.53

PERFORMANCE OVERVIEW

To ensure energy security, Government of India had decided to build a strategic crude oil reserve of 5.33 MMT through a Special Purpose Vehicle (SPV). The SPV Indian Strategic Petroleum Reserves Limited (ISPRL) was initially a subsidiary of Indian Oil Corporation Limited, which w.e.f. 09.05.2006, became a wholly owned subsidiary of Oil Industry Development Board (OIDB).

View of underground strategic cavern

View of above ground facilities at cavern area

Tree Plantation at Mangalore Site by OSD (IC), MoPNG

ISPRL Phase - I

Under Phase-I of SPR program, ISPRL completed the construction and filling of crude oil in underground rock caverns with 5.33 MMT capacity at three locations namely Visakhapatnam (1.33 MMT) in Andhra Pradesh and Mangalore (1.5 MMT) & Padur (2.5 MMT) in Karnataka, which is equivalent to 9.5 days of national demand of 2019-20. Presently, the estimated reserves of crude oil, and petroleum products in India, stored by both private and public companies, including those created under the Phase-I of SPR programme cover 74 days of national net imports.

All the three facilities i.e. Visakhapatnam, Mangalore & Padur have been commissioned in June'2015, October'2016 and December'2018 respectively. All these three facilities were dedicated to the Nation by Hon'ble Prime Minister on 10th February'2019.

ISPRL Crude was first time released for Mangalore Refinery and Petrochemicals Limited (MRPL) from ISPRL Mangalore Cavern in August 2019. Subsequently crude oil was released from Padur facility also to MRPL in October 2019.

The release / sale of strategic crude oil is carried out through an Inter-ministerial Empowered Committee chaired by Secretary, MoP&NG with Secretary, Department of Expenditure, MOF; Secretary, Home; Secretary, Planning Commission; Secretary, Defence, Secretary, National Security Council and Secretary, Ministry of Shipping as members.

The release of the commercial stock through leasing / renting up to 30% and sale / purchase of crude oil of up to 20% of capacity is handled by a Committee of Directors as determined by ISPRL Board from time to time comprising of Directors of ISPRL. The authority for release of stock in the strategic portion of 50% of crude storage will vest with the Inter-Ministerial Empowered Committee.

ISPRL Delegation at ADIPEC in November'2021

The COVID-19 pandemic that gripped the world, and effected lockdowns globally, impacted the crude oil demand world over and India was no exception. The refineries operated at a bare minimum capacity, as a result of drastic reduction in the demand for petroleum products. This coupled with increase in supply of crude, resulted in a demand supply imbalance which saw the crude oil prices nosedive across the globe. To take advantage of the prevailing low crude oil prices, Govt. of India decided to fill the Strategic Reserves on priority.

Shri Sunil Kumar JS (Refineries), MoPNG visit to Mangalore Cavern

To leverage the down turn in global crude prices, Government of India allocated Rs.3,000 Crore towards filling the SPRs in Phase-I during the year 2020-21.

MoPNG, advised the Oil Marketing Companies (OMCs), BPCL, IOCL, HPCL and MRPL to fill the crude in the SPRs. Approximately, 16.37 million bbls for Mangalore and Padur and 0.34 million bbls of crude oil for Vishakhapatnam, thus total of 16.71 Million Bbls was procured for filling the SPR' The strategic reserves at all the three locations were completely filled during April & May'2020, and a small quantity in October 2020.

The average cost of procurement was 19$/bbl as compared to US$60 per bbl prevailing at the beginning of the year in Jan 2020. This resulted in substantial savings to Govt. of India to the tune of Rs.5069 Crore (US$685.11 Million).

Covid Vaccination Drive at Vizag Site

Blood donation camp at site

Secretary OIDB at ISPRL HO with Crude oil cavern Model of Vishakhapatnam

DCMP Drill at ISPRL Mangalore

Agreement with ADNOC

An agreement was signed between ADNOC and ISPRL on 10th Feb'2018, permitting ADNOC to use one compartment at Mangalore. As per the agreement, ADNOC stored approx. 5.8 Million Barrels of crude at ISPRL's Mangalore cavern. ADNOC can use a portion of this oil as commercial supply to its customers in India, while the rest will remain as strategic storage to be released to meet emergencies such as supply disruptions due to natural disaster or geopolitical factors. The Mangalore facility has two compartments of 0.75 MMT each. One of the compartments has been given to Abu Dhabi National Oil Company (ADNOC).

ADNOC Model :

In order to enhance the commercial viability of the existing Strategic Petroleum Reserves of ISPRL, Government of India approved modification of 'ADNOC Model' in October 2020, wherein the Caverns can be offered to ADNOC on 50:50 basis i.e. 50% strategic and 50% commercial, from the current 65:35 applicable presently. A side letter to this effect was signed on 24.02.2022

Commercial utilization of ISPRL facilities

On request of ADNOC, ISPRL successfully loaded first commercial consignment containing approx. 8,68,000 Barrels of Das grade crude oil to HPCL, Vizag on 11-13th Dec 2019 as per the terms of Agreement between ADNOC and ISPRL. Thereafter ADNOC has sold crude consignments from the SPR to MRPL and BPCL and replenished it as per the contractual terms.

Commercialization : Crude upliftment from ISPRL by MRPL and HPCL

Cabinet on 8th July'2021 has considered and approved the proposals to utilize part of the petroleum reserves created under Phase I of Strategic Petroleum Reserve (SPR) for commercialization operations, through which it has approved the following :-

- Commercialization of ISPRL by allowing ISPRL to undertake following commercial activities with the crude stored in caverns under Phase I of SPR programme i.e.
- Leasing / renting of 30% of overall oil storage capacity of caverns to Indian or foreign companies with the conditions that in case of any exigency, the GOI will have the first right on the entire crude oil storage in the caverns.
- Sale / purchase of Crude oil upto 20% of overall oil storage capacity of caverns to Indian companies.

ISPRL has started releasing crude to State run Refiners HPCL and MRPL from August 2021. The total quantity released from August'2021 to February' 2022 is :-

To MRPL from ISPRL Mangalore - **0.75 MMT**

To HPCL from ISPRL Vizag - **0.43 MMT**

Thus by selling / releasing crude oil to HPCL and MRPL, there has been gain of INR 3319 Crore to the GOI over cost of procurement of crude oil. ISPRL deposited an amount of INR 4900.60 Crore in Bharatkosh account of Govt of India realized as revenue from Crude Oil sale.

Partial Commercialization of strategic crude oil caverns will ensure a balance between the core aim of maintaining core critical reserves and undertaking limited commercial activities with certain defined quantity of crude oil in ISPRL's caverns.

ISPRL Phase – II

The Union Cabinet on 27th June'2018 gave "In Principle" approval for establishing 6.5 MMT Strategic Petroleum Reserves at two locations Chandikhol (4 MMT) in Odisha and at Padur (2.5 MMT) Karnataka including dedicated SPM's for the two SPR's. The 'In Principal' approval is to take up the project under PPP model to reduce budgetary support of Government of India.

On completion of 6.5 MMT storage envisaged in Phase II, there will be an additional storage capacity created to cover another 12 days of crude oil requirement. Thus, the total cover would be approximately 21 days.

On 8th July'2021, the Cabinet Secretariat has given its approval for development of Commercial cum Strategic Petroleum Reserves under Phase II at Chandikhol, Odisha (4 MMT) and Padur II, Karnataka (2.5 MMT) and dedicated SPMs and associated pipelines on Design, Built, Finance, Operate and Transfer (DBFOT) basis under PPP mode. This is expected to augment India's energy security by another 12 days according to the consumption data for FY 2019-20.

For Phase II at both locations, ISPRL will acquire the land through Budgetary support from Government of India and once land acquistion is done, it will be handed over to successful bidder through single stage biding.The concessionaire shall Construct, fill the crude oil and operate it.

Land acquisition process for both the locations i.e. Chandikhol, Odisha and Padur II, Karnataka is in progress.

Awards and Recognitions

Winner of Leading Director Award 2021

First prize for commendable performance in implementing the Official Language Policy of the Union by Department of Official Language of Ministry of Home Affairs

Winner for Excellence in Corporate Governance by Corporate Governance conclave & awards 2021

DIVIDEND

Your Board of Directors does not recommend any Dividend for the Financial Year ended 31st March, 2022.

TRANSFER TO RESERVES

The losses made during the financial year 2021-22 have been transferred to the reserves of the Company for the financial year ended 31st March, 2022.

PUBLIC DEPOSITS

Your Company has not invited, accepted or renewed any fixed deposit from the public as on 31st March, 2022 and accordingly there is no principal or interest outstanding in respect thereof.

AUDIT COMMITTEE

The Board has constituted the Audit Committee. The Audit Committee comprised of the following Directors as on 31st March, 2022:

1.	Shri Gudey Srinivas, AS&FA, MoP&NG/ Director, ISPRL	:	Chairman
2.	Ms. Esha Srivastava, OSD (IC), MoP&NG/ Director, ISPRL	:	Member
3.	Shri HPS Ahuja CEO & MD, ISPRL	:	Member

The number and dates of the meetings held during the financial year indicating the number of meetings attended by each director is given at **Annexure-A.**

CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY (CSR) COMMITTEE

The company has a CSR Policy which is available on the website of the Company. The Company has not spent any money on CSR activities during the year as the company has not made any profit during the preceding three financial years.

The CSR Committee comprised of the following Directors as on 31st March 2022:

1.	Ms. Esha Srivastava, OSD (IC), MoP&NG/ Director, ISPRL	:	Chairperson
2.	Shri HPS Ahuja, CEO & MD, ISPRL	:	Member

The number and dates of the meetings held during the financial year indicating the number of meetings attended by each director is given at **Annexure-A.**

EXTRACT OF ANNUAL RETURN

Pursuant to Section 92(3) and Section 134(3)(a) of the Companies Act, 2013, the Company has placed a copy of the Annual Return as of March 31, 2022, on its website at https://isprlindia.com/downloads/Extract-of-Annual-Return.pdf.

MEETINGS OF THE BOARD

The Board of Directors of the Company met five times in the financial year 2021-22 as per the following details:

1) 23rd July, 2021

2) 02nd August, 2021

3) 15th September, 2021

4) 23rd November, 2021

5) 16th March, 2022

The number and dates of the meetings held during the financial year indicating the number of meetings attended by each director is given at **Annexure-A**.

CHANGE IN THE NATURE OF BUSINESS

During the year under review, Government of India (GOI) in July 2021 has allowed ISPRL to undertake following commercial activities with the crude stored in caverns under Phase-I of SPR programme i.e.

1. Leasing / Renting of 30% of overall oil storage capacity of caverns to Indian or foreign companies with the condition that in case of any exigency, the GOI will have the first right on the entire crude oil stored in the caverns.
2. Sale / purchase of Crude oil upto 20% of overall oil storage capacity of caverns to Indian companies.

PARTICULARS OF EMPLOYEES

The Company has no employee in respect of whom the Statement under the provisions of the Companies Act, 2013 read with Companies (Appointment and Remuneration of Managerial Personnel) Rules 2014, is required to be furnished.

DECLARATION BY THE INDEPENDENT DIRECTORS

There were no Independent Directors on the Board of the Company during the financial year 2021-22.

RISK MANAGEMENT

Effective risk management is critical for the continued success of the Company. The Company has a risk management policy to identify risk associated with the Company operations and to take appropriate corrective steps to minimize the risks. The major risks associated with Company are related to crude oil receipt and storage and delivery. These risks are mitigated by adopting standard operating procedures and adequate insurance cover.

SHARE CAPITAL

During the year, the Company has issued 1,41,80,000 Equity Shares of Rs.10/- each to Oil Industry Development Board.

KEY MANAGERIAL PERSONNEL

The following were the Whole-time Key Managerial Personnel during the year under review:

a) CEO & Managing Director - Shri H.P.S. Ahuja (cessation on 01/06/2022)

b) Chief Finance Officer - Shri Gopeshwar Kumar Singh

C) Company Secretary - Shri Arun Talwar

REMUNERATION

All Directors on the Board of ISPRL are ex-officio directors nominated by Ministry of Petroleum and Natural Gas (MoP&NG) except CEO&MD. The CEO & MD is appointed by the ISPRL Board. No remuneration is paid to ex-officio director nominated by MOP&NG. Other officers of the Company are on deputation from oil sector PSUs and other regular employees are employed on the pay scale of Oil Industry Development Board. The CEO & MD who was on deputation from ONGC got superannuated from ONGC on 31st October 2019 and continued with ISPRL as CEO & MD on the terms and conditions and remuneration approved by the Board. Shri HPS Ahuja superannuated from the post of CEO & MD, ISPRL on 01/06/2022.

MATERIAL CHANGES AND COMMITMENTS AFFECTING FINANCIAL POSITION BETWEEN THE END OF THE FINANCIAL YEAR AND DATE OF THE REPORT

There are no material changes which have occurred subsequent to the close of financial year of the Company to which the Balance Sheet relates and the date of the report.

DETAILS OF SIGNIFICANT AND MATERIAL ORDERS PASSED BY THE REGULATORS OR COURTS OR TRIBUNALS IMPACTING THE GOING CONCERN STATUS AND COMPANY'S OPERATIONS IN FUTURE

No significant and material orders were passed by the Regulators or Courts or Tribunals impacting the going concern status and company's operations in future.

SUBSIDIARY/JOINT VENTURES/ASSOCIATE COMPANIES

The Company is not having any Subsidiary/Joint Ventures/Associate Companies under the provisions of the Companies Act, 2013.

COST AUDIT

In terms of Section 148 of the Act, the Company is not required to have the audit of its cost records conducted by a Cost Accountant.

AUDITORS

STATUTORY AUDIT:

The Comptroller & Auditor General of India (C&AG) has appointed M/s Prasad Azad & Co. (DE0029), 1207, Surya Kiran Building, 19, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi- 110001 as Statutory Auditors of the Company, who have submitted their report on the accounts of the Company for the Financial Year ended 31st March, 2022 **(Annexure-B)**. The observations of Statutory Auditors in their report to the Shareholders and the Management's reply on the same is attached as **Annexure-C.**

Supplementary audit conducted by C&AG under Section 143 (6) (a) of the Companies Act, 2013 of the Financial Statements of the Company for the Financial Year ended on 31st March 2022. There are no significant observations of C&AG on the Financial Statements **(Annexure-D)**.

SECRETARIAL AUDIT:

During the year, the Board of the Company had appointed M/s PG & Associates, Company Secretaries, 106, Mahagun Morpheus, E-4, Sector–50, Noida-201301, Uttar Pradesh, as Secretarial Auditors of the Company to carry out Secretarial Audit under the provisions of Section 204 of the Companies Act, 2013 and the Rules framed thereunder, for the financial year 2021-22. The Report given by Secretarial Auditors is annexed to this report as **(Annexure-E)**. The Auditors Report to the Shareholders does not contain any qualification.

CONSERVATION OF ENERGY, TECHNOLOGY ABSORPTION AND FOREIGN EXCHANGE EARNINGS AND OUTGO

The Company has commissioned Visakhapatnam, Mangalore cavern and Padur caverns. The Company has no information to be published regarding conservation of energy and technology absorption.

The Company does not have any foreign exchange earnings during the year. However, it has utilized foreign exchange for its business activities aggregating to Rs.36.91 Lakh during the period under review.

INTERNAL FINANCIAL CONTROLS

The Company has in place adequate internal financial controls with reference to financial statements during the period under review.

PREVENTION OF SEXUAL HARASSMENT AT WORKPLACE

The Company has zero tolerance for sexual harassment of women at work place. The Company ensures Prohibition and Prevention of Sexual Harassment of Women at workplace and matters connected therewith or incidental thereto covering all the aspects as contained in "The Sexual Harassment of Women at the Workplace (Prevention, Prohibition & Redressal) Act, 2013. The Company has complied with provisions relating to the constitution of Internal Complaints Committee under the said Act. During the year under review, the Company did not receive any complaint under the said Act.

BOARD EVALUATION

The formal annual evaluation of the performance of the Individual Directors and the Board has been carried out as per the Board Performance Evaluation Policy approved by the Board of ISPRL.

REPORTING OF FRAUDS BY AUDITORS

During the year under review, there have been no instances of fraud reported by Auditors under Section 143 (12) of the Companies Act, 2013.

PARTICULARS OF LOANS, GUARANTEES OR INVESTMENTS UNDER SECTION 186

No loan was given or investments were made by ISPRL during the year 2021-22. The Company has

given BG of Rs 50,000/- in favor of ACCT, LGSTO-260 (GST Authorities) for obtaining KST/CST Registration Certificate from Commercial Tax Office. The BG was given against FD pledged by Company amounting to Rs. 50,000/-.

The Company has pledged FD of Rs 1,45,000/- in favor of Deputy Director, DMG, Mangalore towards financial assurance related to stone mines contract.

RELATED PARTY TRANSACTIONS

All related party transactions were limited to Equity capital participation by OIDB and payment of managerial remuneration to CEO & MD, ISPRL, CFO, ISPRL and Company Secretary, ISPRL. The transactions with the related parties are in the ordinary course of business and are on Arm's Length basis and are not material in nature.

COMPLIANCE WITH THE PROVISIONS OF SECRETARIAL STANDARDS

The applicable Secretarial Standards issued by The Institute of Company Secretaries of India have been duly complied by the Company.

DIRECTORS RESPONSIBILITY STATEMENT

As required under clause (c) of sub-section (3) Section 134 of the Companies Act, 2013, your Board of Directors of the Company hereby state and confirm:

(a) That in preparation of Annual Accounts for the financial year, the applicable Accounting Standards have been followed along with the proper explanations relating to material departures;

(b) That Directors have selected the accounting policies and applied them consistently and made judgments and estimates that are reasonable and prudent so as to give a true and fair view of the state of affairs of the Company as on March 31, 2022 and of the Profit and Loss of the Company for that year;

(c) That Directors have taken proper and sufficient care for the maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Companies Act, 2013, for safeguarding the assets of the Company and for preventing and detecting fraud and other irregularities;

(d) That the Directors have prepared the Accounts for the Financial Year ended 31st March, 2022 on a "going concern" basis.

(e) That the Directors have devised proper systems to ensure compliance with the provisions of all applicable laws and that such systems were adequate and operating effectively.

BOARD OF DIRECTORS

Your Board of Directors comprises of four part-time Non-Executive Directors and one full-time CEO & MD as on 31st March, 2022 details are given below:

1. Shri Pankaj Jain (DIN- 00675922), Secretary, MoP&NG- Chairman (appointment w.e.f. 20/01/2022);

2. Shri Gudey Srinivas (DIN- 02568812), Additional Secretary & Financial Advisor, MoP&NG – Director, (appointment w.e.f. 03/11/2021);
3. Dr. Navneet Mohan Kothari (DIN- 02651712), Secretary, OIDB- Director (appointment w.e.f. 03/11/2021);
4. Ms. Esha Srivastava (DIN- 08504560), Economic Adviser, MoP&NG- Director (appointment w.e.f. 22/12/2021);
5. Shri HPS Ahuja (DIN- 07793886), Chief Executive Officer & Managing Director

Following changes took place in the Board of Directors after 01st April, 2021:

1. Shri Tarun Kapoor (DIN- 00030762), Secretary, MoP&NG – Chairman (cessation w.e.f. 30/11/2021);
2. Shri Rajesh Aggarwal (DIN- 03566931), AS&FA, MoP&NG – Director. (cessation w.e.f. 23/09/2021);
3. Shri B. N. Reddy (DIN- 08389048), JS (IC), MoP&NG – Director. (cessation w.e.f. 15/09/2021);
4. Shri Niranjan Kumar Singh (DIN- 03361541), Secretary, OIDB- Director. (cessation w.e.f. 14/10/2021);
5. Ms. Indrani Kaushal (DIN- 02091078), Economic Adviser, MoP&NG- Director. (cessation w.e.f. 24/09/2021).

ACKNOWLEDGEMENT

Your Board of Directors gratefully acknowledges the valuable guidance and support received from the Government of India, Ministry of Petroleum and Natural Gas and Oil Industry Development Board.

For and on behalf of the Board.

Sd/-	**Sd/-**
(Esha Srivastava)	**(Lakhpat Rai Jain)**
Director	**CEO & MD**
(DIN# 08504560)	**(DIN# 08505199)**

Date: 22/12/22

Place: New Delhi

Annexure-A

Details of the meeting of the Board Committees and Board and number of meetings attended by the Directors:

AUDIT COMMITTEE:

The Audit Committee held one meeting in the financial year 2021-22. The meeting was held on 14th September, 2021. The Director's attendances at the Audit Committee meetings are as follows:

Sl. No.	Members	Designation	No. of meetings attended in FY 2021-22
1.	Shri Rajesh Aggarwal	Chairman	1
2.	Shri HPS Ahuja	Member	1

***NOMINATION AND REMUNERATION COMMITTEE (NRC):**

The NRC held one meeting in the financial year 2021-22. The meeting was held on 23rd August, 2021. The Director's attendances at the NRC meeting are as follows:

Sl. No.	Members	Designation	No. of meetings attended in FY 2021-22
1.	Shri B. N. Reddy	Chairman	1
2.	Shri HPS Ahuja	Member	1

CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY (CSR) COMMITTEE:

No meeting of CSR Committee held during the financial year 2021-22.

BOARD OF DIRECTORS:

The Board of Directors of the Company held five meetings in the financial year 2021-22 as per the following details:

1) 23rd July, 2021
2) 02nd August, 2021
3) 15th September, 2021
4) 23rd November, 2021
5) 16th March, 2022

Details of Directors attendance for the Board meetings attended in the FY 2021-22 as follows:

Sl. No.	Name of Directors	Designation	No. of Board Meetings attended during the Financial Year 2021-22
1.	Shri Pankaj Jain (w.e.f. 20/01/2022)	Chairman	1
2.	Shri Tarun Kapoor (till 30/11/2021)	Chairman	4
3.	Shri Gudey Srinivas (w.e.f. 03/11/2021)	Director	2
4.	Shri Rajesh Aggarwal (till 23/09/2021)	Director	3
5.	Shri B. N. Reddy (till 15/09/2021)	Director	3
6.	Dr. N. M. Kothari (w.e.f. 03/11/2021)	Director	2
7.	Dr. Niranjan Kumar Singh (till 14/10/2021)	Director	2
8.	Ms. Esha Srivastava (w.e.f. 22/12/2021)	Director	1
9.	Ms. Indrani Kaushal (till 24/09/2021)	Director	3
10.	Shri H.P.S. Ahuja (till 31/03/2022)	CEO & MD	5

Annexure-B

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

To,
The Members of
Indian Strategic Petroleum Reserves Limited

Report on the Audit of the Financial Statements

Opinion

We have audited the accompanying financial statements of Indian Strategic Petroleum Reserves Limited ("the Company"), which comprise the Balance Sheet as at 31st March, 2022, the Statement of Profit and Loss, the statement of Changes in Equity and the statement of Cash Flows for the year then ended, and notes to the financial statements, including a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid financial statements give the information required by the Companies Act, 2013 ("the Act") in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the Indian Accounting Standards prescribed under section 133 of the Act read with the Companies (Indian Accounting Standards) Rules, 2015, as amended, ("the Ind AS") and accounting principles generally accepted in India, of the state of affairs of the Company as at 31st March, 2022, its loss, changes in equity and its cash flows for the year ended on that date.

Basis for Opinion

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing (SAs) specified under section 143(10) of the Act. Our responsibilities under those Standards are further described in the Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements section of our report. We are independent of the Company in accordance with the Code of Ethics issued by the Institute of Chartered Accountants of India ("the ICAI") together with the ethical requirements that are relevant to our audit of the financial statements under the provisions of the Act, and the Rules thereunder, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.

Emphasis of Matter

We draw your attention to Note No.31(ii) to the financial statements wherein the Company has explained that due to pending clarification / advise from the Ministry of Petroleum and Natural Gas (MoPNG), GOI, against assurance given to the C&AG during audit of FY 2020-21 regarding treatment of accounting of value of crude oil quantity, crude oil transactions and its inventory in the books of account and financial statements, the Company has not included the same in its books of account and financial statements for the FY 2021-22 and has continued to disclose only the quantitative details of crude oil reserves in the Note as in earlier years.

Our opinion is not modified in respect of the above matter.

Information other than the Financial Statements and Auditors' Report thereon

The Company's Board of Directors is responsible for the other information. The other information comprises the information included in the Board's Report but does not include the financial statements and our auditor's report thereon.

Our opinion on the financial statements does not cover the other information and we do not express any form of assurance conclusion thereon.

In connection with our audit of the financial statements, our responsibility is to read the other information and, in doing so, consider whether the other information is materially inconsistent with the financial statements or our knowledge obtained during the course of our audit or otherwise appears to be materially misstated.

If, based on the work we have performed, we conclude that there is a material misstatement of this other information; we are required to report that fact.

We have nothing to report in this regard.

Responsibilities of Management and Those Charged with Governance for the Financial Statements

The Company's Board of Directors is responsible for the matters stated in section 134(5) of the Act, with respect to the preparation of these financial statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance, change in equity and cash flows of the Company in accordance with the Ind AS and other accounting principles generally accepted in India, including the Accounting Standards specified under section 133 of the Act. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding of the assets of the Company and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgments and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statement that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, the Board of Directors is responsible for assessing the Company's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless the Board of Directors either intends to liquidate the Company or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

Those Board of Directors are also responsible for overseeing the Company's financial reporting process.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.

- Obtain an understanding of internal control relevant to the audit in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. Under section 143(3)(I) of the Act we are also responsible for expressing our opinion on whether the Company has adequate internal financial controls in place and the operating effectiveness of such controls.

- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.

- Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Company's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the Company to cease to continue as a going concern.

- Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

1. As required by the Companies (Auditor's Report) Order, 2020 ("the Order"), issued by the Central Government of India in terms of sub-section (11) of section 143 of the Act, we give in the **Annexure - A**, a statement on the matters specified in paragraphs 3 and 4 of the Order, to the extent applicable.

2. As required by Section 143(3) of the Act, we report that:

   (a) We have sought and obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit.

   (b) In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Company so far as it appears from our examination of those books.

   (c) The Balance Sheet, the Statement of Profit and Loss, Statement of Changes in Equity and Statement of Cash Flow dealt with by this Report are in agreement with the books of account.

   (d) In our opinion, the aforesaid financial statements comply with the Ind AS specified under Section 133 of the Act, read with Rule 7 of the Companies (Accounts) Rules, 2014.

   (e) On the basis of the written representations received from the directors as on 31st March, 2022 taken on record by the Board of Directors, none of the directors is disqualified as on 31st March, 2022 from being appointed as a director in terms of Section 164(2) of the Act.

   (f) With respect to the adequacy of the internal financial controls over financial reporting of the Company and the operating effectiveness of such controls, refer to our separate report in **Annexure - B**.

   (g) Based on the information and explanations provided by the Company, we state that the remuneration paid by the Company to its directors during the year under audit is in accordance with provisions of section 197(16) of the Act.

   (h) With respect to the other matters to be included in the Auditor's Report in accordance with Rule 11 of the Companies (Audit and Auditors) Rules, 2014, in our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us:

      i. The Company has disclosed the impact of pending litigations on its financial position in its financial statements - Refer Note 22.2(A) to the financial statements;

      ii. The Company did not have any long term contracts including derivative contracts for which there were any material foreseeable losses - Refer Note 31(xxxix) to the financial statements;

iii. There were no amounts which were required to be transferred, to the Investor Education and Protection Fund by the Company - Refer Note 31(xxxx) to the financial statements.

iv (a) The Company's Management has represented that, to the best of its knowledge and belief, as disclosed in the Note No. 31(xxx)(A) to the financial statements, no funds have been advanced or loaned or invested (either from borrowed funds or share premium or any other sources or kind of funds) by the Company to or in any other person(s) or entity(ies), including foreign entities ("Intermediaries"), with the understanding, whether recorded in writing or otherwise, that the Intermediary shall, directly or indirectly lend or invest in other persons or entities identified in any manner whatsoever by or on behalf of the Company ("Ultimate Beneficiaries") or provide any guarantee, security or the like on behalf of the Ultimate Beneficiaries.

(b) The Company's Management has represented, that, to the best of its knowledge and belief, as disclosed in the Note No. 31(xxx)(B) to the financial statements, no funds have been received by the Company from any person(s) or entity(ies), including foreign entities ("Funding Parties"), with the understanding, whether recorded in writing or otherwise, that the Company shall, directly or indirectly, lend or invest in other persons or entities identified in any manner whatsoever by or on behalf of the Funding Party ("Ultimate Beneficiaries") or provide any guarantee, security or the like on behalf of the Ultimate Beneficiaries.

(c) Based on the audit procedures performed that have been considered reasonable and appropriate in the circumstances, nothing has come to our notice that has caused us to believe that the representations under sub-clause (i) and (ii) of Rule 11(e), as provided under (a) and (b) above, contain any material mis-statement.

v. To the best of our information and according to the explanations given to us, the Company has not declared or paid any dividend during the year, accordingly the provisions of Rule 11(f) is not applicable.

As required by Section 143(5) of the Act and as per directions issued by Comptroller and Auditor General of India, we report that:

S.No.	Directions	Auditor's Replies
(i)	Whether the company has system in place to process all the accounting transactions through IT system? If yes, the implications of processing of accounting transactions outside	The Company has a system in place to process all the accounting transactions through IT system except Billing for sale of Crude Oil and Pumping Charges, Fixed Assets

S.No.	Directions	Auditor's Replies
	IT system on the integrity of the accounts along with the financial implications, if any, may be stated.	Records, Leave Records, Payroll, Grant Records for which there is no implication of processing of accounting transactions outside IT system on the integrity of the accounts and no financial implications observed.
(ii)	Whether there is any restructuring of an existing loan or cases of waiver/write off of debts / loans/ interest etc. made by a lender to the company due to the company's inability to repay the loan? If yes, the financial impact may be stated.	There is no case of restructuring of an existing loan or cases of waiver/write off of debts /loans/interest etc. made by a lender to the Company due to the Company's inability to repay the loan.
(iii)	Whether funds received/receivable for specific schemes from central/ state agencies were properly accounted for/ utilized as per its term and conditions? List the cases of deviation.	Funds received / receivable for specific schemes from central/ state agencies are properly accounted for/ utilized as per their terms and conditions.
There are no any additional Company / Sector specific directions issued under section 143 (5) of the Companies Act, 2013 by the Field office of the CAG entrusted with the supplementary audit of the Company till the date of issue of this report, hence we offer no comments.		

for Prasad Azad & Co.
Chartered Accountants
Firm's Registration Number: 001009N

Sd/-
(K. M. Azad)
Partner
Membership No. 005125
UDIN: 22005125BDKRIS7420

Place: New Delhi
Date: 17th November'2022

"ANNEXURE A" TO THE INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

[Annexure-A referred to in paragraph 1 under 'Report on Other Legal and Regulatory Requirements' of our Report of even date to the Members of **Indian Strategic Petroleum Reserves Limited**, on the financial statements of the Company for the year ended 31st March, 2022]

On the basis of such checks as we considered appropriate and according to the information and explanations given to us during the course of our audit, we report that:

i) (a). (A). The Company has maintained proper records of Property, Plant and Equipment ***but full particulars, including quantitative details and situation of the Property, Plant and Equipment have not been shown in the records.***

(B). The Company has maintained proper records of Intangible Assets (ROU for Pipelines) ***but full particulars, including area, registration records, year of purchase, date of available for use, date of put to use, useful life, residual value of the Intangible Assets etc. have not been shown in the records.***

(b). According to the information and explanations given to us, the Property, Plant and Equipment have been physically verified by the management in a phased manner through external agency at the Mangalore and Padur units and internally at Visakhapatnam unit, which in our opinion is reasonable having regard to the size of the Company and nature of its Property, Plant and Equipment. As per information and explanations given to us, no material discrepancies were noticed on such verification. ***However, we noted that Property, Plant and Equipment at Head Office was not physically verified by the management internally during the year. Accordingly, we are unable to comment upon the discrepancies therein, in case any and reasonableness of the frequency of physical verification to that extent.***

(c). The title deeds of the immovable properties (Right of Use assets) disclosed in Note No. 2 to the Financial statements are held in the name of the Company **except in case of below:**

Description of Property	Gross carrying value (Rs. In Lac)	Held in name of	Whether promoter, director or their relative or employee	Period held - indicate range, where appropriate	Reason for not being held in name of company
Right of Use - Land at Mangalore Special Economic Zone (104.73 acres)	Rs. 8492.50 Lacs	Lease Agreement entered into between Mangalore SEZ Limited and the Company dated 7th March,2017 not registered	No	Lease from the date of possession of the land to 26th January, 2060. Date of Allotment available in record for	The Company is following with the Mangalore SEZ Limited for registration of lease deed.

Description of Property	Gross carrying value (Rs. In Lac)	Held in name of	Whether promoter, director or their relative or employee	Period held - indicate range, where appropriate	Reason for not being held in name of company
		in the name of the Company.		100.02 acres is 23.11.2009 and for 4.71 acres is 11.04.2018. However, document for date of delivery of possession is not in company record.	

(d) According to the information, explanations and management representations given to us and on the basis of our examination of the records of the Company, the Company has not revalued of its Property, Plant and Equipment (including Right of Use assets) during the year.

(e) According to the information, explanations and management representations given to us, no proceedings have been initiated during the year or are pending against the Company as at 31st March, 2022 for holding any benami property under the Benami Transactions (Prohibition) Act, 1988 (45 of 1988) and Rules made thereunder.

ii)(a) According to the information and explanations given to us, the management has conducted physical verification of Crude Oil inventory held on behalf of Government of India at Cavern B and ADNOC at Cavern A at Mangalore and on behalf of Government of India at Visakhapatnam and Padur at reasonable intervals through independent surveyors. In our opinion, having regard to the nature and location of the Crude, the coverage and procedure of such verification is considered appropriate.

Further, as stated in Note No. 31(ii) for quantification data of crude oil provided by the management, we have observed that there is loss in stock of crude oil held by the Company on behalf of the Government of India and as well as ADNOC. The same needs independent technical assessment to evaluate the same.

(b) According to the information and explanations given to us, the Company has not been sanctioned working capital limits in excess of five crore rupees, in aggregate, at any point of time of the year, from banks or financial institutions on the basis of security of current assets. Accordingly, the provisions of this clause of the Order are not applicable to the Company.

iii) (a) to (f). According to the information and explanations given to us, the Company has not made investments in, provided any guarantee or security or granted any loans or advances in the nature of loans, secured or unsecured, to companies, firms, Limited Liability Partnerships or any

other parties. Accordingly, provisions of this clause of the Order are not applicable to the Company.

iv) According to the information and explanations given to us, the Company has not granted any loans, made investments or provided guarantees or security which required compliance of the provisions of section 185 and 186 of the Act. Accordingly, provisions of this clause of the Order is not applicable to the Company.

v) According to the information and explanations given to us, the Company has not accepted any deposits or amounts which are deemed to be deposits, during the year to which the directives issued by the Reserve Bank of India and provisions of Sections 73 to 76 or any other relevant provision of the Act are applicable.

vi) According to the information and explanations given to us, the Central Government of India has not specified the maintenance of cost records under sub-section (1) of section 148 of the Act. Accordingly, provisions of this clause of the Order are not applicable to the Company.

vii) (a) According to the records of the Company examined and information, explanations and management representations given to us, the Company has generally been regular in depositing undisputed statutory dues including Goods and Services Tax, provident fund, employees' state insurance, income-tax, sales-tax, service tax, duty of customs, duty of excise, value added tax, cess and any other statutory dues to the appropriate authorities. There are no arrears of undisputed outstanding statutory dues as on the last day of the financial year for a period of more than six months from the date they became payable.

(b) According to the information, explanations and management representations given to us, there were no statutory dues including Goods and Services Tax, provident fund, employees' state insurance, income- tax, sales-tax, service tax, duty of customs, duty of excise, value added tax, cess and any other statutory dues which have not been deposited on account of any disputes **except as stated below:**

Statement of Disputed Dues

SI. No.	Name of the Statute	Nature of dues	Amount (Rs. In Lac)	Period to which the amount relates	Forum where dispute is pending	Remarks, if any
1.	Andhra Pradesh Minor Mineral Concession Rules 1996	Royalty	11,794.95	Upto 31.03.2018	Directorate of Mines and Geology, Andhra Pradesh	-

viii) As per the information, explanations and management representations given to us, there were no transactions, not recorded in the books of account which have been surrendered or disclosed as income during the year in the tax assessments under the Income Tax Act, 1961.

ix) (a) According to the information and explanations given to us, the Company has not defaulted in the repayment of loans or other borrowings or in the payment of interest thereon to any lender. Accordingly, provisions of this clause of the Order is not applicable to the Company.

(b) According to the information and explanations given to us and on the basis of our audit procedures, the Company has not been declared wilful defaulter by any bank or financial institution or any other lender.

(c) According to the records of the Company examined and information, explanations and management representations given to us, the Company has not taken any term loans during the year. Accordingly, provisions of this clause of the Order is not applicable to the Company.

(d) According to the information and explanations given to us and the procedures performed by us and on an overall examination of the financial statements of the company, we report that no funds have been raised on short-term basis during the year by the Company. Accordingly, provisions of this clause of the Order is not applicable to the Company.

(e) According to the information and explanations given to us, the Company does not have any subsidiaries, associate or joint ventures. Accordingly, provisions of this clause of the Order is not applicable to the Company.

(f) According to the information and explanations given to us, the Company has not raised any loans during the year. Accordingly, provisions of this clause of the Order is not applicable to the Company.

x) (a) According to the information and explanations given to us and as per records examined, the Company has not raised moneys by way of Initial public offer or further public offer (including debt instruments) during the year. Accordingly, the provisions of this clause of the Order is not applicable to the Company.

(b) According to the information and explanations given to us and as per records examined, the Company has not made any preferential allotment or private placement of shares or convertible debentures (fully, partially or optionally convertible) during the year. Accordingly, the provisions of this clause of the Order is not applicable to the Company.

xi) (a). During the course of our audit, examination of the books and records of the Company carried out in accordance with the generally accepted auditing practices in India and to the best of our knowledge & belief and according to the information, explanation and management representations given to us, no fraud by the Company or any fraud on the Company has been noticed or reported during the year.

(b) No report under sub section (12) of section 143 of the Act in Form ADT - 4 has been filed with the Central Government by us.

(c) According to the information, explanations and management representations given to us, there are no whistle blower complaints received during the year by the Company.

xii) (a), (b) & (c). According to the information and explanations given to us, the Company is not a Nidhi Company. Accordingly, the provisions of this clause of the Order is not applicable to the Company.

xiii) According to the information, explanations and management representations given to us, transactions with related parties are in compliance with Section 177 and 188 of the Act, where applicable, and details of all related party transactions have been disclosed in the Financial Statements as required by the applicable Indian Accounting Standards [refer Note 23 to the financial statements].

xiv) (a) According to the records of the Company examined and information, explanations and management representations given to us, the Company has an internal audit system, ***however, its scope needs to be enlarged to make it commensurate with the size and nature of Company's business.***

(b) We have considered the internal audit reports of the Company issued till date and made available to us, for the year under audit.

xv). According to the records of the Company examined and information, explanations and management representations given to us, during the year the Company has not entered into any non-cash transactions with its Directors or persons connected with its directors and hence provisions of section 192 of the Act are not applicable to the company.

xvi) (a) According to the information and explanations given to us, the Company is not required to be registered under section 45-IA of the Reserve Bank of India Act, 1934. Accordingly, the provisions of this clause of the Order is not applicable to the Company.

(b) According to the records of the Company examined and information, explanations and management representations given to us, the Company has not conducted any Non-Banking Financial or Housing Finance activities. Accordingly, the provisions of this clause of the Order is not applicable to the Company.

(c) & (d) According to the records of the Company examined and information, explanations and management representations given to us, the Company is not a Core Investment Company (CIC) as defined in the regulations made by the Reserve Bank of India nor the Group has any CIC as part of the Group. Accordingly, the provisions of these clauses of the Order is not applicable to the Company.

xvii) The Company has not incurred cash losses during the financial year and the immediately preceding financial year.

xviii) There has been no resignation of the statutory auditors of the Company during the year. Accordingly, the provisions of this clause of the Order is not applicable to the Company.

xix) According to the information and explanations given to us and on the basis of the financial ratios, ageing and expected dates of realization of financial assets and payment of financial liabilities, other information accompanying the financial statements, our knowledge of the Board of Directors and management plans and based on our examination of the evidence supporting the assumptions, nothing has come to our attention, which causes us to believe

that any material uncertainty exists as on the date of the audit report that the Company is not capable of meeting its liabilities existing at the date of balance sheet as and when they fall due within a period of one year from the balance sheet date. We, however, state that this is not an assurance as to the future viability of the Company. We further state that our reporting is based on the facts upto the date of the audit report and we neither give any guarantee nor any assurance that all liabilities falling due within a period of one year from the balance sheet date, will get discharged by the Company as and when they fall due.

xx) (a) & (b) According to the information and explanations given to us, the provisions of Section 135 of the Act for Corporate Social Responsibility are not applicable to the Company during the year. Accordingly, the provisions of this clause of the Order is not applicable to the Company.

xxi) Reporting under this clause of the Order is not applicable to the Company.

for Prasad Azad & Co.

Chartered Accountants

Firm's Registration Number: 001009N

Sd/-

(K. M. Azad)

Partner

Membership No. 005125

UDIN: 22005125BDKRIS7420

Place: New Delhi

Date: 17th November'2022

"Annexure - B" to the Independent Auditors' Report of even date on the Financial Statements of Indian Strategic Petroleum Reserves Limited for the year ended 31st March, 2022

Report on the Internal Financial Controls under Clause (i) of Sub-section 3 of Section 143 of the Companies Act, 2013 ("the Act")

We have audited the internal financial controls over financial reporting of the **Indian Strategic Petroleum Reserves Limited** ("the Company") as of 31st March, 2022 in conjunction with our audit of the financial statements of the Company for the year ended on that date.

Management's Responsibility for Internal Financial Controls

The Company's management is responsible for establishing and maintaining internal financial controls based on "the internal control over financial reporting criteria established by the Company considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls Over Financial Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India" ("ICAI"). These responsibilities include the design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls that were operating effectively for ensuring the orderly and efficient conduct of its business, including adherence to Company's policies, the safeguarding of its assets, the prevention and detection of frauds and errors, the accuracy and completeness of the accounting records, and the timely preparation of reliable financial information, as required under the Act.

Auditors' Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on the Company's internal financial controls over financial reporting based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls Over Financial Reporting (the "Guidance Note") and the Standards on Auditing, issued by ICAI and deemed to be prescribed under section 143 (10) of the Act, to the extent applicable to an audit of internal financial controls, both applicable to an audit of Internal Financial Controls and, both issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards and the Guidance Note require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether adequate internal financial controls over financial reporting was established and maintained and if such controls operated effectively in all material respects.

Our audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the adequacy of the internal financial controls system over financial reporting and their operating effectiveness. Our audit of internal financial controls over financial reporting included obtaining an understanding of internal financial controls over financial reporting, assessing the risk that a material weakness exists, and testing and evaluating the design and operating effectiveness of internal control based on the assessed risk. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of the risk of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the Company's internal financial controls system over to financial reporting.

Meaning of Internal Financial Controls Over Financial Reporting

A Company's internal financial control over financial reporting is a process designed to provide reasonable assurance regarding the reliability of financial reporting and the preparation of financial statements for external purposes in accordance with generally accepted accounting principles. A Company's internal financial control over financial reporting includes those policies and procedures that (1) pertain to the maintenance of records that, in reasonable detail, accurately and fairly reflect the transactions and dispositions of the assets of the company; (2) provide reasonable assurance that transactions are recorded as necessary to permit preparation of financial statements in accordance with generally accepted accounting principles, and that receipts and expenditures of the company are being made only in accordance with authorizations of management and directors of the Company; and (3) provide reasonable assurance regarding prevention or timely detection of unauthorized acquisition, use, or disposition of the Company's assets that could have a material effect on the financial statements.

Inherent Limitations of Internal Financial Controls Over Financial Reporting

Because of the inherent limitations of internal financial controls over financial reporting, including the possibility of collusion or improper management override of controls, material misstatements due to error or fraud may occur and not be detected. Also, projections of any evaluation of the internal financial controls over financial reporting to future periods are subject to the risk that the internal financial control over financial reporting may become inadequate because of changes in conditions, or that the degree of compliance with the policies or procedures may deteriorate.

Qualified Opinion

According to the information and explanations given to us and based on our audit, the following material weakness have been identified as at 31st March, 2022:

(i) The Company has passed back dated entries hence there is mis-match in voucher serial number as per Tally accounting software and Physical voucher. Also, rectifications / corrections are made by changing the original voucher in Tally software without keeping any back-ups for changes made and reasons therefore;

(ii) Accounting of some of the bank payment vouchers after the date of payment instead of accounting them on transaction date;

(iii) The Company has more than 10 employees during the year but the Company has not taken registration under ESIC Act,1948 and not complied with its provisions.

A "material weakness" is a deficiency or a combination of deficiencies in the internal control over financial reporting; such that there is a reasonable possibility that a material misstatement of a company's annual financial statements will not be prevented or detected on timely basis.

In our opinion, except for the possible effects of the material weakness described above on the achievement of the objectives of the control criteria, the Company has in all material respects, an adequate internal financial controls system over financial reporting with reference to these financial statements and such internal financial controls over financial reporting were operating effectively as

at 31st March, 2022, based on 'the internal control over financial reporting criteria established by the Company considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls Over Financial Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India''.

We have considered the material weakness identified and reported above in determining the nature, timing and extent of audit test applied in our audit of the 31st March, 2022 financial statements of the Company and this material weakness does not affect our opinion on the financial statements of the Company.

for Prasad Azad & Co.
Chartered Accountants
Firm's Registration Number: 001009N

Sd/-
(K. M. Azad)
Partner
Membership No. 005125
UDIN: 22005125BDKRIS7420

Place: New Delhi
Date: 17th November'2022

Annexure-C

Management Reply upon Auditor Observations for the Financial Year 2021-22

SI No.	Auditor Observation	Management Reply
1.	**Emphasis of Matter-** We draw your attention to Note No.31(ii) to the Financial statements wherein the Company has explained that due to pending clarification/ advise from the Ministry of Petroleum and Natural Gas (MoP&NG), GOI, against assurance given to the C&AG during audit of FY2020-21 regarding treatment of accounting of value of crude oil quantity, crude oil transactions and its inventory in the books of account and financial statements, the company has not included the same in its books of account and financial statements for the FY2020-21 and has continued to disclose only the quantitative details of crude oil reserves in the Note as in earlier years. Our opinion is not modified in respect of the above matter.	With reference to observation regarding depiction of crude oil transactions in the books of ISPRL, we submit that the crude oil reserves are sovereign reserves, ISPRL is only custodian of the GOI's reserves hence the crude oil, being property of GOI cannot be disclosed in books of accounts of ISPRL. A letter seeking confirmation about method of presentation followed by ISPRL has been sent to MoP&NG in compliance with CAG assurance, which was also shared with auditor. Appropriate disclosure of quantity in notes to accounts as in earlier years are continued in current year accounts.
2.	The Company has maintained proper records of Property, Plant and Equipment ***but full particulars, including quantitative details and situation of the Property, Plant and Equipment have not been shown in the records.***	As Observed by the auditors, company has maintained proper records of Property, Plant and Equipment. Further, asset registers have been maintained at HQO as well as sites. As advised by auditor necessary details shall be updated as applicable in our asset registers.
3.	The Company has maintained proper records of intangible Assets (ROU of Pipelines) ***but full particulars, including area, registration records, year of purchase, date of available for use, date of put to use, useful life, residual value of the Intangible Assets etc. have not been shown in the records.***	Intangible Assets (ROU of Pipelines) were acquired under Petroleum and Minerals Pipeline Act, 1962 through competent authority appointed by state government. **Area and year of purchase –** Summary of area acquired for ROU is available with ISPRL. This summary sheet also contains date of notification of section 6(1).

SI No.	Auditor Observation	Management Reply
		Registration of Records – Section 6(1) is the final document towards acquisition of right of user in land. There is no process of registration in such cases. **Date of available for use and date of put to use -** These details shall be updated as applicable. **Useful Life-** Vide section 6(1) notifications, the Central Government has vested the right of user (ROU) in land to ISPRL. Pipeline ROU has indefinite life and are not required to be amortized. **Residual Value –** The right of user in land is not depreciable and it is carried forward year after year at original acquired cost hence question of residual value is not applicable in this case. Other details as desired and as applicable will be updated in ROU records.
4.	According to the information and explanations given to us, the Property, Plant and Equipment have been physically verified by the management in a phased manner through external agency at the Mangalore and Padur units and internally at Visakhapatnam unit, which in our opinion is reasonable having regard to the size of the Company and nature of its Property, Plant and Equipment. As per information and explanations given to us, no material discrepancies were noticed on such verification. ***However, we noted that Property, Plant and Equipment at Head Office was not physically verified by the management internally during the year. Accordingly, we are unable to comment upon the discrepancies therein, in case any and reasonableness of the frequency of physical verification to that extent.***	Physical verification of assets has been carried out internally by ISPRL team. Verified report has been shared with auditors.

<table>
<tr><th>SI No.</th><th>Auditor Observation</th><th>Management Reply</th></tr>
<tr><td>5.</td><td>The title deeds of the immovable properties (Right of Use Assets) disclosed in Note No.2 to the Financial statements are held in the name of the Company except in case of below :
<table>
<tr><th>Description of property</th><th>Gross carrying valuse (Rs. in Lac)</th><th>Held in Name of</th><th>Whether promoter director or their relative or employees</th><th>Period held - Indicate range where appropriate</th><th>Reason for not being held in name of company</th></tr>
<tr><td>Right of Use - Land at Mangalore Special Economic Zone (104.73 acres)</td><td>Rs. 8492.5 Lacs</td><td>Lease Agreement entered into between Mangalore SEZ Limited and the Company dated 7th March, 2017 not registered in the name of the Company</td><td>No</td><td>Lease from the date of possession of the land to 26th January 2060. Date of Allotment available in record for 100.02 acres is 23.11.2009 and for 4.71 acres is 11.04.2018

however document for date of delivery of possession is not in company record.</td><td>The company is following with the Mangalore SEZ Limited for registered of lease dead</td></tr>
</table></td><td>ISPRL has taken a land on lease at all 3 sites which were duly executed and registered except land area measuring 104.73 acre taken on lease from MSEZL which is duly executed but not registered. ISPRL is following up with MSEZL for registration of lease deed. Letter for follow up with MSEZL has been shared with auditors.</td></tr>
<tr><td>6.</td><td>Further, as stated in Note No.31(ii) for quantification data of crude oil provided by the management, we have observed that there is loss in stock of crude oil held by the Company on behalf of the Government of India and as well as ADNOC. The same needs independent technical assessment to evaluate the same.</td><td>ISPRL is the only entity in India, which is established as SPV by MoPNG for Storage of Crude under unlined rock caverns. Since this concept is new to India, a "Committee of experts" consisting experts from lOCL, BPCL, HPCL, MRPL & EIL was constituted by the Board of 1SPRL who have defined norms for losses, The current year losses are within defined norms.

A suitable disclosure to this effect has been made in Note No.31 (ii) of Notes forming part of financial statements. Report of "Committee of experts" which was duly approved by Board of Directors has also been shared with auditors.</td></tr>
</table>

<table>
<tr><th>Sl No.</th><th>Auditor Observation</th><th>Management Reply</th></tr>
<tr><td>7.</td><td>According to the information, explanations and management representations given to us, there were no statutory dues including Goods and Service Tax, provident fund employees' state insurance, income-tax, sales-tax, service tax, duty of customs, duty of excise, valus added tax, cess and any other statutory dues which have not been deposited on account of any disputes except as stated below :

Statement of Disputed Dues
<table>
<tr><th>SL No.</th><th>Name of the Statute</th><th>Nature of dues</th><th>Amount (Rs. in Lac)</th><th>Period to which the amount relates</th><th>Forum where dispute is pending</th><th>Remarks if any</th></tr>
<tr><td>1.</td><td>Andhara Pradesh Minor Mineral Concession Rules 1996</td><td>Royalty</td><td>11,794.95</td><td>upto 31.03.2018</td><td>Directorate of Mines and Geology, Andhra Pradesh</td><td>-</td></tr>
</table>
</td><td>The royalty demand was raised by DoMG (AP), ISPRL represented department that excavated rock belongs to VPT hence the liability for payment of royalty is not of ISPRL. After representation the DoMG (AP) stopped pressing for demand but didn't waive demand. Matter was explained to auditors along with related documents. Appropriate disclosure as contingent liability is made in notes to accounts forming part of financial statements.</td></tr>
<tr><td>8.</td><td>According to the records of the Company examined and information, explanations and management representations given to us, the Company has an internal audit system, however, its scope needs to be enlarged to make it commensurate with the size and nature of Company's business.</td><td>ISPRL has noted the suggestion given by the Statutory Auditors about enlargement of internal audit scope. The same Shall be reviewed by management and may be considered from the FY: 2022-23 onwards, if found necessary.</td></tr>
<tr><td>9.</td><td>According to the information and explanations given to us and based on our audit, the company has passed back dated entries hence there is mis-match in voucher serial number as per Tally accounting software and Physical voucher. Also, rectifications/corrections are made by changing the original voucher in Tally software without keeping any back-ups for changes made and reasons therefore;</td><td>ISPRL maintains its books of account on Tally Accounting Software package. This package doesn't have inbuilt feature of voucher number locking. Due to centralization of accounting at headquarter, the vouchers for expenditure incurred at site from their bank account are received at later stage and accounting of the vouchers on the date of payment, results into mismatch in the voucher serial number on</td></tr>
</table>

SI No.	Auditor Observation	Management Reply
		physical voucher already booked and printed through accounting package with the serial number appearing in accounting package after booking of site expense vouchers with earlier dates. However, the change in voucher serial number doesn't have any financial implication on the books of accounts of ISPRL. Further, tally software shall be updated as applicable. In addition, suitable governance mechanism shall be put in place.
10.	***According to the information and explanations given to us and based on our audit, accounting of some of the bank payment vouchers after the date of payment instead of accounting them on transaction date;***	Necessary corrective action has been taken by ISPRL. Presently, practice of booking the vouchers on transaction date have been put in place.
11.	***According to the information and explanations given to us and based on our audit, the Company has more than 10 employees daring the year but the Company has not taken registration under ESIC Act, 1948 and not complied with its provisions.***	ISPRL has noted the suggestion given by the Statutory Auditors. The needful shall be done.

Annexure-D

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6) (b) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE FINANCIAL STATEMENTS OF INDIAN STRATEGIC PETROLEUM RESERVES LIMITED FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2022

The preparation of financial statements of Indian Strategic Petroleum Reserves Limited for the Year ended 31st March, 2022 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 is the responsibility of the management of the company. The statutory auditor appointed by the Comptroller and Auditor General of India under section 139 (5) of the Act is responsible for expressing opinion on the financial statements under section 143 of the Act based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143 (10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 17th November, 2022.

I, on the behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit of the financial statements of Indian Strategic Petroleum Reserves Limited for the year ended 31st March, 2022 under section 143(6) (a) of the Act. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditors and is limited primarily to inquiries of the statutory auditors and company personnel and a selective examination of some of the accounting records.

On the basis of my supplementary audit nothing significant has come to my knowledge which would give rise to any comment upon or supplement to statutory auditors' report under section 143(6) (b) of the Act.

For and on the behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

Sd/-
C.M. Sane
Director General of Commercial Audit, Mumbai

Place: Mumbai
Date: 21st December, 2022

FORM MR-3

Annexure-E

SECRETARIAL AUDIT REPORT

[Pursuant to section 204(1) of the Companies Act, 2013 and rule No.9 of the Companies (Appointment and Remuneration Personnel) Rules, 2014]

FOR THE FINANCIAL YEAR ENDED 31.03.2022

To,
The Members,
Indian Strategic Petroleum Reserves Limited
301 World Trade Centre,
3rd Floor, Babar Road,
New Delhi-110001.

We have conducted the secretarial audit of the compliance of applicable statutory provisions and the adherence to good corporate practices by **Indian Strategic Petroleum Reserves Limited** (hereinafter called the company) **[CIN No.U63023DL2004GOI126973]** Secretarial Audit was conducted in a manner that provided us a reasonable basis for evaluating the corporate conducts/statutory compliances and expressing our opinion thereon.

Based on our verification of the Company's books, papers, minute books, forms and returns filed and other records maintained by the company and also the information provided by the Company, its officers, agents and authorized representatives during the conduct of secretarial audit, we hereby report that in our opinion, the company has, during the audit period covering the financial year ended on **31st March, 2022**, complied with the statutory provisions listed hereunder and also that the Company has proper Board-processes and compliance-mechanism in place to the extent, in the manner and subject to the reporting made hereinafter:

We have examined the books, papers, minute books, forms and returns filed and other records maintained by the Company for the financial year ended on 31st March, 2022 according to the provisions of:

(i) The Companies Act, 2013 (the Act) and the rules made thereunder;

(ii) The Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 ('SCRA') and the rules made thereunder;

(iii) The Depositories Act, 1996 and the Regulations and Bye-laws framed thereunder;

(iv) Foreign Exchange Management Act, 1999 and the rules and regulations made thereunder to the extent of Foreign Direct Investment, Overseas Direct Investment and External Commercial Borrowings; N.A.

(v) The following Regulations and Guidelines prescribed under the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 ('SEBI Act'):-

  (a) The Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011: N.A.

(b) The Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 1992: N.A.

(c) The Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018: N.A.

(d) The Securities and Exchange Board of India (Share Based Employee Benefits and Sweat Equity) Regulations, 2021: N.A.

(e) The Securities and Exchange Board of India (Registrars to an Issue and Share Transfer Agents) Regulations, 1993 regarding the Companies Act and dealing with client;

(f) The Securities and Exchange Board of India (Delisting of Equity Shares) Regulations, 2021: N.A.

(g) The Securities and Exchange Board of India (Buy-back of Securities) Regulations, 2018: N.A.

(vi) Other applicable laws :

i) The Petroleum Act, 1934;

ii) The Oil Industry (Development) Act, 1974;

iii) The Oil fields Act, 1948;

iv) Indian Explosives Act, 1884;

v) Sexual harassment of women at workplace (Prevention, Prohibition and Redressal), Act 2013

(vii) Environmental Laws:

i) The Water (Prevention and Control of pollution) Act, 1974

ii) The Air (Prevention and Control of pollution) Act, 1981

iii) The Environment (Protection) Act, 1986

iv) Hazardous Wastes (Management and handling) Rules 1989

We have relied on the representations made by the Company and its officers for systems and mechanism formed by the Company for compliances under other applicable laws and Regulations to the Company.

We have also examined compliance with the applicable clauses of the following:

(i) Secretarial Standards issued by The Institute of Company Secretaries of India.

(ii) The Listing Agreements entered into by the Company with Stock Exchange(s) : N.A

During the period under review the company has complied with the provisions of the Act, Rules, Regulations, Guidelines, Standards, etc. mentioned above for the financial year ended 31.3.2022 to the extent applicable.

We further report that

The Board of Directors of the Company is duly constituted with proper balance of Executive Directors and Non-Executive Directors. The changes in the composition of the Board of Directors that took place

during the period under review were carried out in compliance with the provisions of the Act.

During the year under review, some Board Meetings and Committee Meetings were called at shorter notice, agenda alongwith detailed notes on agenda were sent at shorter notice and consent was taken from the directors. A system exists for seeking and obtaining further information and clarifications on the agenda items before the meeting and for meaningful participation at the meeting.

As per the minutes maintained by the Company for the Board/Committee meetings all the decisions have been carried out unanimously. The members of the Board have not expressed any dissenting views on any of the agenda items during the period under review.

We further report that there are adequate systems and processes in the company commensurate with the size and operations of the company to monitor and ensure compliance with applicable laws, rules, regulations and guidelines.

We further report that during the financial year the Company has followed the due process of alteration of Main object clause of the Memorandum of Association of the company and complied the provisions of section 13 of the Companies Act, 2013 and rules thereunder.

We further report that during the audit period the company has not undertaken events/action having a major bearing on the company's affairs in pursuance of the above referred laws, rules, regulations, guidelines, standards, etc.

FOR PG & ASSOCIATES

Sd/-
(PREETI GROVER)
Company Secretary
FCS No.5862
C P No.:6065
PEER REVIEW NO. 772/2020

Place : Noida
Date : 08/08/2022
UDIN : **F005862D000727605**

Annexure-A

To,

The Members,
Indian Strategic Petroleum Reserves Limited
301 World Trade Centre
3rd Floor, Babar Road
New Delhi-110001.

Our report of even date is to be read alongwith this letter :

1. Maintenance of Secretarial record is the responsibility of the management of the Company. Our responsibility is to express an opinion on the secretarial records based on our audit.
2. We have followed the audit practices and processes as were appropriate to obtain reasonable assurance about the correctness of the contents of the Secretarial records. The verification was done on test basis to ensure that correct facts are reflected in secretarial records. We believe that the processes and practices, we followed provide a reasonable basis for our opinion.
3. We have not verified the correctness and appropriateness of financial records and Books of Accounts of the company.
4. Where ever required, we have obtained the Management representation about the compliance of laws, rules and regulations and happening of events etc.
5. The compliance of the provisions of Corporate and other applicable laws, rules, regulations, standards is the responsibility of management. Our examination was limited to the verification of procedures on test basis.
6. The Secretarial Audit report is neither an assurance as to the future viability of the company nor of the efficacy or effectiveness with which the management has conducted the affairs of the company.

FOR PG & ASSOCIATES

Sd/-
(PREETI GROVER)
Company Secretary
FCS No.5862
C P No.:6065
PEER REVIEW NO. 772/2020

Place : Noida
Date : 08/08/2022

Annexure-B

List of documents verified

1. Annual Report for the financial year ending on 31st March, 2021.
2. Minutes of the meetings of the Board of Directors, Audit Committee of the Board, Nomination and Remuneration Committee along with their respective attendance registers, held during the financial year under audit.
3. Minutes of General Body Meeting held during the financial year under the audit.
4. Statutory Registers viz.
   - Register of Directors & KMP
   - Register of transfers
   - Register of members
5. Notice and Agenda papers submitted to all the directors/members for the Board Meetings and Committee Meetings.
6. Declarations/Intimation received from the Directors of the Company pursuant to the provisions of section 184 and 164(2) of the Companies Act, 2013.
7. All e-forms filed by the Company, from April 1, 2021 to March 31, 2022, under applicable provisions of the Companies Act, 2013 and attachments thereof during the financial year under audit.
8. License to store LPG gas in pressure vessels for Mangalore, Visakhapatnam and Padur valid upto 30.09.2022.
9. License to store Liquid Nitrogen gas in pressure vessels for Mangalore and Padur valid upto 30.09,2022 and for Visakhapatnam valid upto 30.09.2026.
10. License to store HSD for Mangalore valid upto 31.12.2027, for Padur valid upto 31,12,2025 and for Visakhapatnam valid upto 31.12.2024
11. Consent for discharge of effluents under section 25(4) of Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974 and emission under section 21 of Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 for Mangalore valid till 30.06.2026, Visakhapatnam valid till 31.10.2025.
12. CCOE Approval for storage of crude for Visakhapatnam valid upto 31.12.2023, for Padur 31.12.2025 and for Mangalore valid upto 31.12.2025.
13. Factories Licence for Visakhapatnam valid until cancelled, for Padur valid upto 31.12.2029 and for Mangalore 31.12.2027.
14. ESI Challan for the year 2021-2022.
15. PF Challans for the year 2021-2022.
16. Constitution of IC under the Sexual Harassment of Women at the workplace (Prohibition, Prevention and Redressal) Act, 2013 and Annual Return filed under the Act for the period 1,1,2021- 31.12.2021.

ANNUAL ACCOUNTS

2021-22

INDIAN STRATEGIC PETROLEUM RESERVES LIMITED
BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 2022
CIN :- U63023DL2004GOI126973

₹ in lakhs

	Particulars	Note No.	As At 31st March, 2022	As At 31st March, 2021
(I)	**ASSETS**			
	Non-Current Assets			
	(A) Property, Plant & Equipment	2	3,17,996.26	3,28,009.11
	(B) Capital Work in Progress	2.1	-	-
	(C) Other Intangible Assets	2.2	7,100.95	7,100.95
	(D) Financial Assets			
	(i) Loans	3.1	-	-
	(ii) Other Financial Assets	3.2	26,010.07	9,356.15
	(E) Income tax Assets (Net)	4	900.39	169.69
	(F) Other Non Current Assets	5	10,197.49	9,816.17
	Sub Total		**3,62,205.16**	**3,54,452.07**
(II)	**Current Assets**			
	(A) Financial Assets			
	(i) Cash and cash equivalents	6	2,921.59	7,444.18
	(ii) Bank Balances other than above	7	-	-
	(iii) Other Financial Assets	8	4,523.08	3,011.77
	(B) Other Current Assets	9	2,865.62	1,378.68
	Sub Total		**10,310.29**	**11,834.63**
	TOTAL ASSETS		**3,72,515.45**	**366,286.70**
(I)	**EQUITY AND LIABILITIES**			
	Equity			
	(A) Equity Share Capital	10	379,005.47	377,587.47
	(B) Other Equity	11	(53,467.06)	(43,535.66)
	Sub Total		**3,25,538.41**	**3,34,051.81**
(II)	**LIABILITIES**			
	Non-Current Liabilities			
	(A) Financial Liabilities			
	(i) Borrowings		-	-
	(ia)Lease Liabilities	12.1	558.72	561.92
	(ii)Other Financial Liabilities	12.2	7.73	0.20
	(B) Provisions	12.3	16.42	-
	Sub Total		**582.87**	**562.12**
(III)	**Current Liabilities**			
	(A) Financial Liabilities			
	(i) Borrowings	13.1	-	9,816.17
	(ia) Lease Liabilities	13.2	3.49	3.52
	(ii) Trade Payables			
	(a) Total outstanding dues to Micro Enterprises and Small Enterprises	14	224.87	297.78
	(b) Total outstanding dues of creditors other than Micro Enterprises and Small Enterprises	14	1,300.63	1,139.85
	(iii) Other Financial Liabilities	15	34,333.24	14,340.72
	(B) Provisions	16	0.39	-
	(C) Other Current Liabilities	16.1	10,531.55	6,074.73
	Sub Total		**46,394.17**	**31,672.77**
	TOTAL EQUITY AND LIABILITIES		**372,515.45**	**366,286.70**

Significant Accounting Policies 1
Notes on Accounts 2- 31(xxxxviii)
Notes referred above form an integral part of the Financial Statements
As per our report of even date attached

For and on behalf of Board of Directors

For Prasad Azad & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration Number : 001009N

Sd/-
(K M Azad)
Partner
Membership No. 005125
Place - New Delhi
Date - 17th November 2022

Sd/-
(Navneet Mohan Kothari)
Director
DIN : 02651712

Sd/-
(Lakhpat Rai Jain)
CEO & MD
DIN : 08505199

Sd/-
(Gopeshwar Kumar Singh)
CFO
Place - New Delhi
Date - 17th November 2022

Sd/-
(Arun Talwar)
Company Secretary

INDIAN STRATEGIC PETROLEUM RESERVES LIMITED
STATEMENT OF PROFIT AND LOSS FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2022
CIN :- U63023DL2004GOI126973

Particulars	Note	₹ in lakhs For the Year Ended 31st March, 2022		₹ in lakhs For the Year Ended 31st March, 2021	
Revenue					
Revenue from Operations			-		-
Other Income	17		896.47		860.88
Total Income			**896.47**		**860.88**
EXPENSES					
Depreciation and Amortisation Expenses	18		9,981.77		9,868.16
Finance Cost (Ind AS 116)	19		11.59		11.86
Other Expenses					
- - Operation & Maintenance Expenses	20.1	14,753.98		11,446.95	
Less:- Operation & Maintenance Expenses Recoverable/Recovered from GOI / MoPNG, ADNOC and/or HPCL		14,753.98	-	11,446.95	-
- - Expenses for Phase II Project			832.78		770.36
- - Miscellaneous Expenses	20.2		1.66		-
Total Expenses			**10,827.80**		**10,510.52**
Loss Before Tax			**(9,931.33)**		**(9,789.50)**
Tax Expense:					
Current Tax			-		-
Income Tax Paid for Earlier Years (Under Vsv Scheme)			-		13.35
Less:- Recovered/Recoverable from GOI/MOP&NG			-		(13.35)
Deferred Tax			-		-
Total Tax Expanses			**-**		**-**
Loss for the year			**(9,931.33)**		**(9,789.50)**
Other Comprehensive Income			**-**		**-**
Total Comprehensive Income for the year (Comprising Profit/(Loss) and Other Comprehensive Income for the year)			**(9,931.33)**		**(9,789.50)**
Earning per Equity Share (Par Value of Rs.10/ each)	21				
(i) Basic			(0.26)		(0.26)
(ii) Diluted			(0.26)		(0.26)

Significant Accounting Policies 1
Notes on Accounts 2- 31(xxxxviii)
Notes referred above form an integral part of the Financial Statements
As per our report of even date attached

For Prasad Azad & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration Number : 001009N

Sd/-
(K M Azad)
Partner
Membership No. 005125
Place - New Delhi
Date - 17th November 2022

For and on behalf of Board of Directors

Sd/-	**Sd/-**
(Navneet Mohan Kothari)	**(Lakhpat Rai Jain)**
Director	**CEO & MD**
DIN : 02651712	**DIN : 08505199**
Sd/-	**Sd/-**
(Gopeshwar Kumar Singh)	**(Arun Talwar)**
CFO	**Company Secretary**

Place - New Delhi
Date - 17th November 2022

INDIAN STRATEGIC PETROLEUM RESERVES LIMITED
STATEMENT OF CASH FLOWS FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2022
CIN :- U63023DL2004GOI126973

₹ in lakhs

Sr. No.	Particulars	For the year ended 31st March, 2022	For the year ended 31st March, 2021
(A)	**CASH FLOW STATEMENT FROM OPERATING ACTIVITIES**		
	Net Profit / (Loss) Before Taxation	**(9,931.33)**	**(9,789.50)**
	Adjustments for :-		
	Prior Period Changes	-	(261.87)
	Tax	-	-
	Depreciation and Amorization Expenses	9,996.85	9,883.28
	Capitalisation of Property, Plant and Equipment	(10.50)	-
	Decapitalisation of Property, Plant and Equipment	44.47	266.92
	Finance Cost (Ind AS 116)	11.59	11.86
	Interest Income	(61.37)	(85.56)
	Operating Profit Before Working Capital Changes	**49.71**	**25.13**
	Adjustments for :-		
	(Increase)/ Decrease in Financial & Other Assets	(8,513.89)	54,935.16
	Increase/(Decrease) in Liabilities & Provisions	3,590.92	(57,573.35)
	Net Increase/(Decrease) in Working Capital	**(4,922.97)**	**(2,638.19)**
	Cash Generated from Operations	**(4,873.26)**	**(2,613.06)**
	Direct Taxes Paid (Net of Refunds)	(730.70)	(106.36)
	Total Cash Flow from Operation (A)	**(5,603.96)**	**(2,719.42)**
(B)	**CASH FLOW FROM INVESTING ACTIVITIES**		
	Purchase of Property, Plant and Equipment	(17.97)	(12.91)
	Decapitalisation of Property, Plant and Equipment	-	369.78
	Investment in Fixed Deposit (More than 3 months)	(12,186.80)	(3,943.79)
	Interest Received	61.37	85.56
	Net Cash Used in Investing Activities (B)	**(12,143.40)**	**(3,501.36)**
(C)	**CASH FLOW FROM FINANCING ACTIVITIES**		
	Proceeds from Issue of Equity Share Capital	1,418.00	-
	Proceeds / (Repayment)from Borrowings	(9,816.17)	9,816.17
	Proceeds from Grants for Phase II from GOI / MoPNG	21,000.00	-
	Proceeds from Grants (Net of Refund) for Phase II from OIDB	803.41	235.13
	Amortization of Grant from OIDB	(832.78)	(770.36)
	Stamp Duty on Issue of Equtiy Share Capital	(0.07)	-
	Interest Cost (Ind AS 116)	(11.59)	(11.86)
	Lease Liabilities (Ind AS 116)	(3.23)	(3.26)
	Net Cash Flow From Financing Activities (C)	**12,557.57**	**9,265.82**
(D)	**Net Increase/ Decrease in Cash & Cash Equivalents (A-B+C)**	**(5,189.79)**	**3,045.04**
	Opening Balance of Cash & Cash Equivalents	**7,444.18**	**4,399.14**
	Closing Balance of Cash & Cash Equivalents	**2,254.39**	**7,444.18**
	Components of Cash & Cash Equivalents		
	Balance with Banks		
	--In Current Accounts	2,252.84	2,222.73
	--In Deposit Accounts		
	-- Fixed Deposits (With Original Maturity upto 3 months)	-	5,220.90
	--Cash on Hand	1.55	0.55
	Total	**2,254.39**	**7,444.18**

Note :
1 The above Statement of Cash Flows has been prepared under the "Indirect Method" as set out in IND AS 7 on Statement of Cash Flows.

Significant Accounting Policies 1
Notes on Accounts 2- 31(xxxxviii)
Notes referred above form an integral part of the Financial Statements
As per our report of even date attached

For and on behalf of Board of Directors

For Prasad Azad & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration Number : 001009N
Sd/-
(K M Azad)
Partner
Membership No. 005125
Place - New Delhi
Date - 17th Nov' 2022

Sd/-
(Navneet Mohan Kothari)
Director
DIN : 02651712

Sd/-
(Lakhpat Rai Jain)
CEO & MD
DIN : 08505199

Sd/-
(Gopeshwar Kumar Singh)
CFO

Sd/-
(Arun Talwar)
Company Secretary

Place - New Delhi
Date - 17th Nov' 2022

INDIAN STRATEGIC PETROLEUM RESERVES LIMITED
STATEMENT OF CHANGES IN EQUITY FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2022

a. Equity share capital — ₹ in lakhs

Particulars	As at 31st March, 2022	As at 31st March, 2021
Balance at the beginning of the reporting period (A)	3,77,587.47	3,77,587.47
Changes in Equity Share Capital due to prior period errors (B)	-	-
Reinstated Balance at the Beginning of the reporting period (C) = (A) + (B)	**3,77,587.47**	**3,77,587.47**
Changes in equity share capital during the year (D)	1,418.00	-
Balance at the end of the reporting period (E) = (C) + (D)	**3,79,005.47**	**3,77,587.47**

b. Other Equity — ₹ in lakhs

Particulars	As at 31st March, 2022	As at 31st March, 2021
	Retained earnings	
Balance at the beginning of the reporting period (A)	(43,535.66)	(33,484.29)
Changes in accounting policy or prior period errors (B)	-	(261.87)
Reinstated balance at the beginning of the reporting period (C) = (A) + (B)	**(43,535.66)**	**(33,746.16)**
Transferred to Retained Earnings (D)	(9,931.33)	(9,789.50)
Stamp Duty on Share Issued (E)	(0.07)	-
Other comprehensive income for the year (F)	-	-
Balance at the end of the reporting period (G) = (C) + (D) + (E) + (F)	**(53,467.06)**	**(43,535.66)**

For Prasad Azad & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration Number : 001009N

Sd/-
(K M Azad)
Partner
Membership No. 005125

Place - New Delhi
Date - 17th Nov' 2022

For and on behalf of Board of Directors

Sd/-
(Navneet Mohan Kothari)
Director
DIN : 02651712

Sd/-
(Lakhpat Rai Jain)
CEO & MD
DIN : 08505199

Sd/-
(Gopeshwar Kumar Singh)
CFO

Sd/-
(Arun Talwar)
Company Secretary

Place - New Delhi
Date - 17th Nov' 2022

INDIAN STRATEGIC PETROLEUM RESERVES LIMITED

Notes Forming Part Of The Financial Statements

Note No. 2 : Property, Plant and Equipment

`₹ in lakhs

Particulars	GROSS BLOCK					DEPRECIATION				NET BLOCK	
	As at 1st April, 2021	Additions during the year	Impact of Ind AS 116	Disposals/ Deductions/ Transfers / Reclassifications/ Reestimation of Life	As at 31st March, 2022	Depreciation upto 31st March, 2021	Depreciation for the year	Disposals/ Deductions/ Transfers / Reclassifications/ Reestimation of Life	Total Depreciation upto 31st March, 2022	AS AT 31st March, 2022	AS AT 31st March, 2021
(a) Building	18,447.50	-		-	18,447.50	1,950.62	510.83	(1.37)	2,460.08	15,987.42	16,496.88
(b) Roads & culverts	3,165.30	-		-	3,165.30	1,614.03	241.37	-	1,855.40	1,309.90	1,551.27
(c) Plant & Machinery	1,26,759.86	-		(5.51)	1,26,754.35	19,835.83	5,164.79	(1.00)	24,999.62	1,01,754.73	1,06,924.03
(d) Caverns	2,02,948.33	-		(28.72)	2,02,919.61	12,708.20	3,382.47	(2.84)	16,087.83	1,86,831.78	1,90,240.13
(e) Furniture and Fixtures	167.11	0.69		-	167.80	66.35	15.51	(0.03)	81.83	85.97	100.76
(f) Transport Vehicles	131.41	-		-	131.41	57.67	15.61	-	73.28	58.13	73.74
(g) Office equipment	451.62	5.17		-	456.79	383.40	26.31	(7.04)	402.67	54.12	68.22
(h) Computer	1,243.54	12.11		-	1,255.65	893.15	125.99	(6.78)	1,012.36	243.29	350.39
(i) Right of Use (Ind AS116)*	13,269.83	-	-	0.26	13,270.09	1,066.14	533.03	-	1,599.17	11,670.92	12,203.69
Total	**3,66,584.50**	**17.97**	**-**	**(33.97)**	**3,66,568.50**	**38,575.39**	**10,015.91**	**(19.06)**	**48,572.24**	**3,17,996.26**	**3,28,009.11**

Previous Year

`₹ in lakhs

Particulars	GROSS BLOCK					DEPRECIATION				NET BLOCK	
	As at 1st April, 2020	Additions during the year	Impact of Ind AS 116	Disposals/ Deductions/ Transfers / Reclassifications/ Reestimation of Life	As at 31st March, 2021	Depreciation upto 31st March, 2020	Depreciation for the year	Disposals/ Deductions/ Transfers / Reclassifications/ Reestimation of Life	Total Depreciation upto 31st March, 2021	AS AT 31st March, 2021	AS AT 31st March, 2020
(a) Building	18,503.73	-		(56.23)	18,447.50	1,439.67	511.56	(0.61)	1,950.62	16,496.88	17,064.06
(b) Roads & culverts	3,165.30	-		-	3,165.30	1,322.12	291.91	-	1,614.03	1,551.27	1,843.18
(c) Plant & Machinery	1,26,759.86	-		-	1,26,759.86	14,676.62	5,159.21	-	19,835.83	1,06,924.03	1,12,083.24
(d) Caverns	2,03,579.56	-		(631.23)	2,02,948.33	9,325.85	3,392.87	(10.52)	12,708.20	1,90,240.13	1,94,253.71
(e) Furniture and Fixtures	129.05	-		38.06	167.11	47.97	17.13	1.25	66.35	100.76	81.08
(f) Transport Vehicles	131.41	-		-	131.41	42.06	15.61	-	57.67	73.74	89.35
(g) Office equipment	436.54	6.29		8.79	451.62	329.54	53.28	0.58	383.40	68.22	107.00
(h) Computer	1,233.03	6.62		3.89	1,243.54	975.21	136.25	(218.31)	893.15	350.39	257.82
(i) Right of Use (Ind AS116)*	13,269.83	-	-	-	13,269.83	533.07	533.07	-	1,066.14	12,203.69	12,736.76
Total	**3,67,208.31**	**12.91**	**-**	**(636.72)**	**3,66,584.50**	**28,692.11**	**10,110.89**	**(227.61)**	**38,575.39**	**3,28,009.11**	**3,38,516.20**

*Refer Note No. 22.1 and Accounting Policy No. 1.11

INDIAN STRATEGIC PETROLEUM RESERVES LIMITED
Notes Forming Part of The Financial Statements

Note No. 2.1 : Capital Work in Progress

₹ in lakhs

Particulars	As at 31st March, 2022	As at 31st March, 2021
	-	-
Total	-	-

Note No. 2.2 : Other Intangible Assets

Intangible Assets (ROU for Pipeline)

₹ in lakhs

Particulars	As at 31st March, 2022	As at 31st March, 2021
Gross Block as on beginning of the year	7,100.95	7,100.95
Addition/Transfer from other assets during the year	-	-
Disposal/Deductions/Transfer/Reclassification	-	-
Gross Block as at end of the year	7,100.95	7,100.95
Amortization as at beginning of the year	-	-
Amortization during the year	-	-
Disposal/Deductions/Transfer/Reclassification	-	-
Amortization as at end of the year	-	-
Net Block	**7,100.95**	**7,100.95**

Note:- ROU for pipeline are acquired on perpetual basis, hence no amortization is being done.

Notes Forming Part of The Financial Statements

Note No. 3.1 Loans

₹ in lakhs

Particulars	As at 31st March, 2022	As at 31st March, 2021
	-	-
TOTAL	**-**	**-**

Note No. 3.2 Other Financial Assets

₹ in lakhs

Particulars	As at 31st March, 2022	As at 31st March, 2021
Security Deposits	690.05	556.18
Recoverable from Entry Tax, Karnataka (against BG Encashment)	74.64	74.64
Fixed Deposits (With Original Maturity more than one year)*	20,244.92	8,725.33
[Includes accrued interest of ₹ 509.82 Lakhs (Previous Year ₹ 109.90 Lakhs for FY 2020-21)]		
*** Refer Note No. 31 (xvi) for details of pledged deposits**		
Deposit with High Court Delhi for Arbitration Case of HCC [Refer Note No. 31(xxxxii)]	5,000.46	-
TOTAL	**26,010.07**	**9,356.15**

Note No. 4 Income Tax Assets

₹ in lakhs

Particulars	As at 31st March, 2022	As at 31st March, 2021
Income Tax Assets (A.Y. 2018-19)	14.16	14.16
Income Tax Assets (A.Y. 2019-20)	15.71	15.71
Income Tax Assets (A.Y. 2020-21)	38.13	35.81
Income Tax Assets (A.Y. 2021-22)	104.01	104.01
Income Tax Assets (A.Y. 2022-23)	728.38	-
TOTAL	**900.39**	**169.69**

Note No. 5 Other Non Current Assets

₹ in lakhs

Particulars	As at 31st March, 2022	As at 31st March, 2021
(Unsecured considered good at amortised cost)		
Capital Advance to KIADB for Land Acquisition of Phase II project	9,819.38	9,816.17
Prepaid Expenses	378.11	-
TOTAL	**10,197.49**	**9,816.17**

Note No. 6 Cash & Cash Equivalent

₹ in lakhs

Particulars	As at 31st March, 2022	As at 31st March, 2021
Balances with Banks		
In Current Accounts	2,252.84	2,222.73
In Bank Deposits		
Fixed Deposits (With Original Maturity upto three months)	-	5,220.90
Fixed Deposits (With Original Maturity more than three months but upto one year)	667.20	-
Cash Balances:		
Cash on Hand	1.55	0.55
TOTAL	**2,921.59**	**7,444.18**

Notes Forming Part of The Financial Statements

Note No. 7 Bank Balances other than above		₹ in lakhs
Particulars	**As at 31st March, 2022**	**As at 31st March, 2021**
	-	-
TOTAL	**-**	**-**

Note No. 8 Other Financial Assets		₹ in lakhs
Particulars	**As at 31st March, 2022**	**As at 31st March, 2021**
(Unsecured considered good at amortized cost)		
Receivable From HPCL (O&M Expenses)	1,250.62	2,015.94
Receivable From HPCL (Other than O&M)	49.44	50.07
Receivable from GOI / MoPNG for HCC Arbitration Case Vizag [Refer Note No. 31(xxxxiii)]	1,864.08	-
Phase II Expenses Receivable From GOI / MoPNG	-	49.15
Operating and Other Expenses recoverable from ADNOC	1,337.33	877.28
Accrued Interest on Security Deposit with electricity companies	17.83	19.33
Travel Advance to employees	3.78	-
TOTAL	**4,523.08**	**3,011.77**

Note No. 9 Other Current Assets		₹ in lakhs
Particulars	**As at 31st March, 2022**	**As at 31st March, 2021**
(Unsecured considered good)		
Recoverable from MRPL for crude sale	1,159.35	-
Recoverable from MRPL (Others)	1.89	
Expenses Recoverable from OIDB	0.16	-
Advances to Supplier	8.78	3.77
Prepaid Expenses	1,204.82	735.78
GST Credit Receivable	490.62	639.12
Others - Advance against stamp duty on shares	-	0.01
TOTAL	**2,865.62**	**1,378.68**

Note No.10 : Share Capital

₹ in lakhs

Particulars	As at 31st March, 2022		As at 31st March, 2021	
	Number of shares	Amount	Number of shares	Amount
Equity Share Capital				
(a) Authorised				
Equity shares of Rs.10/- each	3,83,25,60,000	3,83,256.00	3,83,25,60,000	3,83,256.00
(b) Issued, Subscribed and fully paid up				
Equity shares of Rs.10/- each	3,79,00,54,670	3,79,005.47	3,77,58,74,670	3,77,587.47

Notes :

(i) Reconcilliation of the number of equity shares :

Particulars	As at 31st March, 2022		As at 31st March, 2021	
Equity shares of Rs. 10/- each.				
Opening Balance	3,77,58,74,670		3,77,58,74,670	
Equity Shares Issued	1,41,80,000		-	
Equity Shares bought back	-		-	
Closing Balance	3,79,00,54,670		3,77,58,74,670	

(ii) Shares held by holding company:

Name of shareholders	As at 31st March, 2022		As at 31st March, 2021	
	Number of Shares held	% holding in that class of shares	Number of Shares held	% holding in that class of shares
Equity shares of Rs.10/- each				
Oil Industry Development Board, New Delhi & its nominees	3,79,00,54,670	100%	3,77,58,74,670	100%
TOTAL	**3,79,00,54,670**	**100%**	**3,77,58,74,670**	**100%**

(iii) Details of shareholders holding more than 5% shares :

Name of shareholders	As at 31st March, 2022		As at 31st March, 2021	
	Number of Shares held	% holding in that class of shares	Number of Shares held	% holding in that class of shares
Equity shares of Rs.10/- each				
Oil Industry Development Board, New Delhi & its nominees	3,79,00,54,670	100%	3,77,58,74,670	100%
TOTAL	**3,79,00,54,670**	**100%**	**3,77,58,74,670**	**100%**

(iv) Promoter Shareholding Pattrn

Shares held by promoters at the end of the year 2021-22

Promoter Name	No. of shares	% of total shares	% Change during the year
Oil Industry Development Board	3,79,00,54,670	100%	0.38%

Shares held by promoters at the end of the year 2020-21

Promoter Name	No. of shares	% of total shares	% Change during the year
Oil Industry Development Board	3,77,58,74,670	100%	NIL

(v) Rights, preferences and restrictions attached to equity shares

The company has only one class of equity shares having par value of Rs. 10 each and is entitled to one vote per share. In the event of liquidation of the company, the holders of equity shares will be entitled to receive the remaining assets of the company in proportion to the number of equity shares held.

(vi) For the period of preceding five years as on the Balance Sheet date, the :

(a) Number and class of shares allotted as fully paid up pursuant to contract (s) without payment being received in cash — NIL

(b) Aggregate numbers of class of shares allotted as fully paid up by way of bonus shares; and — NIL

(c) Aggregate number and class of shares and class of shares bought back — NIL

Notes Forming Part of The Financial Statements

Note No. 11 Other Equity

₹ in lakhs

Particulars	As at 31st March, 2022	As at 31st March, 2021
Balance of Retained Earnings :		
Balance Loss brought forward from Last Year's Accounts	(43,535.66)	(33,484.29)
Changes in Accounting Policy or Prior Period Errors	-	(261.87)
Stamp Duty on Equity Share Issued	(0.07)	-
Profit/(Loss) for the year	(9,931.33)	(9,789.50)
TOTAL	**(53,467.06)**	**(43,535.66)**

Note No. 12.1 Lease Liabilities

₹ in lakhs

Particulars	As at 31st March, 2022	As at 31st March, 2021
Lease Liabilities	558.72	561.92
TOTAL	**562.12**	**561.92**

NOTE NO. 12.2 - Other Financial Liabilities

₹ in lakhs

Particulars	As at 31st March, 2022	As at 31st March, 2021
Deposits/ Retention from Suppliers/ Contractors	7.73	0.20
TOTAL	**7.73**	**0.20**

NOTE NO.12.3 Provisions

₹ in lakhs

Particulars	As at 31st March, 2022	As at 31st March, 2021
Provisions for Employee Benefits		
(a) Leave Encashment	10.91	-
(b) Gratuity	5.51	-
TOTAL	**16.42**	**-**

NOTE NO. 13.1 - Borrowings

₹ in lakhs

Particulars	As at 31st March, 2022	As at 31st March, 2021
Loans from Related Parties **Unsecured Loans from Related Parties (OIDB)** (Temporary Interest Free Advance Received from OIDB for depositing land acquisition cost to KIADB for acquisition of land for Phase II - The advance was repayable in April 2021 from Budgetary Support) (₹ 9216.17 Lakhs repaid on dated 28.05.2021 out of budgetary allocation (BE 2021-22) received from GOI / MoPNG on dated 25.05.2021)	-	9,816.17
TOTAL	**-**	**9,816.17**

NOTE NO. 13.2 - Lease Liabilities

₹ in lakhs

Particulars	As at 31st March, 2022	As at 31st March, 2021
Lease Liabilities	3.49	3.52
TOTAL	**3.49**	**3.52**

Note No. 14 Trade Payable

₹ in lakhs

Particulars	As at 31st March, 2022	As at 31st March, 2021
i) Total Outstanding dues of Micro Enterprises and Small Enterprises	224.87	297.78
ii) Total Outstanding dues of creditors other than Micro Enterprises and Small Enterprises	1,300.63	1,139.85
TOTAL	**1,525.50**	**1,437.63**

Notes Forming Part Of The Financial Statements

Trade Payables ageing schedule

Outstanding for following periods from due date of payment - FY 2021-22 ₹ in lakhs

Particulars	Less than 1 Year	1-2 Years	2-3 Years	More than 3 Years	Total
(i) MSME	224.87	0.00	0.00	0.00	224.87
(ii) Others	1,300.49	0.14	0.00	0.00	1,300.63
(iii) Disputed dues – MSME	-	-	-	-	-
(iv) Disputed dues - Others	-	-	-	-	-

Trade Payables ageing schedule

Outstanding for following periods from due date of payment - FY 2020-21 ₹ in lakhs

Particulars	Less than 1 Year	1-2 Years	2-3 Years	More than 3 Years	Total
(i) MSME	297.69	0.00	0.02	0.07	297.78
(ii) Others	1,094.36	0.55	1.38	43.56	1,139.85
(iii) Disputed dues – MSME	-	-	-	-	-
(iv) Disputed dues - Others	-	-	-	-	-

₹ in lakhs

Details relating to Micro, Small and Medium Enterprises	2021-22	2020-21
(a) Amount due remaining unpaid to any supplier at the end of each accounting year;		
Principal	224.87	297.78
Interest	0	0
(b) the amount of interest paid by the buyer in terms of section 16 of the Micro, Small and Medium Enterprises Development Act, 2006 (27 of 2006), along with the amount of the payment made to the supplier beyond the appointed day during each accounting year;	0	0
(c) the amount of interest due and payable for the period of delay in making payment (which has been paid but beyond the appointed day during the year) but without adding the interest specified under the Micro, Small and Medium Enterprises Development Act, 2006;	0	0
(d) the amount of interest accrued and remaining unpaid at the end of each accounting year; and	0	0
(e) the amount of further interest remaining due and payable even in the succeeding years, until such date when the interest dues above are actually paid to the small enterprise, for the purpose of disallowance of a deductible expenditure under section 23 of the Micro, Small and Medium Enterprises Development Act, 2006.	0	0

Note No.15 - Other Financial Liabilities

₹ in lakhs

Particulars	As at 31st March, 2022	As at 31st March, 2021
Others		
Payable to ADNOC [Refer Note No. 31(iv)]	4,776.01	7,000.00
Payable to GOI / MoPNG (ADNOC) [Refer Note No. 31(iv)]	2,223.99	-
Grant from GOI / MoPNG for Phase II	21,000.00	-
Advance Received from GOI / MoPNG against O&M Expenses for Phase I	5,454.83	6,209.81
Deposits from Suppliers/ Contractors	878.41	1,130.91
TOTAL	**34,333.24**	**14,340.72**

Note No.16.1 - Provisions

₹ in lakhs

Particulars	As at 31st March, 2022	As at 31st March, 2021
Provisions for Employee Benefits		
(a) Leave Encashment	0.38	-
(b) Gratuity	0.01	-
TOTAL	**0.39**	**-**

Note No.16.2 - Other Current Liabilities

₹ in lakhs

Particulars	As at 31st March, 2022	As at 31st March, 2021
Statutory Dues	97.36	149.18
Payable to GOI / MoPNG (Crude Oil Sale)	1,160.41	-
Payable/Refundable to GOI / MoPNG (Crude Oil Grant and NCCD)	55.29	4,237.44
Fund from GOI / MoPNG for deposit with High Court Delhi for Arbitration Case of HCC [Refer Note No. 31(xxxxii)]	5,000.46	-
Payable for HCC Arbitration Case Vizag [Refer Note No. 31(xxxxiii)]	1,864.08	-
Payable to GOI / MoPNG (Padur GST RCM)	89.04	-
Payable to GOI / MoPNG (Interest on Grant/Other Fund and TDS thereon)	2,155.02	1,548.86
Payable to HPCL Vizag	97.28	97.28
Grant from OIDB	-	29.36
Others	12.61	12.61
TOTAL	**10,531.55**	**6,074.73**

Note No.17 Other Income

₹ in lakhs

Particulars	For the year ended 31st March, 2022	For the year ended 31st March, 2021
Interest on Security Deposits with Electricity Companies	19.80	21.28
Interest on Bank Deposits	41.57	64.28
Amortization of Grant from OIDB (Phase II)	832.78	770.36
Penalty and Liquidated Damages	-	2.62
Interest on Income Tax Refund	2.32	2.34
TOTAL INCOME	**896.47**	**860.88**

Note No. 18 Depreciation and Amortisation Expenses

Particulars	For the year ended 31st March, 2022	For the year ended 31st March, 2021
	₹ in lakhs	
Depreciation	9,463.82	9,350.21
Amortisation of Lease Rental (Leasehold Land)	533.03	533.07
Less :- Recovery as O&M Expenses from GOI/MoPNG (Ind AS 116)	(15.08)	(15.12)
Net Depreciation and Amortization Expenses	**9,981.77**	**9,868.16**

Note No.19 Finance Cost

Particulars	For the year ended 31st March, 2022	For the year ended 31st March, 2021
	₹ in lakhs	
Interest on Lease Liabilities	41.36	41.59
Less :- Recovery as O&M Expenses from GOI/MoPNG (Ind AS 116)	(29.77)	(29.73)
Net Finance Cost	**11.59**	**11.86**

Other Expenses

Note No. 20.1 - Operation & Maintenance Expenses

Particulars	For the year ended 31st March, 2022	For the year ended 31st March, 2021
	₹ in lakhs	
O&M Expenses		
a) Manpower Expenses (Project site) (other than ITBP)	4,548.82	4,309.17
b) Manpower Expenses - ITBP	336.90	1,311.96
c) Electricity Expenses	1,507.96	1,360.10
d) Insurance Expenses	3,941.00	2,428.52
e) Consumable Expenses	464.96	472.94
f) Mangalore Special Economic Zone O & M Charges	106.09	107.13
g) HO Expenses	1,137.02	780.91
h) Boiler	3.84	34.20
i) AMC & Spares	336.91	270.47
j) Testing & Calibration	49.28	24.36
k) Statutory payments	108.52	31.06
l) Hydro - geological monitoring	42.65	65.96
m) Water for Caverns	35.86	106.93
n) Green belt Development as per environmental clearance	50.35	31.51
o) Repair & Maintenance	1.91	
p) Lease rentals & License Fees	122.92	21.96
q) Corridor Charges- Mangalore	94.91	89.77
r) Expense for HCC Arbitration Case Vizag [Refer Note No. 31(xxxxiii)]	1,864.08	-
TOTAL	**14,753.98**	**11,446.95**
Less:- O & M Expenses Recoverable/Recovered from GOI / MoPNG and/or HPCL	14,137.63	11,069.92
Less:- Operational Cost Recoverable from ADNOC	616.35	377.03
TOTAL	**14,753.98**	**11,446.95**
Detailed Feasibility Report (DFR) Expenses for Phase II	832.78	770.36
TOTAL	**832.78**	**770.36**

Note : The above bifurcation of O&M Expenses has been done on the basis of expense head provided by locations site on vouchers since no separate head wise general ledger is maintained in accounting software.

Note No. 20.2 - Miscellaneous Expenses

Particulars	For the year ended 31st March, 2022	For the year ended 31st March, 2021
	₹ in lakhs	
Rock Related Expenses	1.65	-
Write off of Stamp Duty Expenses	0.01	-
TOTAL	**1.66**	**-**

Note No. 21 Disclosures of EPS under Indian Accounting Standards - 33

₹ in lakhs

Note	Particulars	For the year ended 31st March, 2022	For the year ended 31st March, 2021
	Earnings per share		
(i)	**Basic**		
	Profit/(Loss) for the year attributes to the equity shareholders	(9,931.33)	(9,789.50)
	Weighted Average number of equity shares Outstanding	3,78,56,64,697	3,77,58,74,670
	Par value per share	10.00	10.00
	Loss per share from continuing operations - Basic	(0.26)	(0.26)
(ii)	**Diluted**		
	Profit/ (Loss) for the year attributable to the equity shareholders	(9,931.33)	(9,789.50)
	Weighted Average number of equity shares Outstanding- For Diluted	3,78,56,64,697	3,77,58,74,670
	Par value per share	10.00	10.00
	Loss per share, from continuing operations - Diluted	(0.26)	(0.26)

Note No. 22 Leases, Commitments and Contingencies

22.1	**Leases**
	Ministry of Corporate Affairs (MCA) through Companies (Indian Accounting Standards) Amendment Rule, 2019 and Companies (Indian Accounting Standards) Second Amendment Rule, 2019 has notified IND AS 116 Leases which replaces the existing lease IND AS 17 Lease and other interpretations. IND AS 116 introduces a balance sheet lease accounting module for Leases.
(i)	Effective 1st April, 2019, the Company has adopted IND AS 116 to its leases using modified retrospective transitions method. The lease liability is measured at the present value of remaining lease payments discounted using incremental borrowing rate at the date of initial application and right of use asset has been recognized at an amount equal to the lease liability plus prepaid rentals recognized in the balance sheet before the date of initial application, if any. The company has adopted OIDB's (being 100% shareholder) interest rate for April 2019. Further, the Company has exercised the following expedient:-
	i. Company has not reassessed whether a contract is, or contains, a lease at the date of initial application i.e. the contracts classified as leases on March 31, 2019 as per IND AS 17
	ii. Treated as leases under IND AS 116 and not applying the standard to contracts that were not previously identified as containing a lease applying IND AS 17
	iii. Leases for which the lease terms ends within 12 months of the date of initial application have been accounted as short time leases
	The Company has entered into lease arrangements related to land. There is no sale and lease back transactions arrangement under the reporting period.
	Details of significant leases for Leasehold Lands are as under:-
(a)	Arrangement with Vishakapatnam Port Trust for a period of 30 Years for 37 acres of land.
(b)	Arrangement with Mangalore Speacial Economic Zone for a period of 50 Years for 104.73 acres of land .
(C)	Arrangement with Karnataka Industrial Areas Development Board (KIADB) for a period of 20 years towards 138.5 acres of land .
(d)	Arrangement with Karnataka Industrial Areas Development Board (KIADB) for a period of 15 years towards 37.35 acres of land.

(ii) **Amount recognised in the statement of Profit and Loss Account or Carrying Amount of Right of Use:**

₹ in lakhs

	2021-22	2020-21
- Prepaid Lease Rental capitalised as Right of Use	NA	NA
- Increase of Right of Use and Lease Obligation	0.26	NA
- Depreciation Recognized on increased Right of Use	15.08	15.12
- Depreciation Recognized on Prepaid Lease Rental	517.95	517.95
- Interest on Lease Obligation	41.36	41.59
- Incremental Borrowing Rate	7.94%	7.94%
- Lease Rental Payment	44.85	44.85

The Details of Right of Use included in PPE held as leases by class of underlying assets is presented below:

₹ in lakhs

Asset Class	Gross Block as on 31st March, 2022	Accumulated Depreciation Upto 31st March, 2022	Net Carrying Value as on 31st March, 2022
Right of Use	13270.09	1599.17	11670.92

Gross Block as on 31st March, 2022 includes operating leases entered before 01st April, 2019 on net carrying value of ₹ 12698.11 Lakhs which had been reclassified to Right to Use as on 01st April, 2019 (on implementation of Ind AS 116).

Details of item of future cash outflows which the company is exposed as lease but are not reflected in the measurements of lease liabilities are as under:

(i) **Variable Lease Payments**

Variable lease payments that depends on an index or a rate to be included in the measurement of lease liability although not paid at the commencement date. As per general industry practice, the company incurs various variable lease payment which are not based any index or rate (variable based on KMS covered or % of sales etc.) and are recognized in profit or loss and not included in the measurement of lease liability.

(ii) **Extension and Termination Options**

The company lease arrangement includes extension option only to provide operational flexibility. Company assesses at every lease commencement whether it is reasonably certain to exercise the extension options and further reassesses whether it is reasonably certain to exercise the option if there is a significant change in circumstances within its control, However, where company has the solo discretion to extend the contract such lease term is included for the purpose of calculation of lease liabilities.

(iii) **Residual value Guarantees**

There are no Residual value guarantees.

(iv) Committed lease which are yet to commence

There is no committed lease which is yet to commence.

(v) The difference between the future minimum lease rental commitment towards non-cancellable operating lease reported as at 31st March, 2019 compared to the lease liability as accounted as at 1st April, 2019 is primarily due to inclusion of present value of the lease payment for the cancellable term of the leases. Reduction due to discounting of the lease liabilities as per the requirement of IND AS 116 and exclusion of the commitments for the leases to which the company has chosen to apply the practical expedient as per the standard.

(vi)	Application of this standard has resulted a net increase in loss before Tax for the year by ₹11.59 Lakhs (Previous Year :- ₹11.86 Lakhs) (increase in Depreciation & Amortization expenses and Finance cost) by ₹56.44 Lakhs (Previous Year ₹56.71 Lakhs) respectively and decrease in office, Administration, Selling & other Expenses by ₹ 44.85 Lakhs(Previous Year ₹ 44.85 Lakhs).
22.2	**Contingent Liabilities, Contingent Assets and Commitments (to the extent not provided for)** **Particulars** **(A) Contingent Liabilities** **Claims against the company not acknowledged as debts amounting to ₹42982.47 lakhs (Previous Year : ₹ 96174.59 lakhs) comprising of -** a) Disputed Demand of Royalty by Department Of Mines and Geology at Vizag ₹11794.95 Lakhs (Previous Year : ₹ 11794.95 Lakhs) b) Disputed claims by the contractors for ₹31112.88 Lakhs (Previous Year : ₹ 84305.00 Lakhs) rejected by EIL on account of projects undertaken on various sites for which cases are pending before the Arbitral Tribunal and High Court. c) Disputed demands of Entry Tax ₹74.64 Lakhs (Previous Year : ₹74.64 Lakhs). The Company has availed Kar Samadhan Scheme promulgated by Government of Karnataka for resolution of dispute of Entry Tax. As per Company there is no liability and the Company has filed writ petition against the coercive recovery of ₹74.64 lakhs toward entry tax and the matter is pending before honourable Karnataka High Court. **(B) Contingent Assets -** ₹ NIL (Previous Year : ₹ NIL) **(C) Capital Commitments** Estimated amount of contracts remaining to be executed on capital account and not provided for ₹ Nil (Previous Year : Nil) **(D) Other Commitments -** ₹ NIL (Previous Year : ₹ NIL)

INDIAN STRATEGIC PETROLEUM RESERVES LIMITED
Notes Forming Part of The Financial Statements

Note No. 23 : Related Party Disclosures

Related party disclosure, as required by Ind AS 24, is as below :

Particulars

Details of related Parties :

Description of relationship	Names of related parties
Holding Company	Oil Industry Development Board (OIDB) holding 100% equity in the Company
Key Management Personnel (KMP)	1. Shri HPS Ahuja, CEO & MD, ISPRL (Retired on 01.06.2022) 2. Shri G. K. Singh, CFO, ISPRL 3. Shri Arun Talwar, Company Secretary, ISPRL 4. Shri Ajay Dashore, Dy CEO/CEO & MD (Add. Charge) w.e.f. 17.06.2022 **Board of Directors (Ex-Officio)** 1. Shri. Tarun Kapoor, Chairman (till 30.11.2021) 2. Shri Pankaj Jain, Chairman (w.e.f. 20.01.2022) 3. Shri Rajesh Aggarwal, Director (till 23.09.2021) 4. Shri Gudey Srinivas, Director (w.e.f. 03.11.2021) 5. Shri B.N Reddy, Director (till 15.09.2021) 6. Dr. Niranjan Kumar Singh, Director (till 14.10.2021) 7. Dr. Navneet Mohan Kothari, Director (w.e.f. 03.11.2021) 8. Ms. Indrani Kaushal, Director (till 24.09.2021) 9. Ms. Esha Srivastava, Director (w.e.f. 22.12.2021)

(₹ in lakhs)

	KMP Remunerations	**For year ending on 31st March, 2022**	**For year ending on 31st March, 2021**
(i)	CEO & MD	47.29	47.29
	CFO*	93.90	74.43
	Company Secretary *	72.39	56.34
	TOTAL	**213.58**	**178.06**
	*Based on debit notes received from respective parent company		
(ii)	**Holding Company (OIDB)**		
	Allotment of Equity Shares/Share application Money	1,418.00	-
	Reimbursement of expenses to OIDB	21.78	20.49
	Grant for Phase II expenditures	804.87	594.91
	Expenditure incurred on behalf of OIDB	0.16	-
	Return of unutilized Grant for Phase II	1.46	359.78
	Interest Free Unsecured Loan	-	9,816.17

Balances outstanding with related parties : **(₹ in lakhs)**

		As on 31st March, 2022	**As on 31st March, 2021**
(i)	**Holding Company (OIDB)**		
	Unsecured Loan	-	9,816.17
	Recoverable from OIDB for expenditure incurred on their behalf	0.16	-
	Payable to OIDB for Reimbursement of expenses	21.78	20.49

	INDIAN STRATEGIC PETROLEUM RESERVES LIMITED **Notes Forming Part of The Financial Statements** **Note No. 24 : SEGMENT REPORTING**
1.	Company is creating storage assets for sovereign reserves of crude oil for the Government of India and is also maintaining such assets. This is considered to constitute one single primary segment.
2.	Geographical information is not applicable as all operations of the Company are within India.
	Note No. 25 : FINANCIAL INSTRUMENTS **Financial instruments by category** 1) The management assessed that Fair Value of Cash & Cash Equivalents, Other Current Financial Assets, Trade Payables, Short Term Borrowings and Other Current Financial Liabilities approximate their carrying amounts. 2) The fair value of the financial assets and liabilities is included at the amount at which the instrument could be exchanged in a current transaction between willing parties, other than in a forced or liquidation sale. 3) Considering above disclosure with regard to the Fair Value Hierarchy is not applicable.

INDIAN STRATEGIC PETROLEUM RESERVES LIMITED
Notes Forming Part of The Financial Statements

Note No. 26 : FINANCIAL RISK MANAGEMENT OBJECTIVES AND POLICIES

1) Financial risk factors

The Company's activities expose it to a variety of financial risks: market risk, credit risk and liquidity risk. The Company's primary focus is to foresee the unpredictability of financial markets and seek to minimize potential adverse effects on its financial performance. The primary market risk to the Company is Interest Rate risk. O&M expenses of the company are met with GBS hence it is not exposed to any material Interest rate risk.

The Company's principal financial liabilities comprise trade and other payables & security deposits. The main purpose of these financial liabilities is to finance the Company's operations. The Company's principal financial assets include other receivables, Other Financial Assets and cash / cash equivalents that derive directly from its operations.

Presently Company is not exposed to a number of any financial risks arising from natural business exposures as well as its use of financial instruments including market risk relating to interest rate, foreign currency exchange rates. Senior management oversees the management of these risks with appropriate financial risk governance framework for the Company.

2) Market risk

Market risk is the risk where the fair value or future cash flows of a financial instrument will fluctuate because of changes in market prices. Market prices comprise three types of risk: currency rate risk, interest rate risk and other price risks. Financial instruments affected by market risk include loans and borrowings, deposits, investments, and derivative financial instruments. Foreign currency risk is the risk that the fair value or future cash flows of a financial instrument will fluctuate because of changes in foreign exchange rates. Interest rate risk is the risk that the fair value or future cash flows of a financial instrument will fluctuate because of changes in market interest rates. Presently company's financial instrument is not exposed to any material market risk.

3) Credit risk

Customer credit risk is managed by each business unit subject to the Company's established policy, procedures and control relating to customer credit risk management. Credit quality of a customer is assessed based on an extensive analysis and outstanding customer receivables are regularly monitored. Presently there are no trade receivables.

4) Liquidity risk

Company monitors its risk of a shortage of funds diligently. The Company seeks to manage its liquidity requirement by maintaining access to short term borrowings from holding Company.

The table below provides details regarding the contractual maturities of significant financial liabilities as of 31st March, 2022:

₹ in lakhs

Particulars	Less that 1 year	1-2 years	2-4 years	More than 4 yrs	Total
Borrowings	-	-	-	-	**-**
Trade payables	1,525.50	-	-	-	**1,525.50**
Other financial liabilities	34,333.24	6.90	0.83	-	**34,340.97**
Total	**35,858.74**	**6.90**	**0.83**	**-**	**35,866.47**

The table below provides details regarding the contractual maturities of significant financial liabilities as of 31st March, 2021:

₹ in lakhs

Particulars	Less that 1 year	1-2 years	2-4 years	More than 4 yrs	Total
Borrowings	9,816.17	-	-	-	**9,816.17**
Trade payables	1,437.63	-	-	-	**1,437.63**
Other financial liabilities	14,340.72	0.20	-	-	**14,340.92**
Total	**25,594.52**	**0.20**	**-**	**-**	**25,594.72**

Note No. 27 : CAPITAL MANAGEMENT

For the purpose of the Company's capital management

Under Phase I - Capital includes issued equity capital and all other equity reserves attributable to the equity holders. The primary objective of the Company's capital management is to maximize the shareholder value.

Under Phase II Project - Capital for Land Acquisition are being managed through GBS by GOI / MoPNG.

INDIAN STRATEGIC PETROLEUM RESERVES LIMITED
Notes Forming Part of The Financial Statements

Note No. 28 - Payment in Foreign Currency (Equivalent INR)

Particulars	For the year ending 31st March, 2022	For the year ending 31st March, 2021
	₹ in lakhs	
Travelling	6.98	-
Payment for Goods and Services	29.93	968.10
Total	**36.91**	**968.10**

Note No. 29 - Earnings in foreign exchange

Particulars	For the year ending 31st March, 2022	For the year ending 31st March, 2021
	₹ in lakhs	
Earnings	NIL	NIL

Note No. 30 - Employee Benefits Disclosure

(i) Gratuity Disclosure Statement as per Indian Accounting Standard 19 (Ind AS 19)

A. Actuarial assumptions provided by the company and employed for the calculations are tabulated:		
	Discount rate	7.25 % per annum
	Salary Growth Rate	10.00 % per annum
	Mortality	IALM 2012-14
	Expected rate of return	0
	Withdrawal rate (Per Annum)	5.00% p.a.
B. Benefits valued:		
	Normal Retirement Age	60 Years
	Salary	Last drawn qualifying salary
	Vesting Period	5 Years of service
	Benefits on Normal Retirement	15/26 * Salary * Past Service (yr).
	Benefit on early exit due to death and disability	As above except that no vesting conditions apply
	Limit	₹ 2000000
C. Current Liability (*Expected payout in next year as per schedule III of the Companies Act, 2013) :		
	Period	As on: 31-03-2022
	Current Liability (Short Term)*	₹ 824
	Non Current Liability (Long Term)	₹ 5,50,532
	Total Liability	₹ 5,51,356

(ii) Leave Disclosure Statement as per Indian Accounting Standard 19 (Ind AS 19)

A. Actuarial assumptions provided by the company and employed for the calculations are tabulated:		
	Discount rate	7.25 % per annum
	Salary Growth Rate	10.00 % per annum
	Mortality	IALM 2012-14
	Expected rate of return	0
	Withdrawal rate (Per Annum)	5.00% p.a.
B. Benefits valued:		
	Normal Retirement Age	60 Years
	Salary	As per rules of the company
	Benefits on Normal Retirement	1/30 * Salary * Number of leaves.
	Benefit on early exit	As above, subject to rules of the company.
	Benefit on death	As above, subject to rules of the company.

INDIAN STRATEGIC PETROLEUM RESERVES LIMITED
Notes Forming Part of The Financial Statements

C. Current Liability (*Expected payout in next year as per schedule III of the Companies Act, 2013) :

	Period	As on: 31-03-2022
	Current Liability (Short Term)*	₹ 37577
	Non Current Liability (Long Term)	₹ 10,90,606
	Total Liability	₹ 11,28,183

INDIAN STRATEGIC PETROLEUM RESERVES LIMITED
Notes Forming Part of The Financial Statements

Note No. 31 : OTHER NOTES

31 Others Notes

(i) The company had availed the benefit under Vivad se Vishwas Act, 2020 for financial year 2012-13 to 2016-17 and tax of ₹ 663.47 lakhs has been paid in earlier years. The demand has been settled and Form-5 has been issued by department during the year, hence consequently all the cases have been closed.

(ii) The Sovereign Crude Oil Reserves have been kept at three sites Padur, Mangalore and Visakhapatnam of the company as a custodian on behalf of Government of India. Cavern B at Visakhapatnam is used by HPCL for its operation and property in crude oil is purely owned by HPCL. Cavern A at Mangalore is used by ADNOC for storage of its own Crude Oil under agreement with ISPRL.

An assurance was given to C&AG during the audit for FY 2020-21 for seeking clarification from Ministry of Petroleum and Natural Gas regarding treatment of accounting in the books of accounts and financial statements and suitable disclosure for FY 2021-22 onward of the value of crude oil quantity which is in the custody of ISPRL on behalf of GOI. The company has written a letter to MoPNG seeking clarification regarding treatment of accounting of crude oil transactions and inventory. The reply from MoPNG is still awaited. Accordingly, Company has continued to disclose only the below quantitative details of the Sovereign crude oil reserves as were done in earlier years.

GOVERNMENT OF INDIA- CRUDE OIL

Particulars	31st March, 2022 Total (Qty. in MT)	31st March, 2021 Value (Qty. in MT)
Opening Stock of Crude Oil (As per Surveyor Report) (a)	42,13,678.99	18,55,457.49
Add:- Procured during the year :		
As per Bill of lading (b)	-	24,10,121.63
Actual as per Surveyor Report (c)	-	24,10,095.82
Less:- Sale/Transferred during the year (d)	11,98,816.99	41,453.00
Net Quantity as per actual as on close of the year (a+c)-(d)	30,14,862.00	42,24,100.31
Total quantity under Custody as at close of the year (As per Surveyor Report)	30,10,938.75	42,13,678.99

ADNOC- CRUDE OIL

Particulars	31st March, 2022 Total (Qty. in MT)	31st March, 2021 Value (Qty. in MT)
Opening Stock of Crude Oil (As per Surveyor Report) (a)	5,17,387.96	3,74,918.53
Add:- Procured during the year		
As per Bill of lading (b)	-	5,16,604.00
Actual as per Surveyor Report (c)	-	4,98,308.11
Less:- Transfer by ADNOC during the year (d)	5,10,767.87	3,69,702.30
Net Quantity as per actual as on close of the year (a+c)-(d)	6,620.09	5,03,524.34
Total quantity under Custody as at close of the year(As per Surveyor Report)	3,512.61	5,17,387.96

Note : Losses, in case any, are within the acceptable industry norms.

₹ in lakhs

PAYABLE TO GOI / MOPNG (CRUDE OIL GRANT)	2021-22	2020-21
Payable/Refundable to GOI / MoPNG as at beginning of the period	4,182.15	64,569.00
Add:-Amount received for Crude Oil during the year	-	3,00,000.00
Add:- Interest, other receipts and adjustments	1,258.94	-
Less:-Crude Oil Procured (Net of Transfer) (Including Clearing and Other Expenses) during the year	-	2,85,386.85
Less:- Amount refunded to GOI/MoPNG	356.02	75,000.00
Less:- Amount apportioned as temporary loan for HCC Arbitration Case of ISPRL	5,000.46	-
Payable/Refundable to GOI / MoPNG as at end of the period	84.61	4,182.15
Note : The amount of Payable/Refundable to GOI / MoPNG as at 31st March, 2022 represents TDS receivable from Income Tax Department.		

(iii)	(A) 1. The Union Cabinet of India, on 27th June 2018, accorded in-principle approval for the establishment of additional 6.5MMT of storage facilities for crude oil in underground rock caverns at Padur-II, Karnataka (2.5MMT) and Chandikhol, Odisha (4.0MMT) including the construction of dedicated Single Point Mooring (SPM) and pipelines for the two Strategic Petroleum Reserves (SPR). Phase-II project of ISPRL was approved in the cabinet meeting in PPP mode on 08.07.2021. 2. Application for Land allotment for Chandikhol project was submitted to Government of Odisha, a clear ASI survey report was also submitted to government. The land allotment is under perusal of state Government. No formal allotment letter / order is issued by state government on the date of Balance Sheet. 3. EIA studies were started for Phase II by NEERI during the FY 2019-20 and draft report was received from NEERI. After review, the observations of ISPRL has been provided to NEERI for issue of Final report. 4. The DFR for construction of SPM and associated pipeline at Padur was awarded to M/S Engineers India Limited EIL has completed survey job for SPM. 5. GOI / MoPNG had allocated ₹ 210 Crores for land acquisition for Phase II project, ₹ 98.19 crores was paid to KIADB for land acquisition of Padur project and other incidental charges. The land acquisition is under process. The balance as at 31st March, 2022 is ₹ 111.81 Crores. (B) The company had opening balance of ₹ 0.29 Crores out of grant received from OIDB as at 1st April, 2021, during the year, the company has received ₹ 8.05 Crores and incurred ₹ 8.33 Crores as DFR Expenses out of the opening balance and grant received from OIDB. The balance grant of ₹ 0.01 Crores was returned to OIDB. The amount has been amortized in the Statement of Profit and Loss Account.
(iv)	At Mangalore site of ISPRL, there are 2 caverns namely cavern A & B . For Cavern "A", a tripartite agreement for Oil storage and management was signed on 10-02-2018 with Abu Dhabi National Oil Company and ADNOC Marketing International (India) RSC Limited (AMI India). As per the agreement, value of 1,20,000 US barrels (15831 MT) was to be paid to AMI India (ADNOC) towards dead stock loss/commissioning loss and the value of dead stock to be funded by GOI/MoPNG. The GOI /MoPNG had allocated ₹ 7000 lakhs for reimbursement of dead stock. On an actual evacuation of product the dead stock/commissioning loss is determined to be 75923 barrels due to operational efficiency and a side letter to the original agreement to this effect has been signed on dated 18-04-2022. Payment for 75923 barrels amounting to ₹ 4776.01 lakhs has been paid on 15-06-2022 by the company to ADNOC and the same has been grouped under "Other Financial Liabilities" and remaining balance of ₹2223.99 lakhs is shown as "Payable to GOI / MoPNG (ADNOC)" under "Other Financial Liabilities" As per letter dated 29.10.2020 from MoPNG, following modification in existing 'ADNOC model' was approved for enhancing commercial viability of existing strategic petroleum reserves (SPRs) a. Cavern to be offered to AMI India (ADNOC) on 50:50 basis i.e. 50% strategic and 50% commercial, which was earlier 65:35 i.e. 65% strategic and 35% commercial. Agreement to this effect has been entered into between AMI India (ADNOC) and ISPRL on 24.02.2022. b. Permitting coastal movements of crude oil from/to SPRs through foreign flag vessels, and c. Permitting to re-export the crude stored in Mangalore Cavern to other countries during the contract period. As per Clause 2.3 of side letter agreement dated 15-11-2021, AMI India (ADNOC) was allowed a modification to the Clause 4.5 of the agreement dated 10-02-2018 for maintenance of minimum strategic quantity. The Parties acknowledge and agree that ISPRL, will, at all times, continue to retain an ownership interest in the AMI India (ADNOC) oil equal to the Dead Stock quantity. Provision for liability, if any, towards the storage loss and operational loss relating to agreement with AMI India (ADNOC) will be made after quantification by parties to the agreement. No loss has been quantified during the year.
(v)	As on 31st March 2022, the Company's day to day work is handled by 17 personnel on deputation from various oil companies and CEO&MD appointed by The Board. In addition, the company has 12 employees on regular rolls of ISPRL on OIDB Pay scales. The process of formulation of Employee Policies for regular employees of ISPRL is under deliberation. During the year, the company has made provision of ₹16.80 Lakhs as employees' retirement benefits i.e. gratuity and leave encashment on the basis of actuarial valuation.

(vi)	Advance recoverable in cash or kind for value to be received including amount due from other companies in which any director is a director or member is ₹ 1165.59 Lakhs (Previous Year-Rs. NIL).
(vii)	The outbreak of Corona virus (COVID 19) Pandemic globally and in India has impacted businesses and economic activities in general. The spread of COVID 19, along with nationwide lockdown starting from 25th March 2020 has caused serious threat to human lives and has impacted the global demand and resulted in disruption of supply chain which has adversely affected the business operations in short term. ISPRL is a Special Purpose Vehicle (SPV) created by Government of India to enhance the Energy security of the Nation. The crude oil stored in ISPRL caverns is strategic in nature and is to be used in case of supply disruption / unforeseen circumstances. It is therefore, perceived that COVID 19 pandemic shall have no material impact on functioning of ISPRL operations. As a result of the outbreak of the COVID 19 Pandemic, global crude oil price showed a significant down turn. In order to take the advantage of lower crude oil price, Government of India allocated additional funds to ISPRL for filling the available space in the caverns. Accordingly, during the lockdown period, ISPRL has filled up the caverns at Visakhapatnam, Mangalore and Padur in 2020-21 taking advantage of the lower crude oil price thereby saving huge foreign exchange outgo to the Government. The company has adhered to all applicable government guidelines / SOPs during the lockdown for safety of its employees and business partners.
(viii)	During the year, the cabinet has allowed ISPRL for commercialization of facilities and crude oil in July 2021 in following manner:- a. Leasing / Renting of 30% of overall storage capacity to Indian or foreign companies. and b. Sale / Purchase of 20% of overall storage capacity of crude oil to Indian companies. c. Remaining 50% of overall storage capacity will remain strategic . As per cabinet approval release of commercial stock through leasing renting upto 30% and sale purchase of crude oil upto 20% would be handled by a Management committee as determined by ISPRL's Board from time to time. The authority for release of stock in the strategic portion of 50% of crude oil will continue to vest with the interministerial Empowered committee. The proceeds from sale of crude oil for 30 % storage capacity which is to be leased out shall be returned to Government of India and the revenue from sale of 20% crude oil would form part of income of ISPRL. The company has neither entered into any agreement/transaction relating to leasing/renting nor any transaction related to sale/purchase of 20% of crude oil till 31st March, 2022. ISPRL has sold 1.199 MMT crude oil till March 2022 from 30% capacity and returned the proceeds to GOI / MoPNG except for the sales made in March 2022 as on 31st March, 2022.

Details of Crude Sales and Payments

	₹ in lakhs
Sales Made to Oil Companies (MRPL and HPCL) during 2021-22 (Net of Taxes)	491710.63
Less : Sales made during the month of March 2022 to MRPL (Realization not received)	1159.80
Less : Amount refunded to the GOI / MoPNG during the year 2021-22	490060.27
Amount payable to GOI / MoPNG as on 31st March, 2022 (TDS deducted by oil companies on crude sales)	490.56

Note :

a) Apart from above, pumping charges of ₹ 187.98 Lakhs (net of taxes) recovered from MRPL on crude sales out of which ₹ 183.61 Lakhs (net of TDS) have been transferred to GOI / MoPNG. Remaining amount of ₹4.37 Lakhs on account of TDS deducted by oil company and pumping charges for March 2022 is payable to GOI / MoPNG.

b) In the state of Andhra Pradesh, Value Added Tax (VAT) on sale of crude oil is payable at the time of its sale. However, as per approved pricing methodology with the buyers, monthly average rate is to be considered for billing, which can be

	determined only after the end of month in which sale of crude oil is made. Accordingly, invoicing to buyers was done after end of month in which sale of crude oil was made, but the invoice date was kept as date of actual sale as per VAT Rules due to which the date of receipt of invoice by the buyers was considered for calculating credit period. c) An Interest of ₹1204.19 Lakhs was earned on investment of sale proceeds of crude oil and pumping charges recovered from Oil Companies. Out of this, ₹1083.77 Lakhs (net of TDS) was transferred to GOI / MoPNG during the year. Remaining amount of ₹120.42 Lakhs on account of TDS deducted by banks is payable to GOI / MoPNG.
(ix)	Rocks excavated from Mangalore and Padur are lying at sites. E-auction for Rock Debris at Padur was conducted through Mineral State Trading Corporation (MSTC). The successful bidder has quoted price of ₹ 106 /MT for lifting 2 lakh MT and ₹ 108/MT for 10 lakh MT of Rock debris from Padur. There was no lifting/ sale of Rock during the year.

(x)

₹ in Lakhs

Details of O & M Expenditure	2021-22	2020-21
O&M Expenditure Claimed from GOI / MoPNG/HPCL/ADNOC during the year	13,865.10	14,669.47
Less:- O& M Expenditure booked in previous year but claimed during the year	1,367.87	3,711.30
Add:- O&M Expenditure for the period not claimed during the year, to be claimed	1,549.57	1,367.87
Less:- O&M Expenditure Extra Claimed/ Prepaid Expenses (Net of Previous Year)	1,112.05	820.89
Add :- Payable for HCC Arbitration Case Vizag [Refer Note No. 31(xxxxiii)]	1,864.08	-
Net O & M Expenditure incurred during the year (Inclusive of Depreciation, Finance Cost and Tax Expenses)	14,798.83	11,505.15

Particulars	2021-22	2020-21
Amount Recoverable (Received in Advance) from GOI / MoPNG/HPCL/ADNOC as at beginning of the period	(3,816.84)	3,611.58
Add: Net O & M Expenditure for the year	14,798.83	11,505.15
Less: Other Income/Receipt of previous year refunded to GOI / MoPNG during the year	13.00	-
Less: Interest surrendered (net of TDS) to GOI / MoPNG during the year on O&M Fund	26.51	-
Less: Recoverable from GOI / MoPNG for HCC Arbitration Case Vizag (Refer Note No. 31(xxxxiii))	1,864.08	-
Less:- Amount Recovered from GOI / MoPNG/HPCL during the year*	14794.02	18,933.57
Add: Amount refunded to GOI / MoPNG during the year	2127.76	-
Amount Recoverable (Received in advance) from GOI / MoPNG/HPCL/ADNOC as at the end of the period	(3,587.86)	(3,816.84)
* Amount given in financial year 2021-22 includes ₹ 2447 lakhs for grant of O&M Expenditure for financial year 2022-23		

(xi)	**Deferred Tax** In the absence of Taxable Income, no provision for income tax has been considered necessary. Further, Deferred Tax Asset has also not been recognized as there is no reasonable certainty with convincing evidence that sufficient future taxable income will be available against which such Deferred Tax Asset can be adjusted.
(xii)	Dues to Micro Enterprises and Small Enterprises have been determined as ₹ 224.87 lakhs as on 31st March 2022 (Previous year ₹ 297.78 Lakhs) to the extent such parties have been identified on the basis of information available on records in terms of 'The Micro, Small and Medium Enterprises Development Act, 2006'.
(xiii)	Amount payable / recoverable from Vendors/Contractors/service providers are subject to confirmation, reconciliation and consequential adjustments thereof, if any.
(xiv)	All consumables/stores/spares parts are booked in O&M expenses at the time of purchases.
(xv)	Royalty payment on rock removal from Mangalore SEZ/Padur is to be borne by MSEZL/Contractor appointed by MSEZL or ISPRL.
(xvi)	a. The company has given BG of ₹ 50,000/- in favor of ACCT, LGSTO-260 (GST Authorities) for obtaining KST/CST Registration Certificate from Commercial Tax Office. The BG was given against FD pledged by company amounting to ₹ 50,000/-. b. The company has pledged FD of ₹ 1,45,000/- in favor of Deputy Director, DMG, Mangalore towards financial assurance related to stone mines contract.

(xvii) ISPRL had obtained interest free unsecured loan of ₹98,16,17,120/- for payment to KIADB vide their demand letter No. KIADB/CK/LAQ/M/2542/10953/2020-21 dated 31st December, 2020 against land acquisition cost for acquiring 210 acres 4 cents land at Padur and Kalathur village for ISPRL Padur Phase II project. During the year, the company has repaid the entire loan out of grant received from GOI / MoPNG.

(xviii) As required under additional information pertaining to general instructions for preparation of statements of Profit & loss (Given in the schedule III of companies Act, 2013) related to expenditure incurred for audit and other items are as follows:

₹ in Lakhs

	2021-22	2020-21
Payment to Statutory Auditor		
Audit Fees (Incl. GST)	1.77	1.77
Certification (Incl. GST)	0.06	0.06
Out of Pocket Expenses	0.00	0.00
Payment to Internal Auditor		
Audit Fees (Incl. GST)	0.35	0.35
Other Services	NIL	NIL
Payment to Secretarial Auditor		
Audit Fees	0.10	0.10

(xix) **Title deeds of Immovable Property not held in name of the Company -**
There is no immovable property in which title deeds are not held in the name of the company except the following:

Relevant line item in the Balance sheet	Description of item of property	Gross carrying value (₹ In Lakhs)	Title/Lease deeds held in the name of	Whether title deed holder is a promoter, director or relative# of promoter*/director or employee of promoter/director	Property held since which date	Reason for not being held in the name of the company
Right of Use (Ind AS 116)	Leasehold Land at Mangalore Special Economic Zone (104.73 Acres)	8492.5	Indian Strategic Petroleum Reserves Limited	No	Date of allotment letter are as follows : a. for 100.02 acres date is 23.11.2009 b. for 4.71 acres date is 11.04.2018 Possession till date is 26th January, 2060.	Lease Deed is in the name of company but not yet registered. The company is following up with lessor for registration of lease deed.

(xx) **Valuation of PP&E, intangible asset and investment property -**
The company has not revalued its Property, Plant and Equipment during the year.

(xxi) **Loans from Banks or Financial Institutions -**
The company has not received any borrowings from banks or financial institutions during the year.

(xxii) **Capital-Work-in Progress (CWIP) -**
There is no capital work in progress as on 31.03.2022.

(xxiii)	**Intangible assets under development -** There are no intangible assets under development as on 31.03.2022.
(xxiv)	**Details of Benami Property held -** No proceedings have been initiated on or are pending against the company for holding benami property under the Benami Transactions (Prohibition) Act, 1988 (45 of 1988) and Rules made thereunder.
(xxv)	**Loans and advance on security of current assets -** There are no loans and advances on security of current assets as on 31.03.2022.
(xxvi)	**Willful Defaulter -** Company has not been declared Willful defaulter by any bank or financial institution or government or any government authority.
(xxvii)	**Registration of charges or satisfaction with Registrar of Companies -** There are no charges or satisfaction which are yet to be registered with the Registrar of Companies beyond the statutory period.
(xxviii)	**Compliance with number of layers of companies -** The company is 100% subsidiary of OIDB and further company doesn't have any subsidiary hence compliance prescribed under the Companies Act, 2013 is not applicable on the company.
(xxix)	**Compliance with approved scheme(s) of arrangements -** The company has not entered into any scheme of arrangement which has an accounting impact on current or previous financial year.
(xxx)	**Utilization of borrowed funds and share premium -** A. The company has not advanced or loaned or invested funds to any other person(s) or entity(ies), including foreign entities (Intermediaries) with the understanding that the Intermediary shall: a. directly or indirectly lend or invest in other persons or entities identified in any manner whatsoever by or on behalf of the company (Ultimate Beneficiaries) or b. provide any guarantee, security or the like to or on behalf of the ultimate beneficiaries. B. The company has not received any fund from any person(s) or entity(ies), including foreign entities (Funding Party) with the understanding (whether recorded in writing or otherwise) that the company shall: a. directly or indirectly lend or invest in other persons or entities identified in any manner whatsoever by or on behalf of the Funding Party (Ultimate Beneficiaries) or b. provide any guarantee, security or the like on behalf of the ultimate beneficiaries.
(xxxi)	**Undisclosed income -** There is no income surrendered or disclosed as income during the current or previous year in the tax assessments under the Income Tax Act, 1961, that has not been recorded in the books of account.
(xxxii)	**Corporate Social Responsibility (CSR) -** The company has not incurred any CSR Expenditure during the year.
(xxxiii)	**Details of Crypto currency or Virtual currency -** The company has not traded or invested in crypto currency or virtual currency during the year.
xxxiv)	**Loans or Advances in the nature of loans are granted to promoters, directors, KMPs and the related parties (as defined under Companies Act, 2013,) either severally or jointly with any other person, that are: repayable on demand or without specifying any terms or period of repayment**

Type of Borrower	Amount of loan or advance in the nature of loan outstanding	Percentage to the total Loans and Advances in the nature of loans
Promoters	NIL	NIL
Directors	NIL	NIL
KMPs	NIL	NIL
Related Parties	NIL	NIL

(xxxv)	**Details of transactions with Companies Struck off u/s 248 of the Companies Act 2013 or Section 560 of the Companies Act 1956 –** ₹ in Lakhs				
	Name of struck off Company	**Nature of transactions with struck-off Company**	**Balance outstanding as on 31.3.2022**	**Balance outstanding as on 31.3.2021**	**Relationship with the Struck off company if any, to be disclosed**
		Investments in securities			
		Receivables			
	Outpace Optifibre Network Pvt. Ltd.	Payables	0	0	Not applicable
		Shares held by stuck off company			
		Other outstanding balances (to be specified)			

xxxvi) **FINANCIAL RATIOS**

S. No.	Ratio	Numerator	Denominator	31st March, 2022	31st March, 2021	% Variance	Reasons
(a)	Current Ratio (in times)	Current Assets	Current Liabilities	0.22	0.37	-40.52%	a. Current assets have reduced since FDs of original maturity period upto one year are less in current year as compared to last year. b. The current liabilities have increased this year due to grant of Rs.210 Crores received in current Financial Year compared to no balance in last financial year.
(b)	Debt-Equity Ratio (in times)	Total Debts	Shareholder's Equity	0.00	0.03	-100.00%	Loans have reduced since loan taken from OIDB in last year have been repaid out of grant for Phase II provided by the GOI / MoPNG in current year.
(c)	Debt Service Coverage Ratio (in times)	Earnings available for Debt Service	Debt Service	NIL	NIL	NIL	
(d)	Return on Equity Ratio (ROE) (in %)	Net Profit after Tax	Average Shareholders' Equity	-3.01%	-2.89%	4.30%	
(e)	Inventory turnover ratio (in times)	Cost of Goods Sold	Average Inventory	NIL	NIL	NIL	
(f)	Trade Receivables turnover ratio (in times)	Net Credit Sales	Average Accounts Receivables	NIL	NIL	NIL	
(g)	Trade payables turnover ratio (in times)	Net Credit Purchases	Average Trade Payables	10.52	3.24	224.43%	Change in Average Trade Payables in current year compared to last year.
(h)	Net capital turnover ratio (in times)	Net Sales	Working Capital	NIL	NIL	NIL	
(i)	Net profit ratio (in %)	Net Profit after Tax	Net Sales	NIL	NIL	NIL	
(j)	Return on Capital employed (in %)	Earnings before Interest and Taxes	Capital Employed	-3.24%	-3.11%	4.09%	
(k)	Return on investment (in %)	Income generated from Investments	Average Invested Funds	2.75%	4.19%	-34.31%	a. Amount held in Fixed Deposits was less in number of days in current year as compared to last year. b. Change in interest rates on Fixed Deposits.

Note 1. Above ratios have been disclosed to the extent applicable to the company since operating on behalf of Government of India to enhance energy security operations.

Note 2. FD with banks of ₹1102.67 Lakhs (Previous Year ₹1917.73 Lakhs) on which fixed interest income earned ₹41.57 Lakhs (Previous Year ₹64.28 Lakhs) appearing in Note No.17 has been considered for the purpose ratio at (k) above.

xxxvii)	**Impairment of Asset -** In compliance of IND AS 36 "Impairment of Asset", the company has reviewed the assets at year end for indication of impairment loss, if any, as per accounting policy of the company. As there is no indication of impairment, no impairment loss has been recognised during the year.
xxxviii)	In the opinion of the management, the value of assets other than Property, Plant and Equipment, on realisation in ordinary course of Business, will not be less than the value at which these are stated in the Balance Sheet.
xxxix)	The company does not have any long term contracts including derivative contracts for which there could be any material foreseeable losses.
xxxx)	There were no amounts which were required to be transferred to the Investor Education and Protection Fund by the company.
xxxxi)	Certain changes have been made in Accounting Policies and there is no impact on the financial statements due to these changes, however, the Accounting policy numbers have been changed or rearranged in the current year as required.
xxxxii)	The company has deposited out of funds provided by MoPNG amounting to ₹ 5000.46 Lakhs as pre-deposit with Registrar General, High Court, New Delhi for appeal filed against arbitration award in case of HCC Arbitration Case, Padur. The amount is returnable to MoPNG from earnings of ISPRL from commercialization of Phase I.
xxxxiii)	The Arbitration award in case of Hindustan Construction Co. (HCC) V/s ISPRL has been awarded by Arbitrator on 26th April, 2022 at New Delhi. The company has accepted the arbitration award and has recognized liability of Rs.1864.08 Lakhs in books of accounts including interest upto 31st March, 2022 with a corresponding recoverable from GOI / MoPNG against which the company received Rs.1887.04 Lakhs on 10th August, 2022 from GOI/MoPNG under O&M Grant including interest upto 14th June, 2022.
xxxxiv)	Company has acquired 179.2 acre of land at Padur out of which 175.92 acre of land at Padur has been registered in the name of ISPRL. Company is unable to register the remaining land being a forest land and transfer is not allowed by Government of Karnataka.
xxxxv)	Manpower Expenses for Phase II projects was shown as "Phase II expenses receivable from GOI" till financial year 2020-21. During the year 2021-22, the manpower expenses for Phase II has been charged to O&M grant with the approval of competent authority .
xxxxvi)	The company has fixed a limit of ₹ 15 Crores on aggregate basis for adjustment/rectification of prior period items of the previous years for preparation of IND AS compliant financial statements.
xxxxvii)	Previous year's figures have been regrouped/reclassified wherever necessary to correspond with the current year's classification/disclosure and figures have been rounded off nearest to lakhs.
xxxxviii)	The financial statements have been approved for by the Board of directors on 17th November, 2022.

For Prasad Azad & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration Number : 001009N

Sd/-
(K M Azad)
Partner
Membership No. 005125

Place - New Delhi
Date - 17th November, 2022

For and on behalf of Board of Directors

Sd/-	**Sd/-**
(Navneet Mohan Kothari)	**(Lakhpat Rai Jain)**
Director	**CEO & MD**
DIN : 02651712	**DIN : 08505199**
Sd/-	**Sd/-**
(Gopeshwar Kumar Singh)	**(Arun Talwar)**
CFO	**Company Secretary**

Place - New Delhi
Date - 17th November, 2022

Note No. 1 : Significant Accounting Policies

Corporate Information and Significant Accounting Policies

1. CORPORATE INFORMATION

Indian Strategic Petroleum Reserves Limited was incorporated on 16th June, 2004 by IOCL as its subsidiary. The entire shareholding of the Company was taken over by Oil Industry Development Board("OIDB") and its nominees on 9th May, 2006.

Indian Strategic Petroleum Reserves Limited (the Company), an unlisted wholly owned subsidiary of OIDB is a Public Limited Company and incorporated in India having its registered office at 301, World Trade Centre, 3rd Floor, Babar Road, New Delhi -110001 and operational/ functional office is at OIDB Bhawan, 3rd Floor, Plot No. 2, Sector - 73, Noida - 201301, Uttar Pradesh.

The main objects of the Company are:-

To store sovereign reserves of crude oil of the Government of India or crude oil of such other entities as Government of India may decide, and to carry on the business of storage, handling, treatment, carriage, transport, dispatch, supply, market, research, advise, consultancy, service providers, brokers and agents, engineering and civil designers, contractors, wharf ringers, warehouseman, producers, dealers of oil and oil products, gas and gas products, petroleum and petroleum products, fuels, spirits, chemicals, liquids of all types and kind and the compounds, derivatives, mixtures, preparations and products thereof.

1A: SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1.1 Basis of Preparation of Financial Statements

The Financial statements are prepared in accordance with Ind AS notified under the Companies (Indian Accounting Standard) Rules, 2015 as amended and comply in all material aspects with the relevant provisions of the Companies Act, 2013.

The Financial Statements have been prepared on a going concern basis following accrual system of accounting. The company has adopted the historical cost basis for assets and liabilities. Historical cost is generally based on the fair value of the consideration given in exchange for goods and services at the date of respective transactions.

Accounting policies have been consistently applied except where a newly issued accounting standard is initially adopted or a revision to an existing accounting standard requires a change in the accounting policy hitherto in use.

The financial statements are presented in Indian Rupees ('INR') which is the presentation and functional currency of the Company and all values are rounded to the nearest lakhs (up to two

decimals) except otherwise indicated.

1.2 Current and non-current classification –

The Company presents assets and liabilities in the Balance Sheet based on current/ non-current classification. An asset is treated as current when it is:-

- Expected to be realized or intended to be sold or consumed in normal operating cycle
- Held primarily for the purpose of trading
- Expected to be realized within twelve months after the reporting period, or
- Cash or cash equivalent unless restricted from being exchanged or used to settle a liability for at least twelve months after the reporting period.

The Company classifies all other assets as non-current.

A liability is current when:

- It is expected to be settled in normal operating cycle.
- It is held primarily for the purpose of trading.
- It is due to be settled within twelve months after the reporting period, or
- There is no unconditional right to defer the settlement of the liability for at least twelve months after the reporting period. The Company classifies all other liabilities as non current.

Deferred tax assets and liabilities are classified as non-current assets and liabilities.

The operating cycle is the time between the acquisition of assets for processing and their realization in cash and cash equivalents.

The Company has ascertained its normal operating cycle as twelve months for the purpose of current and non-current classification of assets and liabilities.

1.3 Revenue Recognition

Measurement of Revenue

Revenue from contracts with customers is recognized when control of the goods are transferred or services are rendered to the customer at an amount that reflects the consideration to which the Company expects to be entitled in exchange for those goods or services.

Revenue is measured based on the transaction price, which is the consideration, adjusted for discounts, incentive schemes, if any, as per contracts with customers. Taxes collected from customers on behalf of Government are not treated as Revenue.

Sale of Products

Revenue from sale of products is recognized at the point of time when control of the products is transferred to the customer, generally on delivery of the products. The Company considers whether there are other promises in the contract that are separate performance obligations to which a portion of the transaction price needs to be allocated (e.g., Freight and Incentive schemes). In determining the transaction price for the sale of products, the Company considers the effects of variable consideration and consideration payable to the customer (if any).

For contracts that are CIF (Cost Insurance Freight) contracts, the revenue is recognized when the goods reached at final destination. For contracts that are FOB (Free on Board) contracts, revenue is recognized when company delivers the goods to an independent carrier.

Other Income

Other claims including Insurance Claims are accounted for when there is virtual certainty of ultimate collection.

Leasing/Rental income from cavern is recognized as income on accrual basis.

Interest Income

Interest income is recognized on accrual basis using the Effective Interest Rate (EIR) method

1.4 Property, Plant and Equipment & Intangible Assets:

i) Properties, Plant & Equipment are carried at cost less accumulated depreciation and impairment loss, if any. The cost of Property, Plant and Equipment includes cost of acquisition and directly attributable cost for bringing the Property, Plant and Equipment in an operational condition for their intended use.

ii) An intangible asset is recognized where it is probable that the future economic benefit attributable to the asset will flow to the Company and the cost of the asset can be measured reliably. Such assets are stated at cost less accumulated amortization.

iii) **Capital work- in-progress**

Capital work - in-progress is carried at cost. Revenue expenses exclusively attributable to projects & incurred during construction period are capitalized.

1.5 Depreciation / Amortization

(i) Depreciation is provided on Straight Line Method as per the useful life specified in Schedule II to the Companies Act, 2013 except for, underground cavern the useful life of which is considered as 60 years based on certification by independent expert.

(ii) Property, Plant and Equipment individually costing up to Rs. 5,000/- are being fully depreciated in the year of acquisition.

(iii) Right of use (ROU) with indefinite useful lives are not amortized, but are tested for impairment annually at the cash-generating unit level. The assessment of indefinite life is reviewed annually to determine whether the indefinite life continues to be supportable. If not, the change in useful life from indefinite to finite is made on a prospective basis.

(iv) Right of use (ROU) with definite useful lives is amortized over a period of lease.

1.6 Impairment of Assets

Management periodically assesses using external and internal sources whether there is an indication that an asset may be impaired. Impairment occurs where the carrying value exceeds the present value of the future cash flows expected to arise from the continuing use of the asset and its eventual disposal. An impairment loss is recognized in the statement of profit and loss to the extent, asset's carrying amount exceeds its recoverable amount. The recoverable amount is higher of an asset's fair value less cost of disposal and value in use. Value in use is based on the estimated future cash flows, discounted to their present value using pre-tax discount rate that reflects current market assessment of the time value of the money and risk specific to the assets.

1.7 Foreign Currency Transactions

i) The Company's financial statements are presented in Indian Rupee (INR) which is also functional currency of the Company.

ii) Transactions in foreign currencies are initially recorded at the exchange rates prevailing on the date of transaction.

iii) Monetary assets and liabilities denominated in foreign currencies are translated at functional currencies closing rate of exchange at the reporting date.

iv) Non-Monetary items that are measured in terms of historical cost in foreign currency are recorded at the exchange rates at the date of transactions.

v) Any gains or losses arising due to differences in exchange rates at the time of translation or settlement are accounted for in the Statement of Profit and Loss.

1.8 Financial instruments

(i) Financial assets

All financial assets are recognized initially at fair value and subsequently measured at amortized cost.

(ii) Financial Liabilities

All financial liabilities are recognized initially at fair value and subsequently measured at amortized cost.

(iii) De-recognition

Financial asset is derecognized when right to receive cash flow from the asset expires, or at transfer of the financial asset and such transfers qualify for de-recognition. Financial liability is derecognized when the obligation under the liability is discharged or expires.

1.9 Taxes on Income

Income tax comprises current tax and deferred tax. Deferred tax assets and liabilities are recognized for the future tax consequences of timing differences, subject to the consideration of prudence. Deferred tax assets and liabilities are measured using the tax rates enacted or substantively enacted by the balance sheet date. Deferred tax assets are recognized to the extent that it is probable that taxable profits will be available against which is deductible temporary differences can be utilized.

1.10 Grants

Government Grants (Revenue) are recognized in profit or loss on a systematic basis over the periods in which the Company recognizes as expenses, the related costs for which the grants are intended to compensate.

Government Grants (Capital) are initially recorded as liability in books of accounts and advance against related assets to be acquired from capital grant are recognized as Assets. On accomplishment of purpose of grant, the grant and related assets are shown net in the financial statements.

Grants received from Shareholder are recognized in profit or loss on a systematic basis over the periods in which the Company recognizes as expenses the related costs for which the grants are intended to compensate.

1.11 Leases

Ind AS 116 requires lessees to determine the lease term as the non-cancellable period of a lease adjusted with any option to extend or terminate the lease, if the use of such option is reasonably certain. The Company makes an assessment on the expected lease term on a lease-by-lease basis and thereby assesses whether it is reasonably certain that any options to extend or terminate the contract will be exercised. The lease term in future periods is reassessed to ensure that the lease term reflects the current economic circumstances.

Company as a Lessee

a) The company recognizes a right-of-use asset and a lease liability at the lease commencement date. The right-of-use asset is initially measured at cost, which comprises the initial amount of the lease liability adjusted for any lease payments made at or before the commencement date, plus any initial direct costs incurred and an estimate of costs to

dismantle and remove the underlying asset or to restore the underlying asset or the site on which it is located, less any lease incentives received.

b) The right-of-use asset is subsequently depreciated using the straight-line method from the commencement date to the earlier of the end of the useful life of the right-of-use asset or the end of the lease term. The estimated useful lives of right-of-use assets are determined on the same basis as those of property, plant and equipment. In addition, the right-of-use asset is periodically reduced by impairment losses, if any, and adjusted for certain re-measurements of the lease liability.

c) The lease liability is initially measured at the present value of the lease payments that are not paid at the commencement date, discounted using the interest rate implicit in the lease or, if that rate cannot be readily determined, holding company's incremental borrowing rate. Generally, the company uses its holding company's incremental borrowing rate as the discount rate.

d) Lease payments included in the measurement of the lease liability comprise the following:

- Fixed payments, including in-substance fixed payments;
- Variable lease payments that depend on an index or a rate, initially measured using the index or rate as at the commencement date;
- Amounts expected to be payable under a residual value guarantee; and
- The exercise price under a purchase option that the company is reasonably certain to exercise, lease payments in an optional renewal period if the company is reasonably certain to exercise an extension option, and penalties for early termination of a lease unless the company is reasonably certain not to terminate early.

e) The lease liability is measured at amortized cost using the effective interest method. It is remeasured when there is a change in future lease payments arising from a change in an index or rate, if there is a change in the company's estimate of the amount expected to be payable under a residual value guarantee, or if company changes its assessment of whether it will exercise a purchase, extension or termination option.

f) When the lease liability is re-measured in this way, a corresponding adjustment is made to the carrying amount of the right-of-use asset or is recorded in profit or loss if the carrying amount of the right-of-use asset has been reduced to zero.

Short Term Leases and Leases of Low Value Assets

The company has elected not to recognize right-of-use assets and lease liabilities for short-term leases of real estate properties that have a lease term upto 12 months. The company recognizes the lease payments associated with these leases as an expense on a straight-line basis over the lease term.

Company as a Lessor

Leases for which the Company is a lessor is classified as a finance or operating lease as per IND AS. For operating leases, rental income is recognized as per agreed terms of the lease. A lessor initially measures a finance lease receivable at the present value of the future lease payments plus any unguaranteed residual value accruing to the lessor. The lessor discounts these amounts using the rate implicit in the lease or, if that rate cannot be readily determined, holding company's incremental borrowing rate. Generally, the company uses its holding company's incremental borrowing rate as the discount rate.

1.12 Employee benefits

• Short-term obligations

Liabilities for wages and salaries including non-monetary benefits that are expected to be settled within the operating cycle after the end of the period in which the employees render the related services are recognised in the period in which the related services are rendered and are measured at the undiscounted amount expected to be paid.

• Defined Contribution Plans

Company's contribution paid/payable during the year to national pension scheme (NPS) fund are recognized as an employee benefit expense as operation and maintenance expense recoverable / recovered from GOI / MoP&NG under 'O & M Expense'.

• Defined benefit plans

The liability recognized in respect of gratuity is the present value of defined benefit obligation at the end of the reporting period less the fair value of plan assets. The defined benefit obligation is calculated annually by actuary using the Projected Unit Credit Method. Re-measurement comprising actuarial gains and losses and return on plan assets (excluding net interest) are recognized as operation and maintenance expense recoverable / recovered from GOI / MoP&NG under 'O & M Expense'.

•Leave Encashment & Compensated absences

Liabilities for leave encashment and compensated absences which are not expected to be settled wholly within the operating cycle after the end of the period in which the employees render the related service are measured annually by the actuary at the present value of the estimated future cash outflows which is expected to be paid using the projected unit credit method. Actuarial gains and losses are recognised as operation and maintenance expense recoverable / recovered from GOI / MoP&NG under 'O & M Expense' when they occur.

1.13 Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets (Ind AS- 37)

The Company recognizes a provision when there is present obligation as a result of past event and it is more likely than not that there will be an outflow of resources to settle such obligation and the amount of such obligation can be reliably estimated. Provisions are not discounted to their present value and are determined based on the management's best estimate of the amount of obligation at the year-end. These are reviewed at each balance sheet date and adjusted to reflect management's best estimates.

Contingent liabilities are disclosed in respect of possible obligations that have arisen from past events and the existence of which will be confirmed only by the occurrence or non-occurrence of future events not wholly within the control of the Company. Contingent liabilities are also disclosed for present obligations in respect of which it is not probable that there will be an outflow of resources or a reliable estimate of the amount of obligation cannot be made.

When there is a possible obligation or a present obligation where the likelihood of an outflow of resources is remote, no disclosure or provision is made.

Contingent Assets are not recognized and is disclosed, where an inflow of economic benefit is probable.

1.14 Earnings per Share

Basic Earnings per Share is calculated by dividing the net profit or loss for the period attributable to equity shareholders by the weighted average number of equity share outstanding during the period.

For the purpose of calculating Diluted Earnings per Share, the net profit or loss for the period attributable to equity shareholders and the number of shares outstanding during the period will be adjusted for the effects of all dilutive potential equity shares.

1.15 Inventory

Inventory of crude oil is valued at cost determined on 'First in First Out' basis or net realizable value, whichever is lower. Cost comprises all costs of purchases, cost of conversion and other costs incurred in bringing the inventory to the present location and condition.

1.16 Head Office Expenses Allocation

The head office expenses are allocated equally among all commissioned units/sites.

1B: Recent Amendments in Indian Accounting Standards (Ind AS) effective from financial year 2022-23

The Ministry of Corporate Affairs issued certain amendments vide notification dated 23rd March 2022 in following Indian Accounting Standards (Ind AS) on certain miscellaneous issues with effect from 1st April 2022 as detailed below:

a) Ind AS 109 Financial Instruments – Guidance provided on identifying substantial modification of the terms of an existing financial liability basis difference in discounted present value of the cash flows between old and new terms (the '10 percent' test).

b) Ind AS 16 Property, Plant and Equipment (PPE) – Clarification provided on accounting for excess of net sale proceeds of items produced over the cost of testing as deduction from the directly attributable costs considered as part of cost of an item of PPE.

c) Ind AS 37 Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets – Illustrative guidance provided on the cost of fulfilling a contract - incremental costs of fulfilling the contract and allocation of other costs that relate directly to fulfilling contracts, and clarification provided on recognizing impairment loss that has occurred on assets used in fulfilling the contract before a separate provision for onerous contract established.

The above are for information purposes only. None of these amendments is expected to have any material impact on the financial statements of the Company.

आईएसपीआरएल
ISPRL

इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड

(ओ.आई.डी.बी. की पूर्ण स्वामित्व की सहायक कम्पनी)
पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार
प्रधान कार्यालय : ओ.आई.डी.बी. भवन, तीसरी मंजिल, प्लॉट नं. 2, सैक्टर–73, नौएडा–201301, उ. प्र.
पंजीकृत कार्यालय : 301 वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर, तीसरी मंजिल, बाबर रोड, नई दिल्ली – 110001

Indian Strategic Petroleum Reserves Limited

(A wholly owned subsidiary of OIDB)
Ministry of Petroleum & Natural Gas, Govt. of India
Head Office: OIDB Bhawan, 3rd Floor, Plot No. 2, Sector-73, Noida, Uttar Pradesh-201301
Registered Office: 301, World Trade Centre, Babar Road, New Delhi-110001